गुरू घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

बिलासपुर (छत्तीसगढ़) भारत

वार्षिक प्रतिवेदन
2013-2014

पंचम दीक्षांत समारोह

Dr. L. Chaturvedi, VC, GGV Addressing

Dr. Madhav Menon, Chancellor, GGV Addressing

Memento Presenting to Dr. T. Ramasami

Proceeding Towards Convocation Hall

Student Receiving Degree

Students waiting for Oath Ceremony

वार्षिक प्रतिवेदन

(01.04.2013 से 31.03.2014 तक)

xq: ?kklhnkl fo'ofo|ky;
fcykliqj ¼NÙkhlx<½ Hkkjr&495009

nqjHkk"k% 07752-260283] 260353 QSDl% 07752-260148
osclkbV% www.ggu.ac.in bZ&esy% centralggu@ggu.ac.in

विश्वविद्यालयः दृष्टि एवं उद्देश्य

दृष्टि

17वीं शताब्दी के महान् सतनामी संत गुरू घासीदास के विचारों एवं शिक्षा से प्रेरित होकर गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा की सहायता से सामाजिक सशक्तिकरण, विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण हेतु प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय का मुख्य ध्यान विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के उभरते अंतर–अनुशासनात्मक क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण नवीन अकादमिक पाठ्यक्रम को उपलब्ध कराने एवं इसे सुदृढ़ करने पर है, जिससे न केवल विश्वविद्यालय, बल्कि अकादमिक जगत के ज्ञान भण्डार का भी निरंतर विकास हो। विश्वविद्यालय का उद्देश्य मूल्य आधारित संपूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, जिससे मानवता की सेवा हेतु सुशिक्षित समुदाय की अभिवृद्धि एवं विकास किया जा सके।

उद्देश्य

- निर्देशात्मक एवं शोध सुविधाओं के माध्यम से ज्ञान का विकास एवं प्रसार।
- मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के शैक्षणिक कार्यक्रमों में एकीकृत पाठ्यक्रम हेतु विशेष प्रावधान।
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया एवं अंतर–अनुशासनात्मक अध्ययन तथा शोध में नवीन ज्ञान को प्रोत्साहित करने हेतु यथोचित उपाय।
- राष्ट्र के विकास हेतु मानव शक्ति का शिक्षण एवं प्रशिक्षण।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास हेतु उद्योगों से संबंध स्थापित करना।
- ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रमों का निरूपण एवं आरंभ, जो व्यक्तियों, विशेषतः आवश्यक सुविधा से वंचित व्यक्तियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार कर सके तथा उनके बौद्धिक, अकादमिक व सांस्कृतिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर सके।

प्रेरणास्त्रोत

गुरु घासीदास

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का नामकरण दूरदर्शी समाज सुधारक संत गुरु घासीदास (1756–1836) के नाम पर हुआ है। जिन्होंने तत्कालीन भेदभाव पूर्ण सामाजिक व्यवस्था को चुनौती दी और शोषणमुक्त व वंशानुगत जाति व्यवस्था का खण्डन कर सामाजिक समानता को महत्व प्रदान किया। गुरु घासीदास ने सर्वग्राही दृष्टि और चरणबद्ध सुधार के माध्यम से प्रचलित सामाजिक अन्याय एवं असमानता को दूर करने में योगदान दिया। सतनाम पंथ 'सत्य ही ईश्वर है' में विश्वास करता है जो निर्गुण–निराकार और अनंत है। इनके द्वारा मदिरा–मांस के निषेध द्वारा आत्मशुद्धि का प्रयास किया गया। गुरु घासीदास के सिद्धांतों में चर–अचर के प्रति प्रेम एवं प्राणिमात्र के प्रति हिंसा निषेध प्रमुख हैं। सतनाम पंथ के अनुयायी सैकड़ों वर्षों से इन उपदेशों का अनुकरण करते आ रहे हैं। केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के उपरांत गुरूजी के विचारों को जीवन में उतारने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने अनेक कदम उठाए हैं। वर्तमान में हमारा विश्वविद्यालय परिसर मदिरा एवं तम्बाकू से पूर्णतः मुक्त है। गुरुजी की शिक्षाओं के अनुरूप भारत भर से आये विभिन्न वर्गों एवं जातियों के विद्यार्थियों को समानताधर्मी वातावरण विश्वविद्यालय के जीवंत परिसर में उपलब्ध है।

संपादकीय समिति

डॉ. अनुपमा सक्सेना राजनीति विज्ञान विभाग	अध्यक्ष
डॉ. मुरली मनोहर सिंह हिन्दी विभाग	अध्यक्ष (हिन्दी सम्पादकीय समिति)
डॉ. रमेश कुमार गोहे हिन्दी विभाग	सदस्य
डॉ. राजेश मिश्र हिन्दी विभाग	सदस्य
डॉ. वंदना तिवारी हिन्दी विभाग	सदस्य
डॉ. संतोष कुमार बघेल हिन्दी विभाग	सदस्य
श्री कृष्ण कुमार पासवान हिन्दी विभाग	सदस्य

आकड़ा संकलन

श्री सूरज कुमार मेहर
उप–कुलसचिव

श्री विनय सिंह
संगणक कार्यक्रम अधिकारी

श्री राजा जायसवाल
संगणक संचालक

श्री सतीश कुमार
कार्यालय सहायक

कुलगीत

गुरू कृपा के पुण्य परस से, विद्या का वरदान है।
घासीदास विश्वविद्यालय, हम सब का अभिमान है।

महानदी, शिवनाथ, नर्मदा, हसदो पावन धारा है।
अंतः सलिला अरपा का, सतत् प्रवाह हमारा है।
छत्तीसगढ़ की माटी का, यह अभिषेक महान् है।

भोरमदेव, सरगुजा, शिवरी, रतनपुर, मल्हार यहीं।
कालीदास का आम्रकूट है, अमर काव्य श्रृंगार यहीं।
धरती, गगन, सघन वन गूंजे, जीवन का नवगान है।

शस्य श्यामला धरती है, खेतों में हरियाली है।
नये भगीरथ कोरबा जैसी, लोक–शक्ति की लाली है।
जाग उठे हैं गांव हमारे, जागे सभी किसान हैं।

ज्ञान सभ्यता से आलोकित, विद्वत्जन सम्मान यहां।
माधव, लोचन, मुकुटधर पाण्डेय, बख्शी जी अरू भानु यहां।
राव, विप्र, रविशंकर, छेदी, कुंवर वीर का गान है।

मानव मूल्यों का सृजन करें हम, समता, ममता, शांति भरे।
हर्षित, पुलकित हो भारत मां, सुख–समृद्धि सर्वत्र झरे।
विद्या–मंदिर के प्रांगण से, नव–युग का अभियान है।

गुरू कृपा के पुण्य परस से .....

(यह कुलगीत प्रसिद्ध राजनेता, साहित्यकार एवं कवि स्वर्गीय पं. राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल, प्रथम अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा रचित है।)

अनुक्रमणिका

विश्वविद्यालयः दृष्टि एवं उद्देश्य **4**

1. प्रस्तावना **12**
- 1.1 विश्वविद्यालयः एक दृष्टि 12
- 1.2 पेलेट्रान त्वरक सुविधा 14
- 1.3 शैक्षणिक पाठ्यक्रम 20
  - 1.3.1 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग 20

2. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अंग **24**
- 2.1 विश्वविद्यालय की अध्ययनशालायें 24
  - 2.1.1 कला अध्ययनशाला 24
  - 2.1.2 अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला 29
  - 2.1.3 विधि अध्ययनशाला 36
  - 2.1.4 जीव विज्ञान अध्ययनशाला 37
  - 2.1.5 प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला 42
  - 2.1.6 गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान अध्ययनशाला 43
  - 2.1.7 प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला 45
  - 2.1.8 भौतिक विज्ञान अध्ययनशाला 55
  - 2.1.9 सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला 57
- 2.2 एकेडमिक स्टाफ कॉलेज 61

3. मानव संसाधन **64**
- 3.1 शिक्षक सदस्य 64
- 3.2 गैर शैक्षणिक कर्मचारी 64

4. वित्तीय संसाधन **66**
- 4.1 वित्तीय विवरण 66
- 4.2 आय–व्यय विवरण 67
- 4.3 मार्च 2014 तक तुलन पत्र की अनुसूचियां 68
- 4.4 अन्य अनुदानों/वित्तीय सहायताओं की प्राप्ति एवं भुगतान का विवरण 69
- 4.5 प्राप्ति एवं भुगतान 74

5. छात्र सांख्यिकी एवं सुविधाएं **76**
- 5.1 छात्र संख्या 76
  - 5.1.1 कुल छात्र संख्या 76
  - 5.1.2 नए नामांकन 76
  - 5.1.3 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग की छात्र संख्या 76
  - 5.1.4 प्रतिवेदन वर्ष में विभिन्न विभागों में शोधार्थियों की संख्या 84
- 5.2 परीक्षा परिणाम, विभूषित उपाधि एवं पत्रोपाधि 84
  - 5.2.1 परिणाम 84
  - 5.2.2 विभूषित उपाधि/पत्रोपाधि 84
  - 5.2.3 विभूषित पी–एच.डी. 85

5.3. विद्यार्थियों के लिए सुविधाएं 90
5.3.1 अधिष्ठाता, छात्र कल्याण 90
5.3.2 कुलानुशासक मंडल 95
5.3.3. अध्येतावृत्तियां 95
5.3.4 समान अवसर प्रकोष्ठ 96
5.3.5 आवासीय सुविधाएं 96
5.3.6 व्यायामशाला 98
5.3.7 प्रशिक्षण एवं संस्थापन प्रकोष्ठ 98

6. सामान्य सुविधाएं 100
6.1. आवासीय सुविधाएं 100
6.2. सम्मेलन कक्ष एवं प्रेक्षागृह 100
6.3 केन्द्रीय ग्रंथालय 101
6.4. कैफेटेरिया 102
6.5. केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग 102
6.6 स्वास्थ्य केन्द्र 102
6.7 सूचना, संचार तकनीकी एवं अभिकलन सुविधाएं 103
6.8 आंतरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ 103
6.9 मीडिया प्रकोष्ठ 103
6.10 राजभाषा प्रकोष्ठ 104
6.11. डाकघर एवं बैंक 104
6.12. सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ (आरटीआई) 104
6.13 खेलकूद सुविधाएं 104
6.14. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ 105
6.15. एस.टी.डी. /पी.सी.ओ./फोटोकापी कार्नर 105
6.16. यातायात सुविधाएं 105
6.17. उपकरणों के रख–रखाव से संबंधित सुविधाएं 105
6.18. एकीकृत विश्वविद्यालय प्रबंध तंत्र (आई.यू.एम.एस.) 105
6.19. विश्वविद्यालय मुद्रणालय 106

परिशिष्ट - 1

विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय 108
(अ) विश्वविद्यालय का कोर्ट 108
(ब) कार्यपरिषद् 111
(स) विद्यापरिषद् 112
(द) वित्त समिति 117
(इ) भवन समिति 117

परिशिष्ट- 2

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण 119
अ. अध्ययनशाला के अधिष्ठाता (01.04.2013 से 31.03.2014 तक) 119
ब. विश्वविद्यालय के अधिकारी 119
स. विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी 119

परिशिष्ट - 3

विश्वविद्यालय के शिक्षकगण (31.03.2014 की स्थिति में) 120
1. कला अध्ययनशाला 120
2. प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी अध्ययनशाला 121
3. विधि अध्ययनशाला 124
4. जीव विज्ञान अध्ययनशाला 124
5. प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला 126
6. गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान अध्ययनशाला 127
7. प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला 128
8. भौतिकी विज्ञान अध्ययनशाला 130
9. समाज विज्ञान अध्ययनशाला 131

परिशिष्ट - 4

विश्वविद्यालय शिक्षकों का अकादमिक योगदान 134
(अ) प्रकाशन 134
(ब) राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सहभागिता 136
(स) शोध परियोजनाएँ: 137

भाग - 1
प्रस्तावना

1. प्रस्तावना

1.1 विश्वविद्यालयः एक दृष्टि

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, सन् 1983 में स्थापित आवासीय विश्वविद्यालय है। 16वीं सदी के महान् सतनामी संत गुरू घासीदास के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय का उन्नयन, केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में, ग्यारहवी पंचवर्षीय योजना के दौरान केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत हुआ। यह विश्वविद्यालय इण्डियन यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन और कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन का सक्रिय सदस्य है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा बी 'ठ' मान्यता प्राप्त है।

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय नगर के बाहय हिस्से में अवस्थित है। बिलासपुर बहु–संस्कृतियों वाला नगर है जो न्यायधानी तथा संस्कारधानी के नाम से लोकप्रिय है। यहॉ दक्षिण–पूर्व–मध्य रेल्वे और दक्षिण–पूर्व कोलफील्ड लिमिटेड के मुख्यालय हैं। विश्वविद्यालय का आरंभ कुछ विभागों के साथ, बिलासपुर नगर के अस्थायी भवनों में, बहुत सामान्य–सी स्थितियों में हुआ। तदुपरांत, यह कोनी क्षेत्र में स्थित द्वितीय विश्व युद्ध के आर्मी बैरकों में स्थानांतरित हुआ जो कि अरपा नदी के बायीं ओर स्थित है। विश्वविद्यालय परिसर 656 एकड़ भूमि पर फैला हुआ है। परिसर प्राकृतिक रूप से हरा–भरा, जलस्रोतों एवं अछूती हरियाली के कारण अतुलनीय सौंदर्यशाली है।

विश्वविद्यालय युवा प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करता है और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को सरलतापूर्वक कौशल संपन्न करने के साथ–साथ ज्ञान की विभिन्न शाखाओं के माध्यम से चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण पर जोर देता है। विश्वविद्यालय में प्रौद्योगिकी संस्थान सन्निहित है। 32 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग हैं। यहॉ कई स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के साथ–साथ डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम प्रस्तावित करता है। इन सभी कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय अखिल भारतीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। प्रौद्योगिकी संस्थान एवं प्रबंध अध्ययन विभाग में प्रवेश क्रमशः ऑल इंडिया इंजीनियरिंग इंट्रेंस एक्जामिनेशन (एआईईईई) और मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट (मैट) के माध्यम से होता है। शैक्षणिक सत्र 2013–14 के दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों में 5958 विद्यार्थी पंजीकृत हुए।

छत्तीसगढ़ लंबे समय से पिछड़ा क्षेत्र रहा है। वर्तमान में यह देश के सर्वाधिक तेजी से विकास कर रहे राज्यों में से है। इस राज्य को बड़ी संख्या में कौशल संपन्न श्रमशक्ति की आवश्यकता है। इस क्षेत्र के लोग गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं प्रशिक्षण के माध्यम से इस अवसर का लाभ बेहतर ढ़ंग से प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय वर्तमान में वैश्विक मानकों के अनुरूप, शिक्षण एवं सीखने की प्रक्रिया को, बनाने के लिए कृत संकल्प है। विश्वविद्यालय शिक्षण की गुणवत्ता वृद्धि हेतु, राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त, नए शिक्षक सदस्यों की नियुक्ति कर रहा है। विश्वविद्यालय विद्यार्थी –शिक्षक अनुपात को आदर्श स्थिति में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। अध्ययन कक्षों को अच्छे फर्नीचर, वातानुकूलन तथा एल सी डी प्राजेक्टर जैसी सुविधाओं से आधुनिकीकृत किया गया है। विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन, आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा, एसाइनमेंट और सेमेस्टर परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में पारदर्शिता हेतु कक्षाओं में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा की उत्तर–पुस्तिकाओं को दिखाया जाता है एवं विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार हेतु उनकी सहायता की जाती है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की क्षमता की अभिवृद्धि के लिए समुचित सुविधा उपलब्ध कराता है जिसमें छात्रावास, कैफेटेरिया, व्यायामशाला, एमीनिटी सेंटर, वाई–फाई आदि हैं। विश्वविद्यालय विभिन्न उपचारात्मक कक्षाओं, स्पोकेन इंग्लिश, व्यक्तित्व विकास और प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण के माध्यम से परामपरागत रूप से पिछड़े अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सौहार्द्रपूर्ण एवं उपयुक्त वातावरण के लिए आवश्यक कदम उठाए गये हैं। केन्द्रीय ग्रंथालय में एक लाख से अधिक पुस्तकों के संस्करण उपलब्ध हैं और अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं की खरीदी की गयी है। केन्द्रीय ग्रंथालय के अतिरिक्त ज्यादातर विभागों के पास अपना पुस्तकालय है। परिसर एवं छात्रावास में बेहतरीन खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय की योजना एक नये स्टेडियम, तरणताल और टेनिस कोर्ट के निर्माण के द्वारा खेलकूद सुविधाओं में वृद्धि की है। परिसर को जीवन्त रखने के लिए वर्ष पर्यन्त गतिविधियॉ आयोजित की गयी

जिसमें गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, विश्वविद्यालय स्थापना दिवस, शिक्षा दिवस, विवेकानंद जयंती, शिक्षक दिवस, गुरू घासीदास जयंती आदि प्रमुख हैं। विश्वविद्यालय में खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ–साथ विद्यार्थियों को सामाजिक –सामुदायिक भागीदारी हेतु भी प्रोत्साहित किया गया। इन गतिविधियों के द्वारा विद्यार्थी जीवन की प्रतियोगी संस्कृति के अभ्यस्त होते हैं। समय–समय पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं, जिससे विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण व्यक्तियों के विभिन्न जीवाननुभवों संबंधी नए विचार प्राप्त होते हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों द्वारा विद्यार्थियों के प्रयोगिक ज्ञान के लिए फील्ड वर्क, औद्योगिक इकाइयों की यात्रा एवं शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया जाता है। विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता के विकास हेतु विश्वविद्यालय ने छात्र परिषद् का गठन सफलतापूर्वक किया। छात्र परिषद् विश्वविद्यालय के सभी छात्रों का प्रतिनिधित्व करता है और निर्णयगत प्रक्रियाओं में विद्यार्थियों के स्वर के रूप में काम करता है।

विकासगत प्रक्रियाओं की चुनौतियों का सामना करने के लिए विश्वविद्यालय समुदाय गुणवत्तायुक्त शोध एवं विकास के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से बेहतर सामाजिक योगदान के लिए तत्पर है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण, वन्य प्रबंधन और विकासगत नीतियां प्रमुख हैं। शिक्षकों की अभिवृद्धि के लिए एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज नियमित ढ़ंग से उन्मुखीकरण एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन करता है। इन पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की सहायता ली जाती है।

यह विश्वविद्यालय आने वाले वर्षों में राज्य–विश्वविद्यालय के लिए आदर्श प्रस्तुत करने हेतु सकारात्मक रूप से क्रियाशील है तथा इस क्षेत्र के क्षमतावान विद्यार्थियों के विकास हेतु शैक्षिक अवसर प्रदान करता है। राष्ट्रीय ज्ञान आयोग के दो महत्वपूर्ण उद्देश्यों ''उच्च शिक्षा को ज्ञान–समाज की आवश्यकताओं एवं अवसरों के अनुरूप प्रासंगिक बनाना'' तथा ''उच्च शिक्षा को समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए सर्वग्राह्य बनाना'' की ओर विश्वविद्यालय सतत् अग्रसर है।

1.2 पेलेट्रान त्वरक सुविधा

(राष्ट्रीय त्वरक आधारित शोध केन्द्र)

पेलेट्रान आधारित त्वरक केन्द्र के निकट भविष्य में शुरू होने से उन्नत शोध की दिशा में एक नया आयाम जुड़ जायेगा व यह शोध के लिए मील का पत्थर साबित होगा। त्वरक मशीन को स्थापित किया जा चुका है और इसका बीम परीक्षण कर लोकार्पण आगामी कुछ महीनों में हो जायेगा। यह तीन मेगा बोल्ट का एक डी.सी. त्वरक है, जो टेंडम पद्धति में कार्य करके आयन बीम की ऊर्जा को प्रदायित विभव से दुगुना त्वरित करता है। यह पूर्ण सुविधा त्वरक आधारित राष्ट्रीय शोध का भाग है जिसे विश्वविद्यालय परिसर में परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली तथा अंतर विश्वविद्यालयीन त्वरक के वित्तीय सहयोग एवं भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, कोलकाता आदि के तकनीकी सहयोग से स्थापित किया जा रहा है। देश में अपनी तरह का द्वितीय एवं समस्त विश्वविद्यालयों में प्रथम, इस त्वरक केन्द्र की अपनी कुछ खास विशेषताएं हैं।

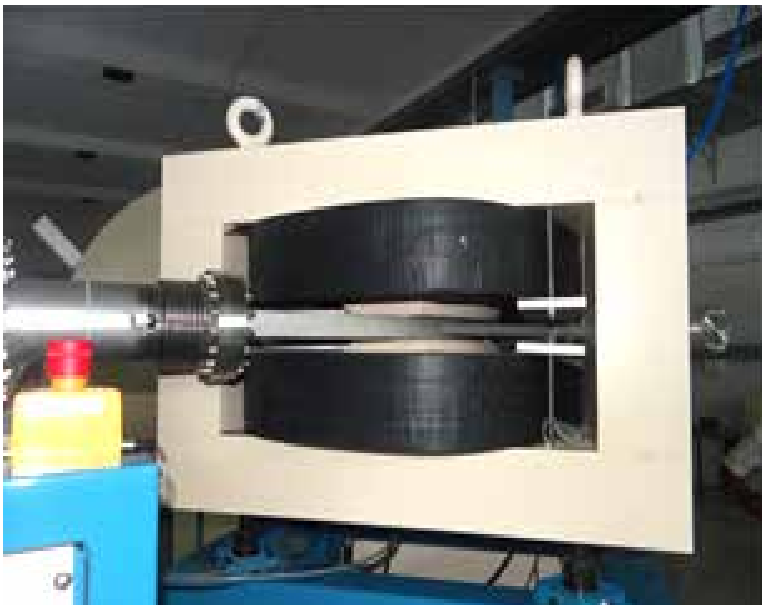

संक्षिप्त परिचय

त्वरक एक जटिल मशीन है जो विद्युत आवेश युक्त कणों का वेग बढ़ाता है। पेलेट्रान मशीन कणों के वेग को प्रकाश के वेग का 1/6 भाग तक बढ़ा सकता है। त्वरक मशीन का केन्द्रीय भाग एक पेलेट्रान टैंक है जहां अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग 3 मिलियन वोल्ट स्थित विद्युत विभवांतर पैदा किया जाता है। पूरी त्वरक प्रणाली को उच्च निर्वात (10–7 मिली पारे के दबाव पर) पर रखा गया है। त्वरक 6 मिलियन इलेक्ट्रान वोल्ट ऊर्जा का प्रोटान त्वरित करने में सक्षम है और वस्तुतः आवर्त सारिणी के अधिकाधिक तत्वों से आयन बीम प्रदाय कर सकता है। किसी तत्व के आयन को त्वरण प्रदान करने की शर्त यह है कि उस तत्व के स्थायी ऋणात्मक आयन पैदा होते हों। उच्च दबाव टैंक के बाहर की दिशा में ऋणात्मक आयन स्रोत स्थित है। ऋणावेशित आयन बीम दो आयन स्रोतों (स्निक्स–।।/टोरविस) में से किसी से भी पैदा होते हैं। इंजेक्टर सिस्टम पैदा हुये आयन बीम में से एक विशेष आयन बीम का चयन कर इसे पेलेट्रान त्वरक टैंक की दिशा में निर्देशित करता है, इसमें विद्युत स्थैतिक विश्लेषण, वक्रीय चुंबक एवं उन्नत दिशा निर्देशक तंत्र शामिल है। आयन बीम त्वरक नलिका से होकर लगातार त्वरण ऊर्जा प्राप्त करते हुए आवेशित टर्मिनल की तरफ बढ़ती है जहां पर अधिकतम 3 मेगा वोल्ट विभव रहता है। टर्मिनल से गुजरते समय आयन बीम एक अपसारक (स्ट्रीपर) गैस के संपर्क में आकर इलेक्ट्रांस को निकाल देती है जिससे ऋणात्मक आयन धनात्मक आयन में परिवर्तित हो जाते हैं जिसके फलस्वरूप टर्मिनल विभव इसको पुनः त्वरित कर इसकी त्वरक नलिका में भेज देता है जहां दूसरी बार आवश्यक त्वरण ऊर्जा प्राप्त कर आयन बीम को विश्लेषक लाइन

में प्रवेशित कराया जाता है जो इसे लक्ष्य स्टेशन तक पहुंचाती है। वर्तमान में बीम हाल में दो बीम लाईन्स स्थापित की गयी है। इस अंतर विषयक केन्द्र में अभी तक दो लक्ष्य स्टेशन स्थापित कर उनमें निर्वात का परीक्षण कर लिया गया है तथा बीम प्रवेशित कराने हेतु तैयार है। उच्च ऊर्जा वाले प्रतिरोपण बीम लाईन में अत्यधिक तीव्रता के धनात्मक आयन बीम को विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों पर डाला जायेगा। आयन बीम की क्षमता 10–14 कण/सेकेण्ड तक हो सकती है यह आयन की प्रकार व उसके आवेष पर निर्भर करेगा। दूसरी बीम लाईन आयन बीम विश्लेषण तकनीक के लिए समर्पित है जिसमें रदरफोर्ड पश्च विकीर्णन (आर.बी.एस.) अग्रगामी संघट्य स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफ.आर.एस.) नाभिकीय अभिक्रिया विश्लेषण (एन.आर.ए.), चैनलिंग एवं कण प्रेरित एक्सरे उत्सर्जन पिक्सी तकनीकें शामिल हैं। केन्द्र में पदार्थ विज्ञान, नैनो तकनीक, पर्यावरण विज्ञान, पालिमर रसायन, पदार्थ रसायन, जैव विविधता के संरक्षण, जीव विज्ञान, रेडियो बायोलाजी, बायो तकनीक, फार्मास्यूटिकल्स, मालिक्यूलर बायोलाजी, वानिकी, कृषि आदि क्षेत्रों के परास्नातक एवं शोध छात्रों को भी प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करेगा एवं गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध हेतु अत्याधुनिक शोध सुविधाएं प्रदान करेगा।

भवन

त्वरक केन्द्र का भवन अनेक चुनौतियों के बावजूद निर्धारित अवधि में तैयार हो गया। भवन निर्माण संरचना में त्वरक संचालन व इसके उपयोग से जुड़े विभिन्न सुविधाओं के साथ–साथ सुरक्षा के पहलुओं का विशेष ध्यान रखा गया है। परमाणु ऊर्जा नियामक आयोग के विकिरण सुरक्षा मानकों के अनुसार अनुमति प्राप्त कर कंक्रीट की एक मीटर मोटी दीवाल का निर्माण किया गया है। बीम हाल अंदर से 33.20 मीटर लंबा, 14.20 मीटर चौडा एवं 7.60 मीटर ऊंचा है। इसके छत की मोटाई 0.75 मीटर है। त्वरक केन्द्र हेतु सभी आवश्यक सुविधाएं व आधारभूत संरचनाएं पूरी कर ली गई है।

पेलेट्रान तंत्र का आगमन

निर्माताओं (एन.ई.सी.) द्वारा पोतारूढ़ पेलेट्रान त्वरक कोलकाता हवाई अड्डे पर उतारा गया। सड़क मार्ग से तीन बड़े ट्रकों के द्वारा पांच दिनों में ये संयंत्र सितम्बर 2013 में विश्वविद्यालय परिसर में लाए गए। संयंत्रों के वाहन एवं उतार चढ़ाव के लिए विशेष योजनाएं एवं सावधानियां बरती गई थी।

पेलेट्रान टैंक

पेलेट्रान विशेष रूप से निर्मित एक उच्च दबाव के टैंक में स्थापित है। टैंक की लम्बाई 5.7 मीटर एवं व्यास 1.83 मीटर है। टैंक का आयतन 14.9 घन मीटर है। त्वरक एवं सीसे के शील्डिंग परत समेत टैंक का कुल वजन 12.7 टन है। उच्च विभव पर परिचालन के समय टैंक के अंदर सल्फर हेक्सा फ्लोराइड गैस 100 पीसिंग के दबाव पर जिसकी मात्रा 620 किलोग्राम होती है, अतिरिक्त रूप से भरी जाती है। टैंक के अंदर त्वरण नलिका, टर्मिनल अपसारक (स्ट्रीपर) नलिका, जेनेरेटिंग वोल्टेज मीटर (जी.व्ही.एम.) कोरोना प्रोब एस.एफ. 6 गैस, पुनः संचरण तंत्र रखे गए है। अपने वृहद आकार एवं भार के कारण टैंक को बीम हाल के अंदर क्रेन व अन्य विशेष उपकरणों की मदद से सफलता पूर्वक स्थापित किया गया है। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जिसे एक लम्बी चलने वाली प्रक्रिया के तहत अत्यन्त योजनाबद्व तरीकों एवं सावधानियों की आवश्यकता थी।

एस.एफ.6 गैस का स्थानांतरण एवं भंडारण पेलेट्रान टैंक की सेवा लिए जाने की शुरूआत में आवश्यक होता है और बहुमूल्य एस.एफ.6 गैस का भंडारण और अस्थायी रूप से करना होता है और इस प्रकार एक भंडारण टैंक बीम हाल में रखा जाता है, पेलेट्रान एक पुर्नप्रसरण तंत्र से संयोजित होता है, जो उच्च वैद्युत प्रतिरोधक कार्य निष्पादन हेतु गैस को आवश्यकता अनुसार शीतल, गर्म एवं परिशोधित करता है।

आयन स्रोत

1. सीजियम स्पटरिंग के द्वारा उत्पन्न ऋणायन स्रोत निर्वात परीक्षित एवं स्थापित दूसरी पीढ़ी का ऋणायन स्रोत है, जो कि अद्यतन रूप से परिवर्धित एवं विकसित है।
   संयंत्र संचालन के आधार सिद्धांत निम्नलिखित हैः– सीजियम भट्‌टी में से सीजियम वाष्प ठण्डे कैथोड एवं उष्ण आयनीकृत सतह के बीच संलग्न क्षेत्र में आता है। कुछ आयन कैथोड के समक्ष संघनित हो जाते है, और कुछ सीजियम गर्म आयन कारक सतह

   द्वारा आयनीकृत हो जाते हैं। आयनीकृत सीजियम का त्वरण संघनित कैथोड के स्तर से होते हुए कैथोड की ओर होता है। कुछ पदार्थ अधिमान्य ढंग से ऋणायन निकाल देते है। अन्य पदार्थ सामान्य तौर पर अक्रियात्मक या धनात्मक आयन निकालते हैं, जो कि ऋणात्मक आयन उत्पन्न करते संघनित सीजीयम आयन के पास के पास पहुंचते ही इलेक्ट्रान को अपने साथ ले लेते हैं।
2. टी.ओ.आर.ओ.आई.डी.ए.एल. वाल्यूम – आयन स्रोत (टी.ओ.आर.व्ही.आई.एस.) स्पंदित वाल्यूम आयन स्रोत का डी.सी.रूप में। संक्रांति क्षेत्र के योग में यह सम्पूर्ण प्लाज्मा चैंबर को घेर लेता है। यह स्रोत एक कोणीय चुंबकीय परिशोधन क्षेत्र का निगमन करता है और मन्द इलेक्ट्रानों के हाइड्रोजन अणु से मिलान के लिए बेहतर स्थिति उत्पन्न करता है। टी.ओ.आर.व्ही.आई.एस. स्थायी होता

है एवं हाइड्रोजन एवं हीलियम के लिए उच्च वैद्युत धारा उत्पन्न करने के लिए अच्छे से काम करता है। स्थापित टी.ओ.आर.व्ही. आई.एस. हाइड्रोजन एवं हीलियम किरणों के लिए आयन स्रोत बना होता है। एक्ट्रैक्शन लेंस सिस्टम और रबीडियम चार्ज अपना प्रकोष्ठ बदलते हैं। यह आयन स्रोत 50 माइक्रो एम्पीयर आयन स्रोत की आपूर्ति कर सकता है और इस प्रकार देश में एक ठोस न्यूट्रॉन उत्सर्जन सुविधा स्थापित करने की संभावना प्रदान करता है। जैसा कि पूर्व में वर्णित है आयन स्रोत की स्थापना बीम हाल में की जा चुकी है एवं प्रारंभिक परीक्षण जैसे निर्वात परीक्षण किया जा चुका है। शीघ्र ही परफारमेंस परीक्षण प्रारंभ किया जायेगा । आयन स्रोत का परफारमेंस परीक्षण वेंडर साईट पर किए गए है, जिसके परिणाम उत्साहजनक रहे, जो कि नीचे प्रदर्शित है:–

इंजेक्शन सिस्टम

आयन स्रोत के ठीक बाद एक अंतः क्षेपण प्रणाली लगाई गई है, जो आयन स्रोत में पैदा हुए ऋणात्मक आयनों को एक्सट्रैक्टर की मदद से निकालकर बीम लाईन में प्रेषित करती है, जहां पर आयनों को दिशा निर्देशन हेतु विभिन्न उपकरण यथा स्थैतिक विद्युत दिशा निर्देशकों एवं ऐंजिल लेंसों की मदद से आयन बीम के रूप में बीम लाईन में परिवहन किया जाता है। आयन बीम के स्वरूप को देखने के लिए एवं इसके क्षैतिज एवं उर्ध्वाधर स्वरूप को ठीक करने के लिए बीम प्रोफाईल मानिटर उपलब्ध है। इसी प्रकार आयन बीम की धारा के मापन हेतु फैराडे कप को बीम में लगा दिया जाता है निर्धारित उर्जा एवं आवेश के आयन बीम को निर्धारित मैगनेट के द्वारा अलग – अलग कोणो पर मोड़ा जाता है जिससे एक समय में एक ही उर्जा व आवेश के बीम उपलब्ध हो सके।

उच्च उर्जा लाईन

त्वरक से निकलने वाले धनात्मक आयन बीम को तीन टन के स्विचिंग मैगनेट की सहायता से उच्च उर्जा लाईन की उपलब्ध दो बीम लाईन्स में से किसी एक में प्रवेशित कराया जाता है। इन दोनों बीम लाइनों में उन्नत तकनीक के उपकरण उपलब्ध है, जिनकी मदद से लक्ष्य तक अधिकतम उर्जा एवं अपेक्षित बीम के स्वरूप को बनाये रखते हुए आयन बीम को पहुंचाया जाता है।

प्रयोग हेतु स्टेशन

vk;u che fo'y"k.k

यह एक सामान्य कार्य हेतु उच्च उर्जा की बीम लाईन है, जिसमें विकीर्णन संबंधी प्रयोगों हेतु आवश्यक घटक एवं आयन बीम को सुगमतापूर्वक विश्लेषण/स्विचिंग मैंगनेट नेट से लक्ष्य तक ले जाने के लिए दिशा निर्देश उपलब्ध है। स्विचिंग मैग्नेट से लक्ष्य की दूरी 2 मीटर की है। इस बीच में एकल स्लिट बाक्स, बीम प्रोफाईल मानिटर व फैराडे कप इस कार्य में सहायता करता है। फैराडे कप सीधे नियंत्रण कक्ष से निर्देशित किया जाता है।

p|ufy|x

इस तकनीक से विश्लेषण हेतु न्यूनतम डायवर्जन की आयन बीम की आवश्यकता होती है, जिसके लिए आयन बीम को परिवहन हेतु उपरोक्त वर्णित उपकरणों के अलावा एक डबल स्लिट की भी व्यवस्था है। इस स्लिट्स की स्थिति क्षैतिज व उर्ध्वगामी है व 1 मिमी के आकार की यह स्लिप एक मीटर के अंतर पर लगायी गई है। जिससे आयन बीम की अधिकतम फैलाव का आधा कोण 0.5 मिली रेडियन तक रहता है।

नियंत्रण प्रणाली

नियंत्रण कक्ष में स्थित कम्प्यूटर आधारित नियंत्रण प्रणाली रदरफोर्ड पश्चगामी विकीर्णन के विश्लेषण एवं आरसी –43 एवं स्टेशन में लक्ष्य की स्थित व उपलब्ध डाटा को एकत्रित करता है तथा प्रयोग के दौरान एकत्रित डाटा का विश्लेषण करता है।

टारगेट चैंबर

एल्यूमीनियम की 2 इंच मोटी सीट से बना विकीर्णन चैंबर जिसका व्यास 17 इंच उंचाई 8 इंच है, आयन बीम विश्लेषण के प्रयोगो हेतु लगाये जाने वाले टारगेट मैन्युपुलेटर, सालिड स्टेट पार्टिकल डिटेक्टर, बीम कोली मेटर व टर्बो मालिक्यूलर पम्प हेतु स्थिर आधार प्रदान करता है। इसके ऊपरी ढक्कन में विशेष प्रकार का ताला 5 मिनट के अन्दर प्रयोगों के दौरान टारगेट परिवर्तन किए बिना, निर्वात को कम किये बिना, कर देता है। उक्त चैम्बर में 50 मिमी वर्गफल का सिलीकान आधारित सरफेस बैरियर डिटेक्टर, प्रीएम्लीफायर, एम्पलीफायर एवं उच्च विभव वाली विद्युत आपूर्ति लगायी गई है। साथ ही एक अतिरिक्त चल संसूचक भी उपलब्ध है।

आकड़ों का विश्लेषण

उक्त चैंबर से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण एवं आकड़ों का एकत्रीकरण आर–43 साफ्टवेयर द्वारा किया जाता है जिसमें मात्रात्मक विश्लेषण का प्रावधान है। इसमें पिक्सी आधारित विश्लेषण प्रणाली भी शामिल है। इसके अन्तर्गत एक 30 मिमी वर्ग का सिलीकान लीथियम डिटेक्टर जिसकी ऊर्जा क्षमता 160 इलेक्ट्रान वोल्ट है। इसके साथ प्रीएम्पलीफायर एक्सपेक्ट्रोस्कोपी, एम्पलीफायर, पावर सप्लाई, निम बिन, संवाहक तार व एक्स रे फिल्टर होल्डर भी लगाए गए हैं। नियंत्रण कम्प्यूटर प्रणाली (आर.सी.43) में एल.एम.लाईन के साथ एम.सी.ए. के बोर्ड से नियंत्रित करता है। यह प्रणाली 1 साथ रदरफोर्ड पश्चगामी विकीर्णन व फोटान उत्प्रेरित एक्स–रे उत्सर्जन के आकड़ो को एक साथ एकत्रित कर उनके मात्रात्मक विश्लेषण करने में सक्षम है।

आयन प्रतिरोपण हेतु बीम लाईन

आयन प्रतिरोपण बीम लाईन रेस्टर स्कैनिंग के द्वारा आयन बीम के स्कैनिंग की सुविधा से युक्त है, जिसके द्वारा एक बड़े क्षेत्रफल पर समान रूप से आयन बीम को डाल सकता है। बीम की क्षमता के हिसाब से उर्जा व आवेश के अनुपात एम.ई.वी./आवेश के छः अनुपात पर यह क्षेत्रफल 150 ग 150 मिली मीटर तक हो सकता है। इस हेतु एक उन्नत तकनीक का रेस्टर स्कैनर व स्थित विद्युतीय

प्लेट लगायी गयी है। उपरोक्त वर्णित विवरण के अनुसार यह प्रतिरोपण स्टेशन अत्याधुनिक प्रयोग हेतु निर्वात में परीक्षित कर लिया गया है।

नियंत्रण प्रणाली

पेलेट्रान त्वरक नियंत्रण प्रणाली नियंत्रण कक्ष सें मशीन के विभिन्न घटकों का संचालन करने, उनके मापन एवं प्रणाली के सुचारू संचालन के विषय में फीडबैक प्रदान करती है। नियंत्रण एवं मापन का कार्य विभिन्न घटकों हेतु निर्धारित मानक

समुच्चय के आधार पर होता है, जिनका निर्धारण विभिन्न प्रकार के काम्बीनेशन में किया जा सकता है और यह मशीन के अपेक्षित उपयोग पर निर्भर करता है। नियंत्रण प्रणाली एक्सेलनेट साफ्टवेयर से संचालित है, जो सभी कार्यो का नियंत्रण करती है। नियंत्रण प्रणाली व त्वरक मशीनों के घटकों के बीच संचार मानक नेटवर्क संचार प्रणाली यथा – ईथरनेट, सीरियल लिंक व कुछ प्रोप्राइटरी बसेस के द्वारा होता है। फाईबर आप्टिक द्वारा टेलीमेट्री प्रणाली का उपयोग त्वकर मशीन के अन्दर, जहां पर किलो वोल्ट से मेगा वोल्ट का विभव होता है, को संकेत प्रदान करने हेतु किया जाता है, ताकि सिग्नल को उच्च विभव से पूरी तरह से पृथक किया जा सके। पेलेट्रान त्वरक मशीन को विद्युत आपूर्ति हेतु एसीपीसी पॉवर केन्द्र दिया गया है, जिसमें मुख्य ब्रेकर अनेक पृथक–पृथक घटकों हेतु छोटे सर्किट ब्रेकर मोटर स्टार्टर्स व 120 वीएसी का ट्रांसफार्मर लगभग सभी विद्युतीय उपकेन्द्र जो कि त्वरक मशीन के विभिन्न अवयवों को विद्युत प्रदान करते हैं, एसीपीसी के द्वारा प्रदाय होता है।

सेवाएं

बीम हॉल हेतु वायु प्रबंधन इकाई स्थापित की गई है। बीम हाल एवं त्वरक केन्द्र में वायु प्रवाह अनुकूलन इस प्रकार से संयोजित किया गया है, ताकि वायु में रेडियोधर्मिता न होने पाये। विकिरण सिल्डिंग व वायु प्रवाह की आवश्यकताएं निर्धारित करते समय बीम हाल के अन्दर न्यूट्रान्स के उत्पादन होने के आधार पर तय की गई है। उक्त वायु प्रवाह प्रणाली इस प्रकार से नियंत्रित है ताकि प्रति घण्टे एक बार शुद्ध वायु बीम हाल में पहुंचे। इसमें एक केन्द्रीय वातानुकुलित प्रणाली लगाई गई है जो बीम हाल के तापमान को 24 डिग्री सेंटीग्रेट पर नियंत्रित रखती है। पेलेट्रान त्वरक टेंक, आयन स्रोत लक्षित स्टेशन व इनसे जुड़ी बीम लाईन्स दाब आधारित प्रणाली से काम करते हैं। इनमें फैराडे कप व निर्वात हेतु लगाये गये गेट वाल्व, वायु दबाव प्रणाली से संचालित होते हैं। वायु दबाव प्रणाली को स्थापित कर फरवरी 2014 में परीक्षण किया गया है। यह सफलतापूर्वक कार्य कर रही है व निर्धारित 6 बार का दबाव पैदा कर रही है।

विद्युत प्रणाली

विद्युत ऊर्जा प्रदाय हेतु विस्तृत प्रबंधन लागू किये गये हैं। प्रणाली का संचालन इस प्रकार किया गया है कि 315 केवीए के ट्रान्सफार्मर से आने वाली विद्युत 100 केवीए यूपीएस से होकर अस्थाई विभव की विद्युत ऊर्जा त्वरक मशीन के विभिन्न घटकों को उनके लोड के आधार पर विभाजित की गई है। डीजल जनरेटर पर आधारित वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था भी स्थापित की गई है ताकि त्वरक मशीन में चलने वाले प्रयोगों के बीच व्यवधान उत्पन्न न हो। आशा है कि उक्त वैकल्पिक व्यवस्था से प्रयोगकर्मी अपना कार्य सुगमता से कर सकेंगे। विद्युत प्रणाली कार्य कर रही है एवं इसमें आवश्यक परिवर्तन परीक्षण के दौरान किए जा रहे हैं ताकि पूरी प्रणाली निर्वाध रूप से कार्य करे।

सुरक्षा

हालाकि इस त्वरक केन्द्र में उत्पन्न होने वाले विकिरण का स्तर किसी भी तरह के मानक स्तर से हमेशा कम होगा, क्योंकि विकिरण सुरक्षा हेतु बीम हाल के दीवारों की मोटाई आवश्यकता से अधिक रखी गई है। इसके बावजूद विकिरण स्तर को लगातार मापन हेतु विभिन्न स्थलों पर विकिरण मापक यंत्र लगाये गये हैं। अनेक एक्सरे व न्यूट्रान मॉनिटर स्थापित किये गये हैं। पूरी व्यवस्था इस प्रकार की गई है कि त्वकर केन्द्र में पूरी तरह से विकिरण सुरक्षा सुनिश्चित हो। त्वरक केन्द्र में कार्यरत व्यक्तियों हेतु थर्मोल्युमिनिसेंसेस बैचेज प्राप्त किये गये हैं। विकिरण सुरक्षा के अनुरूप इंटरलॉकिंग प्रणाली जो कि किसी भी सुरक्षा के खतरे की स्थिति में त्वरक मशीन को बंद कर देगी, लगाई जा रही है और इसका कार्य प्रगति पर है।

वर्तमान स्थिति

प्रतिवेदन अवधि के दौरान परमाणु ऊर्जा नियामक आयोग, भारत सरकार से स्थल एवं निर्माण की अनुमति एवं जिलाधिकारी बिलासपुर से लोकल क्लियरेंस प्राप्त हो गया है। एसएफ–6 टेंक की अनुमति भी महानिदेशक विस्फोटक, नागपुर, भारत सरकार से प्राप्त हो गई है।

सबसिस्टम	आब्टेन्ड वेल्यु एन एमएमएस ऑफ मर्करी
आयन सोर्स	1.0 x 10-7
इन्जेक्शन लाईन	1.3 x 10-7
पेलेट्रॉन टैंक	4 x 10-7
हाई एनर्जी बीम लाईन	2 x 10-6

इसके पूर्व कि आयन बीम परीक्षण शुरू किया जा सके, पूरे त्वरक प्रणाली में निर्धारित निर्वात प्राप्त करना आवश्यक है। उक्त निर्वात प्रणाली स्थापित कर इसका परीक्षण किया गया है। विभिन्न उप तंत्रों में उपलब्ध निर्वात की स्थिति निम्नवत है:–

1.3 शैक्षणिक पाठ्यक्रम

प्रतिवेदन वर्ष में विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों में विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जो इस प्रकार हैं –

1.3.1 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग

संकाय/ अध्ययनशाला	विभाग	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या	अवधि (वर्ष में)
कला	आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग	एकीकृत स्नातक/ परास्नातक	60	5
		स्नातकोत्तर	60	2
		डिप्लोमा इन फ्रेंच लैग्वेज	25	1
		डिप्लोमा इन जर्मन लैग्वेज	25	1
		पी–एच.डी.	'	4
	हिन्दी	एकीकृत स्नातक/ परास्नातक	60	5
		स्नातकोत्तर	60	2
		पी–एच.डी.	'	5
	पत्रकारिता एवं जनसंचार	एकीकृत स्नातक/ परास्नातक	60	5
		पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर (एम.एम.सी.जे.)	30	2
		पी–एच.डी.	'	4
	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	एकीकृत स्नातक/ परास्नातक	60	5
		पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (बी.लिब.)	60	1
		पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.लिब.)	50	1
		पी–एच.डी.	'	4
	शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद	बी.पी.एड	50	1
		एम.पी.एड.	40	2
		पी–एच.डी.	'	16
अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी	रासायनिक अभियांत्रिकी	बी.टेक	60	4
		एम.टेक.	18	2
		पी–एच.डी.	'	
	सिविल अभियांत्रिकी	बी.टेक	40	4
		पी–एच.डी.	'	
	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	बी.टेक	60	

संकाय/ अध्ययनशाला	विभाग	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या	अवधि (वर्ष में)
		पी–एच.डी.	'	
	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड संचार अभियांत्रिकी	बी.टेक	60	4
		पी–एच.डी.	'	
	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	बी.टेक	60	4
		पी–एच.डी.	'	
	सूचना अभियांत्रिकी	बी.टेक	60	4
	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	बी.टेक	60	4
		एम.टेक	18	2
जीव विज्ञान	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	एकीकृत स्नातक / परास्नातक	60	5
		एम.ए. / एम.एस.सी.	40	2
		एकीकृत एम.फिल. / पी–एच.डी.	'	
		पी–एच.डी.	'	4
	जैव प्रौद्योगिकी	एकीकृत स्नातक / परास्नातक	60	5
		परास्नातक	60	2
		पी–एच.डी.	'	4
	वनस्पतिशास्त्र	एकीकृत स्नातक / परास्नातक	60	5
		स्नातकोत्तर	40	2
		पी–एच.डी.	'	4
	प्राणिविज्ञान	एकीकृत स्नातक / परास्नातक	60	5
		परास्नातक	40	2
		पी–एच.डी.	07	4
	न्यायालयिक विज्ञान	एकीकृत स्नातक / परास्नातक	30	5
		परास्नातक	20	2
प्रबंध एवं वाणिज्य	वाणिज्य	एकीकृत स्नातक / परास्नातक	500	5
		परास्नातक (एम.कॉम.)	75	2
		पी–एच.डी.	'	4
	प्रबंध अध्ययन	एम.बी.ए.	60	2
		पी–एच.डी.	'	4
गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	एकीकृत स्नातक / परास्नातक	60	5
		एम.एस.सी. आई.टी.	60	2
		एम.सी.ए.	60	3
		पी–एच.डी.	'	4
	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	एकीकृत स्नातक / परास्नातक	60	5
		एम.एस.सी.	120	2
		पी–एच.डी.	'	4
प्राकृतिक संसाधन	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	स्नातक (बी.एस.सी.)	60	4
		परास्नातक (एम.एस.सी.)	60	2
		पी–एच.डी.	'	4

संकाय/ अध्ययनशाला	विभाग	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या	अवधि (वर्ष में)
	भैषजिक विज्ञान	डिप्लोमा (फार्मेसी)	60	2
		बी.फार्मा	60	4
		एम.फार्मा	36	2
		पी–एच.डी.	'	4
	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास	एकीकृत स्नातक/ परास्नातक	60	5
		परास्नातक (एम.एस.सी.)	60	2
		पी–एच.डी.	'	4
भौतिक विज्ञान	रसायन	एकीकृत स्नातक/ परास्नातक	60	5
		परास्नातक	60	2
		पी–एच.डी.	'	4
	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	एकीकृत स्नातक/ परास्नातक (भौतिकी)	60	5
		एकीकृत स्नातक/ परास्नातक (इलेक्ट्रॉनिक्स)	60	5
		परास्नातक (भौतिकी)	60	2
		परास्नातक (इलेक्ट्रॉनिक्स)	60	2
		पी–एच.डी.	'	4
सामाजिक विज्ञान	अर्थशास्त्र	एकीकृत स्नातक/ परास्नातक	60	5
		परास्नातक	30	2
		पी–एच.डी.	'	4
	शिक्षाशास्त्र	बी.एड.	100	
		बी.एड.(एस.ई.एल.)	25	1
		बी.एड.(एस.ई.एच.)	25	1
		एम.एड.	35	1
		पी–एच.डी.	'	4
	इतिहास	एकीकृत स्नातक/ परास्नातक	60	5
		परास्नातक	25	2
		पी–एच.डी.	'	4
	राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन	एकीकृत स्नातक/ परास्नातक	60	5
		परास्नातक (लोकप्रशासन)	25	2
		परास्नातक (राजनीति विज्ञान)	25	2
		पी–एच.डी.	'	4
	समाजकार्य	बी.एस.डब्लू		
		एम.एस.डब्लू	30	2
		पी–एच.डी.	'	4
विधि	विधि	एकीकृत बी.ए.–एलएल.बी.	60	5
		एकीकृत बी.कॉम.–एलएल.बी.	60	5

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अंग

2. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अंग

2.1 विश्वविद्यालय की अध्ययनशालायें

विश्वविद्यालय की 09 अध्ययनशालाओं के 32 विभागों के माध्यम से अनेक पाठ्यक्रमों का संचालन होता है। अध्ययनशालाओं और विभागों की वर्तमान संरचना इस प्रकार है –

2.1.1 कला अध्ययनशाला

कला अध्ययनशाला के अंतर्गत 5 विभाग हैं, – अंग्रेजी, हिन्दी, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान और शारीरिक शिक्षण विभाग। अध्ययनशाला के अंतर्गत विभिन्न विभाग संबंधित विषयों के क्षेत्र में व्यापक पाठ्यक्रम एवं शोध रूचियों को शामिल करते हैं। विभिन्न विभागों की मुख्य गतिविधियों, संचालित पाठ्यक्रमों एवं उपलब्धियों का विवरण इस प्रकार है –

आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग

साहित्य जगत में विद्यार्थियों की परख बढ़ाने के उद्देश्य के साथ वर्ष 1991 में अंग्रेजी विभाग की स्थापना की गई। विद्यार्थियों को साहित्य के विविध क्षेत्रों से परिचित कराया जाता है जैसे कि – अप्रवासी लेखन, स्त्री लेखन, साहित्य सिद्धांत, अमेरिकी साहित्य, भारतीय अंग्रेजी साहित्य और कैनेडियन साहित्य। विद्यार्थी साहित्य की विभिन्न विधाओं यथा –अप्रवासी लेखन, स्त्री लेखन, साहित्य–सिद्धांत आदि का समुचित अध्ययन कराया जाता है। साहित्य जगत में विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन हेतु प्रतिष्ठित आचार्यों के विशेष व्याख्यान आयोजित किये जाते हैं। लगभग 1000 पुस्तकों से सुसज्जित विभाग का अपना ग्रंथालय है। इन पुस्तकों के अतिरिक्त विद्यार्थियों को केन्द्रीय ग्रंथालय की भी सुविधा प्राप्त है। केन्द्रीय ग्रंथालय में लगभग 1680 पुस्तकों एवं इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। केन्द्रीय ग्रंथालय में पत्रिकाओं, संदर्भ ग्रंथों एवं शोध ग्रंथों की पर्याप्त संख्या है। केन्द्रीय ग्रंथालय द्वारा सदस्यता पत्र जारी किया जाता है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी ग्रंथालय में उपलब्ध पुस्तकों का अध्ययन हेतु उपयोग करते हैं। विभाग के पास तीन ऑन लाइन पत्रिकाओं की सुविधा भी उपलब्ध है।

विभाग द्वारा स्नातक/स्नातकोत्तर,के अतिरिक्त विभाग स्नातक स्तर पर विविध अनुशासनों में भाषा शिक्षण के द्वारा संवाद कौशल एवं भाषा कौशल संबंधी शिक्षण प्रदान करता है। ऐड–आन पाठ्यक्रम के रूप में विभाग द्वारा फ्रेंच एवं जर्मन भाषा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। तुलनात्मक साहित्य शोध के क्षेत्र में वृहद दृष्टि को लाता है। इसी क्रम में विभाग ने 12 वीं योजना में तुलनात्मक साहित्य में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का प्रस्ताव भेजा है।

foHkkx }kjk vk;kftr ie[k xfrfofèk;kW

- ई–क्लास सत्र:अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से साहित्य का अभ्यास आवश्यक है। ई–क्लासरूम में विद्यार्थियों के लिए शेक्सपियर के नाटकों को प्रदर्शित करने की सुविधा उपलब्ध है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को इस महान नाटककार के नाटकों का विश्लेषित और प्रशंसित करने का अवसर प्रदान किया जाता है।
- समान अवसर प्रकोष्ठ के अंतर्गत विद्यार्थियों को अंग्रेजी सीखने की उपचारात्मक कक्षा – इस पाठ्यक्रम के माध्यम से कला, विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा, भैषजिक विज्ञान और बी.ई. के विद्यार्थियों ने पंजीकरण उपरांत लाभ प्राप्त किया। विभाग के विद्वान प्रोफेसर चितरंजन कर द्वारा विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग में भाषा पर व्याख्यान दिये गये जहॉं विद्यार्थियों ने लाभ प्राप्त किया।
- विभाग द्वारा पर्यावरण स्वच्छता को लेकर कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें "ग्रीन इंडिया क्लीन इंडिया" अवशिष्ट पदार्थ के सफल पुनरावृत्ति प्रयोग हेतु जागरुकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा एक शैक्षणिक यात्रा भी की गई जिसमें मदकू द्वीप का भ्रमण किया गया जो कि अपनी पुरातात्विक ऐतिहासिक एवं धार्मिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण स्थान है।
- स्थापना दिवस 2014 के आयोजन पर विभाग के छात्रों द्वारा बनाये गये मॉडल "गोथिक महल" को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

f'k{kd lnL;ksa dh egRoi.kZ miyfCèk;kW

- विभागीय शिक्षकों द्वारा विश्वविद्यालय प्रशासन के विभिन्न दिशाओं पर समय–समय पर सुझाव एवं प्रकल्प कार्य प्रस्तुत किये जाते हैं।

- विभाग के प्रोफेसर इंद्रदेव तिवारी जी को कार्यवाहक कुलसचिव का दायित्व सौंपा गया है।
- विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. अर्चना कुमारी को रांची विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई एवं साथ ही विभाग के सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) डॉ. आशुतोष सिंह को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी से पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई।

fo|kfFk;k dh miyfCèk;k

- छात्र कौस्तुभ रंजन एम.ए. तृतीय सेमेस्टर द्वारा अंतरराष्ट्रीय साहित्य संगोष्ठी एन.आई.आई.टी. दुर्गापुर में (01 से 03 जून 2013) में सिनेमा पर पत्र प्रस्तुत किया गया जहॉ इन्हें उत्तम पत्र प्रस्तुतकर्ता का प्रमाण पत्र दिया गया।
- फजलुल हक जो कि एक किसान परिवार के छात्र हैं इन्होने जून 2013 में आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ. में जे.आर.एफ. में सफलता प्राप्त की हैं।
- विभाग के 05 विद्यार्थियों ने अध्ययनरत रहते हुये छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा (स्लेट) में सफलता प्राप्त की है।

हिन्दी विभाग

हिन्दी विभाग की स्थापना वर्ष 1987 में की गई । 60 सीटों की क्षमता के साथ एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रम और हिन्दी साहित्य तथा अनुवाद विज्ञान के पाठ्यक्रम में 60 सीटों की क्षमता के साथ स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इसके साथ ही आधार पाठ्यक्रम के रूप में हिन्दी विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षण विभागों में एक वर्ष के आधार पाठ्यक्रम के रुप में हिन्दी साहित्य एवं भाषा शिक्षण का अध्यापन कार्य किया जाता है। इस समय विभागीय पुस्तकालय में लगभग 1000 किताबें हैं जहॉ हिन्दी की प्रमुख पत्रिकायें नियमित रुप से आती रहती हैं। इस वर्ष 400 नई पुस्तकें खरीदी गई है। विभागीय पुस्तकालय की सुविधायें विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध है। अध्ययन सत्र के दौरान विभाग द्वारा भाषा एवं साहित्य के विकास तथा प्रसार हेतु विविध कार्यक्रमों यथा काव्य गोष्ठी, परिचर्चा एवं साप्ताहिक "साहित्य वार्ता" कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। शैक्षणिक कार्यक्रमों के सक्रिय संचालन के साथ हिन्दी साहित्य के महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराने के साथ–साथ प्रत्येक विद्यार्थियों को भावनात्मक एकता, राष्ट्रीयता एवं कैरियर के महत्वपूर्ण विकल्प के रुप में हिन्दी भाषा के महत्व को आत्मसात कराने के महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य उद्देश्य की पूर्ति हेतु विभाग सतत् प्रयत्नशील है।

GGV Sponsored- Rajbhasha Workshop-III-27-12-13

i|e[k xfrfofèk;k

- हिन्दी विभाग कला अध्ययनशाला द्वारा बसंत पंचमी एवं महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के जन्मदिवस के औसर पर दिनॉक 04.02.2014 को स्वरचित छात्र काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया इस अवसर पर लगभग 40 विद्यार्थियों ने अपनी कविताओं का पाठ किया तथा 150 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

fo|kfFk;k dh miyfCèk;k

- छात्र कुमुद रजंन मिश्र बी.ए. पंचम सेमेस्टर को विश्वविद्यालय स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान।
- छात्र महेश कुमार एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा यूजीसी नेट (दिसम्बर 2013) में जेआरएफ में सफलता प्राप्त।
- शोध छात्र प्रदीप कुमार को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा नेट (दिसम्बर 2013) में सफलता प्राप्त ।
- शोध छात्रा पल्लवी रिनाहिते को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा नेट (दिसम्बर 2013) में सफलता प्राप्त।
- विभागीय शोध छात्रों ने अकादमिक स्टाफ कालेज गुरु घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 18 दिवसीय इंटरेक्शन प्रोग्राम में सहभागिता की एवं प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

foHkkxh; f'k{kdk dh miyfCèk;k

- विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रमेश कुमार गोहे ने अकादमिक स्टाफ कालेज गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा

आयोजित 10वॉ आरियेन्टेंशन प्रोग्राम (19.05.2014 से 14.06.2014 तक) में सहभागिता की एवं । प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

- विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रमेश कुमार गोहे द्वारा शोध पत्र प्रकाशित "मुक्तिबोध की आलोचना दृष्टि एवं कामायनी" (अनभै सॉच आईएसएसएन 2321–2276 त्रैमासिक हिन्दी शोध पत्रिका जनवरी मार्च 2014)
- विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रमेश कुमार गोहे द्वारा शोध पत्र प्रकाशित "आधुनिक समाज में महिला सशक्तिकरण" राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी, शासकीय महाविद्यालय आठनेर, जिला बैतुल (म.प्र.)
- विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रमेश कुमार गोहे द्वारा शोध पत्र प्रकाशित "मध्यकालीन सामाजिक परिप्रेक्ष्य में संत/भक्त कवियों की भूमिका" आर्य महिला पीजी कालेज चेतगंज, वाराणसी।

A Model on the Occassion of Annual Day

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की स्थापना 1988 में हुई। यह विभाग पी–एच.डी. (शोध) के साथ–साथ परास्नातक पाठ्यक्रम एम.एम. सी.जे. (मास्टर ऑफ मास कम्युनिकेशन एण्ड जर्नलिज्म) एवं पांच वर्षीय एकीकृत स्नातक/परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित करता है। अपने आरम्भिक चरण में विभाग द्वारा स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम बी.जे.एम.सी.(बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एण्ड मास कम्युनिकेशन) संचालित किया जाता था, लेकिन वर्ष 2002 से यू.जी.सी. निर्देशों के अनुरुप स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम एम.एम.सी.जे. शुरू किया गया। इस पाठ्यक्रम का निरूपण विद्यार्थियों में मीडिया (प्रिण्ट, इलेक्ट्रॉनिक एवं न्यू मीडिया), पत्रकारिता एवं जनसंचार, विकास संचार, संचार शोध, विज्ञापन, जनसम्पर्क एवं कौशल के विकास को ध्यान में रखकर किया गया है। विभाग विभिन्न अवसरों पर बुलेटिन, न्यूजलेटर, हाउस–जर्नल, मैग्जीन और वृत्तचित्र आदि भी तैयार करता है। विश्वविद्यालय में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को दृश्य–श्रव्य रुप में संग्रहीत करने एवं इनकी रिपोर्ट तैयार करने के साथ–साथ यह विभाग 'मीडिया प्रकोष्ठ' के रुप में कार्य करता है तथा विश्वविद्यालय से जुड़ी खबरें मीडिया को प्रेषित करता है।

mís';

- मीडिया शिक्षण एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था देना।
- छत्तीसगढ़ के सम्पूर्ण विकास के लिए परम्परागत एवं जनमाध्यमों का उपयोग तथा उसका अध्ययन करना।
- छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रांतीय एवं राष्ट्रीय पहचान देने के लिए सामुदायिक समाचार पत्रों का प्रकाशन एवं श्रव्य–दृश्य कार्यक्रमों के उत्पादन के लिए सम्पर्क केन्द्र के रुप में कार्य करना।
- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग के लिए मीडिया स्रोत एवं अनुसंधान केन्द्र के रुप में कार्य करना।

f'k{kd lnL;k dh miyfC/k;k¡

- श्री सुधीर कुमार को 2013 में टाटा फेलोशिप प्राप्त।
- डॉ. अमिता को अक्टूबर 2013 में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त।

fo|kfFkZ;k dh miyfC/k;k¡

- विभागीय छात्रा हरजिंदर कौर बी.ए. तृतीय सेमेस्टर ने शिक्षक दिवस पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं साथ ही गांधी जयंती 2013 पर आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।
- विभागीय छात्रों ने प्रसार भारती आकाशवाणी बिलासपुर का भ्रमण किया जहां उन्होने रेडियो प्रोग्राम से संबंधित रिकार्डिंग स्टूडियो प्रसारण केन्द्र, रेडियो पुस्तकालय आदि का ज्ञान प्राप्त किया।
- विभागीय छात्र सत्यपाल सिंह राजपूत, बी.ए. पंचम सेमेस्टर का छात्र परिषद् चुनाव 2013–14 में निर्विरोध चयन।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की स्थापना 27 सितम्बर 1985 को विश्वविद्यालय की कला अध्ययनशाला के अतंर्गत की गई। इस अंचल में यह अपनी तरह का प्राचीनतम विभाग है, जो व्यापक छात्र समूह को ज्ञान प्रदान करने की दिशा में कार्यरत है। प्रारंभिक

Public Awareness Rally on the Occassion of Independence Day

'Nukkad Natak' by the students of the Department

सीमित संसाधनों के साथ शुरुवात करते हुये विभाग में कालांतर में विभिन्न आयामों में प्रगति की है। वर्तमान में विभाग में पंचवर्षीय एकीकृत यूजी/पीजी इन लाईब्रेरी साइंस बैचलर ऑफ लाईब्रेरी साइंस, मास्टर आफ लाईब्रेरी साइंस एवं डॉक्टर ऑफ फिलासफी पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। हमारा आदर्श वाक्य केवल आवश्यकता आधारित शिक्षा प्रदान करना नहीं अपितु विभिन्न आधुनिक कुशलताओं व दक्षताओं के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाना है। हम ऐसा वातावरण विकसित करने में सफल हुये हैं जहॉ छात्र अध्ययन हेतु प्रेरित हो। अद्यतन व प्रासंगिक वैज्ञानिक साहित्य के लिये एक व्यापक संग्रह से लैस कार्यात्मक पुस्तकालय और पूरी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला हमारे प्रमुख शक्तियों में से है। छात्रों के संचार कौशल के विकास करने व विभिन्न संगोष्ठियों में भाग लेने के लिये हम उनकी सहायता करते है जिससे वे साथी सदस्यों के साथ अपने विचारों व अनुभवों को साझा कर सकें। अत्यन्त प्रेरित व समर्पित शिक्षकों के माध्यम से अपने व्यवसाय के क्षेत्र में एक आदर्श के रुप में सेवा करना हमारा लक्ष्य है।

Students browsing through books

Students consulting web resources

foHkkx dk mís';

- छात्रों को बिना भेदभाव के उनकी आवश्यकता अनुरुप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना।
- विभिन्न नवीन तकनीको के उपयोग द्वारा प्रतिभाशाली शिक्षण, विद्वता को प्रोत्साहित करना एवं व्यवसायिक कार्यों का उन्नयन करना।
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में ज्ञान एवं अभ्यास की सीमाओं को आगे बढ़ाना।
- क्षेत्र, समुदाय, क्षेत्र और विश्व की सूचना के माध्यम से सेवा।
- सूचनाओं के संगठन, प्रबंधन, प्रसार एवं संरक्षण के लिये कुशल मानव शक्ति उत्पन्न करना।

fo|kfFkZ;ksa dh miyfC/k;k¡

- विद्यार्थियों ने विभिन्न उच्च प्रतिष्ठित संगठनों में पदभार ग्रहण किया।
- यथेष्ठ संख्या में छात्रों ने यूजीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा नेट व छत्तीसगढ़ स्टेट इलीजिबिलिटी टेस्ट (सी.जी.सेट) परीक्षा में सफलता अर्जित की।
- विद्यार्थियों ने विभिन्न सम्मेलनों में भाग लिया और शोध पत्र प्रस्तुत किये।

'kkjhfjd f'k{k.k ,oa [ksydwn foHkkx

शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद विभाग की स्थापना गुणवत्तायुक्त शिक्षा और संबंधित क्षेत्र में विशेषज्ञता प्रदान करने के उद्देश्य से सन् 1985 में की गयी। वर्तमान में विभाग में एक एकवर्षीय बी.पी.एड. और दो वर्षीय एम.पी.एड. पाठ्यक्रम संचालित है। विभाग के पास अपना पूर्ण विकसित खेल मैदान है जिसमें 400 मीटर का एथलेटिक्स ट्रेक, दुधिया प्रकाश से युक्त दो बास्केटबाल कोर्ट एवं बहुकेन्द्रीय व्यायामशाला है। एनसी.टी.ई. के मानदण्डों के अनुरूप आधारभूत संरचना का विकास किया गया है। सक्षम शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों के दल द्वारा प्रशिक्षण और प्रकल्प तैयार किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं उन्नयन हेतु विभाग विभिन्न खेलों में कौशलवृद्धि हेतु प्रशिक्षण शिविरों की भी सुविधा प्रदान करता है। विभिन्न खेलों में उत्तर क्षेत्र/ अखिल भारतीय / अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में 14 टीमों को प्रशिक्षित कर भेजा गया। जिसमें 158 छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। विभाग द्वारा संचालित खेल गतिविधियों के निरीक्षण एवं सुझाव हेतु ''स्पोर्ट्स बोर्ड'' एवं ''स्पोर्ट्स कमेटी'' का प्रावधान किया गया है।

A vollyball match in progress

Models prepared by students

foHkkx xfrfof/k;ksa esa fo|kfFkZ;ksa dh Hkkxhnkjh%

- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन मुक्केबाजी (पुरुष) प्रतियोगिता बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी में भागीदारी की।
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन टाईक्वान्डों प्रतियोगिता (महिला/पुरुष) में सत्यभामा विश्वविद्यालय चेन्नई में भागीदारी की।
- अखिल भारतीय विश्वविद्यालयीन जूडो प्रतियोगिता, जे.एन.डी.यू. अमृतसर में भागीदारी की।
- मध्यक्षेत्रिय अंतर विश्वविद्यालयीन (महिला/पुरुष) बैडमिंटन प्रतियोगिता के.आई.आई.टी. भूवनेश्वर में भागीदारी की।
- मध्यक्षेत्रिय अंतर विश्वविद्यालयीन (महिला/पुरुष) बास्केटबाल प्रतियोगिता के.आई.आई.टी. भूवनेश्वर में भागीदारी की।
- मध्यक्षेत्रिय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) टेबल टेनिस प्रतियोगिता पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में भागीदारी की।
- मध्यक्षेत्रिय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) टेनिस प्रतियोगिता के.आई.आई.टी. भूवनेश्वर में भागीदारी की।
- मध्यक्षेत्रिय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) फूटबाल प्रतियोगिता एल.एन.आई.पी.ई प्रतियोगिता ग्वालियर में भागीदारी की।
- मध्यक्षेत्रिय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) व्हालीबाल प्रतियोगिता एल.एन.आई.पी.ई प्रतियोगिता ग्वालियर में भागीदारी की।

National Sports Day celebration

University Registrar, DSW, and Director, Physical Education greeting players

- मध्यक्षेत्रिय अंतर विश्वविद्यालयीन (महिला/पुरुष) हेन्डबाल प्रतियोगिता काकटिया विश्वविद्यालय वारंगल में भागीदारी की।
- मध्यक्षेत्रिय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) कबड्डी प्रतियोगिता काकटिया विश्वविद्यालय वारंगल में भागीदारी की।
- मध्यक्षेत्रिय अंतर विश्वविद्यालयीन (पुरुष) क्रिकेट प्रतियोगिता काकटिया विश्वविद्यालय वारंगल में भागीदारी की।

fo|kfFk;ksa dh miyfCek;k

- 04 विद्यार्थियों ने यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ. में सफलता प्राप्त की।

2.1.2 अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला

प्रौद्योगिकी संस्थान

प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना वर्ष 1997 में तकनीकी शिक्षा के प्रोत्साहन स्वरूप हुई जिससे कि पेशेवर और प्रतिस्पर्धी चुनौतियों से निपटने हेतु योग्य अभियंताओं को तैयार किया जा सके। इसके प्रमुख एक निदेशक होते हैं जो संपूर्ण प्रशासन की देखरेख करते हैं तथा एक अधिष्ठाता, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला भी होता है जो सभी शैक्षणिक गतिविधियों को संचालित करता है। योग्य एवं अनुभवी शिक्षको, आधुनिक शिक्षा प्रणाली, सुसज्जित पुस्तकालय, उपकरणों से युक्त प्रयोगशाला, संगणक सुविधा तथा अन्य आवश्यक ढ़ांचायुक्त सुविधाओं की सहायता से पेशेवर स्नातकों को तैयार किया जाता है। संस्थान गुणत्तायुक्त शिक्षण, प्रशिक्षण, सहयोग व प्रायोजना कार्य के द्वारा महान ऊंचाई छूने की ओर अग्रसर है।

प्रौद्योगिकी संस्थान कई केन्द्रीय सुविधाओं से युक्त है जैसे – केन्द्रीय ग्रंथालय, प्रशिक्षण एवं संस्थापन प्रकोष्ठ, ई–क्लासरूम आदि है। संस्थान 'इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, कोलकाता' तथा 'इंडियन सोसाइटी फॉर टेक्नीकल एजुकेशन (ए.आई.सी.टी.ई.)' का आजीवन सदस्य है।

वर्तमान में संस्थान मांग आधारित अनुशासनों में बी.टेक डिग्री कार्यक्रमों का संचालित करता है। बी.टेक पाठ्यक्रम में प्रवेश अखिल भारतीय प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (ए.आई.ई.ई.ई) के माध्यम से होता है। अत्याधुनिक विकास एवं अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी परिदृश्य में परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए समस्त शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों को पुनर्निर्धारित किया गया है।

lLFkku }kjk fuEu ikB;Øe lapkfyr fd;k tkrk g%

1 बी.टेक एण्ड बी.ई. इन केमिकल इंजीनियरिंग
2. बी.टेक एण्ड बी.ई. इन सिविल इंजीनियरिंग
3. बी.टेक एण्ड बी.ई. इन कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग
4. बी.टेक एण्ड बी.ई. इन इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
5. बी.टेक एण्ड बी.ई. इन इंडस्ट्रीयल एण्ड प्रोड्क्शन इंजीनियरिंग
6. बी.टेक एण्ड बी.ई. इन इन्फॉर्मेशन टेक्नालॉजी
7. बी.टेक एण्ड बी.ई. इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग

संस्थान में केमिकल इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एम.टेक. कार्यक्रम का संचालन किया जाता है। संस्थान में उपलब्ध अन्य शेष अनुशासनों के अंतर्गत विभिन्न विषयों में एम.टेक. कार्यक्रम के संचालन को प्रस्तावित किया है। संस्थान में 'परीक्षण एवं परामर्श प्रकोष्ठ' को आगामी सत्र आरंभ करने का प्रस्ताव है जो कि संस्थान और उद्योगों के बीच जीवंत संपर्क स्थापित करने के साथ समाज के लिए उपयोगी सेवा केन्द्र सिद्ध होगा।

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

रासायनिक अभियांत्रिकी में स्नातक कार्यक्रम के साथ वर्ष 1997 में इस विभाग की स्थापना हुई। विभाग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को रासायनिक अभियांत्रिकी में शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान कर प्रतियोगी एवं सुयोग्य रासायनिक अभियंता के रूप में निर्मित करना है। विभाग में सत्र 2011 से एम.टेक. पाठ्यक्रम आरंभ किया गया है। विभाग में अनेक महत्वपूर्ण एवं अत्याधुनिक सुविधाएं सम्मिलित की गयी। विभाग में विद्यार्थियों की सोसाइटी 'चेस' ने अनेक सह–शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया। विभागीय और केन्द्रीय ग्रंथालय में केमिकल इंजीनियरिंग से संबंधित पुस्तकें सम्मिलित की गयी। प्रतिवेदन वर्ष में विभाग में विभिन्न सह–शैक्षणिक गतिविधियों जैसे कि–संगोष्ठियों औद्योगिक इकाईयों का भ्रमण, तर्कशक्ति परीक्षण, प्रश्नोत्तरी आदि का आयोजन विद्यार्थियों के विकास हेतु किया।

i e[k {k=%&

फ्लूइडाइजेशन, कैटालसिस, सेपरेशन प्रासेसेज एण्ड प्रासेस इन्टरसीफिकेशन।

foHkkx e miyCèk i e[k midj.k%

यू.वी. स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, बी.ओ.डी. इनक्यूवेटर

foHkkxh; lnL;k dh miyfCèk;k

- विभाग के शिक्षक श्री नीरज चंद्राकर एवं श्री संदीप सिंह द्वारा आर.आई.टी रायपुर द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 23–24 जनवरी 2014 को "एप्लीकेशन ऑफ फजी लॉजिक इन केमिकल इंजीनियरिंग" विषय पर पत्र प्रस्तुत किया गया।
- विभाग के शिक्षक श्री नीरज चंद्राकर, श्री संदीप मिश्रा एवं श्री प्रकाश कुमार भारती द्वारा आर.आई.टी रायपुर द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 23–24 जनवरी 2014 को "रेमेडियेशन ऑफ डाईस इन टेक्सटाईल इफ्लुयेंट अ क्रीटीकल रिव्यू आन करेंट ट्रीटमेंट टेक्नालॉजिस" विषय पर पत्र प्रस्तुत किया गया।
- विभाग के शिक्षक श्री सौरभ मेश्राम, श्री विकास पटेल, श्री अरविंदा दास एवं श्री रोहित साहू द्वारा आर.आई.टी रायपुर द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 23–24 जनवरी 2014 को "हाइड्रो कान्सेप्ट आफ एनर्जी सिक्युरिटी एण्ड मेनेजमेंट" विषय पर पत्र प्रस्तुत किया गया।
- डॉ. आर.एस. ठाकुर ने आमंत्रित प्रवक्ता के तौर पर 26 जून 2014 को एन.आई.टी. रायपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में "माडलिंग एण्ड सिम्युलेशन ऑफ प्रेशर स्वींग एडसरप्शन प्रोसेस" विषय पर व्याख्यान दिया।

l eLVj

- विभाग के विद्यार्थी विकास धुनुका सप्तम सेमेस्ट ने आई.सी.टी. मुम्बई द्वारा 27–30 दिसम्बर 2013 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में "प्रेशर विविंग एडसरप्शनः अ प्रोमिसिंग टेक्नालॉजी फार CO2èH2 मिक्सर" विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया।
- विभाग के छात्र अन्षज रोन्धे, पंचम सेमेस्टर ने आ.जे.ई.टी. जर्नल जून 2014 में "एप्लीकेशन आफ फेक्टोरियल फक्शन (a)n=1 इन डिटरमिनेशन आफ स्पेसिफिक रेट कान्सेंट एण्ड हाफ लाईफ पिरियड" विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।
- विभाग के छात्र श्री पुष्पेन्द्र कुमार एवं श्री इंशान अजय के समूह पंचम सेमेस्टर ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित इक्वीलिब्रियो की "केम ई कार मेकिंग" प्रतियोगिता 2014 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- विभाग के छात्र श्री पुष्पेन्द्र कुमार एवं श्री अभिषेक त्रिपाठी के समूह पंचम सेमेस्टर ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित इक्वीलिब्रियो की "हाईड्रोलिक क्रेन मेकिंग" प्रतियोगिता 2014 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- विभाग के छात्र श्री लवकुश पंचम सेमेस्टर ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित इक्वीलिब्रियो की "डिजाईन आफ हिट एक्सचेंजर" प्रतियोगिता 2014 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- विभाग के छात्र श्री आकाश भारद्वाज द्वितीय सेमेस्टर ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित इक्वीलिब्रियो की "बैलून कार मेकिंग" प्रतियोगिता 2014 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- विभाग के छात्र श्री लवकुश, श्री अनुभव पाठक षष्ठ सेमेस्टर ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित इक्वीलिब्रियो की "केम ई कार मेकिंग" प्रतियोगिता 2014 का संचालन किया।
- विभाग के छात्र श्री शिवम कौशिक, श्री शिवम सहाई बेदार चतुर्थ सेमेस्टर ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित इक्वीलिब्रियो की "माई विजन 2030" प्रतियोगिता 2014 का संचालन किया।
- विभाग के छात्र श्री पुष्पेन्द्र कुमार एवं इशान अजय खरे, पंचम सेमेस्टर ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित इक्वीलिब्रियो की "डिजाईन ऑफ हिट एक्सचेंजर मेंकिंग" प्रतियोगिता 2014 का संचालन किया।

सिविल (नागरिक) अभियांत्रिकी विभाग

यह विभाग वर्ष 2008 से 40 सीटों की क्षमता के साथ नागरिक अभियांत्रिकी में स्नातक कार्यक्रम संचालित कर रहा है। सत्र 2013–14 में विभाग ने 5 प्रयोगशालाओं का उन्नयन किया जिसमें अत्याधुनिक उपकरणों एवं साफ्टवेयरों के साथ मैटेरियल टेस्टिंग, ट्रान्सपोर्टेशन इंजीनियरिंग, जियो टेक्नीकल इंजीनियरिंग, फ्लूड मैकेनिक्स, इन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग और कम्प्यूटेशनल लैब सुसज्जित है। विभाग ने एक अत्याधुनिक शोध प्रयोगशाला स्थापित किया है जो कि सेर्वो कन्ट्रोल क्लोज्ड लूप्ड फ्रैक्चर एण्ड कैटिग टेस्टिंग मशीन (50 टी), मल्टीलोड फ्लैक्सरल टेस्टिंग मशीन (एस.टी.) से पूर्णतः सुसज्जित है। नागरिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा बी.टेक के विद्यार्थियों को औद्योगिक इकाइयों का भ्रमण कराया गया जिससे उन्हें कार्य क्षेत्र की जानकारी प्राप्त हो सके। विभाग में आई आई टी और अन्य राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के विशेषज्ञ प्रोफेसरों का नागरिक अभियांत्रिकी से संबंधित विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। गुरू

घासीदास विश्वविद्यालय में विभिन्न निर्माण परियोजनाओं में विभाग ने सहयोग दिया। इस सत्र में, विभाग में बड़ी संख्या में पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें एवं शोध पत्रिकाएं सम्मिलित की गयी।

izeq[k {ks=

- कैरेक्टराईजेशन ऑफ कंक्रीट मैटेरियल्स विथ रेसपेक्ट टू फ्रेक्चर पैरामीटर्स
- अल्टरनेट कंस्ट्रक्शन मैटेरियल्स
- नान लिनियर मॉडलिंग एण्ड डिजाइन ऑफ अर्थक्वेक रेसिस्टेन्स स्ट्रक्चर्स

foHkkxh; lnL;ksa dh egRoiw.kZ miyfC/k;ka &

- विभागीय सदस्यों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तरीय जर्नल में 03 शोध पत्र प्रकाशित करवाये गये।
- प्रो. शैलेन्द्र कुमार एवं डॉ. एम.सी. राव को अंतरराष्ट्रीय जर्नल एलजेवियर एण्ड स्प्रिंगर के समीक्षा हेतु आमंत्रण।
- प्रो. शैलेन्द्र कुमार यू.जी.सी. नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त अनुदान राशि मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहें हैं।
- डॉ. एम.सी. राव सी.एस.आई.आर. नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त अनुदान राशि मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहें हैं।
- 30 में से 21 विद्यार्थियों ने गेट–2014 में सफलता प्राप्त की है।
- एक विद्यार्थी ने जी.आर.ई. में 340 में से 311 वें नम्बर पर स्थान प्राप्त किया।
- एल. एण्ड टी. बिल्ड इंडिया स्कालरशीप प्रोग्राम (बी.आई.एस.) आई.आई.टी. दिल्ली एवं आई.आई.टी. चेन्नई में 03 विद्यार्थियों का चयन।
- नवयोग इंजीनियरिंग कन्सट्रक्शन (एम.एन.सी.) में 02 विद्यार्थियों का चयन।
- वाह्य परामर्श सेवा के माध्यम से विभाग ने विभागीय मद में सत्र 2013–14 में राजस्व वृद्धि हेतु रु. 4,53,091 /– अर्जित किये।

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1997 में हुई। विभाग में बी.टेक. (संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी एवं पीएच.डी., संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम संचालित है । विभागीय सदस्य बहुत ही अनुभवी एवं योग्यता प्राप्त है। विभाग के पास विशेषीकृत प्रयोगशालाएं यथा – डिजिटल इमेज प्रॉसेसिंग लैब, डीएलडी लैब, नेटवर्किंग लैब, नेटवर्क सिक्युरिटी लैब, प्रोजेक्ट लैब, बेसिक प्रोग्रामिंग लैब, एडवांस प्रोग्रामिंग लैब, डाटाबेस लैब, ग्राफिक्स लैब एवं ऑपरेटिंग सिस्टम लैब आदि उपलब्ध है। विभाग के पास डीबी टू यूनिवर्सल डेटाबेस, विजुअल एज फॉर जावा एवं वेब सर्वर एप्लीकेशन की अधिकृत प्रतियॉ है। विभाग द्वारा विद्यार्थियों के परियोजना कार्य हेतु विभागीय सदस्य और औद्योगिक इकाइयों के विशेषज्ञों के संयुक्त निर्देशन में कार्य का अवसर प्रदान किया जाता है।

विभाग विद्यार्थियों के प्रशिक्षण हेतु प्रतिष्ठित सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों डिफेंस रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) दिल्ली, माइक्रोसाफ्ट हैदराबाद, सी एम सी कोलकाता, आरबिट आई टी हैदराबाद, सी.ईसी.एन., बी.एस.एन.एल., इण्डियन

Computer Lab

A student explaining about a model

Students in Computer Lab

Study and interaction

Learning through computers

रेलवेज, बोकारो स्टील प्लांट, और भिलाई स्टील प्लांट में व्यवस्था करता है। विभागीय विभिन्न निजी, सामुदायिक एवं सरकारी संगठनों जैसे कि – इन्फोसिस, विप्रो, परसिस्टेंट, इण्टरनेशनल बिजनेस मशीन (आई.बी.एम.), टाटा कन्सल्टेन्सी सर्विस (टी सी एस), बी.टी., सेन्टल, सत्यम, भारत संचार निगम लिमिटेड (बी.एस.एन.एल.), नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन (एन.टी.पी.सी.) और इन्फॉर्मेशन एण्ड लाइब्रेरी नेटवर्क (आई एन एफ एल आई बी एन ई टी) में संस्थापित हुए।

foHkkx dk iz[k mís'; fuEufyf[kr g%

- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में व्यावसायिक रूप से दक्ष मानव शक्ति तैयार करना।
- 21वीं सदी में राष्ट्र एवं विश्व के विकास में योगदान देने हेतु विद्यार्थियों को संगणक विज्ञान, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी के साथ–साथ संबंधित अन्य महत्वूपर्ण क्षेत्रों की शिक्षा प्रदान करना।
- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में शिक्षण प्रशिक्षण हेतु सुविधाओं की स्थापना एवं उपलब्धता निश्चित करना।
- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के बहुअनुशासात्मक कार्यक्रम का आयोजन।

iz[k 'kks/k {ks=

विभाग वर्तमान में अग्रलिखित शोध क्षेत्रों में संलग्न है।

- ,YxksfjnEl ,.M dkEIysfDlVh
  विभाग संगणकीय ज्यामिति, अंकीय ज्यामिति, क्वाण्टम कम्प्यूटिंग और कम्प्यूटेशनल काम्प्लेक्सिटी थियरी के क्षेत्र मे उल्लेखनीय क्षमता रखता है।
- iSjyy ,.M fMLVªhC;wVsM dEI;wfVax
  पैरलल एण्ड डिस्ट्रीब्यूटेड कम्प्यूटिंग विभाग में उभरते हुए शोध क्षेत्र है।

- uVodZ flD;kfjVh ,.M ØIVkxkQh&
  विभाग नेटवर्क सिक्योरिटी एण्ड कैप्टोग्राफी के उभरते हुए क्षेत्र पर केन्द्रित है। विभाग संस्थान में सिक्योरिटी रिसर्च में सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस की ओर सुगमतापूर्वक कदम बढ़ा चुका है।
- lkW¶Vos;j ,.M flLVe bUthfu;fjax &
  विभाग सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग मे शोध का परम्परागत केन्द्र रहा है। सिस्टम आधारित शोध क्षेत्र में डाटा बेस और नेटवर्क सम्मिलित है।

foHkkx ds mn~ns';%

- संगणक एवं अभियांत्रिकीय के क्षेत्र में व्यावसायिक रूप से प्रतिभा सम्पन्न मानव संसाधन तैयार करना।
- छात्र–छात्राओं को संगणक विज्ञान एवं तकनीकी के सभी क्षेत्रो में विद्वत बनाना। जिससे कि वे देश एवं विश्व की 21 वी शताब्दी में सेवा कर सकें।
- संगणक विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिये सुविधाएँ उपलब्ध कराना।
- संगणक एवं तकनीकी के क्षेत्र में अन्तः अनुशासनात्मक कार्यक्रम चलाना।

fo|kfFkZ;ksa dh miyfCèk;k%

- foHkkx ds 18 fo|kfFkZ;ksa us xsV mRrh.kZ fd;k-

क्रमांक	नाम	ऑल इण्डिया रैक
1	विनीत	1689
2	रोहित	1704
3	सौरभ श्रीवास्तव	2081
4	विपिन	2210
5	अर्पित जैन	4369
6	शुभांश	4400
7	अक्षय झा	4667
8	अभिषेक शर्मा	4718
9	मुकेश निथरवाल	6500
10	दिवेश आर्य	6580
11	महक जैन	6669
12	अनुप्रिया	6900
13	विनीता सिंह	7880
14	विराट सागर	9865
15	हार्दिक गुप्ता	10048
16	नितेश	13468
17	कीर्ति किशोर	14502
18	नीरज	14505

Iys leUV

- अंकित यादव, अक्षय कुमार झा, आशुतोष कुमार झा, कीर्ति किशोर मिश्रा, महक जैन का स्पैक्ट्रम में चयन ।
- सौरभ श्रीवास्तव और विनीता सिंह का टी.सी.एस. (TCS) में चयन ।
- अक्षय गुप्ता, चाको और शुभांश का बेटासाफ्ट में चयन ।

इलेक्ट्रॉनिक एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

इलेक्ट्रानिक एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना 1998 में हुई। यह विभाग छात्रों को स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भर टेक्नोक्रेट के रूप में निर्माण एवं विकास के लिए अध्ययन अध्यापन पद्धति में सर्वोच्च प्रदर्शन एवं नवीनतम विचारों के साथ सतत प्रयत्नशील है। विभाग में प्रायोगिक उपकरणों से युक्त पूर्ण सुसज्जित प्रयोगशाला है, जिसमें बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स, एनालॉग सर्किट, स्वीचिंग एण्ड पल्स थियरी, लिनियर एण्ड इंटीग्रेटेड सर्किट एवं एप्लीकेशन्स, इलेक्ट्रॉनिक्स मेजरमेण्ट एण्ड इन्स्ट्रूमेंटेशन, एनालॉग कम्यूनिकेशन, माइक्रोप्रोसेसर–1 (8085), माइक्रो प्रोसेसर–II (8086), डाटा कम्प्यूनिकेशन, माइक्रोबेव लेब्रोटरी एण्ड कम्प्यूटर लेब्रोटरी आदि की

सुविधा है। विभाग में नवीनतम सॉफ्टवेयर और उपकरण जैसे कि एक्सलिनक्स आई एस ई (25 यूजर्स), वी एच डी एल लैब हेतु मतलब, स्पेक्ट्रम एनालाइजर आदि उपलब्ध हैं।

विभाग विभिन्न सह–शैक्षणिक गतिविधियों जैसे – संगोष्ठी, औद्योगिक इकाईयों का भ्रमण, व्यवहार परीक्षण, प्रश्नोत्तरी में संलग्न है, जिससे विद्यार्थियों में अंतर्निहित कौशल का विकास किया जा सके। इस विभाग के पूर्व छात्र विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों एवं अग्रणी सरकारी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में कार्यरत हैं।

f'k{kd lnL;ksa dh miyfC/k;ka%

- इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, खड़गपुर में 11–16 जून, 2012 तक आयोजित ''करंट ट्रेंड्स इन माइक्रोवेब डिजाइन एण्ड एप्लीकेशन्स'' विषयक लघु अवधि के पाठ्यक्रम में निपुण मिश्र ने भागीदारी की।

fo|kfFkZ;ksa dh miyfC/k;k

- 28 विद्यार्थियों ने गेट 2013 की परीक्षा उत्तीर्ण की।
- विभाग के 14 विद्यार्थी विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थाओं जैसे कि विप्रो बी पी ओ, वेल्टेक साल्यूशन में संस्थापित हुए।
- इक्यूलिबिरियो– 2013 के टेक फेस्ट में अष्टम् सेमेस्टर के अंकित द्विवेदी ने लैन गेमिंग – एन एफ एस डबल्स में जीत दर्ज की।
- इक्यूलिबिरियो– 2013 के टेक फेस्ट में चतुर्थ सेमेस्टर के आनंद तिवारी ने इन लाइन फोल्लोवेर में जीत दर्ज की।

औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग

औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी की स्थापना वर्ष 1997 में इस उद्देश्य के साथ की गई कि उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार अभियंताओं को तैयार किया जा सके। विभाग ने औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी के उभरते विषयों में प्रायोगिक ज्ञानवर्धन हेतु कार्यशाला के आयोजन के साथ–साथ सीएडी, फ्लूइड मैकेनिक्स, हीट एण्ड मॉस ट्रांसफॉर्मर, प्रशीतकीकरण एवं वातानुकूलन से संबंधित कला प्रयोगशालाएं स्थापित किया है। विभाग द्वारा 2700 पुस्तकों से युक्त विभागीय पुस्तकालय का रख–रखाव किया जा रहा है। जिसमें 400 नई पुस्तकें सत्र 2012–13 में जोड़ी गयी। विद्यार्थियों की विषयगत प्रायोगिक अभिवृद्धि के लिए विभाग नजदीकी क्षेत्र की औद्योगिक इकाईयों जैसे कि बालको, जिन्दल, सेल, एनटीपीसी, सीएसईबी, एसीसी आदि में प्रशिक्षण हेतु ले जाते हैं।

foHkkxh; f'k{kdksa dh miyfC/k;k

- प्रो. मुकेश कुमार सिंह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली द्वारा प्रदत्त वृहद शोध परियोजना पर कार्य कर रहें है।
- प्रो. मुकेश कुमार सिंह इंटरनेशल जर्नल आफ एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स सिस्टम (प्श्र।।प्ै) एण्ड इंटरनेशल जर्नल आफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एण्ड कम्प्यूटेशनल रिसर्च (प्श्र।प्ब्) में संपादकीय समिति में सदस्य हैं।
- विभागीय सदस्यों द्वारा इस सत्र में अनेक अंतरराष्ट्रीय जर्नल में 10 से अधिक शोध पत्रों का प्रकाशन।
- प्रो. मुकेश कुमार सिंह, डॉ. कोट्टाला श्रीयोगी एवं प्रो. नितिन साहू अंतरराष्ट्रीय जर्नल ऑफ एलजेबियर पत्रिका के समीक्षक सदस्य के रुप में आमंत्रण।
- श्री नितिन कुमार साहू का 2013 के उत्कृष्ट पुरस्कार हेतु अंतरराष्ट्रीय जर्नल ईएमईआरएएलडी पब्लिकेशन लंदन द्वारा चयन।

fo|kfFkZ;ksa dh miyfC/k;k

- बी.टेक. अष्टम, सेमेस्टर के 12 विद्यार्थियों ने गेट परीक्षा को उत्तीर्ण किया जिसमें से 3 विद्यार्थियों ने शीर्ष 50 में स्थान प्राप्त किया।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग वर्ष 2000 में स्थापना के साथ ही शोध एवं शिक्षा के माध्यम से उच्च कोटि के अभियंताओं को तैयार कर रहा है। विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम में सम्प्रेषणीय व्याख्यानों की तकनीकी, विषयगत घटनाओं का अध्ययन –निर्देशन, विषयगत साहित्य का सर्वेक्षण व प्रायोजना कार्य का सम्मिश्रण जिसमें कि रचनात्मक व आलोचनात्मक सोच की आवश्यकता होती है। अनुभवी एवं सुयोग्य शिक्षकों के माध्यम से विभाग प्रयोगशाला एवं प्रायोजना कार्य द्वारा महान लक्ष्य खुला है। विभाग 13,000 पुस्तकों से युक्त विभागीय ग्रंथालय का रख–रखाव करता है जिसमें 2500 नई पुस्तकें सत्र 2012–13 जोड़ी गयीं। सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को ऑपरेटिंग सिस्टम, डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम, नेटवर्किंग एवं इससे संबंधित उच्चनुशीलनगत विषय जैसे कि सिस्टम विश्लेषण डिजाइन, आर्टिफिशियल एंटेलीजेंस, ईआरपी तथा सूचना प्रौद्योगिकी सिस्टम के डिजाइन काम्प्लेक्स एवं कम्प्यूटर ग्राफिक्स के विश्लेषण का आधारभूत ज्ञान प्रदान करती है।

Lab – IV Programming Lab

Lab – II Advanced Programming Lab

Lab I–Microprocessor Lab

fo|kfFk;ksa dh miyfC/k;k¡

- विभाग के 04 विद्यार्थियों ने गेट 2014 में सफलता प्राप्त की।
- विभाग के छात्र श्री प्रमोद कुमार सिंह पंचम सेमेस्टर ने क्षेत्रिय विश्वविद्यालयीन क्रिकेट प्रतियोगिता में भागीदारी की।
- श्री महेश नाथवानी ने एन.आई.टी. रायपुर द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय कार्यशाला में सहभागिता की।
- श्री अहतेश्याम अहमद खान ने एचपीईएस इंडिया ब्राड एम्बेसडर के ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

Lab – III Operating System Lab

यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग

स्थापना वर्ष 2006 में उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप अभियंताओं के निर्माण के उद्देश्य के साथ यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना की गई। विभाग के पास योग्य, उच्चशिक्षित एवं अनुभवी अध्यापकों की पर्याप्त संख्या है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु विभाग का शैक्षणिक वातावरण सर्वथा उपयुक्त है। विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में उच्च प्रयोगशालाएं स्थापित की है। जैसे – मशीन के सिद्धांत, हीट एवं मास ट्रांसफर, प्रशीतन एवं वातानुकूल, फ्लूड मशीन आदि। विभाग द्वारा प्रतिवर्ष विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण एवं व्यवहारिक अनुभव प्रदान करने हेतु विभिन्न उद्योगों में भेजा जाता है। विभाग में 2700 पुस्तकों की क्षमता से युक्त विभागीय पुस्तकालय संचालित है जिनमें प्रतिवेदन वर्ष में 350 पुस्तकें सम्मिलित हुई हैं।

विभाग में पूर्ण अवधि का बी.टेक पाठ्यक्रम संचालित है जिसमें एआईईईई के माध्यम से प्रवेश होता है। विभाग में संचालित एम.टेक पाठ्यक्रम (मशीन डिजाइन विशेषज्ञता के साथ) में गेट के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है।

fo|kfFk;ksa dh miyfC/k;k¡

- विभाग के 26 विद्यार्थियों ने गेट 2014 में सफलता प्राप्त की।
- विभाग के दो विद्यार्थियों ने यू.जी.सी. नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त की।
- विभाग के तीन विद्यार्थियों ने केट परीक्षा में सफलता प्राप्त की।
- विभाग के छात्रों द्वारा प्रख्यात संस्थानो जैसे मेनिट इलाहाबाद, इंटर यूनिवर्सिटि फार एस्ट्रोनॉमी एण्ड एस्ट्रोफिजिक्स पुणे में समर इंटरनशीप।
- विभाग के छात्रों द्वारा पावर डिस्ट्रिव्यूशन कम्पनी लिमिटेड रेक द्वारा मेरिट छात्रवृत्ति में चयन।

foHkkxh; f'k{kdksa dh miyfC/k;k¡

- विभागीय शिक्षकों द्वारा अतरराष्ट्रीय जर्नल में 05 शोध पत्र प्रकाशित।
- विभागीय शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में 02 शोध पत्र प्रस्तुत।
- विभागीय शिक्षकों द्वारा अतरराष्ट्रीय जर्नल की समीक्षा हेतु चयन।

i|e[k {k=

- फेब्रिकेशन आफ मेटल मेट्रिक्स कम्पोजिट्स (एम.एम.सी.एस.)
- स्टडी आफ माईक्रो एण्ड मेक्रो मशीन आफ पालिमर मैट्रिक्स कम्पोजिट्स (पी.एम.सी.एस.) एण्ड मेटल मैट्रिक्स कम्पोजिट्स (एम.एम.सी.एस.)
- फ्रिक्शन स्टायर वेल्डिंग
- माईक्रोमेकेनिंग

2.1.3 विधि अध्ययनशाला

विधि अध्ययनशाला के अंतर्गत एक विभाग है।

विधि विभाग

वर्ष 2012 में स्थापित यह विभाग विश्वविद्यालय के नवीनतम विभागों में से एक है। विभाग का उद्देश्य विधि के क्षेत्र में सीखने शिक्षण और ज्ञान के विकेन्द्रीयकरण का उन्नयन करना है। यह समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप वकालत, न्यायिक सेवाओं, विधि अधिकारी एवं विधि निर्मताओं के व्यावसायिक कौशल का विकास, उनके व्यवसाय के अनुरूप करता है। विभाग का उद्देश्य कानूनी शिक्षा के सभी स्तरों पर श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिये विधि की शिक्षा को वृहद् स्तर पर लागू करना है। विभाग बी.ए.एल.एल.बी., और बी.कॉम, एल.एल.बी., के दो एकीकृत पंचवर्षीय पाठ्यक्रम संचालित होते हैं। विभाग में उच्च योग्यताधारी प्रशिक्षित एवं प्रतिब्ध शिक्षक सदस्य हैं। विभाग के पास नवीनतम् पुस्तकों, रिपोर्टों एवं अन्य पाठ्य सामग्रियों से सुसज्जित पुस्तकालय है।

A hearing in moot court

A moot court session in progress

Students consulting books in library

fo|kfFk;ks dk miyfCèk;k%

- अंतर संकाय खेलकूद प्रतियोगिता/2013–14 में बी.ए.एल.एल.बी., एवं बी.कॉम.एल.एल.बी. के विद्यार्थियों ने रस्सा–कशी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- वार्षिकोत्सव 2013–14 के अवसर पर आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में बी.एल.एल.बी., एवं बी. कॉम एल.एल.बी. के छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.एल.एल.बी. पंचवे सेमेस्टर के छात्र आशुतोष ठाकुर को शैक्षणिक सत्र 2013–14 के दौरान विधि अध्नशाला में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर रूपये 10,000 का पारितोषिक दिया गया।
- बी.कॉम, एल.एल.बी. के पांचवे सेमेस्टर की छात्रा आयशा अंजुम एवं बी.ए. एल.एल.बी. पांचवे सेमेस्टर की छात्रा अभ्युन्नति सिंह, ने टेकफेस्ट 2013–15 '' माय विजन 2030 '' में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.कॉम.एल.एल.बी. पांचवे सेमेस्टर की छात्रा कु0 नीतू सिंह ने अंतर संकाय खेल–कूद प्रतियोगिता 2013–14 के अंतर्गत शॉट–पुट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- बी.कॉम.एल.एल.बी. पांचवे सेमेस्टर की छाया आयशा अंजुम ने टेकफेस्ट 2013–14 के अन्तर्गत '' लाइट्स कैमरा एक्शन'' श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

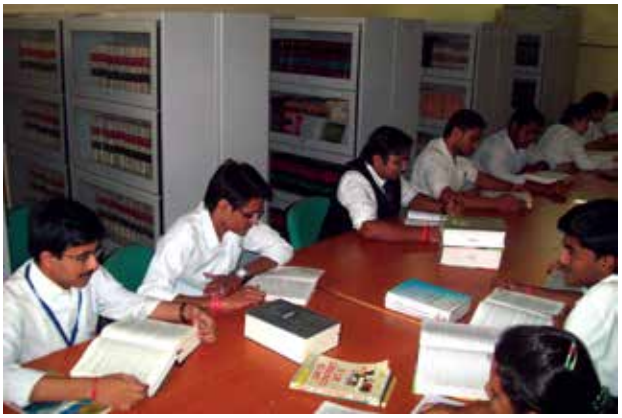

- बी.कॉम, एल.एल.बी. पांचवे सेमेस्टर की छात्रा आयशा अंजुम, बी.एल.एल.बी. पांचवे सेमेस्टर की छात्रा अभ्युन्नति सिंह एवं बी.ए. एल.एल.बी. के पांचवे सेमेस्टर के छात्र शांतम अवस्थी ने बैंगलोर में सितम्बर 2013 में आयोजित क्राइस्ट यूनिवर्सिटी मूट कोर्ट प्रतियोगिता में भाग लिया।

2.1.4 जीव विज्ञान अध्ययनशाला

इस अध्ययनशाला के अंतर्गत पांच विभाग हैं –

- मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास विभाग
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग
- वनस्पति शास्त्र विभाग
- न्यायालयिक विज्ञान विभाग
- प्राणी विज्ञान विभाग

मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास विभाग

मानवशास्त्र विभाग की स्थापना सन् 1989 में की गई। मानवविज्ञान एवं आदिवासी विकास विभाग इस विश्वविद्यालय का सबसे पुराना विभाग है। अपनी स्थापना के समय से ही

HOD teaching pre-Ph.d coursework class

Mentor listening to the problems of the students

यह विभाग आदिवासियों की जनसंख्या तथा उनके सांस्कृतिक वैविध्य को तथ्य–पूर्ण ढंग से संरक्षित करने की अपनी उदार–दृष्टि की विशेषताओं को धारण कर रहा है और मानवशास्त्र विभाग समाज विज्ञान के रूप में पिछड़े वर्ग के बहुमुखी विकास के साथ–साथ प्रदेश के कल्याण के रूप में राष्ट्र की बेहतरी के लिए मजबूती के साथ प्रतिबद्ध है। विभाग अपनी स्थापना के समय से ही मानवशास्त्र विषय में एम.ए./एम.एस.सी. पाठ्यक्रम तथा सामाजिक मानवशास्त्र विषय में एम.फिल (2009 से समाप्त) विशेषज्ञता प्रदान करता है। विभाग द्वारा एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (10 सेमेस्टर) (बाहर होने के सुविधा के साथ बी.ए./बी. एस.सी.–3 (6 सेमेस्टर) + एम.ए./एम.एस.सी.–2 वर्षीय 2009–10 से लागू) करने के साथ–साथ 2 वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में भी सीधे नामांकन करता है। विभाग द्वारा एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में सामाज के विविध पक्षों से जुड़े विषयों का अध्ययन किया जाता है। उत्तरदायित्व स्तर पर चिकित्सकीय मानवशास्त्र एवं आदिवासी विकास में विशेष पाठ्यक्रम संचालित करता है। विश्वविद्यालय के उन्नयन पश्चात (वर्ष 2009) विभाग में जैविक मानवशास्त्र को सम्मिलित किया गया जिससे की मानव संरचना एवं ह्यूमन जेनेटिक पर ध्यान दिया जा सके।

विभागों द्वारा छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, बंगाल एवं महाराष्ट्र के विभिन्न आदिवासी समूहों के बीच फील्ड वर्क किया गया और कई शोध प्रकल्पों को पूर्ण किया गया। इस शोध प्रकल्पों के अध्ययन के मुख्य केन्द्र थे – विकासगत कारणों से आदिवासी समूहों को विस्थापन एवं उनकी पुर्नस्थापना के लिये आवश्यक सुझाव, आदिवासी ऋण की समस्याएं, विभिन्न आदिवासी समूहों की आहार की स्थिति, आदिवासियों के स्वास्थ्य संरक्षण संबंधी पद्धति एवं प्रयोग के साथ–साथ विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दे एवं समस्याएं। विभाग 700 पुस्तकों से युक्त विभागीय ग्रंथालय का रख–रखाव भी करता है।

कार्यक्रम का नाम/संबंधित पाठ्यक्रम (यू.जी.पी.जी.,पीएच.डी., एकीकृत स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम आदि)

- एकीकृत स्नातक और स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम
- स्नात्कोत्तर
- पीएच.डी. (शोध)

vèkk l jpuk

विभाग एवं सुविधाओं से अनुदानित है, जैसे – एन्थ्रोपोमेट्रिक उपकरण, ऑस्टेयोमेट्रिक उपकरण, सेरोलॉजिकल उपकरण, डेरमाटेग्लेफिक उपकरण, मॉलिक्युलर जेनेटिक्स उपकरण – मिनी एण्ड माइक्रोसेन्ट्रीफ्यूज, बोरटेक्स मिक्सचर, ट्यूब रॉकर आदि।

l xgky ;

विभाग में आदिवासी सामाज के जीवन से जुड़ा एथनोग्राफिग म्युजियम तैयार किया गया है। प्रागैतिहासिक कालीन औजारों तथा उस समय की संस्कृति से जुड़े चट्टानों का संग्रह किया गया है।

foHkkx dk i e[k {k=

विभाग भौतिक संस्कृति, सामाजिक संस्थाओं, आदिवासी विकास, आदिवासी स्वास्थ्य एवं खान–पान, जीन विविधता आदि, छत्तीसगढ़ और मध्य भारत के विभिन्न आदिवासी समूहों के जीवन के विविध पहलुओं का अध्ययन करता है।

Nk=k dh miyfCèk;k

- एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र श्री शत्रुध्न सिंह श्याम ने दिसम्बर 2013 की यू.जी.सी. नेट परीक्षा पास की है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

जैव प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना सन् 1996 में विज्ञान संकाय (वर्तमान में जीव विज्ञान संकाय के अंतर्गत) के अंतर्गत जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने एवं प्रशिक्षित जैव प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ तैयार करने के उद्देश्य से की गई। विभाग में कोर्स वर्क के माध्यम से पीएचडी सहित स्नातक, स्नातकोत्तर स्तर पर दो वर्षीय एम.एस.सी. एवं पांच वर्षीय एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर (जैव प्रौद्योगिकी) संचालित है। प्रारम्भ से अब तक इस विभाग से स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के सोलह बैच उत्तीर्ण हो चुके हैं। विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित जीआरई, सीएसआईआर–यूजीसी (नेट), गेट, आईसीएमआर, डीबीटी–बीईटी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। अध्यापन एवं शोध सुविधा के उन्नयन के लिये ''डीबीटी बिल्डर प्रोग्राम'' के तहत जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) से इस विभाग को अनुदान प्राप्त हुआ है। बायोस्पेक्ट्रम सर्वे में जैव प्रौद्योगिकी विभाग को भारत के शीर्ष 10 जैव प्रौद्योगिकी संस्थानों में स्थान प्राप्त हुआ है।

विभाग में पीएचडी कार्यक्रम यूजीसी विनियम के अनुसार संचालित है। विभाग के 11 विद्यार्थियों ने शोध उपाधि प्राप्त की एवं 08 विद्यार्थी शोध कार्यक्रम में पंजीकृत हैं। 02 विद्यार्थियों ने यूजीसी के विनियम के तहत कोर्स वर्क में प्रवेश लिया है। विभाग के पूर्व छात्र विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में कार्यरत हैं, जिनमें 'इस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी', यूनिवर्सिटी ऑफ हिडलबर्ग जर्मनी, सेरम इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डिया लिमि., एण्ट्रो वायरस रिसर्च सेंटर, आईसीएमआर, रोष डायग्नोस्टिक्स आदि शामिल हैं।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग में पादप एवं पशु उतक संवर्धन, सूक्ष्म जीवविज्ञान एवं जैव रसायन, आणविक जीव विज्ञान एवं बायोइन्फार्मेटिक्स के लिये सुविधाएं अच्छी तरह विकसित की गई हैं। प्रयोगशाला में अनेक उपकरणों की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें पीसीआर थर्मल साइक्लर, जेल डाक्यूमेन्टेशन सिस्टम, वॉक इन–कोल्ड रूम, सी ओटू इन्क्यूबेटर, जैसे क्रोमैटोग्राफ, लैबोरेटरी फर्मेन्टर, इलिसा रीडर एण्ड वॉशर, अल्ट्रासोनी केट्र्स एण्ड फ्लूरोसेंट रिसर्च माईक्रोस्कोप है। उपर्युक्त सुविधाओं के अतिरिक्त जीव विज्ञान अध्ययनशाला के अन्तर्गत केन्द्रीय उपकरण सुविधा के रूप में हाई परफार्मेंस लिक्विड क्रोमेटोग्राफी, एलसी–एमएस/एनएस (एचपीसीएल) रियल टाइम पॉलिमरीज चेन रिएक्शन (आरटी–पीसीआर), केमिडॉक एण्ड एटॉमिक एब्सर्पशन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर जैसे उपकरण भी उपलब्ध हैं।

विभाग में शोध के उद्देश्य से हाल ही में कुछ महत्वपूर्ण उपकरण जैसे कि इन्वर्टेड फ्लूरोसेंट माइक्रोस्कोप, वैक्यूम ड्रायर, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, –80 डी फ्रीजर, हाई स्पीड कुलिंग सेण्ट्रीफ्यूज एण्ड बायोसेफ्टी केबिनेट की खरीदी की गई।

अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में बायोरिमिडिएशन ऑफ हाइड्रोकार्बन्स एण्ड पेट्रोलियम कंटेमिनेटेड स्वायल, फंगल बायोडाइवर्सिटी स्टडीज फॉर बायोएक्टिव कम्पाउंड्स, बायोरिफाइनरी एण्ड बायोप्रोसेस बेस्ड ऑन एग्रो एण्ड फारेस्ट वेस्टेज, माइक्रोबियल एण्ड प्लांट एन्जाइम्स एण्ड सेकेड्री मेटोवोलाइट्स फंक्शनल जिनोमिक्स ऑफ माइक्रोबेस, नैनोटेक्नॉलॉजी, न्यूरोसाइंस एण्ड हेक्टोप्रोटेक्शन आदि सम्मिलित हैं। स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की संरचना में शोध पर जोर दिया गया है। जैव प्रौद्योगिकी के चार प्रमुख क्षेत्र मोइक्रोबियल बॉयोटेक्नालॉजी, एण्डवान्स प्लान्ट एण्ड एग्रीकल्चर बायोटेक्नालॉजी एवं इन्वायरमेन्टल बायोटेक्नालॉजी को वैकल्पिक प्रश्न पत्र के रूप में सम्मिलित किया गया है और विद्यार्थियों को संबंधित क्षेत्र में शोध समस्याओं को उठाने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है।

उद्यमिता एवं प्रबंधन भी एम.एस.सी. जैव प्रौद्योगिकी कोर्स वर्क के पाठ्यक्रम का भाग है। यह उद्यमिता के क्षेत्र में नए अवसर उपलब्ध कराता है। केन्द्रीय पुस्तकालय में पाठ्य पुस्तकों के अद्यतन संस्करण, संदर्भ पुस्तकें, विज्ञान पत्रिकाएं एवं शोध पत्रिकाओं की

सुविधा उपलब्ध है। इंटरनेट सुविधाओं के माध्यम से 'इन्फ्लीबनेट' और साइंस डायरेक्ट ऑन लाईन शोध आलेख भी उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त विभागीय पुस्तकालय में लगभग 2274 पुस्तकें हैं जिसमें 130 पुस्तकें विद्यार्थियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए प्रतिवेदन वर्ष में शामिल की गई है।

foHkkx }kjk vk;kftr lEeyu@lxk"Bh@vkef=r 0;k[;ku

- मूलभूत विज्ञान के अध्ययन के प्रति युवा प्रतिभाओं को आकर्षित एवं प्रोत्साहित करने एवं विज्ञान के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के युवाओं में अभिरूचि उत्पन्न करने के मूल उद्देश्य के साथ गुरू घासीदास विश्वविद्यालय ने इन्स्पायर इन्टर्नशिप समर कैम्प का आयोजन 24 से 28 जून, 2014 तक किया। विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों ने इन्स्पायर कार्यक्रम में भाग लिया। कम उम्र में ऐसे कार्यक्रम में भाग लेना, विज्ञान के क्षेत्र में उत्सुकता एवं रूचि का विकास करने के लिये एक स्रोत के रूप में काम करेगा। परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ राज्य में विज्ञान एवं तकनीकी की पहुंच का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार तथा शोध व विकास का आधार निर्मित होगा।
- आदिवासी एवं ग्रामीण संसाधन विकास के लिये विज्ञान संस्थान के प्रो. प्रेमानन्द दास ने 14 अगस्त 2013 को ''हर्बल फार्मुलेशन फॉर द ट्रीटमेंट लिम्फैटिक फाईलेरियासिस'' विषय पर व्याख्यान दिया।
- जे.पी. सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश के डॉ. दीपांकर सेनगुप्ता ने ''केमिकल इन्फार्मेटिक्स एण्ड इट्स सिनेरियो इन इण्डिया'' विषय पर 10 मार्च 2014 को व्याख्यान दिया।
- आदिवासी एवं ग्रामीण संसाधन विकास के लिये विज्ञान संस्थान के प्रो. प्रेमानन्द दास ने 25 जुलाई 2014 को ''ओलैक्स स्कैण डेन्स रॉक्स्ब से बायो डीजल का उत्पादन, एक नया एव तेल का सशक्त समृद्ध स्रोत'' विषय पर व्याख्यान दिया।

fo|kfFk;k }kjk uV@xV@tvkj,Q ea lQyrk

राजन झा (सीएसआईआर–जेआरएफ दिसम्बर 2013 में 55वां स्थान)

fo|kfFk;k dh vU; miyfC/k;k

- हुमैरा शेख, माधुरी गही, सुपर्णा घोष, सुमन केशरी, अजय कुमार सिंह एवं सरोज कुमार पंकज बीसीआईएल प्रशिक्षण हेतु चयनित
- शेली पाल का एनबीआरसी के एकीकृत एमएससी पीएचडी कार्यक्रम में चयन
- कु. श्वेता ने सत्यभामा विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 30 से 31 जनवरी 2014 तक ''थीम मीटिंग ऑन एडवांस्ड कैरेक्टराईजेशन टेक्निक्स फार इंजीनियर नैनो मटेरियल्स (एसीटीईएन–2014)'' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया।
- शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिये नेहा पाण्डे एवं कु. श्वेता को डीएसटी इन्स्पायर वरिष्ठ अध्येता शोध वृत्ति प्रदान की गई।
- विभाग के शोध छात्रों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में अनेक शोध पत्र प्रकाशित किए।

foHkkx ds fo|kfFk;k dh ifjlj ds vnj ,o ckgj fofHkUu lkekftd@jk"Vh; lok ;ktuk@lkLdfrd@ [ky@ vU; ikB;Rrj xfrfof/k;k e Hkkxhnkjh

- दिनांक 23 –28 फरवरी, 2013 तक विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों जैसे – प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर प्रदर्शन एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया।
- विश्वविद्यालय में आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में जैव प्रौद्योगिकी विभाग के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की एवं पुरस्कार प्राप्त किया।
- 02 जनवरी 2014 को विवेकानन्द जयंती समारोह में भाग लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित स्वच्छ एवं हरित परिसर गतिविधि में सहभागिता की।

f'k{kdk dh miyfC/k;k

- विभाग के शिक्षको ने विभिन्न प्रतिष्ठित पत्रिकाओं जैसे – बाईरिसोर्सेस, इंटरनेशन जे. ऑफ बायोलॉजिकल मेक्रोमॉलिक्यूल्स, मॉलिक्यूलर फार्मास्युटिक्स, पीएलओएस–1, बीएमसी बायोइन्फार्मेटिक्स, इण्डस्ट्रियल क्राप एण्ड प्रोडक्ट्स, मॉलिक्युलर मॉडलिंग, करेंट केमिकल बायोलॉजी, मॉलिक्यूलर डायवर्सिटी आदि के शोध लेखों की समीक्षा की।
- पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 22–24 नवम्बर 2013 तक परम्परागत ज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. हरित झा ने ''ए स्टडी ऑन स्ट्रक्चरल प्रापर्टीज् एण्ड स्टेबिलिटी ऑफ लिग्निन बेस्ड बॉयोपॉलिमर्स'' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र आरटीएम नागपुर में 21 जून 2014 को डॉ. हरित झा ने ''एप्लीकेशन ऑफ लिग्नोसेलुलोसिक वेस्ट फार प्रोडक्शन ऑफ यूजफुल प्रोडक्ट्स'' शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वनस्पतिशास्त्र विभाग

वर्ष 2009 में स्थापित वनस्पतिशास्त्र विभाग, जीवविज्ञान अध्ययनशाला के अंतर्गत स्थापित नवीनतम विभागों में से एक है। यह विभाग वनस्पतिविज्ञान में आधार भूत स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों प्रकार के पाठ्यक्रमों को संचालित करता है, साथ ही विभाग द्वारा एकीकृत पंचवर्षीय स्नातकोत्तर (बी0एस0सी0–3 वर्षीय (छोड़ने की सुविधा के साथ) व एम0एससी0 2 वर्षीय) एवं 11 शोध–छात्रों के साथ पीएच. डी. कार्यक्रम संचालित हो रहा है, तथा विभाग में 01 पोस्ट डॉक्टोरियल फेलो भी है। एकीकृत पंचवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के अंतर्गत सजीव जगत, पादप विविधता, सेलबायोलाजी, जेनेटिक्स, प्लांटफिजियोलाजी एवं प्लांटइकोलाजी (पादप पारिस्थितिकी) उपकरणीय कौशल का उच्चज्ञान, प्लांटटिश्यूकल्चर तकनीक, आणविकबायोलाजी, प्लांट रीप्रोडक्टिवबायोलाजी, फार्माकोग्नोसी, बायोनैनोटेक्नालॉजी, पॉलीनोलाजी एण्ड बायोरिसोर्स आफ छत्तीसगढ़ जैसे विषयों का आधारभूत ज्ञान प्रदान करता है। संचालित पाठ्यक्रमों में 4 विषय–क्षेत्र उपलब्ध हैं, जिसमें प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलाजी, एनवायरनमेंटल बायलोजी, एथिनोबाटनी एण्ड नेचुरल रिर्सोस यूटिलाईजेशन और फक्शंनल प्लांट बायोलाजी जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

विभाग में तीन प्रयोगशालाएं है जिनमें विविध प्रकार के शैवाल (शुद्ध जल, सामुद्रिक वास–स्थानों के स्थलीय एवं जलीय शैवाल) बायोफाइट्स, जियोस्पर्मस एंजियोस्पर्म प्रमुख है, विभिन्न प्रकार के कवक तथा उनसे होने वाली बीमारियों से संबंधित सामग्री, अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं। विभाग की प्रयोगशाला में निम्नलिखित मुख्य उपकरणों की सुविधाएं उपलब्ध हैं:– माइक्रोस्कोपी विथ लिका (डी.एम.–2000) ट्रायनोक्यूलर रिसर्च माइक्रोस्कोप, डी.एन.ए.,आर.एन.ए. और प्रोटीन के विश्लेषण के लिए जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस, पी.सी. आर. थैरोमॉक्यूलर, बी.ओ.डी. इन्क्यूवेटर, लैविनर फ्लो आटोक्लेव यूनिट्स, डीप फीज्र (.–20) गैस सैम्पलिंग किट, रीस्पाइरेबल डस्ट सैम्पलर, हॉटप्लेट एक्सटैक्सिंग यूनिट, गैस क्रोमेटोग्राम एनालटिकल वाटर प्यूरीफिकेशन सिस्टम, केजेलदहल डाइजेशन यूनिट, रोटरी ईवोप्यूरेटर आदि। विभागीय ग्रंथालय में विद्यार्थियों तथा अध्यापकों की आवश्यकता के अनुसार 2000 से अधिक किताबें हैं, सांदर्भिक ग्रंथों तथा ऑनलाइन जर्नल्स की भी सुविधाएं उपलब्ध हैं। 24ग7 के क्षेत्र में विभाग इंटरनेट के (तार तथा बेतार) माध्यमों से जुड़ा है।

विभाग के शिक्षक निम्नलिखित क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं–माइक्रोबायोलाजी, स्ट्रेस फिजियोलाजी, प्लांट रिप्रोडक्टिव फिनोलाजी, जैव प्रौद्योगिकी, एनवायरनमेंटल बायोलाजी, बायोनैनोटेक्नालाजी, मेडिकल एण्ड नेचुरल प्रोडक्ट, बाटनी रिस्टोरेशन स्टडीज एण्ड बायोडायवर्सिटी कन्जर्वेशन आदि। विभागीय अध्यापकों ने विज्ञान की दुनिया में अपने शोधपत्रों के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, और कई राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किये है, जैसे न्यू पैथोलाजिस्टएवार्ड,डी.एस.टी..बी.ओ.वाई.एस. सी.ए.एस.टी. फेलोशिप, डी.बी.टी.ओवरसीज एसोशियेटशिप, जे.एस.पी.एस.पोस्ट डाक्टोरियल फेलोशिप, जे.यू.ए.एन.डी.ई.एल.ए.सी.आई. आर.व्ही, डी.बी.टी. ओवरशिप एसोशियेटशिप, पोस्टडाक्टोरियल फेलोशिप – डी.बी.टी. कटिंग एज बायोटेक्नालॉजी एसोशियेटशिप, शोध पत्रों के सम्पादन में भी विभागीय प्राध्यापकों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय दोनो तरह के शोध–पत्रों के ऑडिटोरियल बोर्ड के वे सदस्य है।

foHkkx }kjk vk;ksftr ie[k dk;Øe

- ''एडवांसेज इन प्लांट साइंसःआर.एन.ए. टेकनिक्स'' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 08 फरवरी 2014 को किया गया।
- एटामिक ऐब्जार्बशन एस्पेक्ट्रोस्कोपी विषय पर छः फरवरी 2014 को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।
- ''गैस क्रोमेटोग्राफी'' से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 22 नवम्बर 2014 को विभाग में किया गया।

विभागीय सदस्यों की प्रमुख उपलब्धियॉ

- प्रो.एस.के.चतुर्वेदी को ''ईस्ट हिमालयन सोसायटी फार स्पेयरमैटोफाइट टेक्सोनॉमी (एफ.ई.एच.टी) के लिए 19 मार्च 2014 को रिसर्च फेलो निर्वाचित किया गया।
- डॉ.एस.के.चतुर्वेदी ''द सोसायटी आफ प्लांट रिप्रोडक्टिव बायोलाजिस्ट (एफ.एस.पी.आर.बी.) के फेलो निर्वाचित हुए।

foHkkx ds fo|kfFk;ksa dh ie[k miyfC/k;k¡

- विभाग की शोध छात्रा कु. नौरीन सबा खान को 2013–14 की मौलाना आजाद राष्ट्रीय शोध अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।
- विभाग की शोध छात्रा कु. नीलिमा मरावी को वर्ष 2013–14 की राजीव गांधी शोध अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।

न्यायालयिक विज्ञान विभाग

वर्ष 2012 में सीापित न्यायालयिक विज्ञान विभाग नवीनतम विभाग है। आपराध के बदलते परिदृश्यों के साथ–साथ सामाजिक अपेक्षाओं, दायित्व और कानून को लागू व संचालित होने को लेकर आज कल न्यायालयिक समुदाय की ओर गंभीरता पूर्व देखा जा रहा है।

Footprint casting

Tracing fingerprint impression

अपनी स्थापना के साथ ही न्यायालयिक विज्ञान विभाग को प्रयोगशाला संबंधी कार्यों एवं आवश्यक मानकों को प्राप्त करने के लिए पूर्ण शिक्षित प्रशिक्षित/मानवशक्ति की बुनियादी आवश्यकता है। इसी कारण विश्वविद्यालय ने न्यायालयिक विज्ञान विभाग की स्थापना की है। जिससे इस क्षेत्र के लिए निर्धारित मानवशक्ति का निर्माण किया जा सके।

foHkkx dk eq[; mn~ns'; vxfyf[kr gS

- गुणवत्तापूर्ण एवं कौशलयुक्त शिक्षा प्रदान करना।
- न्यायालयिक विज्ञान के विभिन्न अनुशासनों में शोध और विकास को शामिल करना।
- अपराध जॉच व अन्वेषण मे ंप्रायोगिक प्रशिक्षण देना।

अकादमिक सत्र 2012–13 से दो नए पाठ्यक्रम, पंचवर्षीय एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रम और एम.एस.सी. कार्यक्रम की शुरूआत की गयी है। नवीनतम स्थापित यह विभाग शिक्षण हेतु पूर्णतः तैयार कक्षों को उपलब्ध कराने के साथ–साथ न्यायालयिक प्रायोगीकृत विश्लेषण हेतु पूर्ण सुसज्जित प्रयोगशाला उपलब्ध कराता है जिसमें आधारभूत एवं उच्चीकृत उपकरण, ग्लासवायर्स, रसायन एवं रिजेन्ट–टिक उपलब्ध है। प्रमाणों के विश्लेषणात्मक खोज एवं अपराध जॉच प्रबंधन के लिए सभी उपकरणीय सुविधाएं उपलब्ध है।

प्राणी विज्ञान विभाग

जीवविज्ञान अध्ययनशाला के संघटक के रूप में प्राणिविज्ञान विभाग वर्ष 2009 में स्थापित हुआ। जिसका प्रमुख उद्देश्य उच्च गुणवत्तायुक्त विज्ञान की शिक्षा प्रदान करने के साथ साथ युवा मस्तिष्क को प्राणिविज्ञान के क्षेत्र में होने वाले शोधों एवं सिद्धांतों के प्रति जागरूक बनाना है। विभाग द्वारा आधारभूत चिकित्सकीय शोध के क्षेत्र में शिक्षित करने हेतु स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित किए गये हैं। हाल–फिलहाल विभाग ने रिप्रोडक्टिव इण्डोक्रोनोलॉजी, टॉक्सिकोलॉजी और न्यूरोसाइंस जैसे क्षेत्र में पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित किया है। विभाग ने तत्काल में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध स्तर पर एनीमल सेल कल्चर टेक्नीक का प्रारंभ किया है जिसके लिए तीन सीओटू इन्क्यूबेटर्स खरीदे गए हैं। विभाग ने माइक्रोस्कोपिक स्टडी के लिए जेइस इन्वर्टेड माइक्रोस्कोप, मालिकुलर प्रोटीन वर्क के लिए 2डी इलेक्ट्रोफोरेसिस सिस्टम, सेक्शनिंग ऑफ स्मूथ टिश्यू के लिए क्रायोसैट ऑर इम्यून एसे व प्रोटीन के लिए एलिसा रीडर भी प्राप्त किया है। विद्यार्थियों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए विभागीय गंथालय में लगभग 271 पुस्तकें जोड़ी गयी है। विभाग एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तीन वर्ष के उपरांत बी.एस.सी (ऑनर्स) उपाधि निकास विकल्प के साथ और दस सेमेस्टर पूर्ण होने पर एम.एस.सी. की उपाधि के साथ संचालित करता है।

Honorable VC, Invited_Speaker, Dean, and HOD during a Two-days National Workshop

Participants and invited speaker during discussion session at a workshop

Dignitaries during National Workshop

f'k{kd lnL;k dh miyfC/k;k¡

- डॉ. सीमा राय ने 24 एवं 25 अगस्त 2013 को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन सचिव के रूप में ''अल्टरनेटिव टू यूज आफ एनिमल्स सेक्रिफाइस इन लाइफ साइंस एजुकेशन फार टीचर्स'' विषय पर आयोजित किया ।
- डॉ. सीमा राय ने 25 जनवरी 2014 को ''जैविक विज्ञान के क्षेत्र में आधुनिकीकरण'' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया ।
- डॉ. सीमा राय ने 02 सितंबर 2013 को आमंत्रित प्रवक्ता के तौर पर अकादमिक स्टाफ कालेज गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ0ग0) में ''उम्र बढ़ने के संदर्भ में स्तनधारी प्रतिरक्षा प्रणाली'' विषय पर व्याख्यान दिया ।
- डॉ. सीमा राय ने 14 सितंबर 2013 को आमंत्रित प्रवक्ता के तौर पर'' अन्तः विषय अनुसंधान परियोजना लेखन'' विषय पर अकादमी स्टाफ कालेज गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ0ग0) में व्याख्यान दिया।
- डॉ. सीमा राय ने आमंत्रित प्रवक्ता के तौर पर 10 जुलाई 2013 को ''बढ़ती उम्र बनाम प्रतिरोधक क्षमता'' विषय पर अकादमी स्टाफ कालेज गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ0ग0) में व्याख्यान दिया ।

fo|kfFk;k¡ dh miyfC/k;k¡

- छात्र हिन्दोले घोष, कक्षा एम.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर ने सी.एस.आई.आर. यू.जी.सी. नेट में लेक्चररशिप हेतु पात्रता परीक्षा में सफलता प्राप्त की ।
- छात्र रोहित राज कक्षा एम.एससी द्वितीय सेमेस्टर का भारतीय विज्ञान अकादमी बेंगलूरू द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन शोध छात्रवृत्ति कार्यक्रम में चयन ।
- छात्र रोहित राज एम.एससी. द्वितीय सेमेस्टर ने भारतीय अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र कोलकाता (IISER) में ''आधुनिक जीवविज्ञान की सीमाएं'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमीनार में सहभागिता की ।
- छात्रा प्रिया सिंह बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर ने सत्यभामा विश्वविद्यालय चेन्नई द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित अंतः विश्वविद्यालयीन ''ताइक्वान्डो'' प्रतियोगिता में भाग लिया ।
- छात्रा जेनिया पैन्गास एम.एससी. 2013 ने विश्वविद्यालयीन स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त किया ।
- छात्रा अन्नेपु करिश्मा बी.एससी. 2013 ने विश्वविद्यालयीन स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त किया ।

2.1.5 प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला

अध्ययनशाला के अंतर्गत दो विभाग हैं – वाणिज्य विभाग एवं प्रबंध अध्ययन विभाग।

वाणिज्य विभाग

वर्ष 1986 मे स्थापित वाणिज्य विभाग ने वाणिज्य एवं संबंधित विषयों के क्षेत्र में स्वयं को गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा एवं शोध के केन्द्र के रूप में स्थापित किया है। यह विभाग विश्वविद्यालय के प्राचीनतम विभागों में से एक है। यह विभाग शिक्षकों और विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास के लिए समूह चर्चा और संगोष्ठियों का आयोजन कर अवसर प्रदान करता है।

इस पाठ्यक्रम की ख्याति को देखते हुए एकीकृत पंचवर्षीय स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रम में 300 से बढ़ाकर 500 सीटों की व्यवस्था और एम.कॉम 20 से बढ़ाकर 75 सीटें प्रतिवेदन वर्ष में की गयी।

fo|kfFkZ;ksa dh miyfC/k;k¡

- कु.दीपिका दर्शन एवं कु.कल्पना कंवर एम.काम. तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं द्वारा यू.जी.सी.नेट परीक्षा दिसम्बर 2013 में सफलता प्राप्त।
- बास्केट वॉल टीम (पुरूष/महिला) द्वारा विश्वविद्यालय स्तरीय अलग–अलग बास्केट वॉल प्रतियोगिता में प्रतिभागिता एवं प्रथम स्थान प्राप्ति।
- श्री उमेश रजक, कु. लक्ष्मी साहू, कु. हर्षा टेंभुर्निकर, श्री शुभम केरकेट्टा द्वारा अन्तर्विश्वविद्यालयी बास्केट बाल प्रतियोगिता में गुरू घासीदास विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व।

प्रबंध अध्ययन विभाग

स्थापना 1988 में, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान एवं उद्यम तथा संस्कृति को बढ़ावा देते हुए छात्रों को नये आर्थिक युग के प्रभावशाली प्रबंधक के रूप में विभाग द्वारा तैयार किया जाता है।

विभाग से बाहर स्वयं के लिए स्थान बनाने हेतु भारत के अग्रणी प्रबंधन शालाओं में विभाग को स्थापित करने हेतु विभाग द्वारा एम.बी.ए. छात्रों के सफल बैच शिक्षित एवं प्रशिक्षत होकर देश, विदेशों के प्रतिष्ठित व्यावसायिक घरानों, बैंकिंग एवं वित्त, विपणन, सामान्य प्रबंधन तथा शिक्षा के क्षेत्र में चयनित हैं। कई सफलतापूर्वक स्वयं के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का प्रबंधन कर रहे हैं।

विभाग प्रबंध अध्ययन में परास्नातक स्तर पर पूर्णकालिक द्विवर्षीय पाठ्यक्रम संचालित करता है तथा प्रबंध अध्ययन में शोध पाठ्यक्रम भी संचालित करता है।

foHkkx dk izeq[k mís'; bl izdkj gS &

- प्रबंधन में जीविका के अवसरों की प्राप्ति हेतु विद्यार्थियों का प्रशिक्षण एवं विकास।
- वर्तमान प्रतियोगी विश्व की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक अभिव्यक्तिशील एवं मौखिक निर्णय की क्षमता का विकास करना।
- समाज के भावी प्रबंधक के रूप में विद्यार्थियों में उपयुक्त मूल्यों एवं व्यवहार का विकास।
- प्रबंधक के रूप में विद्यार्थियों में प्रबंधन क्षमता का विकास।
- शोध के माध्यम से प्रबंधन के क्षेत्र में नये कार्यक्षेत्रों की खोज पर बल देना।

विद्यार्थियों की उपलब्धियॉं:

- सुश्री प्रतिभा राय एवं सुश्री चंद्रावती निराला एम.बी.ए.तृतीय सेमेस्टर द्वारा यू.जी.सी.–नेट परीक्षा दिसम्बर 2013 की परीक्षा में सफलता प्राप्त।
- विभाग के विद्यार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय स्तरीय विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता एवं स्थान प्राप्ति।
- विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित प्रदर्शनी प्रतियोगिता में विभाग के छात्रों द्वारा निर्मित प्रदर्शनी को द्वितीय स्थान प्राप्त।

foHkkx }kjk vk;kftr xfrfofèk;k¡

- शिक्षण संस्थान – औद्योगिक संस्थान संवादः– औद्योगिकी संस्थानों के मिलने के साथ ही दिनांक 07.04.2014 को परा स्नातक छात्रों द्वारा भिलाई स्टील प्लांट का भ्रमण किया गया। विद्यार्थियों द्वारा बिलासपुर के विभिन्न औद्योगिक उत्पादन केन्द्रों का भ्रमण एवं व्यापार मेला के अंतर्गत 'सेलर मीट' में प्रतिभागिता।

f'k{kdksa dh miyfC/k;k¡

- छत्तीसगढ़ उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा मार्च 2013 में रायपुर में छत्तीसगढ़ आर्थिक संगठन के 5 वें वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय सेमीनार में प्रो.एल.पी. पटेरिया द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान।
- अकादमिक स्टाफ कालेज, गु.घा.वि.वि. द्वारा स्टाफ प्रशिक्षण के लिए आयोजित कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान।
- मार्च 2014 में NAAC पीअर टीम द्वारा विश्वविद्यालय के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के समन्वयक के रूप में भूमिका।

2.1.6 गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान अध्ययनशाला

अध्ययनशाला के अंतर्गत दो विभाग हैं – संगणक विज्ञान एवं सूचना तकनीकी विभाग एवं शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग। अध्ययनशाला के शिक्षक गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य कर रहे है तथा विद्यार्थियों सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।

संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1990 में एक वर्षीय पी.जी. डिप्लोमा (संगणक विज्ञान) पाठ्यक्रम के साथ की गई। इस पाठ्यक्रम को अपार लोकप्रियता एवं सफलता प्राप्त हुई। इसके उपरांत 1996 में परास्नातक संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम आरंभ किया गया। इसी क्रम में वर्ष 1998 में अखिल भारतीय शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई), नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त तीन वर्षीय एमसीए पाठ्यक्रम आरंभ किया गया। विभाग में बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित कंपनियों के अत्याधुनिक तकनीक से युक्त संगणक उपलब्ध है। विभाग के प्रत्येक विद्यार्थी को इन उच्च तकनीक से युक्त मशीनों पर पर्याप्त समय तक कार्य करने का अवसर उपलब्ध कराया जाता हे। संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के पास 5000 पुस्तकों से सुसज्जित पुस्तकालय है, जिसमें 1000 पुस्तकें अंतिम वर्ष में क्रय की गई है। विभाग में संगणक केन्द्र के अंतर्गत इंटरनेट (अंतर्जाल) की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसका उपयोग पाठ्यक्रम के अनुरूप प्रयोगशाला के रूप में भी किया जाता है।

विभाग के पास उच्च शिक्षित एवं योग्य शिक्षकों की पर्याप्त संख्या है जो राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से निरंतर संपर्क में हैं। विभाग के शिक्षक सदस्य शोध एवं विकास कार्यों में सक्रियता से संलग्न है। शिक्षकों के शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं। विभाग के शिक्षकों को देश एवं विदेश में समय–समय पर व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया जाता है। विभाग में समय–समय पर प्रसिद्ध शिक्षाविद्ों के व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं। विभाग के विद्यार्थियों को सजीव परियोजना के विकास हेतु प्रोत्साहित किया जाता है तथा विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में सॉफ्टवेयर विकास के निमित्त भेजा जाता है। संगोष्ठी एवं समूह परिचर्चा विभागीय नियमित कार्य प्रणाली का हिस्सा है। विभाग में संगणक विज्ञान के उभरते हुए विषयों पर यथाःडाटा माइनिंग, सॉफ्ट कम्प्यूटिंग तथा ई.गवर्नेंस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का अयोजन किया जाता है। इस प्रकार की संगोष्ठियां अत्यन्त सार्थक सिद्ध हुई है। कुछ संगोष्ठियों ने केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश के शोधार्थियों को आकर्षित किया है। संगोष्ठी के दौरान आमंत्रित विद्वानों द्वारा वक्तव्य दिये जाते है। विभाग सदैव शिक्षक–छात्र संवाद अंतर्क्रिया पर बल देता है। यह विभाग विद्यार्थियों को किसी भी समय शिक्षकों से मिलकर समस्या समाधान एवं सुझाव की स्वतंत्रता प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शोध के क्षेत्र में सहयोग स्थापित करने हेतु यह विभाग सतत् प्रयत्नशील है। विभाग विभिन्न सॉफ्टवेयर तथा शोध संगठनों से अंतसंबंध विकसित करने एवं उच्च प्रतिष्ठानों में विद्यार्थियों को संस्थापन के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से पाठ्यक्रम में समय–समय पर संशोधन करता है। रोजगार प्राप्ति के क्षेत्र में विभाग के विद्यार्थियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा है तथा उन्हें देश–विदेश में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्राप्त हुआ है।

विभाग वेबसाइट डिजाइनिंग और विकास से संबंधित प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन करता है जिसमें 700 से अधिक विद्यार्थियों ने भागीदारी की। गैर–तकनीकी पृष्ठभूमि से संबंधित विद्यार्थियों हेतु संगणक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन करता है जिसमें सोशल वर्क, शारीरिक शिक्षा विभाग के शोध छात्रों एवं विद्यार्थियों ने भागीदारी की।

foHkkx }kjk vk;kftr izeq[k xfrfof/k;k

- विद्यार्थियों के पूरे व्यक्तित्व के निर्माण के लिये प्रश्नोत्तरी, वाद–विवाद तथा दूसरे छात्र आधारित क्रियाकलापों का विभाग समय–समय पर वर्ष भर आयोजन करते रहता है।

f'k{kdksa lnL;ksa dh miyfC/k;k¡

- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय समय–समय पर अपने अकादमिक स्टॉफ कॉलेज में विशेषज्ञों के व्याख्यानों का आयोजन करते रहता है।

fo|kfFkZ;ksa dh miyfC/k;k

- जनवरी 2014 में वर्धा में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के वाद–विवाद प्रतियोगिता में एम.सी.ए. की छात्रा कुमारी किरण साहू, ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- तीन विद्यार्थियों, –अक्षय हिन्दुजा, (एम.सी.ए.), प्रवीण यादव, (एम.सी.ए.), तथा विमल दुबे, (पीएच.डी.) ने इसी वर्ष यू.जी.सी. नेट की परीक्षा पास की है।

शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग

शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग की स्थापना 1989 में की गई। विभाग हमें एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर निकास विकल्प के साथ एवं गणित में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.ए./एम.एस.सी. गणित), एकीकृत एम.फिल./पी–एच.डी. कार्यक्रम (निकास विकल्प के साथ) एवं शोध कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है। विभाग के विद्यार्थी भारत एवं भारत के बाहर के क्षेत्रों में कार्यरत हैं।

विभाग के शिक्षक सदस्य शोध एवं शिक्षण के निम्नलिखित क्षेत्रों में संलग्न है – एप्रॉक्सिमेशन थेयरी, मैथेमैटिक्स ऑफ फजी सेट्स, नॉन–लीनियर फंक्शनल एनालिसिस, (फिक्स्ड पोंईट थियोरी) मैथेमेटिकल मॉडलिंग एण्ड सिमुलेशन, डिफरेंट ज्यॉमेट्री एण्ड मनीफोल्ड्स।

f'k{kdk dh ie[k miyfCek;k¡

- प्रो. एस.पी. सिंह (सह–पर्यवेक्षक) ने संयुक्त रूप से प्रो. एस.एस. सिंह (मुख्य पर्यवेक्षक) के साथ पर्यावरण एवं वन मंत्रालय (आर ई डिवीजन) द्वारा अनुदानित 50,03 लाख रूपये की वृहद शोध परियोजना प्राप्त किया।
- डॉ. एम.के. गुप्ता ने 6.00 लाख रूपये की राशि यू.जी.सी. स्टार्ट अप ग्रांट प्राप्त किया।
- डॉ. बी.बी. चतुर्वेदी ने 6.00 लाख रूपये की राशि यू.जी.सी. स्टार्ट अप ग्रांट प्राप्त किया।
- डॉ. के.एन.वी.वी. प्रसाद ने 6.00 लाख रूपये की राशि यू.जी.सी. स्टार्ट अप ग्रांट प्राप्त किया
- डॉ. पी.पी. मूर्ति ने 10.50 लाख रूपये की वृहद शोध परियोजना यूजीसी से प्राप्त किया।

विद्यार्थियों की प्रमुख उपलब्धियॉः

पार्थ सारथी पात्रा ने गेट – 2013 में 37 वॉ स्थान प्राप्त किया।

2.1.7 प्राकतिक संसाधन अध्ययनशाला

अध्ययनशाला के अंतर्गत तीन विभाग हैं – भैषजिक विज्ञान विभाग, वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग।

वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग

वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 1989 में हुई। यह वानिकी एवं अन्य संबंधित विषयों में शिक्षा एवं शोध प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिबद्ध है। यह विद्यार्थियों को विकासात्मक ज्ञान और कौशल भी प्रदान करता है। यह देश में वानिकी हेतु आवश्यक कौशल संपन्न व्यक्तियों का भी निर्माण करता है। विभाग कई सारे शोध/विकासात्मक परियोजनाओं की विभिन्न सरकारी संस्थाओं जैसे कि आईसीएफआरई, एमओईएफ, सीसीओएसटी, डीओएलआर से वित्तीय सहायता प्राप्त है; माध्यम से शोध एवं विस्तार कार्यक्रमों में संलग्न है। राज्य वन विभाग से, वानिकी आधारित औद्योगिक इकाईयों से शोध संस्थाओं एवं गैर सरकारी संस्थाओं से निष्ठापरक संबंध है जो विद्यार्थियों के उन्मुखीकरण के लिए प्रायोगिक सुविधाएं प्रदान करते हैं और इनके प्रशिक्षण एवं संस्थापन में भी योगदान करते हैं। विभाग वानिकी विभाग से संबंधित प्रतिष्ठित व्यक्तियों के व्याख्यान, संगोष्ठियॉं, कार्यशालाएं, सिम्पोजियम और सम्मेलनों का आयोजन करता है। विषय को बेहतर तरीके, विद्यार्थियों को वानिकी संबंधित बेहतर संस्थाओं, पौधारोपण के क्षेत्र, प्राकृतिक वन, वन्य पौधशालाएं और वन्य आधारित औद्योगिक इकाइयों का नियमित भ्रमण पाठ्यक्रम का हिस्सा है। विभाग के पूर्व छात्र/छात्राएं भारतीय वन सेवा, राज्य वन सेवा, आईसीएफआरई में वैज्ञानिक, विश्वविद्यालयों में शिक्षक और विभिन्न गैर–सरकारी संस्थाओं में पेशेवर के तौर पर कार्यरत हैं। वानिकी विभाग में विद्यार्थियों को पेशेवर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्राकृतिक/जीवविज्ञान एवं कृषि विज्ञान के विद्यार्थियों को सीखने के लिए उच्चीकृत आधार प्रदान करता है।

Plantation of mango sapling in the campus

A Forest Officer instructing students in forest management practices

शैक्षणिक पाठ्यक्रम –

यह विभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का संचालन करता हैः–

1. बी.एस.सी.वानिकी (आठ सेमेस्टर या चतुर्थ वर्षिय)
2. एम.एस.सी.,वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान (दो वर्षिय या चार सेमेस्टर)

3. पीएच.डी.,वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान

vèkk l jpuk

विभाग में सुविकशित शिक्षण, शोध एवं विस्तारपरक गतिविधियों के लिए निम्नलिखित सुविधाए उपलब्ध है – जैसे कि फेज कन्ट्रास्ट एण्ड स्टीरियों जूम माइक्रोस्कोप विथ इमेज एनालाइजर, नाइट्रोजन एनालाइजर, प्रोटोमीटर, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, ऑटोमेटिक स्वॉल मॉस्चरमीटर, कॉनोपी एनालाइजर, लीफ एरियामीटर, ऑटोमेटिक वेदर मॉनिटरिंग स्टेशन, विन्डयास फोटो सिंथेसिस एनालाइजर, स्टेट

Bilaspur Commissioner Son Mani Bora planting Badam sapling in the campus

A Forest Officer instructing students regarding Forest Management practices

A Project Fellow working on CHNOS

BSc Forestry students Learning about the calculation the quantity of wood in field

A Ph.D. Scholar analyzing soil samples in TOC

Visit of M.Sc. Forestry student to Sal forest

Students of B.Sc Forestry visiting a forest depot

Visit of M.Sc. Forestry student to Sal forest

ऑफ आर्ट ग्लास हाउस, फारेस्ट्री नर्सरी, कम्प्यूटर लैब विथ आर एस. एण्ड जीआईएस, 15 एकड़ से अधिक पौधारोपण का क्षेत्र, विभागीय पुस्तकालय, वानिकी छात्रावास, लघु व्यायामशाला एवं खेलकूद और शिविर के संसाधन।

'kkèk dk {k=%&

विभाग इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शोध संचालित करने में संलग्न है – फॉरेस्ट ट्री इम्प्रूवमेंट एण्ड मेटाजेनिसिस, फॉरेस्ट जेनेटिक रिर्सोसेज आइडेण्टीफिकेशन, प्रोपगेशन एण्ड क्रायोप्रिजर्वेशन, वाटर शेड मैनेजमेंट थ्रू आरएस एण्ड जीआईएस, असेस्मेंट ऑफ एअर–पाल्यूटेंट एण्ड इट्स इम्पैक्ट ऑन फारेस्ट्स ऑफ छत्तीसगढ़, बायोरिमिडिएशन एण्ड रिस्टोरेशन ऑफ डी माइक्रोहिजल एण्ड एण्टिनोमाइक्रोहिजल सिम्बियॉसिस, स्क्रीनिंग, कैरेक्टराइजेशन, एण्ड बायोप्रास्पेक्टिंग ऑफ नेचरूरल डाइज, वुड इम्प्रूवमेंट ऑफ नॉवेल टेक्नालॉजी एण्ड वाइल्ड लाइफ इकोलॉजी।

foHkkx }kjk vk;kftr ie[k xfrfofèk;k@ie[k foHkkxh; miyfCèk;k&

- विश्वविद्यालय में 21 मार्च को ''विश्व वानिकी दिवस'' तथा विश्व वानिकी दिवस का आयोजन 5 जून 2013 तथा 21 मार्च 2014 को पूरे सम्मान के साथ मनाया गया तथा विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गयी जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भागीदारी की, जैसे प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर प्रदर्शनी प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, एटीआर पर फिल्म का प्रदर्शन और विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक। अंततः वानिकी एवं पर्यावरण में जागरूकता हेतु एक रैली का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थी और शिक्षक सम्मिलित थे।
- 15फरवरी 2014 से 01 मार्च 2014 तक एम.एस.सी.वानिकी, चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने इंडियन स्टूट ऑफ रिजन एण्ड गम, रॉची का भ्रमण किया।
- एम.एस.सी.वानिकी के चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने 26 अप्रैल 2013 से 45 दिनों तक वानिकी विभाग, बिलासपुर में प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- 27 जनवरी से 5 फरवरी 2014 तक एम.एस.सी.अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने संयुक्त संचालक, रेशम, बिलासपुर के साथ मिलकर एक प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- वानिकी विभाग के शोध छात्र तथा एम.एस.सी.के विद्यार्थियों ने मिलकर अचानक मार, बाघ अभ्यारण्य, में 20 फरवरी से 25 फरवारी 2014 तक शैक्षणिक भ्रमण पूरा किया।
- बी.एस.सी.आठवें सेमेंस्टर के विद्यार्थी उष्ण वानिकी शोध संस्थान जबलपुर में 23 सितम्बर से 5 अक्टूबर 2013 तक शैक्षणिक भ्रमण किया।
- बी.एस.सी. आठवे सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने बिरकोना गांव में 17 जुलाई से 20 सितम्बर 2013 तक एक समाजिक, आर्थिक सर्वेक्षण का कार्य पूरा किया।
- बी.एस.सी.आठवे सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने 20 नवम्बर 20 दिसम्बर 2014 के बीच सॉ–मिल तथा प्लाई बुड के व्यापारिक तरीकों का अध्ययन किया।
- बी.एस.सी.आठवे सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने प्रादेशिक रेशम उत्पादन शोध एवं विस्तर, बिलासपुर में 12 फरवरी से 21 फरवरी 2014 तक रेशम उत्पादन की तकनीकी का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

- विभाग ने विभिन्न प्रजातियों के पौधों जैसे – आम, अमरूद, कटहल, जामुन, बेर, इमली, महुआ, फिकस, अशोक आदि का विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थलों पर रोपण किया।

f'k{kd lnL;ksa dh izeq[k miyfC/k;ka&

- प्रो.एस.एस. सिंह जो आई.यू.एफ.आर.ओ, (आस्ट्रिया) तथा राष्ट्रमण्डल वानिकी संस्थान, (सी.एफ.ए.,यू.के.) से पहले से ही जुड़े हुए थे, ''पर्यावरण एवं जैव शक्ति'' नामक अन्तरराष्ट्रीय पत्रिका (यू.एस.ए.) की समिति के सदस्यता प्राप्त की है।
- डॉ0 रश्मि अग्रवाल, ने ''गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, श्रेष्ठता के अग्रसर'' शीर्षक एक विडियों फिल्म तैयार किया है।

fo|kfFkZ;ksa dh miyfC/k;ka

- कु0 मेरी एक्का, ने वर्ष 2013–14 के अनुसूचित जानजाति के विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली राजीव गांधी राष्ट्रीय छात्रवृत्ति, को प्राप्त किया।
- श्री शाबिर अहमद बहत, ने डॉ0 एस.सी.तिवारी, के निर्देशन में ''एक्सट्रेक्शन पैटर्न ऑफ नॉन टिम्बर, फारेस्ट प्रोडक्ट एण्ड इट्स, इफेक्टस ऑफ रिजनरेशन, ऑफ इर्न्पोटेन्ट ट्री–स्पेसिज इन अचानक मार अमरकंटक बॉयोस्फेयर, रिजर्व'' विषय पर शोध की उपाधि प्राप्त की।(1563/2.12.2013)
- श्री राकेश कुमार गुप्ता, को भी डॉ0 एस.एस. धुरिया के निर्देशन में ''जर्मिनेशन बिहेबियर एण्ड वेजिटेटिव प्रोपेजेशन, टर्मिनालिया अर्जुना एण्ड टर्मिनालिया टोमेनटोशा'' विषय पर शोध उपाधि प्राप्त हुआ। (300/4.5–2013)
- शोध छात्र श्री शेख इकबाल, ने वानिकी विषय में वर्ष 2013 में ए.एस.आर.बी., नई दिल्ली, से नेट की परीक्षा उत्तीर्ण की।
- बी.एस.सी.वानिकी, के चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा कु0 यामिनी वर्मा, तथा श्री विशाल रेड्डी, बी.एस.सी.प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय में आयोजित टेक–फेस्ट 2013–14 में बेस्ट ऑफ वेस्ट कम्पटिशन में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- कु0 यामिनी वर्मा और राखी चन्द्रवंशी, बी.एस.सी.चतुर्थ सेमेस्टर, की छात्राओं ने अक्टूबर 2013 में अंग्रेजी विभाग द्वारा विश्वविद्यालयीन स्तर पर आयोजित ''बेस्ट ऑफ वेस्ट तथा रंगोली मैकिंग कम्पटिशन में शानदार प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर 6 से 7 जनवरी 2014 तक के आयोजित कार्यक्रम में खेल प्रतियोगिता के आयोजन के अन्तर्गत बी.एस.सी.द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा कु0 आयुषी धीवर, ने 800 मीटर तथा 100 मीटर की दौड़ में क्रमशः प्रथम तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- कु0 निधि सिंह, कु0 गुंजन चन्द्राकर, सुधारनी भगत, रूपरानी बघेल, तथा आयुषी धीवर ने गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित बॉलीबाल प्रतियोगिता में फस्ट रनर ऑप, उपाधि प्राप्त किया।
- श्री पुष्पेन्द्र, परिन्दा गुप्ता, किशनलाल पदम् तथा उनकी टीम ने गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित पुरूष वर्ग बॉलीबाल प्रतियोगिता में फस्ट रनर ऑप, उपाधि प्राप्त किया।
- कु0 गुंजा निर्मलकर, निधि सिंह, राखी चन्द्रवंशी ने गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित रस्सा–कशी प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- कु0 यामिनी वर्मा, अमन कुमार, विशाल रेड्डी, कु0 निधि सिंह, (बी.एस.सी. एवं एम.ए.सी. के विद्यार्थियो) के द्वारा तैयार गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के प्राकृति संसाधन से संबंधित प्रदर्शनी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
- ओरियेट पेपर मिल अमलाई द्वारा आयोजित कैम्पस इन्टरव्यू में मैनेजमेन्ट ट्रेनीज प्लान्टेशन के पद पर श्री गौरव कुमार पवार, तथा श्री संजू कश्यप, बी.एस.सी. अंतिम वर्ष के छात्रों को चयनित किया गया।

एसएलटी भैषजिक विज्ञान संस्थान

भैषजिक विज्ञान के क्षेत्र में व्यावसायिक रूप से सक्षम मानवशक्ति के विकास के उद्देश्य को ध्यान में रखकर वर्ष 1997में भैषजिक विज्ञान विभाग की स्थापना की गई। विभाग में संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रम आल इंडिया टेक्नीकल एजुकेशन (एआईसीटीई) एवं फार्मेसी कौंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) से अनिवार्य अनुमोदन प्राप्त किया है। यह छत्तीसगढ़ राज्य के अग्रणी संस्थानों में से एक है। यहॉ डी.फार्मा, बी.फार्मा, एम.फार्मा (फार्मास्यूटिक्स, फार्मास्यूटिकल केमेस्ट्री और फार्माकोलॉजी) पाठ्यक्रम और पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित है। संस्थान में नियमित उच्च दक्षता वाले शिक्षक सदस्य है। संस्थान के पास अत्याधुनिक एवं उच्चीकृत प्रयोगशाला, छत्तीसगढ़ परिक्षेत्र के चिकित्सकीय पौधों के सरंक्षण हेतु पौधशाला, संदर्भ शोध–पत्रिकाओं एवं पाठ्य पुस्तकों से युक्त समृद्ध ग्रंथालय और कमेटी फॉर द परपज ऑफ कंट्रोल एण्ड सुपरविजन ऑफ एक्सपेरिमेंट ऑन एनीमल (सीपीसीएसईए) के अनुमोदनोपरांत अच्छी तरह से स्थापित पशु–गृह आदि है। संस्थान में अनेक संस्थानों से प्रदत्त 3 करोड़ रूपये की गई शोध परियोजनाएं संचालित है। शिक्षकों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में बड़ी संख्या में शोध पत्र प्रकाशित किये गये हैं। गुरू घासीदास विश्वविद्यालय एक सप्ताह से अधिक समय तक विश्वविद्यालय स्थापना सप्ताह के आयोजन में 12 से 18 जनवरी 2014 तक व्यस्त रहा, इस दौरान संस्था के

द्वारा परिक्षेत्र के भीतर रक्त दान शिविर तथा मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। संस्था के विकास से संबंधित अधिक जानकारी इस प्रकार है।

f'k{kdk dh miyfC/k;k¡

'kks/k ifj;kstuk&

- वर्ष 2013–14 मे नये शोध परियोजना के रूप 1.22 लाख से अधिक की धन राशि विभिन्न प्रकार की सरकारी एजेन्सियों द्वारा प्राप्त हुई।

Interaction with Baigas

HPLC System

Flash cromatograph

क्र.	शिक्षक का नाम	परियोजना का नाम	अनुदान संस्था	अनुदान राशि
1.	डॉ. जे.एस. दांगी	MODROB for Pharmaceutics Laboratory	ए.आई.सी.टी.ई.	12.00 लाख
2.	डॉ. व्ही.डी. रंगारी	Phytochemical investigation and fracture healing activity studies of some medicinal plants of Chhattisgarh state for the treatment of bone fracture.	यू.जी.सी. एम.आर.पी.	12.858 लाख
3.	डॉ. दिलीप कुमार पाल	Isolation of secondary metabolites and evaluation of antisteroidogenic activities of some Indian medicinal plants.	यू.जी.सी. एम.आर.पी.	13.238 लाख
4.	डॉ. के.पी. नामदेव	Development of some phytopharmaceuticals for treatment of Chrohns disease.	ए.आई.सी.टी.ई. आर.पी.एस.	13.00 लाख
5.	डॉ. एस.के. लांझियाना	Development & characterizations of natural biodegradable polysaccharides based multiparticulate formulations.	ए.आई.सी.टी.ई. आर.पी.एस.	20.00 लाख
6.	डॉ. हरीश रजक	Design and Synthesis of novel histone deacetylase inhibitors for their anticancer activity.	डी.एस.टी.	27.00 लाख
7.	डॉ. शिवानी राय पालीवाल	Development of targeted nanovector systems for intracellular delivery of cytotoxic agent.	डी.एस.टी. (एस.ई.आर.बी.)	24.00 लाख

vUrjk"Vªh; 'kks/kofRr &

- वक्सावान एनर्जी रिसर्च सेन्टर, जापान सरकार, द्वारा '' एटोमिक एनर्जी रिसर्च एण्ड रिसर्च स्टूडेन्ट एक्सेपटेन्स प्रोग्राम 2014'' विषय पर सहायक प्राध्यापक डॉ0 विवेकानन्द मण्डल,को यह अन्तरराष्ट्रीय अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई। इस अध्येतावृत्ति के अन्तर्गत इन्होंने एक अल्प अवधि के उच्च स्तरीय शोध–विषय ''अप्लिकेशन ऑफ एटामी एनर्जी/न्यूकिलियर एनर्जी फॉर कैंसर ड्रग डिसकवरी फॉम मेडिसिनल प्लांट'' (फुकुई प्रादेशिक विश्वविद्यालय, जापान) 5 महिनों (अक्टूर 2014 से मार्च 2015) के बीच पूरा किया।

Plant survey at Achanakmar

CHN analyzer

H. orixense

A Sterculia villosa plant

Photo-9 Guest Lecture

युवा वैज्ञानिक उपाधि -

- ऑल इंडिया, कॉउसिल ऑफ टेक्नीकल एजूकेशन नई दिल्ली, के द्वारा सहायक प्राध्यापक, डॉ0हरिश रजक, को कैंसर एवार्ड फॉर यंग टिचर्स उपाधि के लिये चयनित किया गया। इन्होंने 3 वर्ष की अवधि के शोध के लिये 7लाख 20 हजार प्राप्त किया।
- डॉ0 शिवानी राय पालिवाल, ने यू.एस.ए.में वाशिंगटन डी.सी. द्वारा 9 से 12 जुलाई 2014 तक आयोजित ''एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ इन्टरनेशनल सोसायटी बायोपालिमर्स एण्ड पॉलिमेरिक बायोमेटेरियलर्स (आई.एस.बी.पी.बी.)'' में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

fo|kfFkZ;ksa dh miyfC/k;ka

- 2013–14 के बीच विभाग के शोध छात्रों को 10 प्रकार के शोध अध्येतावृत्ति प्राप्त हुए जो इस प्रकार है –

अध्येतावृत्ति का नाम	संख्या	शोध छात्रों का नाम
राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	02	कु0 पूजा मंगिया राज, श्री संदीप सिंह
आई.सी.एम.आर. अध्येतावृत्ति	02	श्री आदित्यनाथ पाण्डेय, विवेक असाथी
यू.जी.सी.बी.एस.आर.अध्येतावृत्ति	04	श्री संदीप सोनकर, श्री सुरेश कुमार साहू, श्री सचिन हीरादेव, श्री संजय कुमार गुप्ता
सी.एस.आई.आर. अध्येतावृत्ति	02	श्री दीपक कुमार जैन, अवनीश सिंह,

cLV ikLVj vkokMZ &

- कु0 सुनीता मिंज, श्री राकेश राज, श्री संत कुमार वर्मा, कु0 मोनिका कौरव, श्री अरिन भट्टाचार्या, पीएच.डी.रिसर्च फेलो ने देश के द्वारा आयोजित विभिन्न प्रकार के सेमिनारों मे वेस्ट पोस्टर ऑवार्ड प्राप्त किया। देवर्शीकर महापात्र, बी.बी.फॉर्मा, आठवें सेमेस्टन के छात्र ने भी चार बार राष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रस्तुतिकरण के द्वारा बेस्ट पोस्टर ऑवार्ड प्राप्त किया।

th-ih-,-Vh- fjtYV &

- संस्था के आठ विद्यार्थियों ने ए.आई.सी.टी.ई. नई दिल्ली, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के ग्रेजुएट फॉमेर्सी एप्टीटयूड टेस्ट (जी. पी.ए.टी.) 20013–14 में पास किया।

पर्यावरण संरक्षण

;qok oKkfud ifr;kfxrk lEeku &

- देवर्षीकर महापात्र, बी.बी.फॉर्मा, आठवें सेमेस्टर के छात्र ने सितम्बर 2013 में गुजरात के सुरत में इन्टर जर्नल ऑफ फर्मास्यूटिकल रिसर्च एण्ड टेक्नॉलाजी के द्वारा आयोजित युवा वैज्ञानिक प्रतियोगिता 2013 में 10 वॉ स्थान प्राप्त किया।

lLFkkxr fodkl &

U;ure midj.k dh 0;oLFkk&

- शोध की आवश्यकता को ध्यान मे रखते हुए नये वैज्ञानिक उपकरणों से विभाग को व्यवस्थित किया गया। मंगाये गये प्रमुख उपकरणों के रूप में नॉनिनेसिव ब्लड प्रेसर अपार्ट्स – 18 लाख (चित्र संख्या 01), फ्लैश क्रोमेटोग्राफी– 15 लाख (चित्र संख्या 02), सी.एच.एन.एनालाईजेर,–11 लाख (चित्र संख्या 03) तथा एच.पी.एल.सी. सिस्टम–8 लाख (चित्र संख्या 04),

vkS"kèkh; ikèkksa dh [kkst&

- बॉटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया, की कोलकता तथा इलाहाबाद शाखा के साथ संयुक्त खोजी अभियान में अचानकमार और अमरकंटक के जंगलों में औषधीय पौधों की खोज करने के दौरान 60 तरह के ऐसे पौधों की पहचान की गई।
- अमरकण्टक के जंगलों से लाये गये नये औषधीय पौधों को फार्मेसी विभाग में उगाया गया है। जो संस्था के वातावरण के साथ अच्छी तरह से ताल–मेल बैठाते, समायोजन करते हुए पनप रहें हैं। (चित्र संख्या 06–07)

'kksèk lg;ksx &

- वर्तमान शैक्षणिक सत्र में बॉयोकेमेस्ट्री तथा माइक्रोबायोलाजी डिपार्टमेंट के डॉ0 वानदेय वेन्तर, नेल्सन मण्डेला, मेट्रोपोलिशन यूनिवर्सिटी, पोर्ट एलिजाबेथ, साउथ अफ्रिका,ने संयुक्त शोध–अभियान के रूप में एच.आई.बी. एजाईम्स, विषय पर अध्ययन किया। दूसरा शोध सहयोग ''एन्टी ऑक्सिडेन्ट एक्टीविटी ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट ऑन गॉट हल्ट माइटोकॉनड्रियन'' विषय पर कलकता विश्वविद्यालय, कोलकता के मनोविज्ञान विभाग के डॉ0 डी.बन्दोपाध्याय जी के निर्देशन में पूरा हुआ। तीसरा शोध सहयोग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मिर, के राष्ट्रीय एक्स.आर.डी.संकाय,में भौतिकी विभाग के डॉ0 रजनीकांत के द्वारा ''एक्स–रे क्रिस्टालोग्राफी, ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स'' विषय पर तैयार किया गया।

ikjaifjd oS|ksa ls laokn

- 22 अगस्त 2013 को संस्था में एक दिवसीय परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय बैगा और वैद्यों के साथ संवाद स्थापित किया गया। संस्था के अध्यापक और डॉ0 सी.के.कोकाते, ने ''छत्तीसगढ़ पारंपरिक वैद्य संगठन'' के सचिव, वैद्य निर्मल अवस्थी और क्षेत्र के पारंपरिक वैद्यों ने संयुक्त रूप से इस संवाद में भाग लिया। (चित्र संख्या 8) कार्यक्रम के इस आयोजन के दौरान चिकित्सकीय पोध उद्यान में कुछ पारंपरिक आयुवैदिक औषधीय पौधों का रोपण भी किया गया।

vfrfFk 0;k[;ku &

- ''रिसर्च वर्क इन फर्मास्यूटिकल साइंस'' विषय पर 07 सितम्बर 2013 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के भैषज विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो0 बी.मिश्रा,द्वारा अतिथि–व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- प्रजेन्ट सेनेरियो ऑफ द फॉमेसी प्रोफेसन इन इंडिया विषय पर 22 अक्टूबर 2013 को बेलगांम के ''के.एल.ई. डिम्ड विश्वविद्यालय'' के कुलपति डॉ0 सी.के.कोकाते द्वारा अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- फर्माकोलॉजिकल आर.एण्ड डी. इन युनिवर्सिटी'' विषय पर 03 जनवरी 2014 को आर.टी.एम.नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर के भैषज विभाग के प्रोफेसर, डॉ0 एस.एन.उमाथे, द्वारा अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- ''टुडेज फर्मास्यूटिकल इडस्ट्री:'एक्सपटेसन फॉम स्टूडेन्ट डयूरिंग इन्टरव्यू'' विषय पर 26 मार्च 2014 को मार्डन फर्मास्यूटिकल लिमिटेड, इन्दौर के डायरेक्टर, डॉ0 एस.के.श्रीवास्तव, के द्वारा अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग

ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास की स्थापना वर्ष 2001 में हुई। इसके बाद से ही यह विभाग नवसृजित छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण जनों के देशी ज्ञान का उपयोग पोषणीय ग्रामीण विकास हेतु आवश्यक आधारभूत तकनीक के निर्माण में कर रहा है। शोध के क्षेत्र में विभाग का मुख्य बल ग्रामीण शिल्पियों के समग्र उन्नयन पर है। वर्तमान में विभाग द्वारा व्यावसायिक एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम के रूप में ग्रामीण प्रौद्योगिकी से संबंधित स्नातक, परास्नातक एवं शोध पाठ्यक्रम संचालित करता है।

vèkks lajpuk&

विभाग में अनेक उच्चानुकृत वैज्ञानिक उपकरण उपलब्ध हैं जो कि शोध में प्रयुक्त होने के साथ–साथ स्नातक व परास्नातक विद्यार्थियों

के परियोजना कार्य में भी उपयोगी होता है। औषधीय पादपों के क्षेत्र में नवप्रवर्तनशील शोध हेतु नये शोधक्षम त्वरक उपकरण (ए.एस.ई.150) को लगाया गया। नये दूर संवेदी (जी.आई.एस) सॉफ्टवेयर इ.आर.डी.ए.एस. 2011, आर्क पैड और 21 वीं सेंचरी जी.आई.एस.का क्रय दूर संवेदी प्रयोगशाला कार्य एवं शोध हेतु किया गया।

'kkek {k=

विभाग में पादप कर्षण, जड़ी–बूटियों के निरूपण और मूल्यांकन, दवा–वितरण व उनके अहानिकारक मूल्यांकन, जन्तु–शरीर कियाविज्ञान और केंचुआ खाद हेतु इकाई प्रदर्शन, जैविक खाद, शहद उत्पादन, रेशम के कीट, लाख उत्पादन व मशरूम उत्पादन हेतु प्रयोगशालाओं का निर्माण किया गया है।

विभागीय पुस्तकालय में लगभग 2000 पुस्तकें उपलब्ध हैं। विभाग से उत्तीर्ण हो रहे विद्यार्थियों ने सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों में रोजगार प्राप्त किया है।

अभिमुखीकरण कार्यकम/कार्यशालाओं का आयोजन-

- यू.जी.सी.–ए.एस.सी., जी.जी.वी.बिलासपुर, के संयुक्त तत्वावधान में 16 दिसम्बर 2013 से 12 जनवरी 2014 तक आयोजित 9 वें अभिमुखीकरण कार्यकम में श्री दिलीप कुमार और डॉ0 अलका मिश्रा, ने अपनी सहभागीता प्रस्तुत की।
- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा ''अल्टरनेटिव टू यूज ऑफ एनिमल सेकिफाईज इन लाईप साइंस एजुकेशन फॉर टीचर्स '' विषय पर 24.08.2013 से 25.08.2013 के बीच आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ0 एस.के.निराला ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।
- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय तथा यू.जी.सी. अकादमिक स्टॉफ कॉलेज के संयुक्त प्रयासों से 24.08.2013 से 25.08.2013 तक, ''ई–लर्निंग एण्ड ई–कॉन्टेन्ट,डेवलपमेंट'' विषय पर आयोजित एक शार्ट टर्म कोष में डॉ0 एस.के.निराला, ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।
- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा 25.01.2014 को '' मॉलेक्यूलर अपडेट्स इन बॉयोलॉजिकल साइंस विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन में डॉ0 एस.के.निराला ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।
- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय तथा यू.जी.सी. अकादमिक स्टॉफ कॉलेज के संयुक्त प्रयासों से 24.08.2013 से 25.08.2013 तक, ''ई–लर्निंग एण्ड ई–कॉन्टेन्ट,डेवलपमेंट'' विषय पर आयोजित एक शार्ट टर्म कोष में डॉ0 भास्कर चौरसिया ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।
- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा ''ईऑन बीम इन्डक्ट मटैरियल मॉडिफिकेसन न्यूट्रॉन जनरेशन यूजिंग 3 एम.व्ही.पार्टिकल एक्सीलरेटरः अपलिकेशन इन फिजिकल, केमिकल एण्ड लाईफ साइंस'' विषय पर 19–20 अगस्त 2013 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ0 डी.के.पटेल, ने अपनी सहभागीता प्रस्तुत की।
- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा 19 जुलाई 2013 को अन्तर्विश्वविद्यालयी एक्सीलेटर सेन्टर विषय पर आयोजित अभिमुखी कार्यकम में डॉ0 डी.के.पटेल ने अपनी सहभागीता प्रस्तुत की।

विद्यार्थियों की उपलब्धियॉः

- श्री हेमन्त साहू और प्रसुन सोनी ने, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा '' ईऑन बीम इन्डक्ट मटैरियल मॉडिफिकेसन न्यूट्रॉन जनरेशन यूजिंग 3 एम.व्ही.पार्टिकल एक्सीलरेटरः अपलिकेशन इन फिजिकल, केमिकल एण्ड लाईफ साइंस'' विषय पर 19–20 अगस्त 2013 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में अपनी सहभागीता प्रस्तुत की।
- श्री हेमन्त साहू ने, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा 25.01.2014 को '' मॉलेक्यूलर अपडेट्स इन बॉयोलॉजिकल साइंस विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज की।
- श्री हेमन्त साहू और प्रसुन सोनी ने, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा '' पाटिकल एक्सलरेटर फार इन्टर डिसिप्लिनरी रिसर्च'' विषय पर 18–19 फरवरी 2014 के बीच आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में अपनी उपस्थिति दर्ज की।
- श्री हेमन्त साहू और नोमेष कुमार तिवारी ने, 3 से 7 फरवरी 2014 तक आयोजित 101वॉ भारतीय विज्ञान सम्मेलन में अपनी सहभागीता प्रस्तुत की।
- श्री हेमन्त साहू और प्रसुन सोनी ने, यू.जी.सी. ए.एस.सी.जी.जी.वी. बिलासपुर, के संयुक्त प्रयासों द्वारा 13 से 15 सितम्बर 2013 तक आयोजित ''हॉउ टू राईट रिसर्च पेपर एण्ड प्रोजेक्ट प्रपोजल'' विषय पर सॉर्ट टर्म ट्रेनिंग कोर्स में अपनी सहभागीता प्रस्तुत की।

- विभाग के छात्र श्री नियाज अहमद, ''स्टडी ऑन टेररिस्ट्रीयल एण्ड एक्यूएटिक इकोलॉजी ऑफ एन.टी.पी.सी., सीपत'' विषय पर दिसम्बर 2013 में जे.आर.एफ.के लिये चयनित हुए।
- कु0 डी.सौन्दर्या, ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- कु0 डी.सौन्दर्या, ने गांधी जयंती के अवसर पर 30.09.2013 को आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- कु0 डी.सौन्दर्या, ने उड़ान पत्रिका, में अपनी कविता के प्रकाशन के लिये अपनी सहभागीता प्रस्तुत की।
- श्री प्रसुन सोनी ने, 3 से 7 फरवरी 2014 तक आयोजित 101वॉं भारतीय विज्ञान सम्मेलन, जम्मू'' में ''छत्तीसगढ़ के बिलासपुर शहर की यातायात व्यवस्था बनाये रखने में डिजिटल सरफेस मॉडलिंग (डी.एस.एम.) की उपयोगिता'' विषय पर अपना पत्र प्रस्तुत किया।
- श्री नोमेश कुमार तिवारी ने 24–25 मार्च 2014 को आई.जी.एन.टी.यू. संस्था द्वारा आयोजित ''एसपेक्ट ऑफ एथ्नो–साइंस एण्ड ट्रेडिशलन टेक्नॉलाजी एमोंग द ट्राइब्स ऑफ सेन्ट्रल इंडिया '' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''प्रैक्टिसिंग ट्रेडिशलन टेक्नॉलाजी बाई ट्राईबल फॉमर्स ऑफ एग्रिकलचर'' विषय पर अपना पत्र प्रस्तुत किया।

foHkkx }kjk vk;kft i|e[k fd;k&dyki &

Nk=k dk {kf=; Hkze.k &

- अचानकमार के जंगलों के संरक्षित स्थानों पर पाये जाने वाले बाघों के जानकारी तथा उनके नमूनों के खोज के लिए वानिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा 22 से 26 फरवरी 2014 तक विभाग के 07 छात्रों ने मिलकर कार्य किया।
- छत्तीसगढ़ डेयरी फॉर्म, धामिनी बिलासपुर में 10 मार्च 2014 को विभाग के 70 छात्रों ने भ्रमण किया।
- कोरबा जिला के पाली हिल जगह पर डोंगा नाला, भैषजिक उत्पादन क्षेत्र में 21 सितम्बर 2014 को 48 छात्रों ने भ्रमण किया।
- तखतपुर के मोछ गांव में वर्मि कम्पोजिटिंग एण्ड पोल्ट्री यूनिट में 29 मार्च 2014 को 39 छात्रों ने भ्रमण किया।
- छत्तीसगढ़ के साबा, तोरला, हथकेरा गांवों में टेसू नाला के जल स्तर से जुड़े किया–कलापों का विश्लेषण करने के उद्देश्य से 22 मार्च 2014 को 59 छात्रों ने भ्रमण किया।

vk;kftr 0;k[;ku &

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के भूतपूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष प्रो0 डी.एन.सिंह, ने ''टेक्नॉलाजी:बेसिक फेक्टर फॉर रूरल डेब्लपमेंट'' विषय पर विभाग में 18 नवम्बर 2013 को व्याख्यान दिया।

Nk=k d fy;s if'k{k.k@dk;'kkyk &

- बी.एस.सी. 6 वें सेमेस्टर के 15 विद्यार्थियों ने ''इनोवेटिव टेक्नीक फॉर इम्प्रूव्ड टसर ग्रैनेज'' विषय पर आयोजित प्रशिक्षण में सहभागीता की।
- बी.एस.सी. 6 वें सेमेस्टर के 17 विद्यार्थियों ने ''रिमोट सेनसिंग जी.आई.एस. एण्ड जी.पी.एस.'' विषय पर इंडियन इन्सटयूट ऑफ रिमोट सेनसिंग तथा विभाग द्वारा आयोजित एडूसेट आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम में दिनांक 5 अगस्त 2013 से 12 नवम्बर 2013 तक अपनी सहभागीता प्रस्तुत की।
- विभाग के शोध छात्र श्री हेमन्त साहू और प्रसून सोनी ने यू.आई.जी.सी.–ए.एस.सी. तथा गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के द्वारा 22 मार्च से 11 अप्रैल 2014 तक के लिये आयोजित ''इन्टरेक्सन प्रोग्राम'' प्रोग्राम में प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- प्रोजेक्ट असिस्टेंट कु0 दीप कौर धाला, ने 26 से 28 जून 2014 तक के लिये '' एक्सपलोरेशन ऑफ मोलेक्यूलर फाईलोजेनि एण्ड डी.एन.ए.सिक्वेन्स एनालिसिस फॉर टॉक्सोनामी, बॉयोलाजीकल डायवर्सिटी एण्ड डिसिसेज– पॅारेन्टल एसोसियेशन फाईनडिंगस'' विषय पर एम.पी.सी.ओ.एस.टी. भोपाल में आयोजित के प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपनी सहभागीता प्रस्तुत की।
- यू.जी.सी.प्रोजेक्ट फेलो श्री पीयूष शुक्ला, ने 26 से 28 जून 2014 तक के लिये ''एक्सपलोरेशन ऑफ मोलेक्यूलर फाईलोजेनि एण्ड डी.एन.ए.सिक्वेन्स एनालिसिस फॉर टॉक्सोनामी, बॉयोलाजीकल डायवर्सिटी एण्ड डिसिसेज– पॅारेन्टल एसोसियेशन फाईनडिंगस'' विषय पर एम.पी.सी.ओ.एस.टी. भोपाल में आयोजित के प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपनी सहभागीता प्रस्तुत की।

2.1.8 भौतिक विज्ञान अध्ययनशाला

अध्ययनशाला के अंतर्गत दो विभाग हैं – रसायनशास्त्र विभाग और शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग।

रसायनशास्त्र विभाग

रसायन विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2009 में एक नये विभाग के रूप में इस उद्देश्य से की गयी कि विज्ञान के परम्परागत क्षेत्रों में गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान की जायेगी और यह विभाग शोध और शिक्षण के उद्देश्यों के साथ भारत के अकादमिक नक्शे में

अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करेगा। यह विभाग रासायनिक विज्ञान में स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर उच्चानुकृत पाठ्यक्रम के साथ पंचवर्षीय एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, तीन वर्ष के बी.एस.सी. (प्रतिष्ठा) पूर्ण होने पर निकास विकल्प के साथ , संचालित करता है। विभाग पीएच.डी. कार्यक्रम भी संचालन करता है। एकीकृत पंचवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम के अन्तर्गत भौतिकीय, अकार्बनिक, कार्बनिक और विश्लेषणात्मक रसायनशास्त्र में प्रथम तीन वर्षों में उपकरणीय तकनीकी के साथ आधारभूत ज्ञान प्रदान किया जाता है और अंतिम दो वर्षों में अंतर–अनुशासनिक विज्ञान एवं रसायनिक विज्ञान में उच्चीकृत ज्ञान प्रदान किया गया है। एम.एस.सी. में चार प्रमुख पाठ्यक्रमों में विशेषज्ञता प्रदान की जाती है जिसमें आर्गेनिक केमेस्ट्री, इनआर्गेनिक केमेस्ट्री, फिजिकल केमेस्ट्री और एनालाटिकल केमेस्ट्री। विद्यार्थियों का निरीक्षण एवं मूल्यांकन मध्य एवं अंतर सेमेस्टर परीक्षा, नियमित कक्षा परीक्षा, संगोष्ठी एवं प्रकल्पों के द्वारा किया जाता है। विभाग के पास आवश्यक केमिकल, रिएजेंटस, ग्लासवेयर, लैबवेयर और आधारभूत उपकरणों से सुसज्जित तीन प्रयोगशालाएं है जिनमें फिजिकल, कार्बनिक, अकार्बनिक एवं विश्लेषणात्मक रसायन का प्रायोगिक परीक्षा सामान्य, विसंवादी, विश्लेषणात्मक (परिणात्मक एवं परिणात्मक) और विभिन्न कार्बनिक एवं अकार्बनिक तत्वों का विभिन्न रूपों में गुणीभूत प्रयोग किया जाता है। हाल फिलहाल एफटी–आईआर एण्ड यूवी–वीआईएस स्पेक्ट्रोमीटर विभाग में इंस्टाल किया गया और जीसी का इंस्टाल होना तीव्र प्रक्रिया है।

Nuclear Power model by students

विभागीय ग्रंथालय शिक्षक सदस्यों एवं विद्यार्थियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। शोध–पत्र एवं संदर्भ पुस्तकों की सुविधा ऑनलाइन उपलब्ध है। ग्रंथालय में कुल पुस्तकों की संख्या एक हजार से उपर है और प्रतिवेदन वर्ष में कई नयी पुस्तकों को मंगाया गया है।

Students with their models

शिक्षक सदस्यों को रसायनिक विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में विशेषज्ञता अर्जित है। विभाग के शिक्षक सदस्य विज्ञान जगत में अपना महत्वपूर्ण योगदान वैज्ञानिक एवं शोध प्रकाशनों के माध्यम से कर रहे हैं और विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों एवं अध्येतावृत्तियों को प्राप्त किया है जैसे कि जे एस पी एस पोस्ट डाक्टरल फेलोशिप, वॉन, हम्बोल्ट फेलोशिप, ओ आर आई एस ई, यू.एस. पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप, एन एस सी, ताइवान पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप, बी के 21 और के ओ एस ई एफ पोस्ट डाक्टोरल फेलोशिप, साऊथ कोरिया। कुछ शिक्षक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध –पत्रों के निर्णायक और संपादक मंडल में है।

Upcoming building of the Department

f'k{kd lnL;ks dh mi yfCek;k%

- डॉ. ए. श्रीवास्तव ने यूजीसी प्रदत्त 9.86 लाख रूपये की ''सिंथेसिस एण्ड कैरेकटराइजेशन ऑफ स्मार्ट पॉलिमेरिक हाइड्रोजेल्स थ्रू उफ्री रेडिकल पॉलिमेरिजाइशन प्रोसेस'' शीर्षक वृहद शोध परियोजना प्राप्त की।
- डॉ. एस. बनर्जी ने भारत सरकार की डीएसटी द्वारा डीएसटी फॉस्ट ट्रैक स्कीम फॉर यंग साइंटिस्ट के तहत 27.00 लाख रूपये की ''नॉवेल मेसोपोरस आर–यू–एमसीएम – 48 मैटेरियल फॉर द डेवलपमेंट ऑफ ग्रीन सिंथेटिक मेथडोलॉजी'' शीर्षक वृहद शोध परियोजना प्राप्त की।
- डॉ0 के.श्रीवास ने '' डिजाईन एण्ड डेवलपमेंट ऑफ नैनो पॉर्टिकल्स एज बॉयोकेमिकल प्रोब्स एण्ड सेन्सर्स फॉर द डिटक्शन

ऑफ बायोमोलेक्यूलस एण्ड ऑरगेनिक टकसीकेन्ट'' विषय पर डी.एस.टी.–फास्ट ट्रेक स्कीम फॉर यंग साइंटिस्ट, डी.एस.टी., भारत सरकार द्वारा स्वीकृत 27 लाख रूपये का प्रोजेक्ट प्राप्त किया।

- डॉ0 के.व्ही.एस.रंगनाथ ने ''एसाईमेट्रिक नैनो केटेलाईसिस यूजिंग फंशलाईज्ड मैटेरियलस'' विषय पर भारत सरकार के द्वारा 41.5 लाख रूपये का डी.एस.टी.–एस.ई.आर.बी. प्रोजेक्ट प्राप्त किया।

i|jLdkj@ifr"Bk @vè;|rkofRr ;k^

- डॉ. संतोष सिंह ठाकुर को ''इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नैनोसाइंस एण्ड नैनोटेक्नालॉजी'' और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमेस्ट्री एण्ड एप्लीकेशन्स'' के संपादक मंडल के सदस्य नामित किए गये।
- डॉ0 मनोरमा ने ''एनपेरो मैटिक पेस्टीसाईड बॉयोसेन्सर फार ऑरगेनो फास्फेट्स/करबामैटस बेस्ड ऑन एसिटाईल कोलियो नेस्टेरास इम्मोबिलाईज्ड ऑन ग्राफेन–गोल्ड नैनो पार्टिकल्स कम्पोसिट'' विषय पर यू.जी.सी.द्वारा सीोपित 12.408 लाख के शोध परियोजना को प्राप्त किया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियॉः

- एक विद्यार्थी ने गेट परीक्षा उत्तीर्ण किया और पांच विद्यार्थी ने छत्तीसगढ़ सेट परीक्षा पास की तथा दूसरे छात्रों ने जे.आर.एफ – नेट की परीक्षा अखिल भारतीय स्तर पर 67 वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण किया।

शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिक विभाग

वर्ष 1995 में स्थापित शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग विश्वविद्यालय का अग्रणी विभाग है। विभाग मध्य भारत के परिक्षेत्र में स्वयं को विज्ञान शिक्षा के अगुआ के रूप में विकसित कर रहा है। विभाग में एक प्रोफेसर, तीन एसोसिएट प्रोफेसर और ग्यारह असिस्टेंट प्रोफेसर के साथ कुल 15 शिक्षक सदस्य हैं। विभाग एक्सपेरिमेंटल एवं थियरेटिकल कण्डेन्सेड मैटर फीजिक्स, एक्सपेरिमेंटल मैटिरियल साइंस, एक्सपेरिमेंटल न्यूक्लियर फीजिक्स, स्पेक्ट्रोस्कोपी एण्ड प्लाज्मा फीजिक्स में शिक्षा एवं शोध कार्यक्रम प्रस्तावित करता है। विभाग वृहद आयामी पाठ्यक्रम जैसे कि भौतिक शास्त्र एवं इलेक्ट्रॉनिक में एकीकृत पंचवर्षीय स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रम, भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स में द्विवर्षीय एम.एस.सी. एवं एकीकृत एम.फिल/पीएच.डी. पाठ्यक्रम प्रस्तावित करता है। वर्तमान में मैटेरियल विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ–साथ विभाग न्यूक्लियर फिजिक्स और लेजर साइंस में नई विशेषताएं आने वाले सत्र में एम.एस.सी. के विद्यार्थियों को प्रदान करने जा रहा है। न्यूक्लियर टेक्नालॉजी और नैनो–साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी में एम.टेक स्तर के दो पाठ्यक्रम आने वाले सत्र में प्रारंभ करेगा।

शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1995 में हुई. विभाग ने प्रगति एवं विकास के माध्यम से इसे केंद्रीय भारत के प्रतिनिधि विभाग के रूप में विज्ञान के क्षेत्र में ख्याति पाई है. विभाग कंडेस्ड मैटर फिजिक्स एवं मैटेरियल साइंस के क्षेत्र में शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम संचालित करता है. साथ ही विभाग व्यापक क्षेत्रों को समाहित करने वाले पाठ्यक्रम संचालन पर बल देता है. जैसे:भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स में परास्नातक, एकीकृत एम.फिल. /पी.एच.डी.(भौतिक एवं इलेक्ट्रानिक्स) एवं भौतिकी तथा इलेक्ट्रानिक्स में शोध आदि। आने वाले समय में परास्नातक स्तर पर नाभिकीय भौतिकी एवं लेजर साइंस में विशेषज्ञता पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे. नाभिकीय तकनीकी, नैनो साइंस एवं तकनीकी के क्षेत्र में दो नये एम.टेक. स्तरीय पाठ्यक्रम आने वाले सत्रों में आरंभ किए जाएंगे.

विभाग में सामान्य भौतिकी, यांत्रिकी, हीट एवं थर्मोडायनेमिक्स, ऑप्टिक्स, इलेक्ट्रानिक्स एवं अभिकलन तकनीक के लिए पूर्ण सुसज्जित प्रयोगशालाएं है। विभाग में केन्द्रीय संसाधन के रूप में एम.एस.सी. विद्यार्थियों और शोध छात्रों को लेजर रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन, माइक्रोस्कोपी, एटॉमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी, फ्यूरियर ट्रांसफॉर्म – इन्फ्रारेड स्पैक्ट्रोक्कोपी, यूवी–विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर एवं एक्स–रे डिफ्रेक्ट्रोमीटर भी एडवांस मैटेरियल कैरेक्टराइजेशन जैसी सुविधाएं उपलब्ध है। विभाग में समूह संसाधनों से युक्त अपना ग्रंथालय है जो विद्यार्थियों एवं शोध छात्रों हेतु उपलब्ध है। विभाग ने माननीय कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी के नेतृत्व में 3 एमवी हाई करेंट पेलेट्रान एक्सीलरेटर सुविधा स्थापित करने का साहसिक एवं सराहनीय कदम उठाया है। यह सुविधा विभाग को एक राष्ट्रीय पहचान देगी और यह देश के उभरते हुए शोध विभाग के रूप में स्थापित होगा। यह सुविधा विज्ञान के विभिन्न शाखाओं में अंतर–अनुशासनिक शोध के अवसर प्रदान करेगा।

विभाग प्रतिष्ठित व्यक्तियों की संगोष्ठियॉ, कार्यशालाएं और सिम्पोजियम संयोजित करके बहुमुखी अकादमिक गतिविधियों में संलग्न है जिससे विभाग के स्नातक/परास्नातक विद्यार्थियों को मुख्यतः अवसर प्रदान करता है। विभाग के पास अपना प्रशिक्षण एवं संस्थापन प्रकोष्ठ है जो विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं हेतु प्रशिक्षित करता है, तदुपरांत विभिन्न शोध संस्थानों एवं औद्योगिक इकाईयों में उनके संस्थापन हेतु प्रयास करता है। विभाग विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सम्मिलित होने हेतु प्रोत्साहित

करता है जैसे – नेट, गेट, जेस्ट (जीईएसटी) आदि। विभाग भौतिकी की शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए कठिन प्रयास कर रहा है ताकि यह देश के अग्रणी विज्ञान शिक्षा केन्द्र के रूप में स्थापित हो सके। यह विभाग एफ.आई.एस.टी.(डी.एस.टी.) जैसे कार्यक्रमों तथा स्पेशल एसिसटेन्स प्रोग्राम (एस.ए.पी.) यू.जी.सी. दिल्ली के द्वारा दूसरी बार, चयनित किया गया है।

foHkkx dh izeq[k xfrfof/k;k¡

- विभाग को 3 एम.वी. रिसर्च सुविधाएं स्थापित करने हेतु यूजीसी का रू 11 करोड़ का विशेष अनुदान प्राप्त हुआ।
- लो एनर्जी प्रेक्टिकल (3 एमवी) एक्सलरेटर आधारित अंतर–अनुशासनिक शोध केन्द्र हेतु बोर्ड ऑफ रिसर्च इन न्यूक्लियर साइंस (बीआरएनएस) के एटॉमिक एनर्जी विभाग को प्रस्ताव भेजा गया (पीआई – प्रो. पी.के. बाजपेयी)।
- इसी समय विभाग तीन नयी परियोजनाओं को शामिल करते हुए कुल 11 परियोजनाओं को वर्तमान में संचालित कर रहा है।

2.1.9 सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला

सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला में पांच विभाग – अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान और समाज कार्य विभाग शामिल हैं। इस अध्ययनशाला में एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम,एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित हैं।

अर्थशास्त्र विभाग

वैश्वीकरण क युग में अर्थशास्त्र एक प्रासंगिक एवं उल्लेखनीय अध्ययन –क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना 1983 में इस दृष्टि से की गयी कि यहां से व्यावसायिक एवं अकादमिक क्षेत्र हेतु सर्वोत्तम अर्थशास्त्री और वित्तीय विश्लेषक तैयार कर सके। इस परिप्रेक्ष्य में, विभाग का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तायुक्त शिक्षण है।. विभाग में संगोष्ठियां, समूहचर्चा, आलेख एवं पत्र लेखन, परियोजना लेखन, प्रश्नोत्तरी आदि नियमित गतिविधियां हैं। इसके अतिरिक्त समसामयिक मुद्दों पर अकादमिकों और प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों को शिक्षकों और विद्यार्थियों से बातचीत हेतु आमंत्रित किया जाता है। विभाग शोध में विकास एवं अन्य परामर्शपरक गतिविधियों की सक्रिय रूप से संलग्न है। विभाग शोध केन्द्र के रूप में नीतिगत जानकारियों को निजी एवं सामुदायिक क्षेत्रों को प्रदान करता है। केन्द्रीय पुस्तकालय के अतिरिक्त विभाग का अपना समृद्ध पुस्तकालय है जो विद्यार्थियों को सहज रूप से उपलब्ध है। यह उल्लेखनीय है कि विभाग उभरते हुए मुद्दों पर संगोष्ठियां, सम्मेलन एवं कार्यशालाएं आयोजित करता है। यू.जी.सी. गोल्डेन जुबली राष्ट्रीय संगोष्ठी, छत्तीसगढ़ इकोनॉमिक एसोसिएशन का प्रथम वार्षिक सम्मेलन और एडवांस रिसर्च मेथडोलॉजी एण्ड कम्प्यूटर एप्लीकेशन इन सोशल साइंसेज पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, वूमेन इण्टरप्रेन्योशिप प्रोग्राम पर कार्यशाला रेखांकित करने योग्य है। इंटरप्रेन्योशिप प्रोग्राम पर कार्यशाला रेखांकित करने योग्य है। इंटरप्रेन्योरशिप विकास में विभाग अपना महत्वूपर्ण योगदान कर रहा है। विभाग में संस्थापन का आंकड़ा, सामुदायिक और निजी क्षेत्रों में बहुत अच्छा है। विभाग में भारत के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से युवा एवं प्रेरित करने वाले शिक्षक सदस्य है। विभाग को अपने सामूहिक प्रयास पर गर्व है जिससे निरंतर बड़ी संख्या में मेधावी छात्र निकल रहे हैं।

विभाग द्वारा महत्वपूर्ण गतिविधियों का आयोजन

- विद्यार्थियों के हित में उनके बीच सामूहिक वाद–विवाद प्रतियोगिताएं, संगोष्ठी इत्यादि महत्वपूर्ण कार्यक्रम पूरे सत्र के दौरान आयोजित किये गए जिसमें विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

ladk; lnL;ksa dh egRoiw.kZ miyfC/k;k¡

- मनीषा दूबे ने महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी में, "भारत में वूमन इम्पावरमेण्ट की चुनौतियां" विषय पर 24 जुलाई, 2014 को अपना ब्याख्यान प्रस्तुत किया।
- मनीषा दूबे ने अकादमीक स्टॉफ कालेज, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में, "रिसर्च डिजाइन इन ओरियेंटेष्शन कोर्स आन रिसर्च मेथडोलाजी इन सोसल साइंस" विषय पर 25 मार्च, 2013 को अपना ब्याख्यान प्रस्तुत किया।

शिक्षाशास्त्र विभाग

वर्ष 2007 में अपने आरंभ के साथ ही शिक्षाशास्त्र विभाग अपने विद्यार्थियों के भीतर निहित उर्जा एवं क्षमता को बाहर लाने एवं भारतीय शिक्षा के सशक्त व दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता के रूप में निखारने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग के पास अत्यन्त ही योग्य एवं अनुभवी शिक्षक हैं जो शिक्षकों के शिक्षण एवं शिक्षा में बहु सांस्कृतिक वातावरण के अंतर्गत स्तरीय ज्ञान, व्यावसायिक क्षमताओं, सांस्कृतिक समझ एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के विकास हेतु प्रयत्नशील हैं।

विभाग द्वारा अत्याधुनिक पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें अध्यापक शिक्षण के क्षेत्र से संबंधित आधुनिकतम विचारों को भी सम्मिलित किया गया है। यह पाठ्यक्रम व्यावसायिक शिक्षण को बहु–प्रायोगिक अनुभवों के माध्यम से उनकी आवश्यकता, मूल्य

एवं शिक्षण स्थल के प्रति संवेदना जागृत करता है। समस्त शैक्षणिक अनुभवों को इस प्रकार सृजित किया गया है कि संस्थापन बाजार की चुनौतियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति सफलता प्राप्त करने की क्षमता विकसित कर सके। विगत सत्र में सीटैट, नेट, स्लेट की परीक्षाओं में बड़ी संख्या में छात्रों ने सफलता अर्जित की है। विभाग अपने अनुशासन एवं छात्रों के प्रति मित्रतापूर्ण ज्ञान स्त्रोत (एक समृद्ध पुस्तकालय, इंटरनेट सुविधा, नियमित संगोष्ठी, कार्यशाला, सामुदायिक कार्यक्रम एवं सह–शैक्षणिक अनुभव) एवं ऊर्जस्वित शोध अनुभव सम्मिलित है। वर्तमान में विभाग में बी.एड., एम.एड. एवं शोध पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। विभाग द्वारा बी.एड. के विद्यार्थियों हेतु सूक्ष्म शिक्षण एवं सामाजिक उत्प्रेरणा संबंधी प्रशिक्षण का भी आयोजन किया जाता है। संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रमों में प्रदर्शन–पाठ, अभ्यास –शिक्षण, इंटर्नशिप, आदि इसके नियमित अंग हैं। ग्रमीण जनता के बीच शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से प्रसार कार्यक्रमों के अंतर्गत सामुदायिक संवर्द्धन जैसी गतिविधियॉं आयोजित की जाती हैं। विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों में निहित प्रतिभा को पहचानने एवं पोषित करने के उद्देश्य से उनके मध्य सांस्कृतिक, खेल–कूद एवं सह–शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। विभागीय ग्रंथालय में विषय संबंधी संदर्भ पुस्तकें बड़ी संख्या में उपलब्ध हैं जैसा कि ग्यारहवीं योजना के प्रस्ताव में उल्लिखित है – विशिष्ट शिक्षण (बी.एड. स्पेशल) की आवश्यकता राष्ट्रीय ज्ञान आयोग एवं यूजीसी द्वारा भी स्वीकार की गई है जिसको ध्यान में रखते हुए विभाग ने विभिन्न रूपों में अक्षम विद्यार्थियों के लिए विशिष्ट शिक्षण प्रदान करने पर भी ध्यान केंद्रित किया है जिससे इस प्रकार के विद्यार्थियों के सामाजिक बहिष्करण का प्रतिशत कम किया जा सके। शिक्षा के क्षेत्र में समादेशी नीतियों के प्रति संवेदनशीलता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। विभाग के द्वारा अकादमिक सत्र 2013–14 से बी.एड. (लर्निंग डिसएबिलिटी) एवं बी.एड. (हियरिंग इम्पेयरमेंट) पाठ्यक्रमों को आरंभ करने का प्रस्ताव है।

foHkkx }kjk vk;kftr e[; xfrfofèk;k

- प्रो0 आशुतोष विस्वाल ने रिसर्च इन एजुकेशन 2014 विषय पर अपन व्याख्यान दिया।
- शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में प्रख्यात विद्वान द्वारा विशिष्ट बी.एड (LD) और विशिष्ट बी.एड (HI) छात्रों के लिए कई व्याख्यान आयोजित किये गए।

fo|kfFk;k dh egRoi.k miyfCèk;k

- ब्ज्म्ज जून, 2013 की परीक्षा में 5 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए।
- यू.जी.सी. नेट (जून, 2013) की परीक्षा में एम.एड. के 12 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए जिसमें से 7 विद्यार्थी जे.आर.एफ. थे।

l dk; lnL;k dh egRoi.k miyfCèk;k

- डॉ0 वजलवार, सी0 एस0 ने स्नातकोत्तर शिक्षा विभाग, नागपुर में 29 जून, 2013 को शिक्षा में शोध विशय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ0 वजलवार, सी0 एस0 ने यूजीसी अकादमीक स्टॅाफ कालेज आरटीएम, नागपुर में 08 मार्च, 2014 को मेण्टल हेल्थ और टीचिंग लैंग्वेज विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ0 वजलवार, सी0 एस0 ने यूजीसी अकादमीक स्टॅाफ कालेज आरटीएम, नागपुर में 08 मार्च, 2014 को टेस्टिंग टेक्नीक इन रिसर्च विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ0 मिश्रा, एस0 द्वारा 20 मार्च, 2013 को पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, विलासपुर में आयोजित तृतीय राष्ट्रीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में "वर्तमान स्वाधीगम उदाहरण एवं चलन" विषय पर ब्याख्यान दिया।

इतिहास विभाग

सामाजिक विज्ञान अध्ययनशाला के अन्तर्गत वर्ष 1996 में स्थापित इतिहास विभाग सफलतापूर्वक 16 वर्ष पूर्ण कर चुका है। विभाग में बी.ए. आनर्स, एम.ए. (मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास में विशेषज्ञता के साथ) और पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित है। कक्षा में अध्यापन का माध्यम परीक्षाओं की भांति हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में है। पंचवर्षीय एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तीन वर्ष बी.ए. (आनर्स) का सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर निकास विकल्प के साथ 2009–10 से संचालित है।

विभाग में शोध एवं अध्ययन का मुख्य केन्द्र बिन्दु छत्तीसगढ़ के इतिहास के विशेष संदर्भ क्षेत्रीय अध्ययन एवं विकास तथा पर्यटन का इतिहास है। प्री.पी.एच.डी. कोर्स वर्क आरंभ होने के साथ विभाग में इतिहास के क्षेत्र में शोध एवं विकासपरक अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से संलग्न है। इस क्रम में विभाग प्रतिष्ठित इतिहासकारों एवं इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का व्याख्यान आयोजित करता है। विभाग ऐतिहासिक महत्व और महान व्यक्तित्वों से जुड़ी तिथियों पर संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों का आयोजन करता है। विभाग शोधकार्य एवं विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्तियों एवं अध्येतावृत्तियों की सुविधा प्रदान करता है। विभाग द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न सह–शैक्षणिक गतिविधियों में राष्ट्रीय सेवा योजना आदि के माध्यम से सहभागिता हेतु प्रेरित किया जाता है। जिससे उनके व्यक्तित्व का बहुमुखी विकास हो और उनके भीतर सामुदायिक भावना का विकास हो सके।

विभाग के पास लगभग 400 पुस्तकों से पूर्णतः सुसज्जित ग्रंथालय है. इन पुस्तकों के अतिरिक्त विद्यार्थी केन्द्रीय ग्रंथालय की सुविधा भी प्राप्त कर सकते हैं जिसमें इंटरनेट की सुविधा भी उपलब्ध है। इसमें शोध–ग्रंथों, संदर्भ पुस्तकों और शोध प्रबंध बड़ी संख्या में है जिसे विद्यार्थी इंटरनेट के माध्यम से देख सकता है। स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नियमित शिक्षण के अतिरिक्त विभागीय शिक्षक विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रशासनिक परीक्षाओं और यू.जी.सी. कोंचिंग से भी सम्बद्ध है।

foHkkx dk mn~ns';%

- मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास पर अध्ययन एवं शोध।
- छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में क्षेत्रीय अध्ययन एवं विकास पर ध्यान केन्द्रित करना।
- छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में पर्यटन के इतिहास का अध्ययन करना।
- इतिहास के क्षेत्र में विद्यार्थियों को आधुनिक तौर–तरीकों एवं तकनीक से समृद्ध करना।
- विद्यार्थियों को इतिहास विषय के अध्ययन के क्षेत्र में आधुनिक विकास/परिवर्तन से परिचित कराना।

ladk; lnL;ksa dh miyfC/k;k¡

- डॉ0 महेश कुमार शुक्ला, सहायक प्राध्यापक (तदर्थ) को डॉ0 अम्बेडकर सेवाश्री सम्मान छत्तीसगढ़ अप्रैल 2014 से सम्मानित किया गया।

छात्रों की उपलब्धियाँ

- विभाग के एक विद्यार्थी ने यूपीपीएससी लोअर सबोर्डिनेट परीक्षा के तहत वेट एण्ड मेजरमेण्ट इंस्पेक्टर पद प्राप्त किया।

राजनीति विज्ञान विभाग

विश्वविद्यालय के प्राचीनतम विभागों में से एक, राजनीति विज्ञान विभाग की स्थापना सन् 1987 में की गई। यह विभाग त्रि–वर्षीय प्रतिष्ठा डिग्री के उपरांत निकास विकल्प के साथ राजनीति विज्ञान में पंचवर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम के साथ–साथ लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर एवं पी–एच.डी. पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए वातानुकूलित अध्ययनकक्ष से युक्त एक समूह पुस्तकालय है। वर्तमान में इस पुस्तकालय में 300 से अधिक पाठ्य पुस्तकें एवं संदर्भ ग्रंथ हैं। विभाग के शिक्षक सदस्य गुणवत्तायुक्त शोधकार्य में संलग्न हैं।

foHkkx }kjk vk;ksftr izeq[k xfrfof/k;k¡

- नवम्बर 2013 में सेण्टर फार स्टडीज आफ डेवलपिंग सोसाइटीज दिल्ली से सहयोग से राज्य विधान सभा चुनावों के उपर एस सर्वे शोध किया गया।
- फरवरी 2014 में सामाजिक विज्ञानों में शोध पद्धति विषय पर एक दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें डॉ0 ओलिवर हीथ, लंदन विश्वविद्यालय वक्ता थे।

f'k{kdksa dh miyfC/k;k¡%

- अनुपमा सक्सेना, सेन्टर फॉर स्टडीज एण्ड डेवलपिंग सोसाइटी (सी.एस.डी.एस.), नई दिल्ली, इण्डिया एण्ड किंग्स इण्डिया इंस्टीट्यूट, किंग्स कॉलेज लंदन यूनिवर्सिटी, लंदन के संयुक्त तत्वाधान में ''कम्परेटिव स्टेट पॉलिटिक्स एण्ड पब्लिक पॉलिसी इन इण्डिया'' शीर्षक शोध में संलग्न थी। इस संदर्भ में डॉ0 अनुपमा सक्सेना सितम्बर 2013 में किंग्स कालेज लंदन यूनिवर्सिटी, लंदन की सात दिनों की यात्रा पर गयी।
- अनुपमा सक्सेना द्वारा समाज विकास अध्ययन केन्द्र नई दिल्ली के साथ राष्ट्रीय चुनाव 2013 पर सामूहिक अध्ययन।

Skit performed by students at the conclusion of fieldwork

समाजकार्य विभाग

समाज कार्य विभाग की स्थापना वर्ष 1998 में इस उद्देश्य से की गयी कि परिवर्तित आवश्यकताओं के अनुसार समाजकार्य में व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण दिया जा सके। विभाग नए आर्थिक युग में विद्यार्थियों को प्रभावशील सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में निर्माण करना

Recreational activities for the elderly on the occasion of World Elderly Day

है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा जीवन की गुणवत्ता व खोजी संस्कृति के विकास पर ध्यान दिया जाता है। समाजकार्य कार्यक्रम, कक्षागत पाठ्यक्रम के साथ–साथ विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों में कार्यक्षेत्र में प्रायोगिक शिक्षण पर आधारित है। विश्वविद्यालय के सामाज कार्य विभाग का प्रमुख उद्देश्य है 'विद्यार्थियों को लोकतंत्र, शांति, मानवाधिकार, जन–शक्तिकरण, सामाजिक न्याय एवं मानव विविधता से परिपूर्ण व प्रतिबद्ध कर पेशेवर सामाजिक कार्यकताओं के रूप में निर्मित करना है।''

विभाग समाजकार्य के विद्यार्थियों हेतु व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामूहिक, सामुदायिक और विकास संगठनों के साथ सीधे सीखने का अनुभव प्रदान करता है। विभागीय शिक्षक–पर्यवेक्षक कार्यस्थल पर निर्देशन देने के साथ विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तायुक्त अनुभव प्रदान करने में सहायता करते हैं। विभाग विद्यार्थियों को समसामयिक समस्याओं के अनुरूप प्रशिक्षित एवं उनके भीतर व्यावसायिकता का विकास करने की चुनौती को सामने रखता है। विभाग विद्यार्थियों को रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करता है और मानविकी हेतु स्थानीय प्रशासन और गैर–सरकारी संगठनों से प्रभावी सहयोग रखता है। विभाग विद्यार्थियों को गैर–सरकारी संस्थाओं व सरकारी कल्याणकारी एजेंसियों में नियमित भ्रमण हेतु ले जाता है ताकि उनके भीतर समाज एवं विकासगत क्षेत्रों की जिम्मेदारियों और चुनौतियों से निपटने में सक्षम हो सकें। विभाग 2013–14 से बी.एस.डब्ल्यू. और पी.एच.डी. पाठ्यक्रम आरंभ कर रहा है और एम.एस.डब्ल्यू पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या 30 से 60 की गयी।

foHkkx }kjk vk;kftr izeq[k xfrfofèk;k¡

- सीएसआर राशि एवं कार्य को समझने के लिए विभाग ने एसईसीएल का औद्योगिक भ्रमण किया।
- आदित्य सेवा संस्थान संस्था का विभाग ने सहयोग किया और कन्या भ्रूण हत्या एव पर्यावरण संरक्षण कार्यशाला में भाग लिया।
- रतनपुर भरारी गॉव में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया।
- सेंदरी एवं कछार गांव में विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी और चित्रकारी प्रतियोगिता का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- बसौद समुदाय (बधवापारा) बाशा समुदाय (बेलतरा) और लिंग्याडिह समुदाय (सरकण्डा) में बास कारीगरों के लिए विविध प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गये। जैसे–
  - भारत सरकार द्वारा बास कारीगरों को परिचय पत्र बांटे गये जिससे वे कई प्रकार के लाभ उठा सकते थे।
  - बास कारीगरों के समुदाय के आकलन की आवश्यकता।
  - विभिन्न समुदायों में बांस कारीगरों के लिए एसएचजी का गठन।
  - इमलिभाटा समुदाय के सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण।
  - सामाजिक मैपिंग
- छत्तीसगढ़ विकास एवं प्रचार संस्थान के सहयोग से "दवाओं एवं शराब के नशा से मुक्ति" जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संस्थान के अध्यक्ष श्री आशीष सिंह श्रोत व्यक्ति से रूप में थे।
- एनजीओ वसुधा महिला मंच की सहायता से "कानूनी सहायता/साक्षरता" पर सेंदरी–2 में महिलाओं की समस्याओं के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा अपनाई पांच समुदायों में अतंर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।
- विभाग द्वारा अपनाई पांच समुदायों में विश्व बुजुर्ग दिवस मनाया।
- "एसएचजीः फारमेशन एवं मैनेजमेण्ट" एडीओ पंचायत की सहायता से सेंन्दरी में एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें स्वयं सहायता समूह के गठन और काम करने की प्रकिया के बारे में बताया गया।

- लोखंडी समुदाय के किशोरावस्था के लडको एवं लडकियों को प्रेरित एवं कैरियर काउन्सलिंग के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- एनजीओ एमएसकेपीपी, बिलासपुर के सहयोग से "महिलाओं में घरेलू हिंसा" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।
- लोखंडी समुदाय में कानूनी साक्षरता शिविर लगाया गया जिसके श्रोत व्यक्ति के रूप में श्रीमती सुनीता टोप्पो, सचिव, जिला कानूनी अधिकार, बिलासपुर थी।
- लोखंडा के किसानो के लिए जैविक खेती विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।
- मस्तूरी ब्लाक में एसएचजी महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसे एनजीओ एमएसकेपीपी ने सुगम बनाया।
- महिला/किसानों को सखी कोओपरेटिव बैंक में खाता खोलने के लिए प्रेरित किया।
- नसों में नशीली दवाओं के उपयोगकर्ता को ओएसटी थैरेपी/परामर्श सत्र/एचआइवी परीक्षण, आइसीटीसी केन्द्र में लाने के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया गया।
- (22.07.2014–27.07.2014) में नवप्रवेशित छात्रों के लिए एक सप्ताह का उन्मुखीकरण कार्यक्रम चलाया गया।
- 2013–14 में पांच विभिन्न समुदायों में सांस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- विभाग में सामाजिक समकालीन सरोकारों पर अतिथि ब्याख्यान की व्यवस्था की गई जिससे श्रोत व्यक्ति प्रो0 ए एन सिंह विभागाध्यक्ष, समाज विज्ञान थे।
- बिलासपुर में काम कर रहे विभिन्न गैर सरकारी संगठन के सहयोग से महत्वपूर्ण मुद्दो (जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका इत्यादि) पर नियमित रूप से विभिन्न आउटरीच कार्यक्रम जुलाई 2013 से मार्च 2014 के बीच में आयोजित किए गये।
- डॉ0 विश्वनाथ मंडल, (आई.एन.के.ए.) क्लिनिक, बिलासपुर द्वारा मेडिकल समाज कार्य पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन 13 अप्रैल, 2014 को किया गया।
- बीएसडब्ल्यू एवं पीएचडी पाठ्क्रम के लिए विभाग द्वारा अध्ययन बोर्ड का गठन 22/05/2014 को किया गया।
- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद के सदस्य प्रो0 एस0 वी0 सुधाकर राव ने समाज कार्य के नये रास्ते पर एक उत्प्रेरक व्याख्यान दिया।

fo|kfFkZ;ksa dh miyfC/k;k¡

- विभाग के तीन विद्यार्थियों ने यूजीसी जेआरफ की परीक्षा 2013–14 मे पास की।
- विभाग के एक विद्यार्थी ने यूजीसी नेट की परीक्षा 2013–14 मे पास की।
- एक शोध छात्र ने 2014 आर.जी.एन.एफ. की छात्रवृत्ति प्राप्त की।
- एक विद्यार्थी ने यूजीसी जे.आर.एफ. जुलाई 2014 की छात्रवृत्ति प्राप्त की।
- विभाग ने उडान पत्रिका को विमोचन जुलाई 2014 मे किया।
- विभाग ने 10 राष्ट्रीय, 30 राज्य स्तरीय एवं 50 स्थानीय गैर सरकारी संगठन की सहायता से विभिन्न सामाजिक क्षेत्र में काम किया।
- विश्वविद्यालय स्थापना सप्ताह के दौरान विभाग को माडल प्रदर्शनी के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- विभाग ने समाज कार्य में पंच वर्षीय यूजी/पीजी पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया।

2.2 एकेडमिक स्टाफ कॉलेज

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदानित एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज की स्थापना 2009 में हुई। एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज का मुख्य कार्य विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नवनियुक्त प्राध्यापकों के लिए उन्मुखीकरण, पुनश्चर्या एवं अल्प–अवधि कार्यक्रमों की योजना तैयार करना, आयोजन करना, प्रयोग करना तथा निरीक्षण एवं सुझाव प्रस्तुत करना है। यू.जी.सी. के दिशानिर्देशों के अनुरूप एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज की परामर्शदात्री समिति का गठन किया गया। प्रतिवेदन वर्ष में विश्वविद्यालयों के शिक्षण, गैर–शिक्षण कर्मचारियों एवं शोध छात्रों में कौशल एवं क्षमता निर्माण हेतु एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज में ग्यारह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये।

mUeq[khdj.k dk;ZØe%

सत्र 2013–14 के दौरान चार उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए गये। महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के नवनियुक्त सहायक प्राध्यापक इससे लाभान्वित हुए। इसका विवरण निम्नलिखित है–

कंमांक	कार्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	षष्ठम उन्मुखीकरण कार्यक्रम	03.05.2013 से 29.06.2013	24
2	सप्तम उन्मुखीकरण कार्यक्रम	08.07.2013 से 03.08.2013	22
3	अष्टम उन्मुखीकरण कार्यक्रम	26.08.2013 से 21.09.2013	15
4	नवम उन्मुखीकरण कार्यक्रम	16.12.2013 से 12.01.2014	21

विभिन्न विषयों जैसे 1. विकास, शिक्षा एवं पर्यावरण 2. दर्शन एवं शिक्षा 3. भारतीय शिक्षा व्यवस्था एवं बाल मनोविज्ञान 4. श्रोत संचेतना, ज्ञान एवं व्यक्तित्व विकास पर व्याख्यान हेतु उस क्षेत्र के ख्याति लब्ध आयार्यो को विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था। प्रतिभागियों को प्रभावशाली कक्षा अध्यापन के कौशल विकसित करने के लिए अधुनातन आईसीटी तकनीकि का ज्ञान प्राप्त करने का भी अवसर प्रदान किया गया था। कुलपति, उपकुलपति, कुलसचिव एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा उद्घाटन एवं समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित किया गया।

y?k vofèk ikB;Øe%

अकादमीक स्टॉफ कालेज द्वारा चार लघु अवधि के पाठ्यक्रम संचालित किए गये। इन कार्यक्रमो के द्वारा कुल 41 प्रतिभागी लाभान्वित हुए। प्रशिक्षण की आवश्यकता के अनुसार विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को ज्ञान एवं कौशल की समृद्धि में सहायता प्राप्त हुई।

कंमांक	कार्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	शॉर्ट टर्म कोर्स ऑन इंट्रैक्सन प्रोग्राम फॉर पीएचडी स्कॉलर्स	09.05.2013 से 11.05.2013	27
2	शॉर्ट टर्म कोर्स ऑन हाउ टू राइट रिसर्च पेपर एण्ड प्रोजेक्ट प्रपोजल्स	13.09.2013 से 15.09.2013	47
3	शॉर्ट टर्म कोर्स ऑन ई–लर्निग्स एण्ड ई–कन्टेंट डेवलपमेंट्स	10.01.2014 से 12.01.2014	20
4	शॉर्ट टर्म कोर्स ऑन रिफॉर्म्स इन इग्जामिनेशन इवेल्यूएसन सिस्टम	24.02.2014 से 26.02.2014	19

vfrjDr dk;Zdze

अकादमीक स्टॉफ कॉलेज द्वारा दो अतिरिक्त कार्यक्रम आयोजित किये गये। इनमें 75 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्यो को भी उनके महाविद्यालय के अध्यापकों के अध्यापन कौशल को उन्नत एवं विकसित करने में अकादमीक स्टॉफ कॉलेज के कार्यक्रमों की भूमिका पर बहस एवं सुझाव देने हेतु आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के उद्घाटन एवं समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

कंमांक	कार्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	प्रिन्सिपल मीट	24.07.2013 से 24.07.2013	52
2	एडीशनल प्रोग्राम इन्ट्रेक्सन प्रोग्राम फॉर पीएचडी स्कॉलर्स	21.03.2014 से 11.04.2014	23

;fuofl Vh bu&gkÅl Vfux dk;Øe%

यू.जी.सी. द्वारा अनुमोदित कार्यक्रमों के अतिरिक्त ए.एस.सी. ने विश्वविद्यालय के समूह 'घ' के कर्मचारियों में क्षमता वृद्धि हेतु कई 'इन–हाऊस' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लिपिकों को हिन्दी (राजभाषा) में त्रैमासिक प्रतिवेदन की तैयारी एवं हिन्दी के कार्यालयीन पत्राचार संबंधी जानकारी दी गयी। आयोजित कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत है –

कंमांक	कार्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	द्वितीय राजभाषा कार्यशाला	05.06.2013 से 05.06.2013	34
2	तृतीय राजभाषा कार्यशाला	27.12.2013 से 27.12.2013	45
3	चतुर्थ राजभाषा कार्यशाला	26.03.2014 से 26.03.2014	53

मानव संसाधन

3. मानव संसाधन

3.1 शिक्षक सदस्य

संवर्ग	स्वीकृत						नियुक्त					
	सा.	अजा	अजजा	अपिव	शा.अ.	कुल	सा.	अजा	अजजा	अपिव	शा.अ.	कुल
आचार्य	46	08	04	.	.	58	18	01	01	.	.	20
सह–आचार्य	84	16	08	.	.	108	36	02	.	.	.	38
सहा.प्राध्यापक	137	39	19	72	02	267	95	25	11	44	02	175
कुल	267	63	31	72	02	433	149	28	12	44	02	233

3.2 गैर शैक्षणिक कर्मचारी

संवर्ग	स्वीकृत	नियुक्त					
		सा.	अपिव	अजा	अजजा	शा.अ.	कुल
वर्ग 'अ'	33+8*	18	03	01	02	.	24
वर्ग 'ब'	55+6*	14	08	06	06	.	34
वर्ग 'स'	214+39*	87	76	27	22	06	218
वर्ग 'द'							
(सफाई कर्मचारियों के अतिरिक्त)	138	23	28	15	16	.	82

*कार्यपरिषद् द्वारा स्वीकृत

वित्तीय संसाधन

4. वित्तीय संसाधन

4.1 वित्तीय विवरण

Financial Year 2013-14 (01-04-2013 to 31-03-2014)

BALANCE SHEET as on 31st March 2014

	SOURCES OF FUNDS	Schedule	Current Year 2013-14 (in Lacs)	Previous Year 2012-13 (in Lacs)
1	**UNRESTRICTED FUNDS**			
	Corpus fund	1	11446.97	10850.87
	General Fund	2	-	
	DesignatedèEarmarked Funds	3	5389.898	6034.76
	RESTRICTED FUNDS	4		
	LOANSèBORROWINGS	5		
	Secured			
	Unsecured			
	CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	6	5551.74	3448.92
	TOTAL		22388.60	20334.55
2	**APPLICATION OF FUNDS**			
	FIXED ASSETS	7	6480.36	5169.74
	Tangible Assets			
	Intangible Assets			
	Capital Work-In-Progress			
	INVESTMENTS	8	12871.53	13265.59
	Long Term			
	Short term			
	CURRENT ASSETS	9	2297.37	1224.64
	LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	10	739.33	674.58
	TOTAL		**22388.60**	**20334.55**
	Notes on Accounts	22		

4.2 आय-व्यय विवरण

(FOR 01-04-2013 TO 31-03-2014)

PARTICULARS	Schedule	Current Year 2013-14					Previous Year 2012-13
		Unrestricted Fund			Restricted Fund	Total (in Lacs)	Total (in Lacs)
		Corpus	Designated Fund (in Lacs)	General Fund			
INCOME							
Academic Receipts	11		909.50			909.50	
Grants & Donations	12		4409.73			4409.73	
Income from investments	13		189.64			189.64	
Other Incomes	14		87.88			87.88	
TOTAL (A)			5596.74			5596.74	5193.18
EXPENDITURE							
Staff Payments & Benefits	15		2393.57			2393.57	
Academic Expenses	16		220.89			220.89	
Administrative and General Expenses	17		499.48			499.48	
Transportation Expenses	18		33.62			33.62022	
Repairs & maintenance	19		88.77			88.77	
Finance costs	20		.90			.90	
Other Expenses	21		191.36			191.36	
Depreciation (Net Total at the year-end-corresponding to schedule 8)			1131.43			1131.43	
TOTAL (B)			4559.94			4559.94	4519.99
Balance being excess of Income over Expenditure (A - B)			1036.80			1036.80	673.19
Transfer toèfrom Designated Fund:							
1- Building fund							
2- Others (specify)							
Balance being Surplusè(Deficit) Carried to General Fund			1036.47			1036.47	673.19
Notes on Accounts	22						

4.3 मार्च 2014 तक तुलन पत्र की अनुसूचियां

Schedule 3:Designated è Earmarkerd Funds

Particulars	FUND WISE BREAK UP				TOTAL	
	FUND AA (XI Plan) (in Lacs)	FUND BB (XII Plan) (in Lacs)	FUND CC (Est. of School of Education) additional Grant (in Lacs)	FUND DD(other Projects ègrants) Annexure –A (in Lacs)	Current Year 2013-14 (in Lacs)	Previous Year 2012-13 (in Lacs)
a) Opening balance of the funds	1920.75	3254.41	-	859.53	6034.69	
b) Additions to the Funds:						
i. Donationègrants	2500.00	1000.00	1252.13	4752.13		
ii. Income from investments made of the funds	144.55	342.30	68.22	-	555.07	
iii. Accrued interest on investments of the funds						
TOTAL (a+b)	2065.30	6096.71	1068.22	2111.66	11341.89	10401.17
c) UtilisationèExpenditure towards objectives of funds						
i. Capital Expenditure						
Merged Scheme(XII)		3.20				
Non-Net Fellowship		94.12				
- Fixed Asset						
Builiding						
Building XI Plan	594.69					
Building SC Hostel XI Plan	1000.00					
Building XII Plan		399.75				
Equipment		911.83				
Book & Journals		66.50				
Campus Development		784.03				
Other Infrastructure		217.96				
- Others						
Total	1594.69	2477.38				
ii. Revenue Expenditure						
- Salaries, Wages and allowances etc.		1290.04				
Children Education Allowance		7.44				
LTC		1.053				
Medical reimbursement		1.72				
NPS		92.08				
- Rent						
Total		1392.33				
Total (c)	1594.69	3869.71		584.07	6048.47	4366.41
NET BALANCE AT THE YEAR-END (a+b-c)	470.61	2226.99	1068.22	1527.59	5293.42	6034.76

4.4 अन्य अनुदानों/वित्तीय सहायताओं की प्राप्ति एवं भुगतान का विवरण

(1-APR-2013 TO 31-MAR-2014)

[Amount in Rs.]

Particulars	Opening Balance as on 01è04è2013	GrantèFund Received during the year	Total Fund Available during the year	Expenditure during the year	Refund	Total Expenditure	Balance as on 31 March 2014
UGC Grant for ASC	17030133.5	12750000	29780133.50	18468906		18468906	11311227.50
Academic Staff College(DBT)	100550.00 Cr		100550.00	100550.00		100550.00	0.00
AICTE	1400000.00 Cr	1200000.00	2600000.00				2600000.00
AICTE (CAYT) Dr Harish Rajak		180000.00	180000.00	11734.00		11734.00	168266.00
AICTE EDC (Dr. J.S. Dangi)	20393.00 Cr	129830.00	150223.00				150223.00
AICTE EDC Project (Dr. Sanmati Jain)	443092.00 Cr		443092.00				443092.00
AICTE E D C Project DrShailendra Singh	673220.00 Cr		673220.00				673220.00
AICTE - GATE Scholarship	452033.00 Cr	4552227.00	5004260.00	4932173.00		4932173.00	72087.00
AICTE MODROBS LAB Chief Coord. Dr S N Saha	1200000.00 Cr		1200000.00				1200000.00
AICTE RPS Dr. Sunil Jain	966667.00 Cr		966667.00	845226.00		845226.00	121441.00
AICTE RPS DrVinodRangari	1713334.00 Cr		1713334.00	1572525.00		1572525.00	140809.00
AICTE RPS Scheme	7280.00 Cr		7280.00				7280.00
AICTE RPS Scheme Fin. Asst. (J.S. Dangi)	210761.75 Cr		210761.75	217112.00		217112.00	-6350.25
Basic Scientific Research Deptt. of Physics	1973285.00 Cr		1973285.00	425285.00		425285.00	1548000.00
Biotechnology Project	1289000.00 Cr		1289000.00	1289000.00		1289000.00	0.00
Ccost Financial Assistance(Botany)	25000.00 Cr		25000.00				25000.00
C Cost Project Grant	16007.00 Cr		16007.00	16007.00		16007.00	0.00
CCOST Travel Grant		45425.00	45425.00	45425.00		45425.00	0.00
Central Councelling Board(AIEEE)	36800.00 Cr		36800.00				36800.00
CSIR (DrBhumiNathTripathi)	32000.00 Dr		32000.00				32000.00
CSIR (Dr. M. ChakradharaRao)		587250.00	587250.00				587250.00
CSIR (DrSatyaShila Singh		960000.00	960000.00	66000.00		66000.00	894000.00
CSIR Fellowship(Deepak Kumar Jain &Avineesh Singh)		515200.00	515200.00	425160.00		425160.00	90040.00
CSIR Project (DrV.K.Rai)	768778.00 Cr		768778.00	294151.00		294151.00	474627.00
CSIR (Rashmi.Dubey) Chemistry	92600.00 Cr		92600.00	72600.00		72600.00	20000.00
CSIR Research Fellowship (Mukesh Kumar Gupta)	262400.00 Cr		262400.00	242400.00		242400.00	20000.00
DAE-BRNS(Prof.P.K.Bajpai)HOD, Physics		47213643.00	47213643.00	211733.00		211733.00	47001910.00
DBT	227963.00 Cr		227963.00	27963.00		27963.00	200000.00
DBTEPF Project (Dr. BhupendraNathTiwary)		1826397.57	1826397.57	185611.00		185611.00	1640786.57

Particulars	Opening Balance as on 01è04è2013	GranteFund Received during the year	Total Fund Available during the year	Expenditure during the year	Refund	Total Expenditure	Balance as on 31 March 2014
DBT-GGV Builder Program (Biotechnology)		16195380.00	16195380.00	132046.00		132046.00	16063334.00
DBT Project (Dr Monika Bhadoria)	871200.00 Cr		871200.00	385488.00		385488.00	485712.00
DBT (RGYI) Dr S K Prajapati		1711200.00	1711200.00				1711200.00
DST (Dr. Bhaskar Mukherjee)		826000.00	826000.00	8448.00		8448.00	817552.00
D S T Fellowship (Arpita Mani Tripathi)	51728.00 Cr		51728.00				51728.00
DST FIST Physics		6000000.00	6000000.00	6000000.00		6000000.00	0.00
DSTèINSPIRE FELLOWHIP	966113.00 Cr	1287867.00	2253980.00	1319112.00		1319112.00	934868.00
DST Research Project (Dr. BhumiNathTripathi)	105276.00 Cr		105276.00				105276.00
DST Travel Grant	24957.00 Dr		24957.00				24957.00
Gate Scholarship M.Tech.	1071220.00 Cr		1071220.00	762000.00		762000.00	309220.00
GOI Fellowship Scheme for Doctoral Work	1500.00 Cr		1500.00				1500.00
Grant for Construction of I.T. & Workshop	2950107.00 Cr		2950107.00				2950107.00
ICFRE Dehradun	2489853.00 Cr		2489853.00				2489853.00
ICHR(Fellowship) NEW DELHI	12000.00 Cr		12000.00				12000.00
ICMR (Dr. Sunil Kumar Jain)		257600.00	257600.00	188100.00		188100.00	69500.00
ICMR,New Delhi	25000.00 Dr		25000.00				25000.00
ICSSR (DR AnupamaSaxena)	147844.00 Cr		147844.00	92452.00		92452.00	55392.00
ICSSR (Dr. BalramOraon)		540000.00	540000.00				540000.00
ICSSR (Dr. ManishaDubey)		260000.00	260000.00	26839.00		26839.00	233161.00
Indian Council of Social Science Research	2300.00 Cr	261800.00	264100.00	78919.00		78919.00	185181.00
Indira Gandhi Single Girl Grant	80000.00 Dr	80000.00	160000.00				160000.00
Inspire DstPriyankaPandeyJrf	250400.00 Cr		250400.00	64000.00		64000.00	186400.00
INSPIRE Programme AICTE	417142.00 Dr		417142.00				417142.00
IUAC PROJECT (Dr P K Bajpai)			0.00	10274.00		10274.00	-10274.00
National E-Governance Workshopèseminar	116716.00 Cr		116716.00	116716.00		116716.00	0.00
National Research Development Corporation,New Delhi	24763.00 Dr		24763.00				24763.00
NCERT Research Project	58000.00 Cr		58000.00	12009.00		12009.00	45991.00
NTPC (Dr A K Dixit)		1000000.00	1000000.00	83742.00		83742.00	916258.00
PAO	279200.00 Cr		279200.00				279200.00
Plan Grant for Submission of Sodhganga		1420000.00	1420000.00	1400000.00		1400000.00	20000.00
Project,Min. of Env. & Forests (Dr.S.S.Singh)	440565.00 Cr		440565.00	291051.00		291051.00	149514.00
Rajeev Gandhi Fellowship (UGC)	7937923.00 Cr	115260.00	8053183.00	505631.00		505631.00	7547552.00
Rajiv Gandhi ShikshaMission,C.G.	47200.00 Cr	100000.00	147200.00				147200.00
Research Project,Env&ForestDr S S Singh	2000000.00 Cr	78354.00	2078354.00	50000.00		50000.00	2028354.00

Particulars	Opening Balance as on 01è04è2013	GranteFund Received during the year	Total Fund Available during the year	Expenditure during the year	Refund	Total Expenditure	Balance as on 31 March 2014
Sahid Veer Narayan Singh Plan ShodhPeeth Fin. Asst	915000.00 Cr		915000.00				915000.00
SAP(DRS) in the Department of Physics	320000.00 Cr		320000.00				320000.00
SERB (Dr. Kalluri V.S. Ranganth)		2000000.00	2000000.00				2000000.00
SERB(Dr. KamleshShrivas)Chemistry		1470000.00	1470000.00				1470000.00
SERB (Dr. Pradeep Singh)		800000.00	800000.00	363809.00		363809.00	436191.00
SERB (Dr. R.P. Prajapati)		490000.00	490000.00	13274.00		13274.00	476726.00
SERB (Dr. Satendra Kumar Nirala)	500000.00 Cr		500000.00	30194.00		30194.00	469806.00
SERB (Dr.V.K.Rai)	1430949.00 Cr		1430949.00	1147610.00		1147610.00	283339.00
SERB (Dr. Pradeep Das)		1415000.00	1415000.00				1415000.00
SERB DST (DrSubhash Banerjee)		1250000.00	1250000.00				1250000.00
SIPDA, Bilaspur	800000.00 Cr		800000.00				800000.00
Special Grant GOI	1500.00 Cr		1500.00				1500.00
UGC Adult Education Grant 10th Plan	375000.00 Cr		375000.00				375000.00
UGC Assistance SAP (Pharmacy)Non-Recurring	4100000.00 Cr		4100000.00	2976805.00		2976805.00	1123195.00
UgcAssistane Under SAP(DrJ.S.Dangi) Recurring	92953.00 Cr		92953.00	38774.00		38774.00	54179.00
UGC BSR Fellowship			0.00	524291.00		524291.00	-524291.00
UGC BSR Start Up DrBhaskar Sharma	540000.00 Cr		540000.00				540000.00
UGC BSR Startup Dr. BrajBhushanChaturvedi		540000.00	540000.00	7200.00		7200.00	532800.00
UGC BSR Start Up Dr. GarimaTiwari		540000.00	540000.00				540000.00
UGC BSR Startup Dr. Jata Shankar		540000.00	540000.00				540000.00
UGC BSR Startup Dr. Kesavan		540000.00	540000.00	10000.00		10000.00	530000.00
UGC BSR Start Up Dr. Sanjay Kumar Bharti		540000.00	540000.00				540000.00
UGC BSR Startup Dr. Vivekananda Mandal		540000.00	540000.00	418552.00		418552.00	121448.00
UGC BSR Start Up Grant Amar NathSil	540000.00 Cr		540000.00				540000.00
UGC BSR StartUP Grant(Dr. Akhlesh Kumar Jain)	540000.00 Cr		540000.00	385942.00		385942.00	154058.00
UGC BSR Start Up Grant DrArjunPatra	540000.00 Cr		540000.00	95883.00		95883.00	444117.00
UGC BSR StartUP Grant(Dr.Chandrama P Upadhyaya)	540000.00 Cr		540000.00	163467.00		163467.00	376533.00
UGC BSR Start Up Grant DrDEvendra Kumar Patel	540000.00 Cr		540000.00				540000.00
UGC BSR StartUP Grant(Dr. Dinesh Kumar Mishra)	540000.00 Cr		540000.00	380108.00		380108.00	159892.00
UGC BSR Start Up Grant DR Jagdish Singh	540000.00 Cr		540000.00				540000.00
UGC BSR StartUP Grant(Dr. Monika Bhadauria)	520000.00 Cr		520000.00	217213.00		217213.00	302787.00
UGC BSR Start Up Grant DrNishant Jain	540000.00 Cr		540000.00	24915.00		24915.00	515085.00

Particulars	Opening Balance as on 01è04è2013	GranteFund Received during the year	Total Fund Available during the year	Expenditure during the year	Refund	Total Expenditure	Balance as on 31 March 2014
UGC BSR Start Up Grant DrParthaPratim Roy	540000.00 Cr		540000.00	352080.00		352080.00	187920.00
UGC BSR Start Up Grant Dr Rajesh Ugale	540000.00 Cr		540000.00				540000.00
UGC BSR StartUP Grant(Dr. Santosh Singh Thakur	540000.00 Cr		540000.00	364466.00		364466.00	175534.00
UGC BSR StartUP Grant(Dr. Satendra Kumar Nirala)	540000.00 Cr		540000.00				540000.00
UGC BSR StartUP Grant(Dr. SatyaShila Singh)	540000.00 Cr		540000.00	5549.00		5549.00	534451.00
UGC BSR StartUP Grant(Dr. SeemaRai)	540000.00 Cr		540000.00	310796.00		310796.00	229204.00
UGC BSR StartUP Grant(Dr. Subhash Banerjee)	540000.00 Cr		540000.00	378363.00		378363.00	161637.00
UGC BSR StartUP Grant(Dr. Sudhir Kumar Pandey)	540000.00 Cr		540000.00				540000.00
UGC BSR Start UP Grant Dr Suresh Thareja	540000.00 Cr		540000.00				540000.00
UGC BSR Start Up Grant Santosh Kumar Prajapati	540000.00 Cr		540000.00	88416.00		88416.00	451584.00
UGC BSR Start Up Grant SmtAishwaryaBaghel	540000.00 Cr		540000.00				540000.00
UGC Emirates Fellowship	2583.00 Dr		2583.00				2583.00
UGC Grant for Women Hostel, 10th Plan	1250000.00 Cr		1250000.00				1250000.00
UGC Infrastructure Grant for Biotechnology	907342.00 Cr		907342.00				907342.00
UGC Infrastructure Grant for Pharmacy	2000000.00 Cr		2000000.00	512516.00		512516.00	1487484.00
UGC Instrumentation Maintaince Facility Fin. Asst.	78350.00 Cr		78350.00				78350.00
UGC JRF Fellow. Grant	618921.00 Cr		618921.00	394534.00		394534.00	224387.00
U.G.C. JRF Fellowship	80360.00 Cr	1465200.00	1545560.00	493093.00		493093.00	1052467.00
U.G.C. JRF Fellowship (Biotechnology)	85000.00 Cr		85000.00	89000.00		89000.00	-4000.00
UGC JRF Grant -Ritesh Jain	160215.00 Cr		160215.00				160215.00
UGC Life Long Learning & Ext. Fin. Asst.	870000.00 Cr		870000.00				870000.00
UGC MRP Dr. Artisrivastava		627800.00	627800.00	28000.00		28000.00	599800.00
UGC MRP DrAsamanjaChattoraj	452300.00 Cr		452300.00				452300.00
UGC MRP(Dr. BhuminathTripathi)	21613.00 Cr		21613.00				21613.00
UGC MRP(DrB.N.Tiwary)	11628.00 Cr	495840.00	507468.00	32000.00		32000.00	475468.00
UGC MRP Dr. Dilipkumar Pal		969800.00	969800.00	740956.00		740956.00	228844.00
UGC MRP(Dr. Harish Rajak)	45942.75 Dr		45942.75	92151.00		92151.00	-46208.25
UGC MRP DrHaritJha	537418.00 Cr	7328.00	544746.00	481007.00		481007.00	63739.00
UGC MRP (Dr. H S Hota)	115000.00 Cr		115000.00	23031.00		23031.00	91969.00
UGC MRP (Dr H S Tewari)	1029800.00 Cr		1029800.00	692000.00		692000.00	337800.00
UGC MRPDr. Krishna Kumar Chandra		885800.00	885800.00	12027.00		12027.00	873773.00

Particulars	Opening Balance as on 01è04è2013	GrantèFund Received during the year	Total Fund Available during the year	Expenditure during the year	Refund	Total Expenditure	Balance as on 31 March 2014
UGC MRp (Dr.MadhvendraNathTripathi)	250000.00 Cr		250000.00				250000.00
UGC MRP Dr.Manoj Kumar Dubey		929800.00	929800.00				929800.00
UGC MRP Dr.Manorama		926800.00	926800.00	74089.00		74089.00	852711.00
UgcmrpDr Monika Bhaduria		896800.00	896800.00	491059.00		491059.00	405741.00
UgcMrpDrMukesh Kumar Singh		892000.00	892000.00				892000.00
UGC MRP (Dr. P K Bajpai)	982300.00 Cr		982300.00	33685.00		33685.00	948615.00
UGC MRP DR. P.P. Murthy	655600.00 Cr		655600.00				655600.00
UGC MRP (Dr. Pradeep Kumar Samal)	209000.00 Cr		209000.00	54586.00		54586.00	154414.00
UGC MRP (DR Rakesh Kumar Pandey)	579000.00 Cr		579000.00	395709.00		395709.00	183291.00
UGC MRP(Dr Ravi ShankerPandey)	291743.00 Cr		291743.00	222417.00		222417.00	69326.00
UGC MRP DrSambitPadhi	4974.00 Cr	50000.00	54974.00	37991.00		37991.00	16983.00
UGC MRP(Dr. Sanjay Kumar Lanjhiyana)	413564.00 Cr		413564.00	431271.00		431271.00	-17707.00
UGC MRP DrSantosh Kumar Prajapati	424010.00 Cr		424010.00	209999.00		209999.00	214011.00
UgcMrpDrSatendra Kumar Nirala		891200.00	891200.00	72529.00		72529.00	818671.00
UGC MRP DrSatyaShila Singh	731800.00 Cr		731800.00	98458.00		98458.00	633342.00
UGC MRP (Dr. SeemaRai)	594355.00 Cr		594355.00	391164.00		391164.00	203191.00
UGC MRP Dr. Shailendra Kumar		1082800.00	1082800.00				1082800.00
UGC MRP Dr. Soma Das		814300.00	814300.00	8400.00		8400.00	805900.00
UGC MRP Dr. Vinod D. Rangari		871800.00	871800.00	537624.00		537624.00	334176.00
UGC MRP (Dr V.K. Rai)	71944.00 Cr		71944.00	67165.00		67165.00	4779.00
UgcMrpMsAlkaEkka	62500.00 Cr		62500.00				62500.00
UGC MRP Prof SN Saha	858882.00 Cr		858882.00	565000.00		565000.00	293882.00
UGC MRP Project (Dr. Harish Kumar)	164094.00 Cr		164094.00	162878.00		162878.00	1216.00
Ugc M R P Project(DrManishaDubey)	357889.00 Cr		357889.00	357889.00		357889.00	0.00
UGC Net Coaching for ScèSt Students	696000.00 Cr		696000.00				696000.00
UGC NET Coaching Grant	673715.00 Cr		673715.00				673715.00
UGC NET Exam December 2013		1000000.00	1000000.00	133925.00		133925.00	866075.00
UGC One Time Grant for Merged Scheme	5459450.00 Cr		5459450.00				5459450.00
UGC SAP DRS-I (Pharmaceutical Science)		447400.00	447400.00				447400.00
UGC SAP Physics	5900000.00 Cr		5900000.00	1196562.00		1196562.00	4703438.00
UGC Start Up (Dr Manish Kumar Gupta)		600000.00	600000.00				600000.00
UGC Startup Grant (Dr. BhaskarChaurasia)		600000.00	600000.00				600000.00
Women Edu. Devp. Centre Fin. Asst.	1713520.00 Cr		1713520.00				1713520.00
Grand Total	85953062.50 Cr	125213101.57	211166164.07	58406810.00		58406810.00	152759354.07

4.5 प्राप्ति एवं भुगतान

(For 01-04-2013 to 31-03-2014)

Receipts	Amount (in Lac)	Payments	Amount (in Lac)
Opening Balance	1224.64	Current Liabilities & Provision	944.910
CorpusèCapital Fund	12.46	Fixed Assets	194.02
Current Liabilities & Provision	1629.88	Investments	13209.22
Fixed Assets	14.90	Current Assets	2077.79
Investments	12335.82	Indirect Incomes	1.35
Current Assets	1708.99	Administrative Expenses (Commom Services & Exp.)	586.69
Indirect Incomes	45.83	Advance for Conduction of Examination	2.68
Administrative Expenses (Commom Services & Exp.)	13.13	Advances to Departments & Staff for Misc. Purpose	110.64
Advance for Conduction of Examination	10.71	Advances to Outside Agencièsparties	72.48
Advances to Departments & Staff for Misc. Purpose	39.73	Distance Education Exp.	3.78
Advances to Outside Agencièsparties	26.38	Endowment è Earmarked Funds	4247.02
Endowment è Earmarked Funds	5738.90	Engineering Recurring Exp.	34.79
Establishment Expenses	32.28	Establishment Expenses	2672.10
Fees and Subscription	937.22	Examination Expenditure	56.23
Income Form Investment	66.58	Fees and Subscription	.95
Interest Earned	391.20	Guest House Recurring Exp.	14.38
Misc. Income	57.74	Health Centre Expenses	6.22
Non Plan Grants	2440.62	Hostel (Boys & Girls) Recurring Exp.	18.01
Teaching Department's & Academic Expenses	8.46	Library Recurring Exp.	2.20
		Misc. Income	15.19
		Physical Education Expenses	15.05
		Student Welfare Expenses	.73
		Teaching Department's & Academic Expenses	151.68
		Closing Balance	2297.37
Total	**26735.50**		**26735.50**

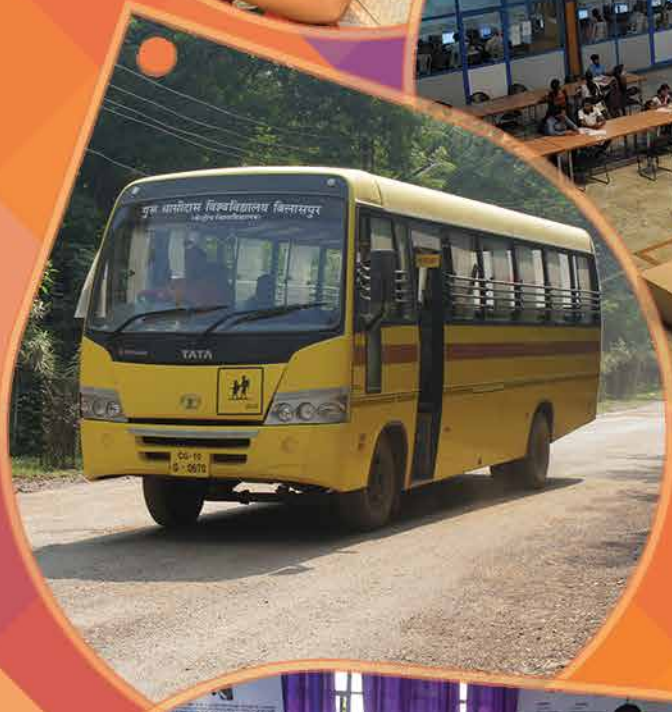

छात्र सांख्यिकी एवं सुविधाएं

5. छात्र सांख्यिकी एवं सुविधाएं

5.1 छात्र संख्या

5.1.1 कुल छात्र संख्या

	छात्र	छात्राएं	कुल संख्या/योग
विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग	3713	2245	5958

5.1.2 नए नामांकन

	छात्र	छात्राएं	कुल संख्या/योग
विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग	1789	1146	2935

5.1.3 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग की छात्र संख्या

Department	Course	Intake	TOTAL		SC		ST		OBC		GEN		Minority		Physi. Handi.	
			Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F
English & Foreign Languages	Inte. UGèPG in English I Sem.	60	14	9	1	0	3	1	3	1	7	7	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in English III Sem.	60	9	8	2	2	0	0	1	1	6	5	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in English V Sem.	60	4	2	0	0	0	0	2	1	2	1	0	0	0	0
	Diploma in French Language	60	38	13	1	0	3	0	7	0	27	13	0	0	0	0
	M.A. in English I Sem.	60	15	5	1	0	0	0	4	1	10	4	0	0	0	0
	M.A. in English III Sem.	30	33	13	2	1	2	1	5	0	24	11	0	0	0	0
Hindi	Inte. UGèPG in Hindi I Sem.	60	11	3	4	1	0	0	3	1	3	0	1	1	0	0
	Inte. UGèPG in Hindi III Sem.	60	4	3	2	2	0	0	1	1	1	0	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Hindi V Sem.	60	7	3	2	1	3	1	2	1	0	0	0	0	0	0
	M.A. in Hindi I Sem.	20	2	1	0	0	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0
	M.A. in Hindi III Sem.	20	4	1	1	0	0	0	1	0	2	1	0	0	0	0
Library &I.Sc.	Inte. UGèPG in Library &I.Sc. I Sem.	60	2	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0

Department	Course	Intake	TOTAL		SC		ST		OBC		GEN		Minority		Physi. Handi.	
			Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F
	Inte. UGèPG in Library &I.Sc. III Sem.	60	3	2	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0
	Inte. UGèPG in Library &I.Sc. V Sem.	60	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Library &I.Sc. VII Sem.	60	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Library &I.Sc. I X Sem.	60	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	B. Lib. &I.Sc I Sem.	60	51	17	25	8	9	1	13	5	1	1	2	2	1	0
	M. Lib. & Inf. Sc. I Sem.	50	36	18	11	0	6	3	12	9	6	5	1	1	0	0
Journalism & MC	Inte. UGèPG in Journalism & MC I Sem.	60	16	4	4	1	2	0	2	1	8	2	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Journalism & MC III Sem.	30	13	8	1	0	0	0	4	2	8	6	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Journalism & MC V Sem.	30	13	3	3	1	0	0	4	0	6	2	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Journalism & MC VII Sem.	30	3	3	0	0	0	0	0	0	3	3	0	0	0	0
	MMCJ I Sem.	30	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	MMCJ III Sem.	30	13	6	2	1	1	0	2	0	8	5	0	0	0	0
Economics	Inte. UGèPG in Economics I Sem.	60	19	3	5	1	5	0	7	2	2	0	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Economics III Sem.	60	22	7	1	1	9	2	6	0	6	4	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Economics V Sem.	30	10	7	1	1	1	1	4	2	4	3	0	0	0	0
	M.A. in Economics I Sem.	30	7	2	2	1	0	0	3	0	2	1	0	0	0	0
	M.A. in Economics III Sem.	30	11	7	2	0	1	1	4	2	4	4	0	0	0	0

Department	Course	Intake	TOTAL		SC		ST		OBC		GEN		Minority		Physi. Handi.	
			Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F
History	Inte. UGèPG in History I Sem.	60	18	4	3	1	8	1	4	1	3	1	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in History III Sem.	60	15	8	6	2	3	1	2	2	4	3	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in History V Sem.	60	8	5	3	2	1	1	1	0	3	2	0	0	0	0
	M.A. in History I Sem.	25	3	2	0	0	0	0	1	0	2	2	0	0	0	0
	M.A. in History III Sem.	25	3	1	0	0	0	0	1	0	2	1	0	0	0	0
Pol. Science	Inte. UGèPG in Pol. Sc. I Sem.	60	26	11	5	2	3	2	8	2	10	5	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Pol. Sc. III Sem.	60	15	5	6	2	5	2	4	1	0	0	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Pol. Sc. V Sem.	60	9	3	3	1	1	1	2	1	3	0	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Pol. Sc. V II Sem.	25	1	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	M.A. in Pol Sc. III Sem.	25	2	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0
	M.A. in Pub. Adminis. I Sem.	25	6	2	0	0	2	0	2	0	2	2	0	0	0	0
	M.A. in Pub. Adminis. III Sem.	25	2	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0
Social Work	Inte. UGèPG in social work I Sem.	30	7	4	0	0	1	1	3	2	2	1	1	0	0	0
	MSW I Sem.	60	37	9	5	0	5	2	17	6	8	1	2	0	0	0
	MSW III Sem.	60	24	12	5	2	3	2	9	4	5	3	2	1	0	0
Education	B.Ed.	100	100	15	18	1	8	5	43	4	31	5	0	0	0	0
	SPL B.Ed. (learning, Hearing)	50	50	16	14	8	5	2	21	2	10	4	0	0	0	0
	M.Ed.	35	35	7	6	1	3	1	18	3	8	2	0	0	0	0
Commerce	Inte. UGèPG in Commerce I Sem.	500	438	212	59	23	59	16	78	42	216	121	26	10	0	0
	Inte. UGèPG in Commerce III Sem.	500	248	128	28	14	32	15	48	29	138	70	2	0	0	0

Department	Course	Intake	TOTAL		SC		ST		OBC		GEN		Minority		Physi. Handi.	
			Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F
	Inte. UGèPG in Commerce V Sem.	300	161	88	17	7	11	7	25	11	107	62	1	1	0	0
	M.Com I Sem.	75	49	28	8	1	13	8	12	9	16	10	0	0	0	0
	M.Com. III Sem.	75	34	26	1	1	9	5	9	7	15	13	-	-	-	-
Management Studies	M.B.A. I Sem.	60	60	36	5	2	5	2	20	9	25	19	5	4	0	0
	M.B.A. III Sem.	60	44	23	3	1	3	0	12	6	26	16	0	0	0	0
Anthropology	Inte. UGèPG in Anthropology I Sem.	60	16	8	3	2	6	2	4	1	3	3	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Anthropology III Sem.	60	1	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Anthropology V Sem.	30	5	2	1	1	1	1	0	0	3	0	0	0	0	0
	M.A.èM.Sc. in Anthropology I Sem.	40	3	3	1	1	2	2	0	0	0	0	0	0	0	0
	M.A.èM.Sc in Anthropology III Sem.	40	2	1	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Biotechnology	Inte. UGèPG in Biotechnology I Sem.	60	59	35	11	3	9	3	15	12	22	15	2	2	0	0
	Inte. UGèPG in Biotechnology III Sem.	60	48	33	9	5	10	6	7	5	20	15	2	2	0	0
	Inte. UGèPG in Biotechnology V Sem.	60	37	26	4	2	8	7	8	4	11	8	6	5	0	0
	M.Sc. in Biotechnology I Sem.	60	27	19	1	0	5	3	8	5	12	10	1	1	0	0
	M.Sc. in Biotechnology III Sem.	60	56	38	6	3	13	10	23	12	6	5	8	8	0	0
Botany	Inte. UGèPG in Botany I Sem.	60	44	32	8	7	14	8	13	11	8	5	0	0	1	1
	Inte. UGèPG in Botany III Sem.	60	10	7	1	1	4	2	0	0	5	4	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Botany V Sem.	60	3	3	0	0	1	1	2	2	0	0	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Botany VII Sem.	60	2	2	0	0	0	0	0	0	2	2	0	0	0	0
	M.Sc. in Botany I Sem.	40	6	4	0	0	0	0	0	0	6	4	0	0	0	0

Department	Course	Intake	TOTAL		SC		ST		OBC		GEN		Minority		Physi. Handi.	
			Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F
	M.Sc. in Botany III Sem.	40	37	27	2	2	12	10	17	12	6	3	0	0	0	0
Zoology	Inte. UGèPG in Zoology I Sem.	60	45	24	13	8	11	4	14	8	6	4	0	0	1	0
	Inte. UGèPG in Zoology I II Sem.	60	15	7	3	2	2	1	5	1	5	3	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Zoology V Sem.	60	11	10	1	1	2	2	4	4	4	3	0	0	0	0
	M.Sc. in Zoology I Sem.	40	13	3	3	0	1	0	5	3	4	0	0	0	0	0
	M.Sc. in Zoology I II Sem.	40	21	9	5	0	2	1	8	5	6	3	0	0	0	0
CSIT	Inte. UGèPG in Com. Sc. I Sem.	60	67	37	11	7	8	2	29	17	12	4	6	6	1	1
	Inte. UGèPG in Com. Sc. III Sem.	60	37	23	1	0	4	3	13	6	16	11	3	3	0	0
	Inte. UGèPG in Com. Sc. V Sem.	60	29	16	3	3	3	0	5	2	17	11	1	0	0	0
	M.C.A.+MSc. I Sem.	120	120	58	23	8	4	1	48	24	41	22	4	3	0	0
	M.C.A. + Msc. III Sem.	120	106	44	10	2	6	2	37	17	48	23	3	0	2	0
	M.C.A.+Msc. V Sem.	60	58	23	13	3	2	2	32	13	9	5	1	0	1	0
Chemistry	Inte. UGèPG in Chemistry I Sem.	60	59	28	4	0	5	3	25	12	25	13	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Chemistry III Sem.	60	20	12	0	0	0	0	7	4	13	8	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Chemistry V Sem.	60	17	7	3	1	1	0	9	4	4	2	0	0	0	0
	M.Sc. in Chemistry I Sem.	60	58	16	5	1	0	0	9	3	44	12	0	0	0	0
	M.Sc. in Chemistry III Sem.	60	48	13	8	3	0	0	20	5	20	5	0	0	0	0
Forestry	B.Sc. (Forestry) I Sem.	60	56	16	9	1	5	2	16	4	26	9	0	0	0	0
	B.Sc. (Forestry) III Sem.	60	34	12	2	0	8	1	11	4	13	7	0	0	0	0
	B.Sc. (Forestry) V Sem.	60	17	5	5	0	3	0	3	1	6	4	0	0	0	0

Department	Course	Intake	TOTAL		SC		ST		OBC		GEN		Minority		Physi. Handi.	
			Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F
	B.Sc. (Forestry) VII Sem.	60	12	8	2	1	0	0	0	0	10	7	0	0	0	0
	M.Sc. (Forestry) I Sem.	60	14	10	1	0	3	1	6	5	4	4	0	0	0	0
	M.Sc. (Forestry) III Sem.	60	24	13	2	2	11	5	9	4	2	2	0	0	0	0
Mathematics	Inte. UGèPG in Math I Sem.	60	62	34	12	9	9	4	28	12	10	7	3	2	0	0
	Inte. UGèPG in Math III Sem.	60	47	27	5	2	4	3	18	9	17	12	3	1	0	0
	Inte. UGèPG in Math V Sem.	60	26	9	5	0	2	1	10	3	9	5	0	0	0	0
	M.Sc. in Math I Sem.	120	60	28	1	0	4	3	17	5	36	19	2	1	0	0
	M.Sc. in Math III Sem.	120	56	24	2	1	0	0	14	7	36	15	4	1	0	0
Physics	Inte. UGèPG in Physics I Sem.	60	60	29	3	0	6	3	25	14	24	11	0	0	2	1
	Inte. UGèPG in Physics III Sem.	60	41	12	3	0	1	0	18	2	19	10	-		0	0
	Inte. UGèPG in Physics V Sem.	60	23	16	3	3	1	0	5	2	14	11	0	0	0	0
	M.Sc. in Physics I Sem.	60	58	11	3	0	1	0	8	3	41	8	5	0	0	0
	M.Sc. in Physics III Sem.	60	44	12	2	0	1	0	13	4	26	8	2	0	0	0
Electronics	Inte. UGèPG in Electronics I Sem.	60	60	27	6	2	2	1	20	8	32	16	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Electronics III Sem.	60	26	14	2	1	3	1	6	1	15	11	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Electronics V Sem.	60	4	4	0	0	0	0	1	1	3	3	0	0	0	0
	M.Sc. in Electronics I Sem.	60	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	M.Sc. in Electronics III Sem.	60	3	2	0	0	0	0	0	0	3	2	0	0	0	0
Rural Technology	Inte. UGèPG in Rural Technology I Sem.	60	58	20	9	3	5	3	16	4	25	8	3	2	0	0
	Inte. UGèPG in Rural Technology III Sem.	60	37	11	7	1	8	1	14	4	8	5	0	0	0	0

Department	Course	Intake	TOTAL		SC		ST		OBC		GEN		Minority		Physi. Handi.	
			Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F
	Inte. UGèPG in Rural Technology V Sem.	60	17	3	3	1	4	0	5	1	5	1	0	0	0	0
	M.Sc. in Rural Technology I Sem.	60	11	2	1	0	3	1	5	0	2	1	0	0	0	0
	M.Sc. in Rural Technology III Sem.	60	23	11	6	4	2	0	11	4	4	3	0	0	0	0
Pharmacy	B. Pharm. I Sem.	60	60	23	10	3	4	0	16	5	30	15	0	0	0	0
	B. Pharm. III Sem.	60	58	23	7	3	4	2	19	8	28	10	0	0	0	0
	B. Pharm. V Sem.	60	61	19	13	7	1	1	22	5	24	6	0	0	1	0
	B. Pharm. VII Sem.	60	70	25	12	4	3	2	23	4	31	15	0	0	1	0
	M.Pharm.- I Sem.	36	32	16	2	1	1	1	10	6	15	6	4	2	0	0
	M.Pharm.- III Sem.	36	21	10	1	0	0	0	6	1	12	9	2	0	0	0
	D. Pharm. I Sem.	60	60	19	16	6	9	2	30	7	4	4	1	0	0	0
	D. Pharm. III Sem.	60	43	13	4	0	3	0	21	6	13	6	2	1	0	0
	Institute of Technology															
Chemical Engineering	B. Tech. I Sem.	60	48	13	6	1	3	2	23	7	16	3	0	0	0	0
	B. Tech. III Sem.	60	44	6	8	1	4	0	12	3	18	1	1	1	1	0
	B. Tech. V Sem.	60	39	5	9	3	1	0	17	2	12	0	0	0	0	0
	B. Tech. VII Sem.	60	45	5	5	0	3	0	15	1	21	4	0	0	1	0
Civil Engineering	B. Tech. I Sem.	40	35	4	6	1	2	0	17	2	10	1	0	0	0	0
	B. Tech. III Sem.	40	39	2	6	0	3	1	8	0	21	1	0	0	1	0
	B. Tech. V Sem.	40	39	0	6	0	3	0	2	0	24	0	4	0	0	0
	B. Tech. VII Sem.	40	37	1	7	0	3	0	2	0	24	1	1	0	0	0
Com. Sc. Engineering	B. Tech. I Sem.	60	49	11	8	3	4	1	18	4	18	3	0	0	1	0
	B. Tech. III Sem.	60	58	13	8	3	4	1	14	2	30	7	2	0	0	0
	B. Tech. V Sem.	60	51	11	7	3	3	1	2	1	36	6	2	0	1	0
	B. Tech. VII Sem.	60	45	6	4	2	0	0	7	0	33	4	1	0	0	0
Electronics & com. Engineering	B. Tech. I Sem.	60	57	14	9	2	5	1	20	7	22	4	0	0	1	0

Department	Course	Intake	TOTAL		SC		ST		OBC		GEN		Minority		Physi. Handi.	
			Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F	Total	F
	B. Tech. III Sem.	60	58	12	9	2	5	2	11	2	31	6	1	0	1	0
	B. Tech. V Sem.	60	46	7	7	1	1	0	6	1	30	5	1	0	1	0
	B. Tech. VII Sem.	60	45	4	5	1	2	0	8	0	30	3	0	0	0	0
Industrial & Prod. Engineering	B. Tech. I Sem.	60	53	6	9	1	3	1	24	2	17	2	0	0	0	0
	B. Tech. III Sem.	60	46	1	6	0	2	0	16	1	20	0	1	0	1	0
	B. Tech. V Sem.	60	38	3	7	1	1	0	17	0	10	2	2	0	1	0
	B. Tech. VII Sem.	60	49	6	2	0	3	2	13	0	27	4	2	0	2	0
Information Technology	B. Tech. I Sem.	60	46	11	7	3	3	0	16	2	19	6	0	0	1	0
	B. Tech. III Sem.	60	45	15	6	2	3	2	11	3	22	8	1	0	2	0
	B. Tech. V Sem.	60	37	3	5	0	0	0	12	2	15	1	4	0	1	0
	B. Tech. VII Sem.	60	40	9	4	2	2	0	9	2	23	5	2	0	0	0
Mechanical Engineering	B. Tech. I Sem.	60	50	4	7	1	3	1	22	1	18	1	0	0	0	0
	B. Tech. III Sem.	60	60	2	10	1	5	0	5	0	38	1	1	0	1	0
	B. Tech. V Sem.	60	51	3	7	0	3	1	8	0	33	2	0	0	0	0
	B. Tech. VII Sem.	60	46	0	3	0	2	0	8	0	32	0	1	0	0	0
	M. Tech. I Sem.	18	18	1	3	0	1	0	10	0	4	1	0	0	0	0
	M. Tech. III Sem.	14	14	0	2	0	0	0	9	0	3	0	0	0	0	0
Physical Education	B.P. Ed. I Sem.	50	42	6	15	0	7	1	9	1	11	4	0	0	0	0
	M.P.Ed. I Sem.	40	40	5	9	2	3	1	16	0	12	2	0	0	0	0
	M.P.Ed. III Sem.	40	24	3	2	0	2	0	13	2	7	1	0	0	0	0
Forensic Science	Inte. UGèPG in ForensicSci. I Sem.	30	27	14	6	3	3	2	13	5	5	4	0	0	0	0
	Inte. UGèPG in Forensic Sci. III Sem	30	18	9	3	1	4	1	7	4	4	3	0	0	0	0
	M.Sc. in Forensic Sci I Sem.	20	20	12	1	1	5	2	6	2	8	7	0	0	0	0
Law	Inte.B.A. LL.B. I Sem.	60	53	27	8	4	1	1	10	5	34	17	0	0	0	0
	Inte.B.A. LL.B. I II Sem.	60	27	8	3	0	0	0	5	1	19	7	0	0	0	0
	Inte.B.Com.LL.B. I Sem.	60	45	21	0	0	2	1	4	1	39	19	0	0	0	0
	Inte.B.Com. LL.B.II I Sem.	60	24	13	0	0	0	0	3	2	21	11	0	0	0	0

Note: All the colleges were de-affiliated from Academic Session 2013-14 from the University.

5.1.4 प्रतिवेदन वर्ष में विभिन्न विभागों में शोधार्थियों की संख्या

S. No.	DEPARTMENT	TOTAL			SC			ST			OBC			GEN		
		M	F	T	M	F	T	M	F	T	M	F	T	M	F	T
1	Education	5	6	11	2	0	2	0	0	0	0	2	2	3	4	7
2	Physical Education	3	4	7	0	0	0	0	1	1	0	2	2	3	1	4
3	Pharmacy	20	8	28	2	0	2	0	1	1	10	3	13	8	4	12
4	Physics	3	4	7	0	0	0	0	1	1	0	2	2	3	1	4
5	Math	5	2	7	0	0	0	0	0	0	1	0	1	4	2	6
6	Zoology	4	2	6	1	0	1	0	0	0	1	0	1	2	2	4
7	Botany	2	9	11	1	1	2	0	1	1	0	1	1	1	6	7
8	Chemistry	8	3	11	1	0	1	0	0	0	3	0	3	4	3	7
9	Biotechnology	5	11	16	2	2	4	0	1	1	1	4	5	2	4	6
10	Computer Science	3	1	4	0	0	0	0	1	1	1	0	1	2	0	2
11	Management	17	5	22	3	1	4	1	1	2	5	0	5	8	3	11
12	Commerce	1	1	2	0	0	0	0	0	0	0	1	1	1	0	1
13	Rural Technology	4	1	5	1	0	1	0	0	0	2	0	2	1	1	2
14	Forestry	5	2	7	1	0	1	0	1	1	0	0	0	4	1	5
15	Political Science	5	0	5	1	0	1	0	0	0	2	0	2	2	0	2
16	History	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
17	Economics	7	7	14	1	2	3	0	1	1	3	3	6	3	1	4
18	Hindi	3	3	6	1	0	1	0	0	0	2	1	3	0	2	2
19	English	7	6	13	0	1	1	0	0	0	2	3	5	5	2	7
20	Library Science	3	0	3	0	0	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1
21	Social Work	8	0	8	2	0	2	1	0	1	3	0	3	2	0	2
22	Civil Engg.	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
23	Com.Sc. &Engg.	1	0	1	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
24	Electronics &Com. Engg.	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
Total		**122**	**75**	**197**	**20**	**7**	**27**	**3**	**9**	**12**	**37**	**22**	**59**	**62**	**37**	**99**

5.2 परीक्षा परिणाम, विभूषित उपाधि एवं पत्रोपाधि

5.2.1 परिणाम

	कुल पंजीकत		सम्मिलित		उत्तीर्ण	
विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं
	994	680	994	680	994	680

5.2.2 विभूषित उपाधि/पत्रोपाधि

5.2.1.1 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग

dyk vè;;u'kkyk

Lukrd	Lukrd dkÙkj	,e-fQy-	i=kikfèk
24	134	&	&

vfHk;kf=dh ,oa iz|kfxdh vè;;u'kkyk

Lukrd	Lukrdkùkj	,e-fQy-	i=kpkfèk
285	06	–	–

fofèk vè;;u'kkyk

Lukrd	Lukrdkùkj	,e-fQy-	i=kpkfèk
&	&	–	–

thofoKku vè;;u'kkyk

Lukrd	Lukrdkùkj	,e-fQy-	i=kpkfèk
68	134	–	–

izcèku ,oa okf.kT; vè;;u'kkyk

Lukrd	Lukrdkùkj	,e-fQy-	i=kpkfèk
161	78	–	–

xf.krh; ,oa vfHkdyu foKku vè;;u'kkyk

Lukrd	Lukrdkùkj	,e-fQy-	i=kpkfèk
55	161	–	–

izkÑfrd lalkèku vè;;u'kkyk

Lukrd	Lukrdkùkj	,e-fQy-	i=kpkfèk
29 $ 63	46 $ 21	–	–

Hkkfrd foKku vè;;u'kkyk

Lukrd	Lukrdkùkj	,e-fQy-	i=kpkfèk
68	95	–	–

lkekftd foKku vè;;u'kkyk

Lukrd	Lukrdkùkj	,e-fQy-	i=kpkfèk
27	203	–	–

5.2.3 विभूषित पी-एच.डी.

fnukad 01-04-2013 ls 31-03-2014 rd

क्र.	शोध छात्र	निर्देशक	विषय/संकाय	शीर्षक	अधि.क्र./दि.
1	मो0 सलीम खान खोखर	डॉ0 ललित प्रकाश पटैरिया	वाणिज्य /प्रबंध एवं वाणिज्य	''छत्तीसगढ़ राज्य से प्रकाशित समाचार पत्रों का विपणन व्यवहार – एक विश्लेषणात्मक अध्ययन''	104è 09.04.2013
2	श्री अनुपम कुमार तिवारी	डॉ0 राजेन्द्र मेहता	ग्रामीण प्रौद्योगिकी / प्राकृतिक संसाधन	''छत्तीसगढ़ के कुछ चयनित जिलों में दुर्लभ देशज औषधीय पौधों का अन्वेषण''	104è 09.04.2013

क्र.	शोध छात्र	निर्देशक	विषय/संकाय	शीर्षक	अधि.क्र./दि.
3	श्री राकेश कुमार गुप्ता	डॉ0 एस0एस0धूरिया	वनस्पतिशास्त्र/ जीवविज्ञान	"टर्मिनेलिया अर्जुना (अर्जुन) एवं टर्मिनेलिया टोमेन्टोसा (असन) के अंकुरण व्यवहार और वर्धी प्रजनन पर अध्ययन"	300è 04.05.2013
4	श्री बेठियार सिंह साहू	डॉ0 हेमलता महिश्वर	हिन्दी/कला	"हिन्दी दलित आत्मकथाओं का समाजशास्त्रीय अध्ययन "	499è 29.05.2013
5	श्री ललित कुमार शुक्ल	डॉ0 कमला प्रसाद पाण्डेय	संस्कृत /कला	"आनन्दरामायण में संस्कार"	756è 04.07.2013
6	श्रीमती रविता पाठक	डॉ0 डी0के0 श्रीवास्तव	रसायन शास्त्र / भौतिक विज्ञान	"कैमीकल स्ट्डीज ऑन कैलोरी एण्ड न्यूट्रीएण्ट वेल्यूज ऑफ सम सीड्स"	756è 04.07.2013
7	कु0 कीर्ति शर्मा	डॉ0 जे.पी. शिवहरे	भूगोल / भौतिक विज्ञान	"छत्तीसगढ़ में निःशक्त जनसंख्या का स्थानिक वितरण"	756è 04.07.2013
8	श्रीमती बबीता कमलेश	डॉ0 श्रीमती साधना खरे	समाजशास्त्र/ सामाजिक विज्ञान	"जनजातीय महिलाओं के विकास में पंचायती राज की भूमिका" रायगढ़ जिले के विशेष संदर्भ में – एक समाजशास्त्रीय अध्ययन"	800è 16.07.2013
9	कु0 नीतू गुप्ता	डॉ0 डी0के0 श्रीवास्तव	रसायन शास्त्र/ भौतिकी विज्ञान	"कैमीकल एक्जामीनेशन ऑफ सम वाइल्ड सीड्स विथ स्पेशल रेफरेंस टू फेट्स एण्ड प्रोटीन्स"	800è 16.07.2013
10	श्री एल0पी0 मिरी	डॉ0 वाय0एन0 झा	प्राणीशास्त्र/ जीवविज्ञान	"खरसिया के भगत तालाब का पारिस्थितिक अध्ययन"	959è 14.08.2013
11	मोजपफर अहमद	डॉ0 पी0एल0 चंद्राकर	भूगोल / भौतिक विज्ञान	"कोरबा जिले (छ0ग0) की जनजातियों में सांस्कृतिक परिवर्तनः एक भौगोलिक विश्लेषण ।"	959è 14.08.2013
12	श्रीमती सीमा यादव	डॉ0 डी0के0 श्रीवास्तव	वनस्पतिशास्त्र/ जीवविज्ञान	"फिजिको – केमिकल एण्ड माइक्रोबायोलॉजिकल एनालाइसिस ऑफ ड्रिंकिग वाटर इन बिलासपुर डिस्ट्रीक्ट ऑफ छत्तीसगढ़ स्टेट"	998è 27.08.2013
13	श्री कमलेश कुमार मरकाम	डॉ0 एल0एन0 वर्मा	भूगोल/भौतिकीय विज्ञान	"कांकेर जिले (छ0ग0) में ग्रामीण बस्तियों का स्थानिक वितरण"	998è 27.08.2013
14	योगिता बाजपेई	डॉ0 वाय0 एन0 झा	भूगोल / भौतिक विज्ञान	"मनुष्यों के रक्त प्लाज्मा में ग्लूकोज स्तर का उनके जीविका, जाति वर्ग में भार सूचकांक तथा आहार के सम्बन्ध में अध्ययन"	998è 27.08.2013

क्र.	शोध छात्र	निर्देशक	विषय/संकाय	शीर्षक	अधि.क्र./दि.
15	श्री अमित कुमार पाण्डेय	डॉ0 नरेन्द्र प्रसाद शुक्ल	संस्कृत / कला	''श्रीमद्भागवत में भक्तियोगः एक समीक्षात्मक अध्ययन''	998è 27.08.2013
16	श्रीमती रीता दीवान	डॉ0 के0बी0सिंह	समाजशास्त्र / समाज विज्ञान	''महिलाओं में राजनैतिक जागरूकता एवं महिला सशक्तिकरण एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (बिलासपुर संभाग के विशेष संदर्भ में)''	1019è 02.09.2013
17	कु0 प्रीती पाण्डेय	डा0 एस0ए0खान	रसायन शास्त्र / भौतिक विज्ञान	''केमिल्यूमीनीसेंस स्टडीस ऑफ रिएक्शन बिटवीन ल्यूमीनॉल एंड ऑर्गेनिक परोक्साइड इन प्रेसेंन्स ऑफ सम एनसेड्स''	1102è 13.09.2013
18	श्रीमती काजल मोइत्रा	डॉ0 ए0के0 सिन्हा	भूगोल / भौतिकीय विज्ञान	''छत्तीसगढ़ राज्य में यातायात तंत्र की विषमताएं: एक भौगोलिक विश्लेषण''	1102è 13.09.2013
19	श्री देबाशीष चट्टोपाध्याय	डॉ0 (श्रीमती) सावित्री त्रिपाठी	अंग्रेजी / कला	''इक्सप्लोरेशन आफ दि सेल्फ इन भवानी भट्टाचार्याज ही हू राइड्स अ टाइगर''	1102è 13.09.2013
20	श्री युवराज सिंह दांगी	डॉ0 के0पी0 नामदेव	फार्मेसी / प्राकृतिक संसाधन	''डेवलपमेन्ट एंड केरेक्टराइजेशन ऑफ कन्ट्रोल्ड रिलीज फार्मूलेशन्स आफ इट्राकोनाजोल इन दी ट्रीटमेन्ट ऑफ केन्डीडियासिस''	1104è 13.09.2013
21	श्री मनीषराय मुक्ता	डॉ0 जी0ए0 घनश्याम	अंग्रेजी / कला	''अ जर्नी फ्राम एलिनिएशन टू एसिमिलेशन इन द नावेल्स आफ नमिता गोखलेः अ क्रिटिकल स्टडी''	1563è 02.12.2013
22	शब्बीर अहमद भट	डॉ0 एस0सी0 तिवारी	वानिकी / प्राकृतिक संसाधन	''अचानकमार अमरकंटक बायोस्फियर रिजर्व में गैर लकड़ी वन उत्पादों की निकासी तथा उसका महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के पुनर्जीवन पर प्रभाव''	1563è 02.12.2013
23	श्री चन्द्रा भोट्ला रामकृष्ण मोहन	डॉ0 पी0के0 बाजपेयी	भौतिक / भौतिकीय विज्ञान	''डेवलपमेन्ट ऑफ Ba (SrèZr) TiO3 इलैक्ट्रानिक मैटेरियल्स''	1563è 02.12.2013
24	कु0 समन रहीम	डॉ0 रश्मि साव	प्राणी शास्त्र/जीव विज्ञान	''मारफोलॉजिकल स्टडीज ऑफ सम पैरासिटिक निमेटोड्स् ऑफ फिसेज ऑफ बिलासपुर (छ0ग0)''	1563è 02.12.2013

क्र.	शोध छात्र	निर्देशक	विषय/संकाय	शीर्षक	अधि.क्र./दि.
25	कु0 प्रेरणा सोनी	डॉ0 ए0एन0 बहादुर	वनस्पति शास्त्र/ जीव विज्ञान	''सेकण्डरी मेटाबोलाईट के संदर्भ में विथानिया सोम्नीफेरा (एल) डुनाल और ऐधाटोडा वैसिका नीस. के इन विट्रो प्रोपेगेशन पर अध्ययन''	1620è 11.12.2013
26	श्रीमती अंजली रॉय	डॉ0 मनीष श्रीवास्तव	अंग्रेजी / कला	''रेवोलूशनरी टेन्डेन्सिज इन द पोएट्री ऑफ शेली एण्ड दैट ऑफ 'निराला': ए क्रिटिकल स्टडी''	1620è 11.12.2013
27	श्रीमती चित्रा दुबे	डॉ0 यू0 एन0 पाण्डेय	भूगोल / भौतिकीय विज्ञान	''बिलासपुर जिले में कृषि आधुनिकीकरण का स्तरः एक भौगोलिक मूल्यांकन''	1620è 11.12.2013
28	श्री सत्यनारायण तिवारी	डॉ0(श्रीमती) सीमा पाण्डेय / डॉ0 प्रदीप शुक्ल	इतिहास / सामाजिक विज्ञान	''सामाजिक जन –जागृति – पं. राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल का एक आलोचनात्मक अनुशीलन''	1620è 11.12.2013
29	श्रीमती श्रुति राठौर	डॉ0 अल्पना राम	फार्मेसी/ प्राकृतिक संसाधन	''फार्मुलेशन एण्ड इवेल्युशन ऑफ पोरस माइक्रोस्फियर्स ऑफ मेथोट्रेक्जेट, 5–पलुरो युरासिल एण्ड डॉक्सोरूबिसीनः ए कॉम्बीनेशन थेरेपी टू ट्रीट गैस्ट्रीक एडिनोकार्सिनोमा''	1639è 16.12.2013
30	श्रीमती मंजू गायकवाड़	डॉ0 के0बी0सिंह	समाजशास्त्र/ सामाजिक विज्ञान	''जनजाति परिवारों में स्वास्थ्य समस्या एक तुलनात्मक अध्ययन (छत्तीसगढ़ राज्य के विशेष संदर्भ में)	1703è 07.01.2014
31	सुशील कुमार एक्का	डॉ0(श्रीमती) साधना खरे	समाजशास्त्र / सामाजिक विज्ञान	''छत्तीसगढ़ राज्य में उरॉव जनजाति का धर्म और समाजः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (जशपुर एवं रायगढ़ जिले के विशेष संदर्भ में)''	1730è 15.01.2014
32	शबनम खानम	डॉ0 अनिल कुमार सिन्हा	भूगोल / भौतिकीय विज्ञान	''छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले में प्रजननता, शिशु मृत्यता एवं चिकित्सा सुविधा तंत्र का स्थानिक – कालिक प्रतिरूपः एक भौगोलिक विश्लेषण''	1730è 15.01.2014
33	गिरीश चंद्र मिश्रा	डॉ0 आर0एस0 खेर	भौतिकी / भौतिकीय विज्ञान	''डेव्हलपमेन्ट ऑफ बोरेट बेस्ड फास्फर्स फार मेकोनोल्युमिनिसेंस एण्ड लायोल्युमिनिसेंस रेडिएशन डोसीमेट्री''	1730è 15.01.2014

क्र.	शोध छात्र	निर्देशक	विषय/संकाय	शीर्षक	अधि.क्र./दि.
34	रोहित कुमार बरगाह	डॉ0(कु0) चिन्मोयी दास	रसायन शास्त्र / भौतिकीय विज्ञान	''नोवेल ड्रग पोटेन्शियल्स फ्रॉम मोरिंगा टेरिगोस्पर्मा''	1730è 15.01.2014
35	श्रीमती निधि गुप्ता	डॉ0 ब्रजेश तिवारी	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान / कला	''छत्तीसगढ़ की न्यायिक पद्धति में सूचना के प्रतिमानो का उपयोग व उनकी आवश्यकता: एक अध्ययन''	1730è 15.01.2014
36	सलीम किस्पोट्टा	डॉ0(श्रीमती) सीमा पाण्डेय	इतिहास / सामाजिक विज्ञान	''उराँव जनजाति का सांस्कृतिक अध्ययन प्रारंभ से 2006 ई. तक (जशपुर, सरगुजा एवं रायगढ़ जिले के विशेष संदर्भ में)''	1730è 15.01.2014
37	श्रीमती अनुजा चौहान	डॉ0 ए0एस0 रणदिवे	गणित/गणितीय एवं संगणक विज्ञान	''सामान्यीकृत दूरिक समष्टियों में कुछ नियत बिन्दु प्रमेय''	1777è 06.02.2014
38	कु0 इन्दिरा चतुर्वेदी	डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता	प्राणी शास्त्र / जीवविज्ञान	''केरेक्टेराइजेशन आफ फोटोकेमिकली फार्म्ड सेल्फ–सस्टेनिंग प्रोटोसेल–लाइक सुप्राभॉलीक्युलर असेम्बलीज इन ए इररेडिएटेड स्टेरलाइज्ड एक्वस मिक्चर''	1777è 06.02.2014
39	श्री चन्द्र कुमार साहू	डॉ0 श्रीमती साधना खरे	समाजशास्त्र/ सामाजिक विज्ञान	''महिला सशक्तिकरण में साक्षरता अभियान का योगदान (छत्तीसगढ़ राज्य के विशेष संदर्भ में) एक समाजशास्त्रीय अध्ययन ''	1821è 14.02.2014
40	श्री शेखर वर्मा	डॉ0 जे0एस0 दांगी	फार्मेसी/ प्राकृतिक संसाधन	''डेव्हलपमेंट एण्ड कैरेक्टेराइजेशन ऑफ नान एकवस माइक्रोमल्सन्स फॉर पूअरली साल्यूबल ड्रग्स''	1923è 05.03.2014
41	श्री मधुमय दास गुप्ता	डॉ0 डी0पी0 साहू	गणित/गणितीय एवं संगणक विज्ञान	''कनवरजेंस आफ मैपिग्स फिक्सड पॉइंट थ्योरम्स इन मैट्रिक स्पेसेस''	2032è 26.03.2014
42	श्री विनोद पुरूषोत्तम खेडीकर	डॉ0 एच0पी0 अग्रवाल	वनस्पतिशास्त्र/ जीवविज्ञान	''रिलेशनशिप बिटवीन जेनेटिक अश्वरजेन्स एण्ड हेट्रोसिस फार ईण्ड एण्ड ईल्ड कन्ट्रीब्यूटिंग ट्रेट्स इन हाइब्रिड राइस (ओराइजां सटाइवा एल.)	2032è 26.03.2014

5.3. विद्यार्थियों के लिए सुविधाएं

5.3.1 अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डी.एस.डब्ल्यू) कार्यालय का गठन विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार किया गया है, जो अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न दायित्वों का निवर्हन करता है और विद्यार्थियों से संबंधित विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का समन्वय करता है। यह विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध शैक्षणिक संस्थानों में सांस्कृतिक गतिविधियों की सूचना विद्यार्थियों को प्रदान करता है। कार्यालय छात्र कल्याण, सरकार के दिशा निर्देशों के अनुरूप विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में छात्र परिषद् के गठन के नियमों को लागू करता है और उसका निरीक्षण करता है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय के अंतर्गत आने वाले विद्यार्थियों को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की जाती हैं –

uV xV ;kX;rk ikIr Nk=k dk lEeku

2014 के नेट/गेट परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर शीर्ष 50 में अपनी जगह सुरक्षित करने वाले छात्रों के लिये सभागार में एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया था। हमारे विश्वविद्यालय के 04 छात्रों ने यह जगह हासिल की है और प्रत्येक छात्र को सराहना की निशानी के रूप में 10000/– की राशि से सम्मानित किया गया है।

Nk= l?k puko

लिंगदोह समिति और छात्र परिषद के 2011 के प्रावधानों के तहत सिफारिश पर छात्र प्रतिनिधि का चुनाव 31 अगस्त एवं पदाधिकारियों का चुनाव 1 सितम्बर 2013 को किया गया। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, छात्र परिषद के पदेन अध्यक्ष हैं। परिषद की बैठक नियमित अंतराल पर आयोजित की गई और उपयोगी सुझाव को संसाधित करके संरक्षक/कुलपति के समक्ष प्रस्तुत की गई। सभी पदाधिकारियों को निःशुल्क और कार्यकारी सदस्यों को आधी कीमत पर जैकेट प्रदान किया गया।

inkfèkdkjh

1. अध्यक्ष अंकित सिंह
2. उपाध्यक्ष सपना पाण्डेय
3. सचिव शैली पॉल
4. उप सचिव वसीम अकरम

lnL;

क्रम	सदस्य का नाम	क्रम	सदस्य का नाम
1.	ए. मनीष राजा	13	नितिश कुमार
2	अंजली तिवारी	14	राजन तिवारी
3	हेमंत देवांगन	15	रोशनी वर्मा
4	खूशबू अग्रवाल	16	वीणा दूबे
5	दीपचंद शुक्ला	17	सोनाली उपाध्याय
6	अजय सिंह	18	सोमा देवनाथ
7	भावना मंडलोई	19	शर्मा गजानन्द संतोष कुमार
8	अरूणा देवी	20	सत्यपाल सिंह राजपूत
9	आदित्य गौरव	21	संमृद्धि तिवारी
10	मेरी एक्का	22	रूपम कुमार
11	मोहित मिश्रा	23	हेमन्त नारायंदी
12	निशा बावरा		

मुख्य अतिथि डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी, कुलपति ने 23 सितम्बर 2013 को सभागार में आयोजित छात्र परिषद के शपथ ग्रहण समारोह को आशिर्वाद दिया।

f'k{kd fnol lekjkg

डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जन्म दिवस के अवसर पर 5 सितम्बर 2013 को विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी, मुख्य अतिथि तथा वरिष्ठ अतिथि के रूप में बिलासपुर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.जी.डी.शर्मा एवं प्रो. व्ही.के.मिश्रा उपस्थित थे।

कुलपति की अध्यक्षता में इस अवसर पर एक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका विषय था – 'शिक्षण कक्ष के विविध सोपान एवं बाधाएं' ।

ifr;kfxrk d ifj.kke uhp fn;s x;s g%&

क्रम	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
1.	नम्रता वैष्णव	बीएस.सी. प्रथम	जैव प्रौद्योगिकी	प्राणीविज्ञान
2.	अदिति सिंह	बी.कॉम. तृतीय	वाणिज्य	वाणिज्य एवं प्रबंधन
3.	राजन तिवारी	बी.ए.प्रथम	राजनीतिशास्त्र	समाजशास्त्र

प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय क्रमशः 2500, 2000, 1500 नगद तथा प्रमाण पत्र पुरस्कार के रूप में वितरित किये गये।

xkaèkh t;arh

विश्वविद्यालय में 2 अक्टूबर, 2012 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनायी गयी ताकि गांधी जी द्वारा दिये गये अहिंसा के उपदेश की प्रतिष्ठा हो सके। इस अवसर पर ''अहिंसा से मानवता तक'' विषयक वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षण विभाग के विद्यार्थियों ने भागदारी की।

कुलपति डॉ.लक्ष्मण चतुर्वेदी, सम कुलपति डॉ. एम.एस.के.खोखर और प्रो. एस.व्ही.एस. चौहान, छात्र कल्याण अधिष्ठाता ने प्रबंध अध्ययन विभाग के परिसर में लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा को माल्यार्पण किया।

ifr;kfxrk d ifj.kke uhp fn;s x;s g%&

क्रम	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
1.	नम्रता वैष्णव	बीएस.सी. प्रथम	जैव प्रौद्योगिकी	प्राणीविज्ञान
2.	डी.सौन्दर्या	बी.एस.सी.प्रथम	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	प्राकृतिक संसाधन
3.	हरजिंदर कौर	बी.ए.तृतीय	पत्रकारिता एवं जनसंचार	कला
4.	विवेक कुमार तिवारी	बी.टेक.सातवां	सिविल इंजीनियरिंग	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी

प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय क्रमशः 2500, 2000, 1500 नगद तथा प्रमाण पत्र पुरस्कार के रूप में वितरित किये गये।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

11 नवम्बर, 2012 को मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्म दिवस को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया। ''क्वालिटी इन हायर एजूकेशनः एक्सपेटेशन्स ऑफ स्टूडेंट्स'' विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जावेद उस्मानी और कुलपति जी ने श्रोताओं को संबोधित किया और भाषण प्रतियोगिता के विषय को व्याख्यातित किया।

प्रतियोगिता के परिणाम नीचे दिये गये हैंः-

क्रम	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
1.	किरण साहू	एमसीए तृतीय	संगणक विज्ञान	गणितीय एवं संगणकीय विज्ञान
2.	हरजिंदर कौर	बी.ए.तृतीय	पत्रकारिता एवं जनसंचार	कला
3.	ओम अग्निहोत्री	बी.टेक.सातवां	रसायन प्रौद्योगिकी	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी

प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय क्रमशः 2500, 2000, 1500 नगद तथा प्रमाण पत्र तथा मौलाना अबुल कलाम आजाद द्वारा लिखित एक पुस्तक पुरस्कार के रूप में वितरित किये गये। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पद्मश्री आर. माधव मेनन थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी ने की।

विभिन्न श्रेणियों के तहत छात्रवृत्ति छात्र कल्याण कोष से योग्य छात्रों के बीच वितरित किये गये।

'kh"kZ vad vftZr djus okys Nk=ksa dh lwph izfr Nk= 10000 :- ¼Js.kh&1½

क्रम	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
1.	कल्पना कंवर	एम.कॉम. तृतीय	गणित	गणितीय एवं संगणकीय विज्ञान
2.	संध्या	बीएससी प्रथम	वनस्पति विज्ञान	जीवविज्ञान
3.	नेमाई भौमिक	एमएससी तृतीय	गणित	गणितीय एवं संगणकीय विज्ञान
4.	ज्योति पैकरा	एमए	इतिहास	समाजिक विज्ञान (समाजशास्त्र)
5.	धीरज साहा	एमए तृतीय	अंग्रेजी	कला
6.	रूपम कुमार पाल	एमएससी तृतीय	भौतिकी	भौतिकी विज्ञान
7.	सोनाली उपाध्याय	बीटेक सप्तम	सिविल	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी
8.	खुशबु अग्रवाल	बी.फार्मा. प्रथम	फार्मेसी	प्राकृतिक संसाधन
9.	आशुतोष ठाकुर	बी.ए.विधि विज्ञान तृतीय	विधि विभाग	विधि विभाग

jk"Vªh; Lrj dh [kydwn Li/kkZ esa izfrHkkfxrk gsrq Nk=ofRr] izfr Nk= :- 5000@& ¼Js.kh&2½

क्रम	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
1.	सिकंदर पटेल	एमपीएड तृतीय	शारीरिक शिक्षण	कला
2.	अपूर्वा मंडल	बीटेक सप्तम	संगणक विभाग	अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी

fofHkUu vè;;u'kkyk ls p;fur xjhc Nk=ksa dh lwph i.kZr% fu%'kqYd ¼f'k{k.k 'kqYd½ ¼Js.kh&4½

क्रम	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
1.	धर्मेन्द्र कुमार	एमए प्रथम	इतिहास	सामाजिक विज्ञान
2.	प्रदीप बर्मन	एमए प्रथम	अर्थशास्त्र	सामाजिक विज्ञान

शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों को ट्राईसाइकल प्रदान की गई। (श्रेणी–7) – कोई नहीं।

x|: ?kklhnkl t;arh ,oa ^dqy&mRlo**

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष की भांति 18 दिसम्बर, 2013 को गुरू घासीदास जयन्ती – कुलउत्सव सरामोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी ने की। बड़ी संख्या में प्रतियोगिताएं वाद–विवाद , प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में इसमें भागीदारी की। प्रत्येक प्रतियोगिता के विजेताओं को शील्ड, प्रमाण–पत्र और पुरस्कार प्रदान किया गया।

वाद–विवाद प्रतियोगिता के लिये विषय था – ''मूल्य आधारित शिक्षा, उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम का एक अभिन्न हिस्सा होना चाहिये''

ifr;ksfxrk dk ifj.kke fuEukuqlkj gS%&

क्रम	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
1.	किरण साहू	एमसीए तृतीय	सीएसआईटी	गणितीय एवं संगणकीय विज्ञान
2.	राजन तिवारी	बीए पंचम	राजनीतिविज्ञान	सामाजिक विज्ञान

निबंध लेखन का विषय था: ''मानव मूल्य और गुरू घासीदास जी की विचारधारा''

ifr;ksfxrk dk ifj.kke fuEukuqlkj gS%&

क्रम	नाम	कक्षा	विभाग	अध्ययनशाला
1.	कुमुदरंजन मिश्रा	बीए तृतीय	हिन्दी	कला
2.	राजन तिवारी	बीए पंचम	राजनीतिविज्ञान	सामाजिक विज्ञान

isu ep ifr;ksfxrk dk ifj.kke bl izdkj gS%&

स्थान	नाम	कक्षा	विभाग	संकाय
प्रथम	ओम कुमार अग्निहोत्री	बी.टेक. चतुर्थ सेमेस्टर	रसायन	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी
	जितेन्द्र तिवारी	बी.टेक. चतुर्थ सेमेस्टर	रसायन	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी
द्वितीय	प्रत्युश रंजन	बी.टेक. चतुर्थ सेमेस्टर	सूचना प्रौद्योगिकी	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी
	अजय शंकर	बी.टेक. चतुर्थ सेमेस्टर	सूचना प्रौद्योगिकी	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी

प्रमाण पत्र और पुरस्कार राशि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. भुवनेश शर्मा, कुलपति, महर्षि महेश योगी, वैदिक विश्वविद्यालय, भोपाल और डॉ.लक्ष्मण चतुर्वेदी, अध्यक्ष, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा वितरित किये गये।

प्रो.एस.व्ही.एस.चौहान, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण और डॉ.एम.एस.के.खोखर, कुलसचिव भी मंच पर मौजूद थे। वाद–विवाद प्रतियोगिता और निबंध प्रतियोगिता के विजेता एवं उप–विजेता को प्रेरित करने के लिये रू0 2500, 2000 और 1500 की क्रमशः नगद राशि प्रदान की गई।

LFkkiuk fnol

केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पंचम स्थापना दिवस समारोह 15 जनवरी, 2014 को उत्साहपूर्वक मनाया गया। यह समारोह पूरे एक सप्ताह तक अर्थात 12 जनवरी 2014 से 18 जनवरी 2014 तक मनाया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था, जैसे राष्ट्रीय सेवा योजना, सांस्कृतिक महोत्सव, रक्तदान सिविर, पुस्तक बैंक का उद्घाटन, खाद्य स्टाल, मॉडल प्रदर्शनी, तरंग बैण्ड, गीत संध्या, वंदना विश्वविद्यालय के द्वारा सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रदर्शनियां इत्यादि शामिल थे।

विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण–पत्र से सम्मानित किया गया था।

Lora=rk fnol vkSj x.kra= fnol

प्रतिवर्षानुसार विश्वविद्यालय परिसर में गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। ध्वजारोहण के पश्चात सम–कुलपति ने

शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम के पश्चात मिष्ठान्न वितरित किया गया। प्रशासनिक भवन में ध्वजारोहण के पश्चात सम–कुलपति ने बालक एवं बालिका छात्रावास में भी ध्वजारोहण किया। इसके अलावा छात्रावास व अन्य परिसर में वृक्षारोपण किया गया।

Nk= chek ;kstuk

विगत वर्षो में विश्वविद्यालय छात्रों की दुर्घटनाओं को ध्यान मे रखते हुए छात्रों के लिये बीमा योजना शुरू किया गया है। इस योजना के तहत विश्वविद्यालय के छात्रों को ओरिएंटल इश्योरेंस कंपनी की ओर से रू0 1,00,000/– का चिकित्सा बीमा और रू0 5,00,000/– का जीवन बीमा दिया गया है।

प्रतिवर्ष रू0 300/– प्रीमियम पर विश्वविद्यालय के 5668 छात्रों को इस योजना के तहत बीमा किया गया।

jYko lcèkh NV

विश्वविद्यालय में अध्ययनरत बहुत से छात्र ऐसे हैं जो देश के विभिन्न भागों से आए हैं। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कैलेण्डर द्वारा निर्देशित विभिन्न अवकाशों के समय घर जाने की सुविधा हेतु रेलवे संबंधी छूट की सुविधा प्रदान की गयी है। शैक्षणिक भ्रमण, खेलों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता हेतु भी रेलवे संबंधी छूट की सुविधा प्रदान की गयी है।

cl lfoèkk

विश्वविद्यालय वाहन प्रकोष्ठ विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को बिलासपुर शहर से विश्वविद्यालय परिसर के बीच आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने में विश्वविद्यालय की 05 बसें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रेल्वे स्टेशन से विश्वविद्यालय परिसर के लिये जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित सिटी बसो की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

lkfgfR;d ,o lkLdfrd xfrfofèk;k

विभिन्न सांस्कृतिक/साहित्यिक समन्वयक सभी संकायों में नामित किये गये हैं ताकि विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतिभा को दिखाने का समुचित अवसर प्राप्त हो सके। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण के देखरेख में अलग–अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन समय–समय पर किया गया।

Nk= eukjtu dUn

विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय में विकास के साथ–साथ मनोरंजन प्रदान करने हेतु सुविधा केन्द्र का निर्माण किया गया है। टेलीविजन, संगीत के उपकरण, श्रव्य उपकरण के साथ–साथ टेबल टेनिस, कैरम और शतरंज जैसी खेल सुविधाएं केन्द्र में उपलब्ध हैं।

VdQLV bfDofyfcfj;k

माननीय कुलपति के अनुमति से 22 जनवरी 2014 से 24 जनवरी 2014 तक सभागार में तथा दूसरे विभागों में टेकफेस्ट इक्विलिबिरियो कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों तथा अन्य संस्थाओं को भाग लेने का अनुरोध किया गया था। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी छात्रों को प्रमाण पत्र दिया गया।

सहायक प्राध्यापक डॉ. सोमा दास द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र कल्याण योजना कोष से छात्रों को एक लाख रूपये की राशि दी गई।

राज्य और राष्ट्रीय स्तर के संगठनों द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं और सूचनाओं के बारे में सभी विभागों और सांस्कृतिक समन्वयकों और अध्ययनशाला के अधिष्ठातागणों को सूचित किया गया था।

इसके साथ ही विभिन्न संस्थाओं, दाखिले, प्रतियोगी परीक्षाओं और उनके परिणाम इत्यादि के बारे में सूचना, छात्रों की सुविधा के लिये सूचना पटल पर भी उपलब्ध करा दिये गये थे।

इस परिप्रेक्ष्य में गुरू घासीदास विश्वविद्यालय की एमएससी तृतीय सत्र सीएसआईटी विभाग की छात्रा किरण साहू ने 10 एवं 11 जनवरी को कमलनारायण बजाज की स्मृति में शिक्षा मण्डल वर्धा द्वारा आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी भाषण प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया।

ज्ञान संघ के बैनर तले गुजरात सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा 10 एवं 11 जनवरी को राष्ट्रीय शिक्षा संगोष्ठी आयोजित की गई।

Hk r i o Nk= l LFkk

विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संगठन ने प्रबंधन विभाग में 6 जनवरी 2014 को एक बैठक (सभा) आयोजित किया, जिसमें 32 विद्यार्थियों और 14 अभिभावकों ने भी भाग लिया और विवेक बाजपेयी तथा डॉ. अजय श्रीवास्तव क्रमशः सम्मानपूर्वक अध्यक्ष तथा सचिव पद पर मनोनित हुए। डॉ.एम.एस.के.खोखर, सम कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में भूमिका निभायी।

vkonu i=kn dk forj.k

छात्र कल्याण विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में छात्रों एवं उनके अभिभावकों को परीक्षा विभाग द्वारा हस्तांतरित पुनर्मूल्यांकन, उपाधि, अंक पत्र की द्वितीय प्रति, प्रवासन प्रमाण पत्र, चुकौती प्रमाण पत्र एवं हस्तांतरण प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र निःशुल्क वितरित किये जाते हैं।

5.3.2 कुलानुशासक मंडल

किसी भी शिक्षण संस्थान के विकास में अनुशासन को महत्वपूर्ण एवं अनिवार्य मानते हुए विश्वविद्यालय में कार्यपरिषद् द्वारा अनुसंशित कुलानुशासक मंडल की स्थापना की गई है। विश्वविद्यालय में अनुशासन को बनाए रखने हेतु एवं कुलपति द्वारा की जानेवाली समस्त अनुशासनात्मक कार्यवाही में कुलानुशासक मण्डल एक सहायक की भूमिका निभाता है। कुलानुशासक मण्डल के सदस्यों के रूप में विश्वविद्यालय के प्रावधानों के अनुरूप कार्यपरिषद् द्वारा शिक्षकों (आचार्य एवं उपाचार्य) की नियुक्ति की जाती है। विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन व्यवस्था बनाये रखने के लिए कुलानुशासक मंडल के सदस्य परिसर का नियमित निरीक्षण करते है। किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि में लिप्त पाये जाने पर अग्रिम कार्यवाही हेतु निर्देश एवं चेतावनी जारी की जाती है।

विश्वविद्यालय में रैगिंग एवं अन्य अवांछनीय घटनाओं को रोकने के लिए प्रत्येक अध्ययनशाला में एक अनुशासन समिति एवं एंटी रैगिंग कमेटी का गठन किया गया है। इन समितियों द्वारा किसी प्रकरण के संज्ञान में लाये जाने पर कुलानुशासक मंडल प्राथमिक जॉच के उपरांत उचित कार्यवाही की अनुशंसा करता है। छात्रावासों मे अनुशासन व्यवस्था की देखरेख के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रशासनिक संरक्षकों की नियुक्ति की गई है जो किसी भी प्रकरण को अग्रिम कार्यवाही हेतु कुलानुशासक मंडल को प्रेषित करता है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा यद्यपि रैंगिंग रोकने के समस्त उपाय किए गए है, तथापि सभी विद्यार्थियों को प्रवेश के समय संबंधित विभागाध्यक्ष के समक्ष इस आशय का शपथ पत्र प्रस्तुत करना होता है कि वे किसी अनुचित आचरण में संलिप्त नहीं होंगे तथा रैगिंग नियमों का पालन करेंगें। एंटी रैगिंग कमेटी द्वारा रैगिंग से सबंधित किसी भी प्रकरण को संज्ञान में लाये जाने पर कुलानुाशासक मंडल द्वारा जॉच के उपरांत नियमानुसार उचित दण्डात्मक कार्यवाही की अनुशंसा की जाती है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय में स्थापित केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग की सहायता से कुलानुशासक मंडल द्वारा परिसर में आयोजित विभिन्न समारोहों एवं अन्य ऐसे सभी अवसरों पर जहॉ विद्यार्थियों की बड़ी संख्या हो, अनुशासन की समुचित व्यवस्था की जाती है।

विश्वविद्यालय द्वारा गठित कुलानुशासक मंडल में एक मुख्य कुलानुशासक एवं तीन उप कुलानुशासक होते हैं। केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के पश्चात प्रथम कुलानुशासक के रूप में प्रो0 प्रदीप शुक्ला की नियुक्ति की गई है। लगभग 16 वर्षो के कुलानुशासक मंडल के अनुभव के साथ वर्तमान में वे इसके प्रमुख के रूप में सक्षमतापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। उनके कुशल निर्देशन में कुलानुशासक मंडल निरंतर सफलता पूर्वक कार्य कर रहा है। जिसके परिणामस्वरूप इस विश्वविद्यालय के नियमों एवं अनुशासन के विरूद्व कोई बड़ी घटना नहीं हुई है।

- छात्रावास के सभी भागों में अलग–अलग वाटर कूलर एवं वाटर प्यूरीफायर की सुविधा उपलब्ध हैं।
- छात्रावास के सभी भागों में खाद्य सामग्री बनाने एवं उबालने हेतु इंडक्शन हीटर 24 घंटे उपलब्ध कराया गया है।
- जनरेटर की सुविधा भी छात्रावास में उपलब्ध कराई गई है।
- खूबसूरत बगीचे एवं हरियाली उसकी शोभा को अत्यधिक बढ़ा देती है।
- बाह्य एवं आंतरिक खेल हेतु बेडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम और शतरंज की सुविधा भी छात्रावास में उपलब्ध हैं।
- दैनिक आवश्यक वस्तुओं एवं स्टेशनरी की बढ़ती हुई मांग के अनुरूप छात्रावास परिसर में दुकान उपलब्ध है।
- छत्तीसगढ़ शासन, होमगार्ड द्वारा छात्रावास की सुरक्षा हेतु महिला सुरक्षा गार्ड की उपलब्धत कराई गई है।

5.3.3. अध्येतावृत्तियां

01 अप्रेल 2013 से 31 मार्च 2014

(1) 162 पीएचडी अध्येत्तावृत्ति

(2) एआईसीटीई–गेट अध्येत्तावृत्ति रू. 45,52,227.00 का ।

(3) डीएसटी अध्येत्तावृत्ति रू. 13,03,200.00 का।
(4) यूजीसी राजीव गांधी अध्येत्तावृत्ति रू. 4,75,200.00
(5) सीएसआईआर अध्येत्तावृत्ति रू. 4,75,200.00 का।
(6) गेट–एम टेक. अध्येत्तावृत्ति रू. 20,67,000.00 का।
(7) यूजीसी–जेआरएफ अध्येत्तावृत्ति रू. 12,28,800.00 का।
(8) यूजीसी नान नेट/एमफिल/पीएचडी अध्येत्तावृत्ति रू. 97,57,503.00 का।

5.3.4 समान अवसर प्रकोष्ठ

5.3.5 आवासीय सुविधाएं

foodkun ckyd Nk=kokl

विवेकानंद बालक छात्रावास की स्थापना वर्ष 1989 में की गयी, जिसमें 228 कमरे, दो कॉमन हॉल एवं मनोरंजन कक्ष है। छात्रावास में 450 विद्यार्थियों की आवास व्यवस्था है। कक्ष आवंटन के समय छात्रावास में आरक्षण नियमों का अनुपालन किया जाता है। छात्रावास के अंतःवासियों की सांख्यिकी अग्रलिखित है: सामान्य –217, अनुसूचित जनजाति –35, अनुसूचित जाति –55, अन्य पिछड़ा वर्ग –143 और शारीरिक रूप से अक्षम–04

Swami Vivekanand Boys' Hostel

miyfC/k;k¡

- छात्रावास में एक अतिरिक्त भोजनालय।
- 'एअर–कूल' व्यवस्था के साथ भोजन कक्ष का पुनरूद्धार।
- मनोरंजन कक्ष, कॉमन हॉल एवं अध्ययन–कक्ष की सुविधा।
- अंतः वासियों हेतु बैडमिण्टन, टेबल टेनिस एवं कैरमबोर्ड की सुविधा उपलब्ध।
- जलशुद्धिकरण यंत्र के साथ 5 जलप्रशीतक लगाये गये।
- प्रथम तल पर 67 नये कक्षों का निर्माण।
- प्रथम तल पर भोजनकक्ष, टी.वी कक्ष एवं टेबल टेनिस की सुविधा उपलब्ध।
- वर्ष 2012 में न्यू आवासीय बालक छात्रावास में 216 विद्यार्थियों की क्षमता से युक्त बालक छात्रावास" बनाया गया।
- 04 जनवरी, 2014 को छात्रावास का वार्षिक दिवस मनाया गया जिसमें खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे।

ckfydk Nk=kokl

छात्राओं को आवास की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय में बालिका छात्रावास की स्थापना वर्ष 1989 में की गई। तब से छात्रावास सुविधा में प्रतिवर्ष सुधार हो रहा है। हमारा उद्देश्य छात्राओं को घर जैसा माहौल उपलब्ध कराना है। छात्रावास हरे–भरे वनस्पतियों से युक्त एवं शांतिमय वातावरण में 432 छात्राओं को आवासीय सुविधा प्रदान करता है। प्रतिवेदन वर्ष में अंतःवासियों की संख्या संवर्ग के अनुसार है – सामान्य –184, अनुसूचित जाति –68, अनुसूचित जनजाति –51 और अन्य पिछड़ा वर्ग 129।

- प्रतिवर्ष आवश्यकतानुसार सुविधाओं का उन्नयन किया गया।

Medidation classes

Plantation on Ecoclub Day

Cultural activity on Hostel day (Alchemy 2014)

- साफ–सफाई एवं अन्य आधारभूत संसाधनों का रख–रखाव सुनिश्चित किया गया है.
- उपलब्ध सुविधाओं के अलावा यथा भोजनालय, चिकित्सकीय सहायता, उचित सुरक्षा, टी.वी.रूम, हिन्दी एवं अंग्रेजी समाचार पत्र आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं।
- छात्रावास वाई–फाई इंटरनेट कनेक्शन से युक्त है।
- गत वर्ष से फैक्स की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है ताकि छात्राए अपने अभिभावकों से बाहर जाने की अनुमति एवं अत्यावश्यक संबंधी अभिलेख किसी भी समय प्राप्त कर सके।
- छात्रावास में समय–समय पर अनेक गतिविधियां आयोजित की गयीं। उनमें से कुछ निम्नवत है – चित्रकला प्रतियोगिता, हॉस्टल उत्सव, रवीन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती, स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस। इसके अतिरिक्त अंतःवासियों ने दशहरा, दीपावली और रक्षाबंधन भी मनाया.
- 01 जनवरी, 2012 को अंतःवासियों द्वारा माननीय कुलपति जी के नेतृत्व में पर्यावरण सुरक्षा हेतु ''इको–क्लब'' गठित किया गया इस अवसर पर कुलपति द्वारा छात्रावास परिसर में कुछ पौधे भी लगाए गए.
- 20 मार्च, 2012 को रजत जयंती सभागार में 'ब्रेस्ट कैंसर एण्ड अदर फेमिनीन प्रॉब्लम्स'' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें अपोलो अस्पताल के डॉक्टरों एवं अंतः वासियों के मध्य परिचर्चा हुई.
- 09 अप्रैल, 2012 को छात्रावास दिवस का आयोजन हुआ. जिसमें गैलरी प्रस्तुतीकरण एवं सांस्कृतिक संध्या आयोजित की गई.

l|jpukRed fodkl

ध्यान केन्द्र का उद्घाटन माननीय कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी द्वारा दिनांक 18.12.2013 को उच्च स्तरीय चेतना बालक छात्रावास में शांतिपूर्ण एवं तनावमुक्त वातावरण बनाने के लिये किया गया। ध्यान की कक्षाएं प्रजापिता ब्रम्ह कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सदस्यों के द्वारा लिया जाता है। बालिका छात्रावास में 26 अतिरिक्त बालिकाओं हेतु 13 कमरों से सी–विंग का वर्तमान सत्र में विस्तार किया गया।

5.3.6 व्यायामशाला

विश्वविद्यालय के छात्रावासों में देश के विभिन्न भागों से आए विद्यार्थियों की एक बड़ी संख्या निवास करती है। अत्याधुनिक एवं पूर्ण सुसज्जित व्यायामशालाएं बालिका एवं बालक छात्रावास में स्थापित हैं।

5.3.7 प्रशिक्षण एवं संस्थापन प्रकोष्ठ

यह कार्यालय ऐसे विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों व्यावसायिक घरानों आदि से संपर्क बनाए रखता है जो सभी विषयों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए कैम्पस साक्षात्कार आयोजित करते हैं एवं उनका चयन करते हैं। प्रशिक्षण एवं नियोजन कार्यालय अन्य व्यवस्था के साथ–साथ समूह चर्चा, लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार आयोजित करने के लिए आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराता है।

2013–14 में विभिन्न कंपनी में चयनित छात्र/छात्राओं की विवरणः

क्र	कंपनी का नाम	छात्र संख्या	दिनांक
1	Patil Rail Infrastructure, Hyderabad	05	02è04è2013
2	Devanshi Engineering Cons. Services	11	04è04è2013
3	CollebraPvt.Ltd.	07	6-7è04è2013
4	Neo Soft Pvt.Ltd.	07	07è04è2013
5	D-Link (Smart Link) Pvt.Ltd.	09	08è04è2013
6	Ma Hari Siddhi Infrastructure Developers Pvt.Ltd.	03	27è04è2013
7	Orient Paper Mill	13	25è10è2013
8	Pradan	06	31è01è2014
9	Prompttimes.com	09	25è02è2014
10	Godrej & Boyce	02	24è03è2014

कैंटीन
Sprite

रजत जयंती सभाग

LIBRARY

कुलपति निवास
अतिथि गृह
अरण्य सदन
आवासीय परिसर
कुलसचिव निवास
बालिका छात्रावास
BOI
बैंक ऑफ इंडिया

सामान्य सुविधाएं

6. सामान्य सुविधाएं

विश्वविद्यालय की आंतरिक व्यवस्था के रूप में केन्द्रीय सुविधाएं यहां के शैक्षणिक वातावरण को उन्नत बनाने के महत्वपूर्ण कारक के रूप में योग देती हैं। केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के साथ ही विश्वविद्यालय ने विविध नयी सहायक सुविधाओं के विकास के साथ–साथ पहले से ही गई सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। प्रतिवेदन अवधि में इस संबंध में उठाये गये महत्वपूर्ण कदम अग्रांकित है –

6.1. आवासीय सुविधाएं

tokgj vfrfFk x`g

हरियाली युक्त एवं प्रदूषण मुक्त वातावरण से परिपूर्ण विश्वविद्यालय अतिथिगृह में पूर्णतः सुसज्जित 16 कक्ष है विशिष्ट अतिथियों के ठहरने हेतु वातानुकूलित कमरे उचित दर पर उपलब्ध हैं और बैठक हेतु 01 वातानुकूलित कक्ष भी है। अतिथियों को उचित मूल्य पर शुद्ध एवं स्वादिष्ट शाकाहारी व्यंजनों की उपलब्धता हेतु परिसर में ही रसोई घर भी उपलब्ध है। विशिष्ट अतिथियों के 10 कक्षों में डीटीएच सिस्टम से युक्त एलसीडी टेलीविजन एवं रेफ्रिजरेटर की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। चार अतिविशिष्ट कक्षों में डाइरेक्ट डायलिंग टेलीफोन की सुविधा भी है।

okfudh vfrfFk x`g

वानिकी अतिथि गृह, इंडियन काउन्सिल फॉर फॉरेस्ट्री रिसर्च एण्ड एजुकेशन (आईसीएफआरई) द्वारा प्राप्त अनुदान की सहायता से स्थापित /निर्मित हुआ। इसमें 31 कक्ष हैं। यह अतिथि गृह विभिन्न प्रकार के वृक्षों की प्रजातियों से घिरा हुआ है। अतिथि गृह अस्थायी तौर पर आने वाले अतिथियों, शोध छात्रों एवं विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध करता है। अतिथि गृह में पूर्ण रूप से सुसज्जित एक व्यायामशाला भी है। सभी कक्ष अत्यन्त ही सुसज्जित हैं। बालिकाओं की बढ़ती संख्या एवं बालिका छात्रावास की आवश्यकताओं को देखते हुए वर्तमान में वानिकी अतिथि गृह को अस्थायी बालिका छात्रावास का रूप दे दिया गया है।

deZpkfj;ksa gsrq vkoklh; lqfo/kk,¡

विश्वविद्यालय कर्मचारियों हेतु आवासीय सुविधां भी है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों की विभिन्न श्रेणियों हेतु 60 क्वार्टर उपलब्ध हैं। कर्मचारी कॉलोनी परिसर से अच्छी सड़क एवं अन्य सुविधाओं से जुड़ी है। यह कॉलोनी हरे–भरे प्रसन्नतापूर्ण वातावरण से घिरी है। विशेष सामाजिक उत्सवों एवं अध्यात्मिक शांति के लिए एक काली मंदिर का निर्माण कॉलोनी के पास किया गया है।

deZpkfj;ksa gsrq ifjlj esa vkoklh; lqfo/kk,¡ bl izdkj gS%

S. No.	Type of Residence	Number of Residences
1	Type i	02
2	Type ii	48
3	Type iii	48
4	Type iv	75
5	Type D	32
6	Type G	08
7	Type I	20

6.2. सम्मेलन कक्ष एवं प्रेक्षागृह

jtr t;arh lHkkxkj

विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष 2007 के उपलक्ष्य में, एक केन्द्रीकृत वायु प्रशीतक सुविधा से युक्त लगभग 800 व्यक्तियों की बैठक क्षमता वाले सभागार का निर्माण किया गया। सभागार की संपूर्ण बैठक व्यवस्था मंच के दृश्यानुकूल एवं व्यवस्थित है। वार्षिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त इस सभागार में विविध कार्यक्रम यथा– दीक्षांत समारोह, गुरू घासीदास जयंती, केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस, शिक्षक दिवस तथा बड़ी संख्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगोष्ठी, वाद–विवाद प्रतियोगिताएं एवं व्याख्यान भी आयोजित किये जाते हैं।

dkÝ¡l gkWy
विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में स्थित कांफ्रेंस हॉल पूर्ण रूप से वातानुकूलित एवं 100 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता से युक्त है। कांफ्रेंस हॉल बहुद्देशीय कार्यों–बैठकों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोधमौखिकी एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु प्रयुक्त होने वाला स्थान है, जो सभी प्रकार की आधुनिक दृश्य–श्रव्य सुविधाओं से युक्त है।

feuh dkÝ¡l gkWy
कांफ्रेंस हॉल के साथ ही प्रशासनिक भवन में एक पूर्ण वातानुकूलित मिनी काफ्रेंस हॉल भी स्थित है जो लगभग 40 लोगों की बैठक क्षमता से युक्त है।

6.3 केन्द्रीय ग्रंथालय
शिक्षकों, शोधछात्रों और विद्यार्थियों की अकादमिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु केन्द्रीय ग्रंथालय की स्थापना 26 अक्टूबर 1984 को की गयी। यह विश्वविद्यालय परिसर के लगभग छः हजार विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ–साथ सम्बद्ध महाविद्यालयों के एक लाख से अधिक विद्यार्थियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। यह विशाल भवन में स्थित है जिसमें 1,25,000 पुस्तकों और 500 लोगों के बैठने की सुविधा है। ऑन लाइन पत्रिकाओं के साथ–साथ अतिरिक्त पाठ्य सामग्री की उपलब्धता हेतु उपयोग कर्त्ताओं को 25 संगणकों की सुविधा निःशुल्क मुहैया करायी गयी है।

dsUnzh; xzFkky; }kjk miyC/k lsok,a ,oa lqfoèkk,a vxzfyf[kr gSa &
- ऋण
- अंतर पुस्तकालयीन ऋण,
- अनुवाद (मांग के आधार पर)
- रेप्रोग्राफी
- संदर्भ एवं संदर्भित, इंटरनेट
- ओपीएसी (ऑन लाइन एसेस कैटलॉग)
- वाई–फाई (विश्वविद्यालय परिसर में)

iqfronu o"kZ dh miyfC/k;ka
- वर्ष 2013–14 में 17000 से अधिक पुस्तकें जोड़ी गई.
- RFID तकनीक का प्रावधान एवं सुचारू संचालन.
- इंफ्लिबनेट के माध्यम से 'नेचर' एवं 'एसआईएम' (14 पत्रिकाएं) की ऑनलाइन उपलब्धता.
- शोध गंगा परियोजना में इंफ्लिबनेट परियोजना का प्रारंभ

miyC/k lalkèku

पुस्तकें			
	विगत वर्ष (2012-13)	निर्धारित अवधि में वृद्धि	कुलयोग
पुस्तकें	1,15,092(विभागीय ऋण सहित)	17251	1,32,343
संदर्भ ग्रंथ	5,976	102	6078
सीडी आर ओ एम	800	209	1009
पत्रिकाएं (मुद्रित /ऑनलाइन)			
पिछले अंक (मुद्रित)	4420	70	4,490
पत्रिकाएं (मुद्रित)	09	01	10
यूजीसी इंफोनेट (इंफ्लिबनेट) के माध्यम से ऑनलाइन पत्रिकाए (आन लाइन)	4727	–	4,727
बिबलियोग्राफिकल डाटाबेस (इन्फ्लीबनेट)	02	(अनवरत)	02
सी एम आई ई डेटाबेस (अल्फा एण्ड प्रोवेस)	01	अनवरत	01
बिजनेस सोर्स एलीट	1,802	1,802 (ई पत्रिकाएं एवं पत्र)	1,802

अतिरिक्त संचयन			
लघुशोध प्रबंध (एम.फिल.)	650	–	650
शोध प्रबंध (पी–एच.डी.)	1319	48	1367
समाचार पत्र (हिन्दी /अंग्रेजी / क्षेत्रीय)	17	अनवरत	17
पत्रिकाएं (हिन्दी /अंग्रेजी / क्षेत्रीय)	09	01	10

lnL;rk fooj.k

सदस्यता की कोटि	सदस्यों की सख्या 2012-13	सदस्य वृद्धि (प्रतिवेदन वर्ष में) 2013-14	सदस्यता छोंड़नें वाले छात्र 2013-14	योग
वि.वि. शिक्षण विभाग के छात्र	5707	2267	1498	6476
वि.वि. शिक्षण विभाग के शिक्षक	207	53	65	195
शोध छात्र	178	106	21	261
कर्मचारी	300	10	07	303

- सेज के शोध जरनल्स आनलाईन उपलब्ध होने के साथ –साथ प्रकाशित प्रतियां भी उपलब्ध हैं।
- साइंस डायरेक्ट, विले ब्लेकवेल, टेलर एण्ड फ्रांसिस, स्प्रिंजर लिंक, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, इकोनामिक एण्ड पोलिटिकल वीकली, एमरल्ड लाइब्रेरी सांइस, इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, नेचर, सियाम जरनल, जेस्ट आर (इंफ्लिबनेट के माध्यम से फुल टेक्स्ट उपलब्ध है)

fuelV ifj;kt uk

विश्वविद्यालय में निमसेट परियोजना के अंतर्गत कैम्पस में 1 जी.बी.पी.एस. की गति से कैम्पस वाइड नेटवर्क प्रारंभ किया गया जिसके माध्यम से छात्र/छात्राएं एवं शिक्षक अकादमिक उद्देश्यों के लिए इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं, विवि को पेपरलेस बनाने के प्रयास किए जा रहे एवं स्मार्ट क्लास रूम वीडियो कांफेंसिंग वाई फाई, आईयू.एम.एस. आदि प्रारंभ किए गए है। भारत के प्रधानमंत्री एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के उद्बोधनों का सजीव प्रसारण किया गया।

6.4. कैफेटेरिया

विश्वविद्यालय कैफेटेरिया समर्पित शिक्षकों, गैर–शिक्षण कर्मचारियों एवं छात्रों के समूह द्वारा चालित है जो लाभ–हानि मुक्त आधार पर चलता है। यह 27 जून 2009 को आरंभ हुआ जिसके द्वारा विश्वविद्यालय समुदाय की खान–पान संबंधी दैनिक आवश्यकताएं सफलतापूर्वक पूरी की जाती हैं। कैफेटेरिया सभी कार्यदिवसों में प्रातः 8 बजे से सायं 7 बजे तक तथा विशेष अवसरों पर अवकाश के दिन भी खुला रहता है।

6.5. केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग

विश्वविद्यालय लगभग 656 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है जिसमें बड़ी संख्या में आवास, भवन, प्रयोगशालायें, आवासीय परिसर, अतिथिगृह, छात्रावास के साथ–साथ बहुमूल्य वृक्षों की प्रजातियां एवं जलराशि स्थित है। इस विस्तृत परिसर की सुरक्षा हेतु क्षमता सम्पन्न एवं सशस्त्र सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक/509/स्था./प्रशा./2010 के अंतर्गत केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग की स्थापना की गयी। इस अनुभाग में एक कार्यवाहक नियंत्रक, एक सहायक सुरक्षा अधिकारी एवं 6 सुरक्षा पर्यवेक्षक हैं। केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग विश्वविद्यालय प्रशासन के अधीनस्थ है और परिसर की सुरक्षा के प्रति उत्तरदायी है। इसके लिये परिसर को चार भागों – उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी और दक्षिणी भाग में विभक्त किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र की देख–रेख सहायक सुरक्षा अधिकारी एवं सुरक्षा पर्यवेक्षक द्वारा की जाती है और मुख्य सुरक्षा अधिकारी द्व ारा समय–समय पर चारों भागों का निरीक्षण किया जाता है। केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग विश्वविद्यालय प्रशासन और अनुबंधित सुरक्षा एजेंसी के बीच कार्य करता है।

केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग के दायित्वों में विश्वविद्यालय परिसर में यातायात परिचालन को नियंत्रित करना, पार्किंग की व्यवस्था को देखना एवं परिसर में अनुशासन को बनाये रखने में कुलानुशासक मण्डल की सहायता करना भी सम्मिलित है।

6.6 स्वास्थ्य केन्द्र

विश्वविद्यालय संगणक केन्द्र के समीप स्थित स्वास्थ्य केन्द्र परिसरवासियों एवं विद्यार्थियों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति

करता है। एक मेडिकल आफिसर की सहायता के लिये कम्पाउंडर, ए.एन.एम. (महिला) और एम्बुलेंस चालक केन्द्र में नियुक्त है। स्वास्थ्य केन्द्र हेतु नये भवन का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जो शीघ्र ही अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ छात्र–छात्राओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु उपलब्ध होगा। वर्ष 2012–13 की अवधि में स्वास्थ्य केन्द्र में 9258 से अधिक मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। स्वास्थ्य केन्द्र में एक इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ईसीजी) मशीन एवं केमिकल ब्लड एनालाईजर की सुविधा उपलब्ध है। जिससे खून की विभिन्न प्रकार की जांच की जाती है। स्वास्थ्य केन्द्र में 24 घंटे एम्बुलेंस सुविधा एवं आमंत्रण पर चिकित्सक को बुलाने की सुविधा केन्द्र द्वारा मुहैया करायी जाती है।

6.7 सूचना, संचार तकनीकी एवं अभिकलन सुविधाएं

विश्वविद्यालय सूचना तकनीकी साक्षरता, संगणन एवं सूचना विज्ञान वितरण की सुविधाएं प्रदान करता है। विश्वविद्यालय में अत्याधुनिक हार्डवेयर, मशीन एवं सॉफ्टवेयर से सुसज्जित उच्चानुशीलन संगणक केन्द्र है। संगणक केन्द्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.ggu.ac.in) का विकास एवं रख–रखाव करता है और वर्ष 2005 से संचालित इस वेबसाइट में अब 300 से अधिक पेज हैं। संगणक केन्द्र अत्याधुनिक हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर से सुसज्जित है जो अधोलिखित हैः–

- हार्डवेयर – डेस्कटाप (111, आई 5 के साथ) लेजर प्रिंटर बी/डब्ल्यू(05), कलर प्रिंटर (01), स्कैनर(04), हब एवं स्वीचेस, एल.सी.डी. प्रोजेक्टर्स।
- सॉफ्टवेयर – विजुवल स्टूडियों 2008, एमएस ऑफिस 2007, एस क्यू एल सर्वर 2005, विन सर्वर ईएनडी 2003, विन सर्वर 2003 आर 2, आफिस प्रो 2003 मीडिया, एन्टीवायरस।

o{kZ dh lanj pgkjnhokjh ls f?kjk lx.kd dsUnz fuEufyf[kr lsokk,a miyCèk djkrk gS&

- एम.सी.ए., एम.एस.सी, आई.टी. और पंचवर्षीय (एकीकृत स्नातक/स्नाकोत्तर), बी.एस.सी. (संगणक विज्ञान), ग्रंथालय विज्ञान, वाणिज्य के विद्यार्थियों के प्रयोग के लिये संगणकीय सुविधाएं मुहैया कराना।
- विभागों को कम्प्यूटरीकृत करने में विश्वविद्यालय के लक्ष्य को पूरा करने हेतु सहायता।
- विश्वविद्यालय के लक्ष्यों को पूरा करने हेतु संगणक केन्द्र शिक्षण, शोध, प्रशासन, परीक्षा, वित्त में सहायता संबंधी सुविधाएं प्रदान करता है।
- सी.डी., एल.सी.डी. प्रोजेक्टर के माध्यम से समय–समय पर व्याख्यान, संगोष्ठी, सम्मेलन आदि की व्यवस्था करना।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों/अध्येताओं/शिक्षक सदस्यों/कर्मचारियों को इंटरनेट की सुविधा प्रदान करना। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में संगणकीकरण के लक्ष्य को पूरा कराने में सहायता प्रदान करना।

miyfCèk;k¡%&

- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की ऑफिशियल वेबसाइट (www.ggu.ac.in) का रख–रखाव। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की ऑफिशियल द्विभाषी वेबसाइट का रख–रखाव।
- कम्प्युटर सेन्टर में 07 जनवरी 2014 को महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी का आनलाईन व्याख्या आयोजित किया गया ।
- कम्प्यूटर सेंटर में छात्र/छात्राओं के प्रशिक्षण
- संगणक केन्द्र एवं सी.एस.आई.टी. विभाग द्वारा विद्वान काइवेन झान, टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा एवं श्री नवनीत पाण्डेय ओस्लो विश्वविद्यालय नार्वे के व्याख्यान का आयोजन 01 जून 2014 को कराया गया।
- जीजीवी के समूह 'सी' एव समूह 'डी' के कर्मचारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जी.जी.वी. के विभिन्न अनुभाग के कर्मचारियों ने इसमें भागीदारी की। कर्मचारियों को विंडो, एम.एस ऑफिस का प्रशिक्षण दिया गया।

विश्वविद्यालय के विकास अनुभाग ने परिसर में वाई–फाई की सुविधा की स्थापना के लिये शुरुआती कदम उठाया। सिस्टम को इन्सटाल करने के उपरांत इसके विकास एवं कार्यप्रणाली की देख–रेख के लिये एक समिति को हस्तगत करा दिया गया।

6.8 आंतरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली में सुधार के निरीक्षण के लिए प्रतिवेदन अवधि में आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रकोष्ठ की स्थापना की गई। यह प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय की विकासात्मक गतिविधियों के उन्नयन हेतु विभिन्न आवश्यक कदम यथा–निरीक्षण, सुझाव, नये विचारों को लागू करना इत्यादि उठाता है।

6.9 मीडिया प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय मीडिया प्रकोष्ठ अक्टूबर 2009 से कार्य कर रहा है। यह समाज के लिये विश्वविद्यालय के झरोखे के रुप में कार्यरत है। इस प्रकोष्ठ का प्रमुख उद्देश्य मीडिया एवं समाज के साथ सम्पर्क अभिकर्ता के रुप में कार्य करना है। विश्वविद्यालय के अभिकरण के रुप में मीडिया को सामाचार भेजना इसके प्रमुख कार्यों में से एक है। समाचार एवं सूचनाओं के प्रेषण के साथ–साथ यह प्रकोष्ठ

परिसर में होने वाली विभिन्न गतिविधियों एवं विभिन्न विभागों में होने वाले कार्यक्रमों की रिपोर्ट करता है। इन कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग के अतिरिक्त मीडिया सेल विश्वविद्यालय की प्रकाशित खबरों का संग्रह भी करता है। इस प्रकोष्ठ के अंतर्गत दस्तावेजीकरण केन्द्र भी है, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विडियो व मुद्रित चित्र एवं डिजिटल स्वरुप में उपलब्ध है। यह प्रकोष्ठ आवश्कतानुसार हार्ड एवं साफ्ट कापी में समाचार एवं चित्र उपलब्ध कराता है, साथ ही यह प्रकोष्ठ 'उड़ान' पत्रिका के प्रकाशन एवं राज्योत्सव 2012 (रायपुर एवं बिलासपुर), वार्षिक प्रतिवेदन एवं अन्य गतिविधियों के लिये सूचनायें उपलब्ध कराता है।

i|dk"B dh miyfCèk;k¡

मीडिया और समाज के लिये सूचनाओं को सफलतापूर्वक प्रेषित किया गया। विश्वविद्यालय के समाचार को मीडिया एवं समाज में में समुचित तरीके प्रेषित करने में योगदान दिया गया।
पांच प्रेस कांफ्रेंस सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

i|dk"B e| miyCèk lfoèkk,|

विश्वविद्यालय के आयोजनों एवं गतिविधियों की फोटोग्राफी और वीडियो रिकार्डिंग हेतु सेल के पास अपना स्टील कैमरा है। सेल का दस्तावेजीकरण केन्द्र विश्वविद्यालय विभागों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को वीडियो एवं फोटोग्राफ उपलब्ध कराता है।

6.10 राजभाषा प्रकोष्ठ

राजभाषा प्रकोष्ठ 2009 में स्थापित हुआ। वर्तमान में स्वतंत्र ईकाई के रुप में कार्यरत यह प्रकोष्ठ प्रारंभिक तौर पर विकास शाखा के अंतर्गत कार्य कर रहा था। राजभाषा प्रकोष्ठ का मुख्य कार्य राजभाषा नीति एवं राजभाषा अधिनियम 1963 को लागू करना और 1976 के अंतर्गत निर्देशित मामलों के अनुपालन की देख–रेख करना है। इस संबंध में माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में राजभाषा समिति की त्रैमासिक बैठक आयोजित की जाती है। प्रकोष्ठ द्वारा त्रैमासिक प्रतिवेदन मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग को नियमित तौर पर प्रेषित किया जाता है। राजभाषा नीतियों के सुचारु संचालन हेतु विश्वविद्यालय में हिन्दी अधिकारी की भी नियुक्ति की गयी है। प्रकोष्ठ राजभाषा नीति को विश्वविद्यालय में लागू करने के लिये प्रतिबद्ध है। इन नीतियों को लागू करते हुये विश्वविद्यालय के सभी नाम–पट्टिकायें एवं सूचना पटलों को द्विभाषी किया गया। सभी पत्रों एवं दस्तावेजों के द्विभाषीकरण हेतु एक समिति का गठन किया गया।

6.11. डाकघर एवं बैंक

परिसर में रहने वाले लोगों एवं विद्यार्थियों के लिए संचार व्यवस्था एवं बैंकिंग सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इन सेवाओं की पूर्ति डाकघर एवं पंजाब नेशनल बैंक के माध्यम से होती है। विश्वविद्यालय परिसर में स्थित डाकघर 'स्पीड पोस्ट' टेलीफोन बिल जमा करने एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति करता है। एक नवीन इलेक्ट्रॉनिक टेलीफोन एक्सचेंज भी परिसर में स्थापित किया गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एवं पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम परिसर में स्थित है जो 24 घंटे सेवा प्रदान करते हैं।

6.12. सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ (आरटीआई)

विश्वविद्यालय में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 लागू किया गया है। सूचना प्रकोष्ठ नियमित रूप से प्रत्येक माह मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं केन्द्रीय सूचना आयोग को सूचना प्रदान करने हेतु मासिक विवरण प्रेषित करता है। सूचना प्रकोष्ठ के अंतर्गत वार्षिक विवरण सूचना व्यवस्था के तहत सीआईसी वेबसाइट को प्रत्येक तीन महीने में त्रैमासिक विवरण उपलब्ध कराता है। लोगों को नियमित रूप से सूचना प्रदान करने हेतु मासिक एवं त्रैमासिक रूप से विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी इस सेल द्वारा सूचनाएं उपलब्ध कराई जाती है।

6.13 खेलकूद सुविधाएं

शारीरिक शिक्षण विभाग द्वारा परिसर में खेल सुविधाएं एवं इनकी देख–रेख का कार्य किया जाता है। वर्तमान में उपलब्ध खेल सुविधाओं में दो दूधिया रोशनीयुक्त बास्केट बाल कोर्ट, 400 मीटर ट्रैक, दो वॉलीबाल कोर्ट, दूधिया रोशनी युक्त जिमनास्टिक फ्लोर, चार खो–खो एवं कबड्डी मैदान, आधुनिक व्यायामशाला, टेबल टेनिस हॉल, हैंड बाल ग्राउंड, क्रिकेट एवं फुटबाल के मैदान तथा बालक एवं बालिका छात्रावासों में बैडमिंटन कोर्ट सम्मिलित है। इन खेल सुविधाओं का विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाले कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा नियमित अभ्यास के साथ–साथ विभिन्न स्तरों को विशेष प्रशिक्षकों द्वारा खेल प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। रू. 50 लाख की लागत से खेल के मैदानों के निर्माण का कार्य प्रगति पर है. जिसमें क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, टेनिस, बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण एवं कबड्डी तथा बॉलीबॉल कोर्ट के घेराव संबंधी कार्य सम्मिलित है। 400 मीटर ट्रैक एवं स्वीमिंग पुल निर्माण संबंधी टेंडर का प्रस्ताव प्रगति पर है।

6.14. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

यू.जी.सी. के दिशानिर्देशों के अनुरूप विश्वविद्यालय द्वारा नवम्बर 1988 में अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ स्थापित किया गया। यह प्रकोष्ठ एक इंचार्ज एवं चार अन्य सदस्यों के माध्यम से कार्य करता है। यह प्रकोष्ठ अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के छात्रों की समस्याओं के समाधान एवं यूजीसी /सरकार के नियमों अनुरूप छात्रवृत्ति दिलाने में सहायता करता है। यह प्रकोष्ठ विभिन्न शैक्षणिक विभागों में अपनायी जाने वाली प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत आरक्षण नीति का निरीक्षण करता है। इस प्रकोष्ठ के प्रमुख उद्देश्य निम्न है –

- अनुसूचति जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्राप्ति में सहायता।
- अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ के विद्यार्थियों की जानकारी का दस्तावेजीकरण।
- जिला एवं राज्यस्तरीय अधिकारियों से छात्रवृत्ति के संबंध में संपर्क।
- परामर्श के लिए विद्यार्थियों की सहायता एवं मार्ग–निर्देशन।

io'k ifØ;k e vkj{k.k ,o NV

भारत सरकार की नीतियों एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप विश्वविद्यालय ने प्रत्येक पाठ्यक्रम में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए 15 प्रतिशत एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए 7.5 प्रतिशत सीटें इन वर्गों के मध्य अंतर–परिवर्तन की सुविधा (यदि आवश्यक हो) के साथ आरक्षित की है। अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित अभ्यर्थियों के लिए 27 प्रतिशत सीट के आरक्षण का प्रावधान है। इसके लिए उपयुक्त अधिकारी से अन्य पिछड़ा वर्ग संबंधी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। इन सीटों पर अभ्यर्थियों द्वारा योग्यता प्रवेश परीक्षा (वीईटी) उत्तीर्ण होने के उपरांत ही प्रवेश दिया जाएगा।

Hkkjr ljdkj }kjk nh tku okyh Nk=ofRr;k

विश्वविद्यालय द्वारा योग्यताधारी एवं पात्र अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के सभी अभ्यर्थियों को भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति की प्राप्ति हेतु सुविधा प्रदान की है। आवासीय विद्यार्थियों की फीस, प्रवेश, ट्यूशन, परीक्षा आदि सभी वार्षिक व्यय इनमें सम्मिलित है।

Nk=@Nk=kvk dk fooj.k

क्र	वर्ष	श्रेणी	विद्यार्थियों की संख्या
1	2012–13	अन्य पिछड़ा वर्ग	652
2	2012–13	अनुसूचित जाति	440
3	2012–13	अनुसूचित जनजाति	260

6.15. एस.टी.डी. /पी.सी.ओ./फोटोकापी कार्नर

विश्वविद्यालय परिसर में उपलब्ध इन सुविधाओं में से एक प्रशासनिक भवन परिसर में स्थित है, तथा दूसरी सुविधा केन्द्रीय ग्रंथालय भवन में उपलब्ध है। फोटोकॉपी केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित एवं संशोधित दर पर छायाप्रति की सुविधा उपलब्ध कराता है। छायाप्रति के साथ–साथ टेलीफोन एवं फैक्स की सुविधा भी उपलब्ध है। ये केन्द्र लेखन सामग्री भी उचित दरों पर उपलब्ध कराते हैं।

6.16. यातायात सुविधाएं

नये पाठ्यक्रम संचालित होने के कारण विद्यार्थियों की सख्या में होने वाली क्रमशः वृद्धि से आवागमन की सुदृढ़ सुविधा की आवश्यकता महसूस की गई। विश्वविद्यालय की बसें नियमित रूप से पूरे दिन नगर के प्रमुख स्थलों से विश्वविद्यालय के बीच चलती हैं।

6.17. उपकरणों के रख-रखाव से संबंधित सुविधाएं

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहायता से विश्वविद्यालय में 'आइएमएफ' की स्थापना की गई है। जिसका मुख्य उद्देश्य रख–रखाव संबंधी प्रशिक्षण, विश्वविद्यालय में सामान्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की देख–रेख एवं स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की प्रयोगशालाओं के रख–रखाव तथा उन्हें बनाने में सहायता प्रदान करना है।

6.18. एकीकृत विश्वविद्यालय प्रबंध तंत्र (आई.यू.एम.एस.)

विश्वविद्यालय परिसर में विविध गतिविधियों के सुचारू रूप से संचालन हेतु विकास विभाग द्वारा विभिन्न कदम उठाए गए हैं। विभिन्न फर्मो, कंपनियों एवं ठेकेदारों से विचार–विमर्श के पश्चात् एवं परीक्षण के उपरांत एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। विश्वविद्यालय के वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय प्रबंधन व्यवस्था के अनुरूप एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट तैयार किया गया है। निम्नलिखित माड्यूल वर्तमान में क्रियाशील हैं।

कर्मचारी पोर्टल – इसके अंतर्गत कर्मचारियों से संबंधित सेवाएं जैसे वेतन, वेतनपत्रक, सेवापुस्तिका, आदि तक आनलाईन पहुंच प्रदान की जाती है।

अकादमिक माड्यूल –इसके अंतर्गत प्रवेश, नामांकन, छात्र डाटाबेस, पाठ्यक्रम आदि से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

परीक्षा माड्यूल – इसके अंतर्गत सभी नामांकित छात्रों का डाटाबेस परीक्षा से संबंधित अभिलेख, परीक्षा परिणाम आदि से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

एच.आर.एम.एस. माड्यूल – स्थापना अनुभाग के लिए कर्मचारियों से संबंधित समस्त प्रक्रियाएं।

फाइल मानिटरिंग सिस्टम माड्यूल – विभिन्न अनुभागों एवं विभागों से संबंधित फाइलों की स्थिति एवं कार्यवाही विवरण।

डाक माड्यूल – एक विभाग से दूसरे विभाग के बीच संचार एवं अभिलेखों का हस्तांतरण।

लीगल माड्यूल – विश्वविद्यालय से संबंधित समस्त विधिक मामलों एवं उनकी स्थिति से संबंधित जानकारी आनलाईन प्रदान करना। इसमें आर.टी.आई. भी सम्मिलित है।

कुलपति माड्यूल – कुलपति कार्यालय से संबंधित समस्त कार्यालयीन कार्य कुलपति के यात्रा कार्यक्रम एवं डेली डायरी।

उपर्युक्त सभी माड्यूल फेस–1 में उपलब्ध है। वर्तमान में प्रवेश, परिणाम एवं वेतन से संबंधित आई.यू.एम.एस.के द्वारा संचालित किए जा रहे है। इससे पेपर लेस कार्यालयीन कार्य की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हुई हैं।

fo'ofo|ky; e| vkb-;w-,e-,l- dk pj.kc) fØ;kUo;u fuEukuqlkj fd;k tk jgk g\&

क्रमांक	माड्यूल का नाम	वितरण चरण	स्थिति
1.	वित्तीय लेखांकन	प्रथम चरण	सजीव
2.	अकादमी एवं प्रशासन	प्रथम चरण	सजीव
3.	परीक्षा एवं प्रगति रिपोर्ट	प्रथम चरण	सजीव
4.	गोपनीयता	प्रथम चरण	सजीव
5.	मानव संसाधन प्रबंध, पे–रोल एवं पेंशन	प्रथम चरण	सजीव
6.	कर्मचारी/ज्ञान प्रबंध पोर्टल	प्रथम चरण	सजीव
7.	डाक/कूरियर प्रबंध	प्रथम चरण	सजीव
8.	डाक्यूमेंट एवं फाइल ट्रेकिंग	प्रथम चरण	सजीव
9.	कुलपति कार्यालय प्रबंध	प्रथम चरण	सजीव
10.	अतिथि आवास	प्रथम चरण	सजीव
11.	छात्र वेब पोर्टल निर्माण	प्रथम चरण	सजीव
12.	आर.टी.आई.	प्रथम चरण	सजीव
13.	छात्रावास	प्रथम चरण	सजीव
14.	न्यायालयीन मामलों का निगरानी प्रणाली – विधिक	प्रथम चरण	सजीव
15.	यातायात	प्रथम चरण	सजीव
16.	कार्यक्रम/कार्यशाला/सेमिनार	प्रथत चरण	सजीव
17.	बिल प्रबंध	प्रथम चरण	सजीव
18.	वस्तु सूची	प्रथम चरण	सजीव
19.	संपत्ति प्रबंध	द्वितीय चरण	प्रस्तावित
20.	मेडिकल बिल कार्य	द्वितीय चरण	प्रस्तावित

6.19. विश्वविद्यालय मुद्रणालय

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की प्रयोगशाला के रूप में विश्वविद्यालय प्रेस की स्थापना वर्ष 1989 में की गई। वर्तमान में उत्तर–पुस्तिकाओं की छपाई को छोड़कर (जो ट्रेडल मशीन से की जाती है) सभी प्रकार की छपाई का कार्य ऑफसेट प्रिंटिंग मशीन द्वारा किया जाता है। प्रेस में छपाई संबंधित विभिन्न कार्य संपन्न किए जाते हैं जिनमें मुख्य एवं पूरक परीक्षाओं के लिए आवेदन पत्र एवं परीक्षा पत्र सम्मिलित हैं। विश्वविद्यालय प्रेस द्वारा सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षाओं हेतु उत्तर पुस्तिकाओं की छपाई की जाती है। इसके साथ–साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यालयों एवं विभाग से जुड़े पत्रकों तथा परीक्षा केन्द्रों पर उपयोग में लाए जाने वाले विभिन्न पत्रकों के मुद्रण का कार्य भी प्रेस द्वारा किया जाता है।

PRAYAS
A WAY TO ENLIGHTEN LIVES

"WHAT IF
YOU WERE
HIV+ ?"

समाज कार्य विभाग
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय
BILASPUR (C.G.)
बिलासपुर (छ.ग.)

भाग – 2
परिशिष्ट

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 (वर्ष 2009 का क्रमांक 25) के अन्तर्गत भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष हैं।

परिशिष्ट - 1

विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय

(अ) विश्वविद्यालय का कोर्ट

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय की प्रथम कोर्ट का गठन 'उच्च शिक्षा' मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक एफ.49–6/2013–डेस्ट (यू), नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी, 2014 के द्वारा केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के सेक्शन 21 (2) अंतर्गत किया गया।

स.क्र.	नाम
1.	डॉ. डब्ल्यू. सेल्वामूर्ति पूर्व सी.सी. एण्ड आर.डी. (डीआरडीओ)
2.	डॉ.(श्रीमति) कविता ए. शर्मा निदेशक, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली
3.	प्रो. भास्कर बोस सलाहकार छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद टेक्निकल विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़
4.	डॉ. रंगानानयाकुलु बोडावला सीएमडी थ्राईव सोलर एनर्जी प्रा. लि.
5.	डॉ. विवेक लाल अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी रिलायंस इंडस्ट्रीज लि.
6.	श्री ललित सूरजन चीफ एडिटर, देशबंधु
7.	डॉ. सुशील त्रिवेदी पूर्व चीफ कमिश्नर इलेक्शन कमीशन, छत्तीसगढ़
8.	डॉ. विजय कुमार अग्रवाल डायरेक्टर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट एण्ड रिसर्च
9.	श्री राजीव माथुर पूर्व डीजी, नेशनल पोलिस एकेडमी हैदराबाद

स.क्र.	नाम
10.	डॉ. यास्मीन सुल्ताना नक्वी पूर्व प्रोफेसर ओसाका विश्वविद्यालय, जापान
11.	डॉ.(श्रीमती) सुरेन्द्र कौर वार्षणेय पूर्व–डीन, रेफल्स लॉ स्कूल नीम राना, राजस्थान
12.	श्री राहुक बरुवा सेक्रेटरी जनरल साउथ एशिया फाउन्डेशन
13.	डॉ. अशोक के. दत्ता फाउन्डर डायरेक्टर, आईआईएम शिलांग सदस्य, नार्थ इर्स्टन काउन्सिल गोल, 50, जतिन दास रोड, कोलकाता (पं.बं.) – 700029
14.	श्री के.बी. श्रीधर एडव्होकेट, लक्ष्मी देवी निलियम, रुम न. 2, न्यू एम.एल.ए. क्वार्टस आदर्श नगर, हैदराबाद
15.	डॉ. जे.एन.पी. रेड्डी सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आन्ध्रा विश्वविद्यालय ललिथा नगर कालोनी, काकिनाडा (ए.पी.)
16.	प्रो.सुखपाल सिंह कुलपति हिदायत्तुल्ला नेशनल लॉ विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
17.	प्रो. शिव कुमार पाण्डेय कुलपति पं. रवि शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)
18.	प्रो.बी.बी. सहाय डायरेक्टर, आईआईएम रायपुर (छ.ग.)
19.	डॉ. उमा सी. बैद्य कुलपति कवि कुलगुरु कालीदास संस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक

स.क्र.	नाम
20.	डॉ. अरुण त्रायम्बक दाबके पूर्व कुलपति आयुष एण्ड स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)
21.	डॉ. ए.आर. चंद्राकर कुलपति पं. सुंदर लाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)
22.	प्रो. नितिन एम. नागरकर डायरेक्टर ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस रायपुर (छ.ग.)
23.	श्री मुकु सत्यावनथुडू अधिवक्ता, 118, जे. प्रकाश स्ट्रीट, तिरुपति (ए.पी.)
24.	श्री मुथान्गी सुब्रामण्यम वरिष्ठ प्रोफेसर एण्ड चेयरमेन डिपार्टमेंट ऑफ लाईफ साइंस बैंगलोर विश्वविद्यालय, बैंगलोर
25.	प्रो. विश्वजीत पटनायक डायरेक्टर, एशियन स्कूल ऑफ बिजिनेस मेनेजमेंट भूवनेश्वर (उड़िसा) एण्ड पूर्व प्रोफेसर, आई.आई.एम. इंदौर (म.प्र.)
26.	श्रीमती फूलबासन बाई यादव सामाजिक कार्यकर्ता एवं सोशल इंटरप्रिन्योर छत्तीसगढ़ में 200, 000 सशक्त महिलाओ का नेतृत्व एवं स्वसहायता समूह
27.	डॉ. ए.के. शुक्ला प्राचार्य, शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
28.	प्रो. अनिल के. भौमिक डायरेक्टर, आई.आई.टी, पटना (बिहार)
29.	प्रो. मिलन के. सन्याल डायरेक्टर साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स कोलकाता (पं.ब.)
30.	डॉ. एम.के. मिश्रा कुलपति बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी मेसरा, रॉची (झारखण्ड)

स.क्र.	नाम
31.	जस्टीस फखरुद्दीन (सेवानिवृत्त) छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट बिलासपुर (छ.ग.)

(ब) कार्यपरिषद्

गुरूघासीदास विश्वविद्यालय की द्वितीय कार्य परिषद का गठन केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 21(2) के अन्तर्गत किया गया है। द्वितीय कार्य परिषद की संरचना निम्नानुसार है।

क्र	नाम	पदनाम
1	डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी, कुलपति गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	**पदेन अध्यक्ष**
2	डॉ एम. एस. के. खोखर सम–कुलपति गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	**पदेन सदस्य**
3	सचिव उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	**पदेन सदस्य**
4	अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली – 110002	**पदेन सदस्य**
5	मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर (छ.ग.)	**पदेन सदस्य**
6	प्रो0 एस.एस. सिंह अधिष्ठाता अध्ययनशाला–प्राकृतिक संसाधन आचार्य एवं विभागाध्यक्ष–वानिकी विभाग गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	**सदस्य**
7	प्रो0 शैलेन्द्र कुमार अधिष्ठाता अध्ययनशाला– अभियां. एवं तकनीकी आचार्य एवं विभागाध्यक्ष– सिविल इंजि. विभाग गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	**सदस्य**
8	प्रो0 वी.डी. रंगारी आचार्य– फार्मेसी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	**सदस्य**
9	डॉ0 मनीष श्रीवास्तव सह–आचार्य–अंग्रेजी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	**सदस्य**

क्र	नाम	पदनाम
10	डॉ0 (श्रीमती) सीमा राय सहायक प्राध्यापक, प्राणीशास्त्र विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	**सदस्य**
11	प्रो0 (डॉ0) प्रदीप माथुर निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी आईआईटी–डीएवीवी कैम्पस, खण्डवा रोड, इंदौर (म.प्र.) 452017	**सदस्य**
12	प्रो0 जी.के. मेहता अपार्टमेंट नं.–4–9/2 विसप्रिंग ग्रीन अपार्टमेंट, सपना घर सोसाईटी, प्लॉट नं.–6बी, सेक्टर– 11, द्वारिका– नई दिल्ली–110075	**सदस्य**
13	श्री आशीष सिंह ठाकुर बलराम टाकिज कैम्पस, नेहरू नगर, बिलासपुर (छ.ग.)	**सदस्य**
14	प्रो. एस. वी. सुधाकर आचार्य, 48–7–29/14, रामा टाकिज के निकट, श्रीनगर, विशाखापट्टनम (आन्ध्र प्रदेश) – 530016	**सदस्य**
15	कुलसचिव सचिव, कार्यकारी परिषद गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	**सदस्य सचिव**

(स) विद्यापरिषद्

गुरूघासीदास विश्वविद्यालय की द्वितीय विद्या परिषद का गठन केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 22(2) के अन्तर्गत किया गया है। द्वितीय विद्या परिषद की संरचना निम्नानुसार है।

क्र.	**नाम**	**पदनाम**
1.	डॉ0 लक्ष्मण चतुर्वेदी कुलपति, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	पदेन अध्यक्ष
2.	डॉ0 एम.एस.के. खोखर आचार्य, ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य

क्र.	नाम	पदनाम
3.	प्रो0 ए.के. सक्सेना अधिष्ठाता अध्ययनशाला–मेथेमेटिकल एण्ड कम्प्यूटेशनल आचार्य एवं विभागाध्यक्ष–संगणक विज्ञान गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
4.	प्रो0 एस.एस. सिंह अधिष्ठाता अध्ययनशाला–प्राकृतिक संसाधन आचार्य एवं विभागाध्यक्ष–वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
5.	डॉ0 अनुपमा सक्सेना सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
6.	प्रो0 बी.एन. तिवारी, आचार्य, बायोटेक्नालॉजी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
7.	प्रो0 पी.के. बाजपेयी आचार्य एवं विभागाध्यक्ष शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
8.	डॉ0 मनीष कुमार श्रीवास्तव अधिष्ठाता, विधि अध्ययनशाला, आचार्य एव अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
9.	प्रो0 शैलेन्द्र कुमार अधिष्ठाता अध्ययनशाला– इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष– सिविल इंजीनियरिंग गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
10.	डॉ0 ए. रामाकृष्णा सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
11.	डॉ0 ए.एस. रणदिवे आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, गणित विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
12.	डॉ0 आर.के. मेहता सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य

क्र.	नाम	पदनाम
13.	डॉ0 एल.पी. पटैरिया अधिष्ठाता अध्ययनशाला– प्रबंध एवं वाणिज्य आचार्य एवं विभागाध्यक्ष– प्रबंध अध्ययन गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
14.	डॉ0 प्रदीप शुक्ला आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
15.	डॉ0 वी.एस. राठौड़ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
16.	डॉ0 जे.एस. दांगी आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, फार्मेसी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
17.	डॉ0 मनीषा दुबे सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
18.	डॉ0 सी.एस. वझलवार सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
19.	डॉ0 जी.के. पात्रा अधिष्ठाता अध्ययनशाला–फिजिकल साईंस आचार्य एवं विभागाध्यक्ष–रसायन, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
20.	डॉ0 एस.पी0. सिंह आचार्य गणित विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
21.	डॉ0 हरीश कुमार आचार्य, प्रबंध अध्ययन विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
22.	डॉ0 वी.डी. रंगारी आचार्य, फार्मेसी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
23.	डॉ0 भारती अहिरवार सह–आचार्य, फार्मेसी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
24.	डॉ0 बी.डी. मिश्रा सह–आचार्य, प्रबंध अध्ययन विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य

क्र.	नाम	पदनाम
25.	डॉ0 रेणु भट्ठ सह–आचार्य, बायोटेक्नालॉजी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
26.	डॉ. एम. सी. राव उपाचार्य, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	
27.	डॉ0 मनीष श्रीवास्तव सहायक प्राध्यापक, कम्प्यूटर साईंस एण्ड इंजी. विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
28.	डॉ0 घनश्याम दुबे सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
29.	डॉ0 देवेन्द्र कुमार पटेल सहायक प्राध्यापक, ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
30.	डॉ0 प्रवेश दलेई सहायक प्राध्यापक, विधि विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
31.	डॉ0 यू.एन. सिंह ग्रंथपाल, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
32.	कुलानुशासक गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
33.	अधिष्ठाता छात्रकल्याण गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
34.	प्रो0 ए.के. भटनागर वनस्पति विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
35.	प्रो0 एस.सी. पंचाली एमेरिटस प्रोफेसर, रिटायर्ड प्रोफेसर ऑफ फिजिक्स दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, आईयूएसी, अरूणा आसफ़ अली मार्ग, नई दिल्ली	सदस्य
36.	प्रो0 के.एस. मिश्रा शिक्षा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य

क्र.	नाम	पदनाम
37.	प्रो0 एम.पी. दुबे राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ.प्र.)	सदस्य
38.	प्रो0 के.एस. रेड्डी सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, खडगपुर	सदस्य
39.	डॉ0 प्रतिभा जे. मिश्रा अधिष्ठाता अध्ययनशाला– समाज विज्ञान आचार्य एवं विभागाध्यक्ष–समाज कार्य, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
40.	डॉ0 एस.के. चतुर्वेदी आचार्य एवं विभागाध्यक्ष वनस्पति विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
41.	डॉ0 प्रदिप्ता किशोर दास आचार्य एवं अध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	
42.	डॉ0 रश्मि अग्रवाल उपाचार्य वानिकी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
43.	डॉ0 भास्कर मुखर्जी उपाचार्य एवं अध्यक्ष, ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
44.	डॉ0 राजेश भूषण उपाचार्य एवं अध्यक्ष, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
45.	डॉ0 एम. के. सिंह आचार्य एवं अध्यक्ष, औद्योगिकी एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
46.	डॉ0 मोनिका भदौरिया सहायक प्राध्यापक, प्राणीशास्त्र विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
47.	डॉ0 इन्द्र देव तिवारी आचार्य, अंग्रेजी विभाग गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य

(द) वित्त समिति

क्र	नाम	पदनाम
1	डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी, कुलपति	अध्यक्ष
2	डॉ0 एस. एस. के. खोखर सम–कुलपति, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
3	संयुक्त–सचिव एवं वित्त सलाहकार मानव संसाधन एंव विकास मंत्रालय के वित्त ब्यूरो द्वारा नामित	सदस्य
4	मानव संसाधन एंव विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव (CU &L) या मानव संसाधन एंव विकास मंत्रालय द्वारा नामित संयुक्त सचिव भारत सरकार द्वारा नामित संयुक्त सचिव के श्रेणी से निम्न नही होना चाहिए	सदस्य
5	संयुक्त–सचिव (CU), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष द्वारा नामित संयुक्त सचिव	सदस्य
6	डॉ. आर पी दास विभागाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन विभाग, पं0 रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)	सदस्य
7	प्रो0 एस.एस. सिंह अधिष्ठाता अध्ययनशाला–प्राकृतिक संसाधन आचार्य एवं विभागाध्यक्ष–वानिकी विभाग गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
8	श्री हरिष केडिया अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ लघु एवं सहायक उद्योग संध	सदस्य
9	श्री आर.के. सोनी वित्ताधिकारी (प्रभारी) गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सचिव

(इ) भवन समिति

क्र	नाम	पदनाम
1	डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी, कुलपति, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	अध्यक्ष
2	प्रो. एम.एस.के. खोखर, सम–कुलपति, गु.घा.वि.वि. बिलासपुर	सदस्य
3	डॉ0 इन्द्र देव तिवारी, कुलसचिव (कार्यवाहक), गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य / सचिव

क्र	नाम	पदनाम
4	श्री आर.के. सोनी, वित्ताधिकारी गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
5	CPWD के सदस्य प्रतिनिधि कार्यकारी अभियांत्रिकी के पद से नीचे होना चाहिए।	सदस्य
6	छ.ग. लोक निर्माण विभाग के सदस्य प्रतिनिधि कार्यकारी अभियांत्रिकी के पद से नीचे होना चाहिए।	सदस्य
7	प्रो0 वीरेन्द्र कुमार, अध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, काशी हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश	कार्यपरिषद द्वारा नामित सदस्य
8	श्री एस.सी. खण्डेलवाल, पूर्व कार्यपालन अभियंता, लोकनिर्माण विभाग, बिलासपुर, छत्तीसगढ़	कार्यपरिषद द्वारा नामित सदस्य
9	प्रो. एस.एस सिंह, विभागाध्यक्ष, वानिकी, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	कुलपति द्वारा नामित सदस्य
10	प्रो. एस.एल. स्वामी, निदेशक, अकादमिक स्टॉफ कॉलेज, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	कुलपति द्वारा नामित सदस्य
11	प्रो. शैलेन्द्र कुमार, निदेशक, प्रौद्योगिकी संस्थान, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
12	डॉ0 वी0 एस0 राठौड़ आचार्य एवं अध्यक्ष, शारीरिक शिक्षण विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
13	श्रीमती अनिता खन्ना, प्रभारी विद्युत अभियांत्रिकी , गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य
14	श्री एम. ए. हुसैन, विश्वविद्यालय अभियंता गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य

परिशिष्ट- 2

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

अ. अध्ययनशाला के अधिष्ठाता (01.04.2013 से 31.03.2014 तक)

Ø-	vè;;u'kkyk	vfèk"Bkrk	dc ls
1	कला संकाय	प्रो. वी. एस. राठौर	24.05.2010
2	प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी	प्रो. शैलेन्द्र कुमार	03.05.2012
3	विधि	प्रो. मनीष श्रीवास्तव	24.04.2010
4	जीव विज्ञान	प्रो. एम. के. चतुर्वेदी	
5	प्रबंध एवं वाणिज्य	प्रो.एल.पी. पटेरिया	05.12.2014
6	गणितीय एवं संगणक विज्ञान	प्रो. ए.के. सक्सेना	15.09.2012
7	प्राकृतिक संसाधन	प्रो. एस.एस. सिंह	15.09.2012
8	भौतिकी विज्ञान	प्रो. गौतम कुमार पात्र	05.12.2012
9	समाज विज्ञान	प्रो. प्रतिभा जे. मिश्रा	24.11.2012

ब. विश्वविद्यालय के अधिकारी

Ø-	inuke	uke
1.	कुलाधिपति	प्रो. एन.आर. माधव मेनन
2.	कुलपति	डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी
3.	सम– कुलपति	प्रो. एम. एस. के. खोखर
4.	कुलसचिव	रिक्त डॉ. आई. डी. तिवारी (कार्यवाहक)
5.	वित्ताधिकारी	रिक्त श्री आर.के. सोनी (कार्यवाहक)
6.	परीक्षा नियंत्रक	रिक्त प्रो. ए.एस. रणदिवे (कार्यवाहक)
7.	ग्रंथपाल	डॉ. यू.एन. सिंह

स. विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी

Ø-	inuke	uke
1.	अधिष्ठाता, छात्रकल्याण	प्रो. एस.वी.एस. चौहान
2.	मुख्य कुलानुशासक	प्रो. प्रदीप शुक्ला
3.	उपकुलसचिव	श्री हरि नारायण चौबे
4.	उपकुलसचिव (प्रशासन) एवं वित्ताधिकारी (प्रभारी)	श्री रवीन्द्र कुमार सोनी
5.	उपकुलसचिव (परीक्षा एवं आईटी)	डॉ. सम्पूर्णानन्द झा
6.	उपकुलसचिव (अकादमिक एवं विकास)	श्री सूरज मेहर
7.	सहायक कुलसचिव (वित्त)	श्री संतोष कुमार त्रिपाठी
8.	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)	श्री अभिदीप तिवारी
9.	सहायक कुलसचिव (भण्डार)	श्री टिकेन्द्र प्रकाश सिंह
10.	सहायक कुलसचिव (कुलपति सचिवालय)	श्री सुधाकर लोनारे
11.	सहायक कुलसचिव (गोवनीय एवं कुलसचिव कार्यालय)	श्रीयुत श्रीकान्त करडेकर

परिशिष्ट - 3

विश्वविद्यालय के शिक्षकगण

(31.03.2014 की स्थिति में)

1. कला अध्ययनशाला

- vkXy ,o fon'kh Hkk"kk foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ. अनुराग चौहान	सहायक प्राध्यापक	कैनेडियन फिक्शन, ब्रिटिश लिट्रेचर
2	डॉ. अर्चना कुमारी	सहायक प्राध्यापक	लिंग्विस्टिक्स
3	डॉ. चित्तरंजन कर	आमंत्रित आचार्य	लिग्विस्टिक्स एण्ड इ एल टी
4	प्रो. आई.डी. तिवारी	आचार्य	इंडियन लिटरेचर इन इंग्लिश
5	डॉ. मनीष श्रीवास्तव	आचार्य एवं अध्यक्ष	ब्रिटिश फिक्शन
6	डॉ. प्रसेनजीत पण्डा	सहायक प्राध्यापक	लिटररी थियरीज
7	डॉ. शबाना यास्मिन खान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
8	श्री आशुतोष सिंह	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
9	सुश्री प्रतिभा सोम कुंवर	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
10	श्री अभय रंजन	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

- fgUnh foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ राजेश मिश्र	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	कथा, आलोचना और संत काव्य
2	डॉ. सत्या सोनी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
3	प्रो. वंदना तिवारी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	कथा साहित्य
4	श्री मुरली मनोहर सिंह	सहायक प्राध्यापक	हिन्दी साहित्य का इतिहास, काव्य शास्त्र
5	डॉ. रमेश कुमार गोहे	सहायक प्राध्यापक	हिन्दी आलोचना
6	डॉ. सुरेश कुमार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
7	श्री निलेश कुमार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	प्रगतिवाद समय और साहित्य
8	श्रीमती हेमपुष्पा नायक	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

- **पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग**

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ. गोपा बागची	उपाचार्य (निलंबित)	–
2	डॉ. गोपा बागची	उपाचार्य (निलंबित)	–
3	श्री गुरुसरन लाल	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, कम्यूनिकेशन थियरी
4	श्रीमति अमिता	सहायक प्राध्यापक	

5	श्री सुधीर कुमार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
6	श्री विनय भूषण	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
7	श्री राम अवतार यादव	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
	सुश्री पूर्णिमा उरॉव	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

- xzFkky; ,oa lwpuk foKku foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ भास्कर मुखर्जी	विभागाध्यक्ष एव उपाचार्य	
2	अश्विनी कुमार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	एप्लीकेशन ऑफ आई.सी.टी. लाइब्रेरीज, एडवांस मैनेजमेंट इन लाइब्रेरीज
3	डॉ. बृजेश तिवारी	उपाचार्य	रिसर्च मेथड्स, नॉलेज आर्गनाइजेशन
4	जितेन्द्र कुमार गौतम	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	इम्फार्मेशन रिट्राइवल एण्ड इनफार्मेशन प्रोसेसिंग
5	रूशमानसब आर गौरीकर	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
6	सुश्री जयश्री मंडल	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

- 'kkjhfjd f'k{k.k ,oa [ksydwn foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ. अरविंद बहादुर सिंह	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स, बॉलीवॉल
2	श्री भोजराम रावटे	सहायक प्राध्यापक	स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, कबड्डी
3	डॉ जसवंत सिंह ठाकुर	सहायक अध्यापक (तदर्थ)	एक्सरसाइज फिजियोलॉजी कबड्डी
4	डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी, बॉस्केटबॉल
5	डॉ. महेश सिंह धपोला	सहायक प्राध्यापक	रिसर्च मेथडोलॉजी, क्रिकेट
6	सुश्री शालिनी मेनन	सहायक प्राध्यापक	एक्सरसाइज सायकोलॉजी एण्ड बैडमिंटन
7	डॉ. संजीत सरदार	उपाचार्य	मेजरमेंट एण्ड इवैल्यूएशन, फुटबाल
8	प्रो. विशन सिंह राठौड़	अध्यक्ष एवं निदेशक	स्पोर्ट्स मेडिसीन, वॉलीबाल
9	डॉ. रत्नेश सिंह	उपाचार्य	
10	श्री तिलकराज मीणा	सहायक अध्यापक (तदर्थ)	

2. प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी अध्ययनशाला

- jlk;u vfHk;kaf=dh foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	श्री अमित जैन	सहायक प्राध्यापक	थर्मल
2	डॉ. अनिल चंद्राकर	सहायक प्राध्यापक	कैटालिसिस

3	श्रीमती अनुराधा नेनवार जोशी	सहायक प्राध्यापक	इन्वायरमेंटल मैनेजमेंट
4	श्री गौतम प्रसाद देवांगन	सहायक प्राध्यापक	कम्प्यूटर एडेड प्रॉसेस एण्ड इक्विपमेंट डिजाइन
5	श्री नीरज चंद्राकर	सहायक प्राध्यापक	केमिकल प्रॉसेस डिजाइन
6	डॉ. राघवेंद्र सिंह ठाकुर	सहायक प्राध्यापक	एडजॉर्प्शन
7	श्री सौरभ मेश्राम	सहायक प्राध्यापक	केमिकल प्रॉसेस डिजाइन
8	प्रो. एस.एन. साहा	आचार्य (निलंबन)	फ्लूइडाजेशन इंजीनियरिंग
9	श्री विष्णु प्रसाद यादव	सहायक प्राध्यापक	केटेलिसिस
10	श्रीमती विभा वर्मा देशमुख	सहायक अध्यापक (तदर्थ)	

- flfoy vfHk;kf=dh foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	श्री आशीष कुमार पराशर	सहायक प्राध्यापक	वाटर रिसोर्सेज इंजीनियरिंग
2	डॉ. एम चक्रधर राव	सह आचार्य	स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग
3	श्री निखिल कुमार वर्मा	सहायक प्राध्यापक	कंस्ट्रक्शन प्लानिंग एण्ड मैनेजमेंट
4	श्री राजेन्द्र कुमार चौबे	सहायक प्राध्यापक	इन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग
5	प्रो. शैलेंद्र कुमार	आचार्य एवं अध्यक्ष	स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग
6	डॉ. वी वी एस के दाडी	सहायक प्राध्यापक	स्ट्रक्चरल डायनॉमिक्स इंजीनियंरिंग
7	श्री बहुगुना दलाई	सहायक अध्यापक (तदर्थ)	

- lx.kd foKku ,o vfHk;kf=dh foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	श्री अमित सिंह बघेल	सहायक प्राध्यापक	मोबाइल एड–हॉक नेटवर्क
2	श्री देवेन्द्र कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक	कम्प्यूटर सिक्यूरिटी,
3	डॉ. मनीष श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष	नेटवर्क सिक्युरिटी
4	श्री मंजीत जायसवाल	सहायक प्राध्यापक	पैरलल कम्प्यूटिंग
5	श्री निशांत बेहार	सहायक प्राध्यापक	नेटवर्क सिक्युरिटी, डिजिटल एविडेंस
6	सुश्री निशी यादव	सहायक प्राध्यापक	मोबाइल एड–हॉक नेटवर्क
7	श्री पुष्पेंद कुमार चंद्र	सहायक प्राध्यापक	ऑप्टिकल नेटवर्क
8	सुश्री रक्षा शर्मा	सहायक प्राध्यापक	ग्रीड कम्प्यूटिंग
9	श्री सतीश कुमार नेगी	सहायक प्राध्यापक	वेहीकुलर एड हॉक नेटवर्क
10	श्री वैभव कांत सिंह	सहायक प्राध्यापक	डाटामाइनिंग

- byDVkfuDl ,o lpkj vfHk;kf=dh foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	श्री अभिषेक अवस्थी	सहायक प्राध्यापक	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन
2	श्रीमती ब्युला नाथ	सहायक प्राध्यापक	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन
3	श्रीमती भावना शुक्ला	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष	कम्यूनिकेशन
4	श्री दीपक राठौर	सहायक प्राध्यापक	कम्यूनिकेशन
5	श्री निपुन मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	कम्यूनिकेशन
6	सुश्री प्रगति पथारिया	सहायक प्राध्यापक	ऑप्टो–इलेक्ट्रॉनिक्स
7	सुश्री प्रवीणा राजपूत	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	कम्यूनिकेशन
8	श्री पी.एस. श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक	माइक्रोवेव कम्यूनिकेशन
9	श्री एस.के. पटेल	सहायक प्राध्यापक	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलीकॉम इंजीनियरिंग
10	डॉ. सोमा दास	सहायक प्राध्यापक	मैटेरियल्स, थिन फिल्म म्ल्टीफेरोइक्स, एक्सपेरिमेंटल फिजिक्स
11	श्री सुशील कुमार दूबे	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

- vk|kfxd ,o mRiknu vfHk;kf=dh foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	श्रीमती अर्पिता रायचौधरी	सहायक प्राध्यापक (शोध हेतु अध्ययन अवकाश पर)	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग
2	अतुल साहु	सहायक प्राध्यापक	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग
3	सी पी देवांगन	उपाचार्य एवं अध्यक्ष	इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग एण्ड मैंनेजमेंट
4	गणेश प्रसाद शुक्ला	सहायक प्राध्यापक	इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट
5	कोट्टाला श्रीयोगी	सहायक प्राध्यापक	इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट
6	डॉ. मुकेश कुमार सिंह	आचार्य	सीएडी/सीएएम/रोबोटिक्स
7	सुश्री दिशा देवांगन	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
8	श्री लीलाधर राजपूत	सहायक प्राध्यापक	
9	श्री नितिन कुमार साहू	सहायक प्राध्यापक	
10	सुश्री पूनम दीवान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

- lpuk ik|kfxdh foHkkx

Ø	uke	in	fo'k"kKrk
1	श्री अभिषेक जैन	सहायक प्राध्यापक	जीआईएस
2	श्री अग्निवेश पाण्डे	सहायक प्राध्यापक	इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी
3	सुश्री आकांक्षा गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	मोबाइल एड–हॉक नेटवर्क
4	डॉ. अमित खासकलम	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष	एम्बेडेड सिस्टम एण्ड मटेरियल साइंस, डाटा माइनिंग

5	श्री आनंद प्रकाश रावल	सहायक प्राध्यापक	इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी
6	श्री दीपककांत नेताम	सहायक प्राध्यापक	क्रिप्टोग्राफी
7	श्री पंकज चंद्रा	सहायक प्राध्यापक	वायरलेस सेंसर नेटवर्क
8	श्री राजेश माहुले	सहायक प्राध्यापक (अवकाश अध्ययन)	डाटा माइनिंग
9	श्री संतोष सोनी	सहायक प्राध्यापक	डब्ल्यू एस एन
10	श्री सुहेल अहमद	सहायक प्राध्यापक	इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी

- ; kf=dh vfHk;kf=dh foHkkx

क्र	नाम	पद	विशेषज्ञता
1	श्रीमती जसनिता पूनम एक्का	सहायक प्राध्यापक	एनर्जी इजीनियरिंग
2	प्रशांत जांगड़े	सहायक प्राध्यापक	थर्मल इंजीनियरिंग
3	श्री शैलेन्द्र सिंह	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष	मशीन डिजाइनिंग
4	सुश्री श्वेता सिंह	सहायक प्राध्यापक	मैनुफैक्चरिंग
5	डॉ. राजेश कुमार भूषण	उपाचार्य एवं अध्यक्ष	
6	श्री निर्विकार गौतम	सहायक प्राध्यापक, तदर्थ	
7	श्री शम्भु प्रसाद शुक्ला	सहायक प्राध्यापक, तदर्थ	
8	श्री रमेश कुमार सोनकर	सहायक प्राध्यापक, तदर्थ	
9	श्री गौरी शंकर खांडे	सहायक प्राध्यापक, तदर्थ	
10	श्री अजय सिंह	सहायक प्राध्यापक, तदर्थ	
11	श्री अमित अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक, तदर्थ	

3. विधि अध्ययनशाला

- fofèk foHkkx

Ø	uke	in	fo'k"kKrk
1	श्री प्रवेश दलई	सहायक प्राध्यापक एवं अध्यक्ष	बिजनेस लॉ
2	श्री समन नारायण उपाध्याय	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	
3	श्रीमती एम. वी. राजकुमारी	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	
4	सुश्री निक्की जायसवाल	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	

4. जीव विज्ञान अध्ययनशाला

- ekuo foKku ,o vkfnoklh fodkl foHkkx

Ø	uke	in	fo'k"kKrk
1	श्री बलराम उरांव	सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी)	सोशल एन्थ्रोपोलॉजी
2	श्री सुबल दास	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	फिजिकल /बॉयोलॉजिकल एंथ्रोपोलॉजी

3	डॉ. प्रदिप्ता किशोर दास	आचार्य	
4	डॉ. नीलकण्ठ पाणिग्राही	उपाचार्य	
5	डॉ. के. भारती	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	
6	डॉ. हुइद्रोम सूरज सिंह	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	

- t'o ik|kfxdh foHkkx

Ø	uke	in	fo'k"kKrk
1	सुश्री अलका एक्का	सहायक प्राध्यापक	माइक्रोबायालॉजी
2	प्रो. बी.एन. तिवारी	आचार्य एवं अध्यक्ष	माइक्रोबियल बायोटेक
3	डॉ. डी.के. परिहार	सहायक प्राध्यापक	माइक्रोबियल एंजाइम एण्ड फरमेंटेशन टेक्नालॉजी
4	डॉ. हरित झा	सहायक प्राध्यापक	बायोकेमेस्ट्री, माइक्रोबियल बायोटेक
5	प्रो. के.एल. तिवारी	आचार्य	एयरोबॉयोलॉजी एण्ड इन्वायरमेंटल बायोटेक्नालॉजी
6	डॉ. रेनु भटट्	सह आचार्य	नैनोटेक्नालॉजी एण्ड कैंसर
7	डॉ. प्रदीप कुमार नायक	उपाचार्य	
8	डॉ. धनंजय शुक्ला	सहायक प्राध्यापक	
9	डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा	सहायक प्राध्यापक	
10	डॉ. मुनीद्रा रूवाली	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	
11	डॉ. अभिषेक सिंह	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	
12	सुश्री कृपालता	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	
13	डॉ. सुनील कुमार सेनापति	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	

- ouLifr'kkL= foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ. अश्विनी कुमार दीक्षित	सह आचार्य	फॉर्माकोग्नॉजी बायो नैनोटेक्नालॉजी एण्ड मेडिकल बॉटनी
2	प्रो0 एस.के. चतुर्वेदी	आचार्य एवं अध्यक्ष, अधिष्ठाता, जीवविज्ञान अध्ययनशाला	प्लांट रिप्रोंडक्टिव बॉयोलॉजी, पालीनोलॉजी, प्लांट डावर्सिटी, फ्लोरल मार्फोलॉजी एण्ड एथनोबॉटनी
3	डॉ. सुधीर कुमार पाण्डे	सहायक प्राध्यापक	इन्वायमेंटल केमिस्ट्री एण्ड पाल्यूशन इकोलॉजी
4	डॉ. एस.के.प्रजापति	सहायक प्राध्यापक	एयर पाल्यूशन एण्ड स्ट्रेस इकोलॉजी
5	डॉ. सत्यशिला सिंह	सहायक प्राध्यापक	स्ट्रेस बायोलॉजी एण्ड मालिक्यूलर माइक्रोबायोलॉजी
6	डॉ. एम. सिंह	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	प्लांट पैथोलॉजी
7	डॉ. आर.के. द्विवेदी	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	साइकोलॉजी, एल्गल सिस्टमेटिक्स एण्ड कल्चर टेक्नीक्स
8	डॉ. सुशील कुमार शाही	उपाचार्य	
9	डॉ. विभयनाथ त्रिपाठी	सहायक प्राध्यापक	
10	श्री महीप कुमार	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	

- U;k;kyf;d foKku foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ. एम.पी गौतम	आचार्य	फोरेंसिक केमेस्ट्री, फोरेंसिक टॉक्सिकोलॉजी, क्राइम सीन इन्विस्टिगेशन
2	कु. आकांक्षा रस्तोगी	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	
3	श्री आई. अर्जुन राव	सहायक प्राध्यापक(तदर्थ)	

- ikf.kfoKku foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ. धीरज कुमार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	इनसेक्ट बॉयोलॉजी एण्ड इंटोमोलॉजी
2	डॉ. ईश्वर बेधारू	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	काग्निटिव न्यूरोसाइंस एण्ड बॉयोकेमेस्ट्री
3	डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	इम्यूनो–इण्डोक्रोनोलॉजी एण्ड फिश बायोलॉजी
4	डॉ. मोनिका भदौरिया	सह–आचार्य	टॉक्सीकोलॉजी एण्ड फार्माकोग्नोलाजी, टेक्नोलाजी
5	डॉ. संतोष सिंह	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	बॉयोकेमेस्ट्री माल्यूक्यूलर बॉयोलाजी एण्ड फिश बायोलॉजी
6.	डॉ. सीमा राय	सह–आचार्य	पिनियल –मेलाटोनिनफिजियोलॉजी, न्यूरो इण्डोक्रोनोलॉजी एण्ड इम्यूनोलॉजी
7.	डॉ. सुशांत कुमार वर्मा	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	फिश बायोलॉजी एण्ड बायोडायवर्सिटी

5. प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला

- **वाणिज्य विभाग**

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	अभिन्न श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	मार्केटिंग
2	श्री अमित मंगलानी	सहायक प्राध्यापक	फाइनांस
3	डॉ. ए.आर. कृष्णा	उपाचार्य एवं अध्यक्ष	मार्केटिंग एवं फाइनेंस
4	श्री बुद्धेश्वर प्रसाद सिंगरौल	सहायक प्राध्यापक	एकाउंटिंग एण्ड फाइनांस
5	सुश्री रेनू	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	फाइनेंस
6	डॉ. शिशिर पांडे	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	फाइनेंस
7	श्री विनीत सिंह	सहायक प्राध्यापक	मार्केटिंग
8	श्री ज्ञान रंजन बल	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
9	श्री अर्जुन अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
10	श्री नीलमणि त्रिपाठी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
11	श्री हरिश खंडेलवाल	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
12	श्री अरुन वैद्यक	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
13	श्री जमालुद्दीन	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

■ प्रबंध अध्ययन विभाग

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ. बांबी बी. पाण्डेय	सहायक प्राध्यापक	बिजनेस इकोनामिक्स, मार्केटिंग मैनेजमेंट
2	डॉ. बी.डी. मिश्रा	उपाचार्य	फाइनेंशियल मैनेजमेंट, बिजनेस पॉलिसी, स्ट्रेजिक्स मैनेजमेंट
3	प्रो. हरीश कुमार	आचार्य	ह्यूमन रिर्सोस मैनेजमेंट, आर्गेनाइजेशनल बिहेवियर
4	प्रो. एल.पी. पटैरिया	आचार्य एवं अध्यक्ष	क्वान्टिटेटिव टेक्नीक्स एण्ड आपरेशन रिसर्च, मार्केटिंग ओ.आर. क्यूटी मैनेजमेंट, बिजनेस लॉ
5	डॉ. रमेश कुमार चतुर्वेदी	सहायक प्राध्यापक	स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट एण्ड मार्केटिंग मैनेजमेंट
6	प्रो.एस.वी.एस. चौहान	आचार्य	ह्यूमन रिर्सोस मैनेजमेंट, रिसर्च मैथडोलॉजी, आर्गेनाइजेशनल बिहेवियर
7	कु0 शोभना देवांगन	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

6. गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान अध्ययनशाला

■ संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	प्रो. ए.के. सक्सेना	आचार्य एवं अध्यक्ष	साफ्ट कम्प्यूटिंग, डाटा माइनिंग,
2	श्री अमितेश कुमार झा	सहायक प्राध्यापक	डाटा माइनिंग, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज
3	डॉ. बी मांझी	सहायक प्राध्यापक	डाटा माइनिंग, सिग्नल प्रोसेसिंग
4	डॉ. एच.एस होता	सहायक प्राध्यापक	फजीलाजिक, न्यूरल नेटवर्क
5	श्रीमती पुष्पलता पुजारी	सहायक प्राध्यापक	साफ्ट कम्प्यूटिंग क्लासीफिकेशन
6	श्री राजवंत सिंह राव	सहायक प्राध्यापक	टी.ओ.सी., आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स
7	सुश्री सुषमा जायसवाल	सहायक प्राध्यापक	डिजिटल इमेज प्रॉसेसिंग
8	श्री ब्रह्म प्रकाश डाहिया	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
9	श्री हरि शंकर प्रसाद टोंडे	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
10	श्री कौशल भारद्वाज	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
11	श्री शैलेन्द्र कुमार वर्मा	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
12	श्री राकेश कुमार मेश्राम	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
13	श्री सुधांशु कुमार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

- 'k) ,o vuiz;Dr xf.kr foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ. अभय सिंह	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	फिन्सलर जियोमेट्री
2	प्रो. ए.एस रणदिवे	आचार्य एवं अध्यक्ष	मैथमेटिक्स ऑफ फजी सेट
3	डॉ. बी.बी. चतुर्वेदी	सहायक प्राध्यापक	डिफरेंशियल ज्योमेट्री ऑफ मेनीफोल्डस
4	डॉ. डी.एस. सिंह	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	अलजेबरा
5	डॉ. के.एन.वी.वी वी प्रसाद	सहायक प्राध्यापक	नान–लिनियर फक्शनल एनालसिस (फिक्स्ड प्वाइंट थियरी)
6	डॉ. एम.के. गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	फिन्सलर जियोमेट्री
7	डॉ. पी.पी. मूर्ति	उपाचार्य	नान–लिनियर फंक्शनल एनालिसिस (फिक्सड् प्वांइट थियरी)
8	प्रो. एस.पी. सिंह	आचार्य	एप्राक्सिमेशन थियरी
9	डॉ. संदीप सिंह	सहायक प्राध्यापक	
10	श्री चन्द्र प्रकाश धुरी	सहायक प्राध्यापक	
11	श्री लोकेश कुमार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
12	श्री सुरेश कुमार शुक्ला	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
13	श्री सुरेश कुमार चौबे	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
14	सुश्री जूली श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

7. प्राकतिक संसाधन अध्ययनशाला

- okfudh] oU; tho ,o i;kZoj.k foKku foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ. ए. भट्टाचार्य	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	इन्वायरमेंटल साइंस
2	डॉ. भावना दीक्षित	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	फॉरेस्ट पैथोलॉजी
3	डॉ. गरिमा तिवारी	सहायक प्राध्यापक	फॉरेस्ट मैनेजमेंट
4	सुश्री गुंजन पाटिल	सहायक प्राध्यापक	इनवायरमेंटल साइंस
5	डा. के.के. चंद्रा	सह आचार्य	फारेस्ट्री एक्सटेंशन एण्ड एग्रोफॉरेस्ट्री
6	डा. एम.के. दुबे	सहायक प्राध्यापक	वुड साइंस एण्ड टैक्नालॉजी
7	डॉ. प्रबल सरकार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	वाइल्ड लाइफ
8	डॉ. रश्मि अग्रवाल	सह आचार्य	फॉरेस्ट पैथोलॉजी एण्ड रीस्टोरेशन इकोलॉजी
9	डॉ. एस.सी. तिवारी	सह आचार्य	स्वायल साइंस एण्ड एथिनोफॉरेस्ट्री
10	डॉ. एस.एस धुरिया	सह आचार्य	ट्री इम्प्रूवमेंट एण्ड बायोसिस्टमेटिक्स
11	डॉ सुषमा	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	सिल्विकल्चर
12	प्रो. एस.एस सिंह	आचार्य एवं अध्यक्ष	फॉरेस्ट ट्रीज इम्प्रूवमेंट एण्ड ट्री म्यूटोजेनेसिस
13	डॉ. एम. उमा देवी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

- एसएलटी भेषजिक विज्ञान विभाग

क्र.	नाम	पद	विशेषज्ञता
1	डॉ. ए. जैन	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
2	डॉ. श्रीमती अल्पना राम	उपाचार्य	फार्मास्युटिक्स
3	डॉ. अर्जुन पात्रा	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोगोनॉजी
4	डॉ. श्रीमती भारती अहिरवार	सह आचार्य	फार्माकोगोनॉजी
8	डॉ. दिलीप पॉल	सह आचार्य	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
9	डॉ. डी.के. मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
7	डॉ. हरीश रजक	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
8	प्रो. जे.एस दांगी	आचार्य एवं अध्यक्ष	फार्मास्युटिक्स
9	डॉ. जगदीश सिंह	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
10	श्री के केशवन	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
11	श्री के.पी. मीणा	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
12	डॉ. के.पी. नामदेव	सह आचार्य	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
13	श्री मनोज कुमार	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
14	सुश्री मीनाक्षी जायसवाल	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
15	सुश्री नीलिमा एक्का	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोग्नोलाजी
16	डॉ. एन. एस जैन	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोलॉजी
17	डॉ. पार्थ प्रीतम राय	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
18	श्री प्रदीप सामल	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोलॉजी
19	डॉ. राजेश आर उगाले	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोलॉजी
20	डॉ. रविशंकर पांडे	सहायक प्राध्यापक	फार्मा बायोटेक
21	श्री एस. भारती	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
22	डॉ. एस.एच बोड़खे	सह आचार्य	फार्माकोलॉजी
23	डॉ. एस. जैन	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
24	डॉ सन्मति के. जैन	उपाचार्य एवं अध्यक्ष	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
25	डॉ. एस.के. लांझियाना	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
26	डॉ. सुरेश थरेजा	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
27	डॉ. एस. राय	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
28	श्री वी. मंडल	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोगोनॉजी
29	डॉ. विनोद डी रंगारी	आचार्य	फार्माकोग्नॉजी

- **ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग**

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ. भास्कर चौरसिया	सहायक प्राध्यापक	प्लांट पैथोलॉजी, माइकोवियल बायोटेक्नालॉजी, प्लांट माइक्रोव इंटरैक्शन
2	डॉ. देवेंद्र कुमार पटेल	सहायक प्राध्यापक	प्लांट इकोलॉजी
3	प्रो. एम.एस.के. खोखर	आचार्य	ल्यूमिनिसेंस
4	डॉ. एन सी अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	लिमनोलॉजी इंटोमोलॉजी
5	डॉ. पुष्पराज सिंह	सहायक प्राध्यापक	एग्रीकल्चर एक्सटेंशन
6	डॉ. राजेन्द्र मेहता	उपाचार्य एवं अध्यक्ष	माइक्रोबॉयल बायोटेक्नालॉजी एण्ड मेडिसिनल प्लांट
7	डॉ. एस. के निराला	सहायक प्राध्यापक	अप्लायड टॉक्सिकोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजी
8	डॉ. अल्का मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	
9	श्री दिलीप कुमार	सहायक प्राध्यापक	
10	डॉ. अजय सिंह	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

8. भौतिकी विज्ञान अध्ययनशाला

- jlk;u'kkL= foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ आरती श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक	फिजिकल केमिस्ट्री एण्ड पॉलिमर केमिस्ट्री
2	प्रो. जी.के पात्रा	आचार्य एवं अध्यक्ष	इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, मेटल ऑर्गेनिक, फ्रेमवर्क, क्रिस्टल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री
3	डॉ. कमलेश श्रीवास	सहायक प्राध्यापक	एनालिटिकल केमिस्ट्री एण्ड नैनोकेमिस्ट्री
4	डॉ. के वी एस रंगनाथ	सहायक प्राध्यापक	आर्गेनिक सिथेसिस, असाइमेट्रिक कैटेलिसिस
5	डॉ. संतोष एस. ठाकुर	सहायक प्राध्यापक	इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, कैटेलिसिस, चिरल केमेस्टील्ड हाइड्रोलिसिस
6	डॉ. सुभाष बनर्जी	सहायक प्राध्यापक	ऑर्गेनिक केमिस्ट्री एण्ड नैनो कैटेलिसिस एण्ड ग्रीन सिंथेसिस
7	डॉ. वी. के रमन	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	ऑर्गेनिक केमिस्ट्री एण्ड अरॉलिगोपेप्टाइड्स
8	डॉ. चारु अरोरा	उपाचार्य	
9	डॉ. सुनील कुमार सिंह	उपाचार्य	
10	डॉ. विजय कुमार राय	सहायक प्राध्यापक	
11	सुश्री मनोरमा	सहायक प्राध्यापक	
12	डॉ. भास्कर शर्मा	सहायक प्राध्यापक	
13	डॉ. श्रद्धा शुक्ला	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
14	सुश्री दिव्या सिंह	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
15	डॉ. पथिक माझी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
16	श्री विकास खांडे	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
17	डॉ. टोनी मोसेस राजन	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
18	डॉ. पंकज पाटीदार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

- 'k) ,o vuqiz;qDr HkkSfrdh foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ. ए.के. गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	एक्सपेंरिमेंट कंडेस्ट मैटर फिजिक्स एण्ड लो टेम्परेचर फिजिक्स
2	डॉ. आशुतोष कुमार शुक्ला	सह–आचार्य	कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स
3	डॉ. सी मलिक	प्रोजेक्ट मैनेजर	न्यूक्लियर रिएक्शन्स, न्यूक्लियर इन्स्ट्रूमेंटशन
4	डॉ. गोवर्धन रेड्डी तुरपु	सहायक प्राध्यापक	एक्सपेरिमेंटल कन्डेन्स्ड मैटर फिजिक्स एण्ड लो टेक्परेचर फिजिक्स
5	डॉ. एच.एस. तिवारी	सह–आचार्य	मैटेरियल साइंस, नैनो साइंस एण्ड टेक्नॉलॉजी
6	डॉ. माधवेन्द्र नाथ त्रिपाठी	सह–आचार्य	कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स/कम्प्यूटेशनल मैटेरियल साइंस
7	श्री पचनीला राम बाबू	सहायक प्राध्यापक	नैनोस्ट्रक्चर्स
8	प्रो. पी.के. बाजपेयी	आचार्य एवं अध्यक्ष	एक्पेरिमेंटल कंडेस्ड मैटर फिजिक्स, मैटेरियल साइंस एण्ड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी
9	डॉ. प्रदीप दास	सहायक प्राध्यापक	ऐक्सपेरीमेण्टल कान्डेन्सेड मैटर फिजिक्स
10	डॉ. आर.पी. प्रजापति	सहायक प्राध्यापक	स्टैबिलिटी, एनालिसिस इन डस्टी प्लाज्मा, क्वांटम प्लाज्मा, स्ट्रांगली कपल्ड एण्ड फ्यूजन थियरी
11	डॉ. शिवपूजन पटेल	सहायक प्राध्यापक	एक्सपेरिमेण्टल मैटेरियल फीजिक्स
12	डॉ सुनील कुमार श्रीवास्तव	सहायक प्राध्यापक	रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, अंटर/इंट्रा मॉलिक्यूलर इंटरैक्शन, सरफेस इन्हैस्ड रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी (एसइआरएस)
13	डॉ. तारकेश्वर त्रिवेदी	सहायक प्राध्यापक	एक्सपेरिमेंटल न्यूक्लियर फीजिक्स इन बीम गामा रे–स्पेक्ट्रोस्कोपी, न्यूक्लियर रिएक्शन, न्यूक्लियर इन्स्ट्रूमेंटेशन
14	डॉ. परिजात ठाकुर	उपाचार्य	
15	डॉ. राकेश पाण्डे	सहायक प्राध्यापक	
16	डॉ. महावीर प्रसाद शर्मा	सहायक प्राध्यापक	
17	डॉ. अमरनाथ सिल	सहायक प्राध्यापक	
18	श्री शैलेश कुमार सुमन	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
19	श्री सत्य प्रकाश त्रिवेदी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
20	डॉ. अरुन कुमार सिंह	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
21	डॉ हर्षा डाहरिया	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
22	श्री विनोद कुमार चौधरी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

9. समाज विज्ञान अध्ययनशाला

- vFk'kkL= foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	श्री दिलीप झा	सहायक प्राध्यापक	मोनेटरी इकोनॉमिक्स, इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स, क्वानटेटीव टेक्नीक्स, बैंकिंग
2	डॉ. मनीषा दुबे	सह–आचार्य एवं अध्यक्ष	पब्लिक फाइनेंस, गांधीयन इकोनॉमिक्स
3	डॉ. नमिता शर्मा	सहायक प्राध्यापक	माइक्रो इकोनॉमिक्स, इडियन इकोनॉमी मनी एण्ड बैंकिंग

4	श्री रवीन्द्र कुमार शर्मा	सहायक प्राध्यापक	क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स, इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक्स, इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स
5	डॉ. सिराफिनस किस्पोट्टा	सहायक प्राध्यापक	माइक्रो इकोनॉमिक्स, स्टेट्स्टिक, डेमोग्राफी, इंडस्ट्रीयल इकोनॉमिक्स
6	श्री ठाकुर राम रात्रे	सहायक प्राध्यापक	पब्लिक फाइनेंस, माइक्रोइकोनॉमिक्स, इकोनॉमिक डेवलपमेंट एण्ड प्लांनिंग

- f'k{kk'kkL= foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ. सी.एस. वझलवार	सह–आचार्य एवं अध्यक्ष	एडमिनिस्ट्रेशन सुपरविजन एण्ड मैनेजमेंट एजुकेशनल साइकोलॉजी, टीचिंग ऑफ इंग्लिश
2	डॉ. कौशल किशोर	सहायक प्राध्यापक	एजुकेशनल मेजरमेंट एण्ड इवैल्यूएशन, रिसर्च मैथडोलॉजी एण्ड स्टेट्स्टिक टीचिंग ऑफ फिजिकल साइंस
3	डॉ. पायल बनर्जी	सहायक प्राध्यापक	एजुकेशनल टेक्नालॉजी, एजुकेशनल मेजरमेंट एण्ड इवैल्युएशन, साइंस एजुकेशन, करिकुलम स्टडीज, स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन, एजुकेशनल साइकोलॉजी
4	डॉ. संबित कुमार पाढ़ी	सहायक प्राध्यापक	एजुकेशनल मेजरमेंट एण्ड इवैल्यूएशन, रिसर्च मैथडोलॉजी एण्ड स्टेटिक्स
5	सुश्री सोनिया स्थापक	सहायक प्राध्यापक	एलिमेंट्री टीचर एजुकेशन, एजुकेशनल साइकोलॉजी, अर्ली चाइल्डहुड केयर एण्ड एजुकेशन, मेथड्स ऑफ टीचिंग साइंस
6	श्री सुधीर सुदम कावरे	सहायक प्राध्यापक	एजुकेशनल टेक्नालॉजे, एजुकेशनल सिशियोलॉजी, टीचिंग ऑफ इंग्लिश एण्ड सिविक्स
7	डॉ सुजीत मिश्रा	सह–आचार्य	रिसर्च मेथडोलॉजी, लर्नर एण्ड लर्निंग प्रॉसेस, एजुकेशनल गाइडेंस एण्ड काउंसिलिंग, एजुकेशनल असेंसमेंट एण्ड इवैल्यूएशन, टीचिंग ऑफ हिस्ट्री
8	श्री सुनील कुमार सेन	सहायक प्राध्यापक	एजुकेशनल टेक्नालॉजी, एजुकेशनल सोशियोलॉजी, एजुकेशनल मेजरमेंट एण्ड इवैलुएशन, टीचिंग ऑफ मैथेमेटिक्स एण्ड सिविक्स
9	श्री बिंदेश्वरी पवार	सहायक प्राध्यापक	गाइडेंस एण्ड काउंसिलिंग, एजुकेशनल टेक्नालॉजी, टीचिंग ऑफ सोशल साइंस
10	श्री शिव कुमार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
11	श्री राहुल कुमार पांडेय	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	क्लीनिकल साइकोलॉजी, स्पेशल एजुकेशन, हिन्दी मेथडोलॉजी
12	श्री कृष्ण कुमार पाठक	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

- **इतिहास विभाग**

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ अभय कुमार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	इंडियन रिलीजन एण्ड कल्चर
2	डॉ. घनश्याम दुबे	सहायक प्राध्यापक	मार्डन इंडियन हिस्ट्री एण्ड डेवलपमेंट स्टडीज
3	डा. महेश शुक्ला	सहायक प्राध्यापक (अतिथि शिक्षक)	मध्यकालीन भारत का इतिहास
4	प्रो. प्रदीप शुक्ला	आचार्य एवं अध्यक्ष	मध्यकालीन भारत का इतिहास
5	डॉ. सीमा पांडेय	वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक	आधुनिक भारत का सामाजिक इतिहासएवं सामाजिक इतिहास
	डॉ. विपिन तिर्की	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

- **राजनीति विज्ञान विभाग**

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	डॉ. अनुपमा सक्सेना	उपाचार्य एवं अध्यक्ष	पॉलिसी स्टडीज, जेंडर स्टडीज्
2	डॉ. ए.एन. पाण्डा	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	इंडियन–गवर्नमेंट एण्ड पॉलिटिक्स, पॉलिटिकल सोशियोलॉजी
3	डॉ. विवेक हिन्द	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	राजनीतिक सिद्धान्त
4	श्री अवधेश	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
5	डॉ. राम प्रताप यादव	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	इंटरनेशनल रिलेशन एण्ड पॉलिटिकल थियरी
6	सांत्वना पांडे	सहायक प्राध्यापक	इंडियन गवर्नमेंट एण्ड पॉलिटिक्स, रिजनल पॉलिटिक्स
7	डॉ. सुरेंद्र मिश्रा	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	पब्लिक पॉलिसी एण्ड लोकल गवर्नमेंट
8	डॉ. राजकुमार खोसला		

- lekt dk;l foHkkx

Ø-	uke	in	fo'k"kKrk
1	अब्दुल अजीज ई पी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	मेडिकल एण्ड साइकियाट्रिक सोशल वर्क, साइको सोशल इंटरवेन्शन्स, रिसर्च मेथडोलॉजी, ट्रेनिंग एण्ड डेवलपमेंट
2	सुश्री अर्चना यादव	सहायक प्राध्यापक	कम्युनिटी डेवलपमेंट, डिजास्टर मैनेजमेंट, एनजीओ मैनेजमेंट एण्ड सस्टेनेबल रूरल डेवलपमेंट
3	प्रो. प्रतिभा जे. मिश्रा	आचार्य एवं अध्यक्ष	लेवर वेलफेयर एण्ड ह्यूमैन रिलेशन्स, वूमैन एम्पावरमेंट/जेण्डर स्टडीज एजूकेशन, रिसर्च मेथड्स, वर्किंग विथ एल्डरली, कम्युनिटी डेवलपमेंट, रूरल डेवलपमेंट, सोशल वर्क प्रैक्टिस स्किल डेवलपमेंट, हेल्थ सेक्टर
4	डॉ. संज्ञा त्रिपाठी	सहायक प्राध्यापक	फैमिली एण्ड चाइल्ड वेलफेयर
5	सैय्यद फजल चौहान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	ऑर्गनाइजेशन विहैवियर, आक्यूपेशनल सोशल वर्क, एचआईवी/एड्स एण्ड सोशल वर्क प्रैक्टिस, कानफ्लिक्ट मेजिटेशन एण्ड पीस बिल्डिंग
6	श्री विक्रम सिंह	सहायक प्राध्यापक	सोशल डेवलपमेंट, सोशल एक्सक्लूजन एण्ड गवर्नेंस
7	श्री जेवियर विवेक जेरी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

परिशिष्ट - 4

विश्वविद्यालय शिक्षकों का अकादमिक योगदान

(अ) प्रकाशन

1. कला अध्ययनशाला

Ø-	vè;;u'kkyk@ foHkkx dk uke	'kks/k i=		y[k		iLrd@ vè;k;	ekukxkQ	ifLrdk,i @vU;
		अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय			
1	आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग	02	01	–	–	–	–	–
2	हिन्दी विभाग	–	02	–	–	–	–	–
3	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	–	07	–	03	02	–	–
4	ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	08	08	04	01	03	01	–
5	शारीरिक शिक्षा विभाग	06	14	–	–	–	–	–

2. अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला

Ø-	vè;;u'kkyk@ foHkkx dk uke	'kks/k i=		y[k		iLrd@ vè;k;	ekukxkQ	ifLrdk,i @vU;
		अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय			
1	रसायनिक अभियांत्रिकी	–	–	–	–	–	–	–
2	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	03	–	–	–	–	–	–
3	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	–	–	–	–	–	–	–
4	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	10	–	–	–	–'	–	–
5	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	06	02	–	–	–	–	–
6	सिविल अभियांत्रिकी	05	–	–	–	–	–	–
7	सूचना प्रौद्योगिकी	–	–	–	–	–	–	–

3. विधि अध्ययनशाला

Ø-	vè;;u'kkyk@ foHkkx dk uke	'kks/k i=		y[k		iLrd@ vè;k;	ekukxkQ	ifLrdk,i @vU;
		अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय			
1	विधि विभाग	–	–	01	02	–	–	–

4. जीवविज्ञान अध्ययनशाला

Ø-	vè;;u'kkyk@ foHkkx dk uke	'kks/k i=		y[k		iLrd@ vè;k;	ekukxkQ	ifLrdk,i @vU;
		अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय			
1	मानवशास्त्र एवं जनजातिय विकास विभाग	05	04	–	–	08	–	01
2	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	15	–	–	–	01	–	–
3	वनस्पतिशास्त्र विभाग	15	–	–	–	02	–	–
4	न्यायालयिक विज्ञान विभाग	01	03	–	–		–	–
5	जंतुविज्ञान विभाग	06	01	–	–	–	–	–

5- i cèk ,o okf.kT; vè;;u'kkyk

Ø-	vè;;u'kkyk@ foHkkx dk uke	'kkèk i=		y[k		iLrd@ vè;k;	ekukxkQ	ifLrdk,@vU;
		अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय			
1	वाणिज्य विभाग	–	–	–	–	–	–	–
2	प्रबंध अध्ययन विभाग	–	–	–	–	–	–	–

6- xf.krh; ,o lx.kd foKku vè;;u'kkyk

Ø-	vè;;u'kkyk@ foHkkx dk uke	'kkèk i=		y[k		iLrd@ vè;k;	ekukxkQ	ifLrdk,@vU;
		अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय			
1	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	–	–	–	–	–	–	–
2	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग	13	01	–	–	–	–	–

7- ikdfrd llkèku vè;;u'kkyk

Ø-	vè;;u'kkyk@ foHkkx dk uke	'kkèk i=		y[k		iLrd@ vè;k;	ekukxkQ	ifLrdk,@vU;
		अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय			
1	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग	–	–	–	–	–	–	–
2	भैषजिक विज्ञान	30	14	04	05	10	–	–
3	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग	07	06	–	04	–	–	–

8- Hkkfrd foKku vè;;u'kkyk

Ø-	vè;;u'kkyk@ foHkkx dk uke	'kkèk i=		y[k		iLrd@ vè;k;	ekukxkQ	ifLrdk,@vU;
		अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय			
1	रसायन विभाग	10	02	–	–	02	–	–
2	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिक विभाग	45	03	–	–	01	–	–

9- lekt foKku vè;;u'kkyk

Ø-	vè;;u'kkyk@ foHkkx dk uke	'kkèk i=		y[k		iLrd@ vè;k;	ekukxkQ	ifLrdk,@vU;
		अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतर्राष्ट्रीय	राष्ट्रीय			
1	अर्थशास्त्र विभाग	–	–	–	–	1/1	–	–
2	शिक्षाशास्त्र विभाग	15	–	–	–	02		
3	इतिहास विभाग	–	21	–	–	–	–	–
4	राजनीति विज्ञान विभाग	02	03	–	03	01	–	–
5	समाज कार्य विभाग	–	–	–	–	–	–	–

(ब) राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय, संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सहभागिता

Ø-	vè;;u'kkyk@ foHkkx dk uke	vUrjkZ"Vªh; laxks"Bh	jk"Vªh; laxks"Bh	dk;Z'kkyk
1	कला अध्ययनशाला			
	आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग	01	04	03
	हिन्दी विभाग	.	01	.
	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	.	.	.
	ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	03	05	03
	शारीरिक शिक्षण एवं खेल–कूद विभाग	.	02	01
2	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला			
	रसायनिक अभियांत्रिकी विभाग	03	.	01
	सिविल अभियांत्रिकी विभाग	01	.	.
	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	.	02	.
	इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग	01	01	.
	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग	09	.	02
	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	05	06	.
	यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग	.	.	03
3	विधि अध्ययनशाला			
	विधि विभाग	01	01	.
4	जीव विज्ञान अध्ययनशाला			
	मानवशास्त्र एवं जनजातिय विकास विभाग	01	04	.
	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	.	.	05
	वनस्पतिशास्त्र विभाग	.	.	03
	न्यायालयिक विज्ञान विभाग	.	02	.
	प्राणी विज्ञान विभाग	.	.	10
5	प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययनशाला			
	वाणिज्य विभाग	.	.	.
	प्रबंध अध्ययन विभाग	.	.	.
6	गणितीय एवं संगणक विज्ञान अध्ययनशाला			
	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	.	.	.
	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग	08	07	02
7	प्राकृतिक संसाधन अध्ययनशाला			
	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग	.	.	.
	एस.एल.टी. भैषजिक विज्ञान संस्थान	34	.	02
	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग	01	06	04

8	भौतिक विज्ञान अध्ययनशाला			
	रसायनशास्त्र विभाग	05	04	.
	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिक विभाग	02	15	12
9	समाज विज्ञान अध्ययनशाला			
	अर्थशास्त्र विभाग	.	04	.
	शिक्षाशास्त्र विभाग	02	13	.
	इतिहास विभाग	.	11	.
	राजनीति विज्ञान विभाग	01	02	01
	समाजकार्य विभाग	.	.	.

(स) शोध परियोजनाएँः

lpkfyr ifj;kstuk ¼fnukd 01 vçy 2013 l 31 ekp] 2014 rd½

क्र.	योजना का शीर्षक	मुख्य शोधकर्ता	अनुदान संस्था	स्वीकत राशि	स्वीकत पत्र कंमांक एवं दिनांक	योजना की अवधि	प्राप्त अनुदान
1	Neuroendocrine Modulation of Lymphocyte Function in Albino Rat Rattus Norvegicus: Role of Endogenous Melatonin and Catecholamine.	डॉ. सीमा राय	यू.जी.सी.	11.738	F.No.41- 94/2012 (SR) 13 Jul. 2012	3 Years	5,28,800
2	Melatonin Receptor (mt1èmt2) Expression Following Steroid (adrenalègonadal) Induced Toxicity Inlymphocytes(blood & spleen).	डॉ. सीमा राय	यू.जी.सी. बी. एस.आर. (स्टार्ट अप)	6. Lakhs	F.No. 20-1/2012(BSR)/20-3 (3)/2012 (BSR)	1 year	6.00
3	DBT Builder Action of Metatonin on Ovarian Free Radical Laod and Sytokine (s) Secretion in Normal as well as Experimentally Induced Auovulatoary Condition in Rat an Invivo and Invitto Study.	डॉ. सीमा राय	डी.बी.टी.	1.557 Crore	BT/PR7O20/ INF/22/172/2012	-	1.557 Crore
4	Gender Mainstreaming of Information Communication Technology(ICT) Policies and Programme in India 'A Comparative Study of Madhya Pradesh & Chhattisgarh.	डॉ. अनुपमा सक्सेना	आई.सी.एस. एस.आर.	6.9 015 Lakhs	F.No02/287/2011/RP 27 Mar. 2012	2 years	2.568 Lakhs
5	Comparative Study of Policy Formulation process in Madhya Pradesh and Chhattisgarh.	डॉ. अनुपमा सक्सेना	ब्रिटिश अकादमी	Collaborative Project	Details are available at http//www. cspppindia.org	-	-
6	Assessment of Air Pollutants in Tropical Forest of Northern Chhattisgarh.	प्रो. एस.एस. सिंह	पर्यावरण एवं वानिकी मंत्रालय, नई दिल्ली	57.19	F.No. 13-08/2010 RE	-	57.19

क्र.	योजना का शीर्षक	मुख्य शोधकर्ता	अनुदान संस्था	स्वीकृत राशि	स्वीकृत पत्र कंमांक एवं दिनांक	योजना की अवधि	प्राप्त अनुदान
7	Application of RS & GIS for Integrated Management of Hasdeo River Watershed (A Tributary of Mahanadi River) in Chhattisgarh.	प्रो. एस.एस. सिंह एवं प्रो. एस.पी. सिंह	पर्यावरण एवं वानिकी मंत्रालय, नई दिल्ली	50.03	F.No.13/08/2010-RE dt. 14 Jan. 2013	-	50.03
8	Vesicular Arbuscular Mycorrhizal Fungi in Important Forest Species Planted in Entisol Soil of Eastern Chhattisgarh and its Exploitation for the Production of Quality Nursery Stock.	डॉ. के.के. चन्द्रा	यू.जी.सी.	13.82	F.No.42-740/2013 (SR)	-	13.82
9	Thermal Modification of Wood for Improving Physical and Moisture Related Properties of Plantation Grown Species.	डॉ. एम.के. दुबे	यू.जी.सी.	12.84	-	-	12.84
10	Role of Peoples Participation from Forest Protection and Sustainable Ecosystem Management in Janjgir Champa District of Chhattisgarh.	डॉ. गरिमा तिवारी	यू.जी.सी.	6.00	F.20-25(03)2012 BSR	-	6.00
11	MODROB for Pharmaceutics Laboratory.	प्रो. जे.एस. दांगी	ए.आई.सी.टी.ई.	12.00	-	-	12.00
12	Phytochemical Investigations and Anti Sicking Activity Study of Medicinal Plants.	डॉ. व्ही.डी. रंगारी	ए.आई.सी.टी.ई.	19.40	-	-	19.40
13	Phytochemical Investigation and Fracture Healing Activity Studies of Medicinal Plants.	डॉ. व्ही.डी. रंगारी	ए.आई.सी.टी.ई.	12.80	-	-	12.80
14	Design, Synthesis and Pharmacological Evaluation and Novel Combretastatin A-4 Analogues as Anticancer Agent.	डॉ. हरीश रजक	यू.जी.सी.. एम.आर.पी.	10.05 Lakhs	40-275/2011 (SR)	3 years	8.28 Lakhs
15	Dosage Form Development and Evaluation of Phytomedicines of Effective Treatment of Lymphatic Filariasis Disease Prevelant Among Indian Population.	डॉ. एस.के. लांझियाना	यू.जी.सी.	5.14 Lakhs	F.No-41-740/2012 (SR) 23 Jul. 2012	3 years	5.14 Lakhs
16	Synthesis and Biological Evaluatin of Some Novel 2-N Substituted Pthalarine 1-4 Dione Analogues for Their Potential Antihypertensive Activity.	डॉ. के.पी. नामदेव	ए.आई.सी.टी.ई.	12.00	-	-	12.00
17	Lectine Conjugated Multiparticulate Delivery System for the Effective Treatment of H. Pylori Infection.	डॉ. सुनिल कुमार जैन	ए.आई.सी.टी.ई.	12.00	20/AICTE/RIFD/ RSP(Policy-III)	-	12.00
18	Development & Characterization of Natural Biodegradable Polysaccharides Based Multiparticulate Formulations.	डॉ. एस.के. लांझियाना	ए.आई.सी.टी.ई.	20.00	-	-	20.00

क्र.	योजना का शीर्षक	मुख्य शोधकर्ता	अनुदान संस्था	स्वीकत राशि	स्वीकत पत्र कंमांक एवं दिनांक	योजना की अवधि	प्राप्त अनुदान
19	Development of Targeted Nanovector System(s) for Intracellular Delivery of Cytotoxic Agents (SERBèLS-428è2013).	डॉ. शिवानी राय पालीवाल	डी.एस.टी.	27.00	SERB/LS-428/2013	-	27.00
20	Ethanopharmacological Studies of Some Traditional Medicinal Plants.	प्रो. जे.एस. दांगी एवं डॉ. एस.एच. बोडखे	यू.जी.सी. एस.ए.पी.	75.00	F-3-60/2011 dt.13 Jul. 2011	5 years	41.00
21	Synthesis and Biological Evaluation of Histone Deacdetylase Inhiviroea.	प्रो. जे.एस. दांगी	ए.आई.सी.टी.ई./ आर.पी.एस.	14.5 Lakhs	8023/RID/RPS-63/2010-11	2 years	14.42
22	MODROB for Pharmaceutics Laboratory.	प्रो. जे.एस. दांगी	ए.आई.सी.टी.ई.	12.00	-	-	12.00
23	Phytochemical Investigations and Anti Sicking Activity Study of Medicinal Plants of Chhattisgarh State.	डॉ. व्ही.डी. रंगारी	ए.आई.सी.टी.ई.	19.40	20/AICTE/RIFD/ RPS(Policy-III)12/ 2013-14	-	19.40
24	Phytochemical Investigation and Fracture Healing Activity Studies of Medicinal Plants.	डॉ. व्ही.डी. रंगारी	यू.जी.सी.	12.80	42-696/ 2013(SR)	-	12.80
25	Development of Phytoformulations for Crohn's Disease.	डॉ. के.पी. नामदेव	ए.आई.सी.टी.ई.	17.08	8-160/ RIFD/ RPS/ Policy-IV	-	17.08
26	Isolation of Secondary Metabolites and Evaluation of Antisterioidogenic Activities of Some Potential Indian Medicinal Plants Obtained Locally from Chhattisgarh State.	डॉ. दिलीप कुमार पाल	यू.जी.सी.	13.23	-	-	13.23
27	Design and Synthesis of Novel Estrone-Deacetylase Inhibitors for Their Anticancer Activity.	डॉ. हरीश रजक	डी.एस.टी.	27.00	-	-	27.00
28	Development of Colon Targeted New Generation Vaccine Formulation .	डॉ. रवि शंकर पाण्डेय	यू.जी.सी. /एम.आर.पी.	7.228	F.No-41-742/2012 (SR) 23 Jul. 2012	3 years	7.228
29	Photochemical and Pharmacological Evaluation of Some Potential Antigenotoxic Plant.	डॉ. प्रदीप कुमार सामल	यू.जी.सी. /एम.आर.पी.	3.20	F.No-41-729/2012 (SR) dt. 23 Jul. 2012	3 Years	3.20
30	Development of Colloidal Carriers for Mucosal Vaccination.	डॉ. अखिलेष जैन	यू.जी.सी. (स्टार्ट अप)	6.00 l	F.20-1/2012(BSR)/ 20-10(3)/ 2012	2 years	5.40
31	Computational Prediction of Cytochrome P-450 Enzyme Inhibitors.	डॉ. पी.पी. राय	यू.जी.सी.	6.00	20-21 (3)BSR (2012)	-	6.00
32	To Assess the Amtoabuse Potential of Central Histamine Receptor Analogs for Anxiety Related Reinforcing Effect of Nicotine.	डॉ. निशांत एस. जैन	यू.जी.सी.	6.00	20-23(3)BSR(2012)	-	6.00

क्र.	योजना का शीर्षक	मुख्य शोधकर्ता	अनुदान संस्था	स्वीकत राशि	स्वीकत पत्र कमांक एवं दिनांक	योजना की अवधि	प्राप्त अनुदान
33	Pharmacological Evaluation Quality Control and Standardization of Some Potential Antidiabetic Plants.	डॉ. अर्जुन पात्रा	यू.जी.सी.	6.00	20-14(3)BSR(2012)	-	6.00
34	Synthesis Characterization and Antiproliferation of Oxadiazole Derivatives.	डॉ. जगदीश सिंह	यू.जी.सी.	6.00	20-19(3)BSR(2012)	-	6.00
35	Computer Aided Design, Synthesis and Study of Novel PTP-IB Inhibitors as Potential Antidiabetic Agents.	डॉ. सुरेश थरेजा	यू.जी.सी.	6.00	20-19(3)BSR(2012)	-	6.00
36	A Chemometric Way of Strategizing Extraction of Nutraceutical Phenolic Antioxidants with Subcritical Water as An Eco-Convenient Extraction Fluid :An Accelerated Green Approach for Meeting Industrial Demand.	डॉ. विवेकानन्द मण्डल	यू.जी.सी.	6.00	20-27(3)BSR(2012)	-	6.00
37	Design and Synthesis of Some Novel Metal (Co. Ni, Ga Complexes of Biètridentate Ligand(s) as Potential Nucleolytic & Anticancer Agents.	डॉ. संजय के. भारती	यू.जी.सी.	6.00	20-28(3)BSR(2012)	-	6.00
38	Mucoadhesive Chitosan Coated Cationic Nanoemulsion: Ocular Drug Delivery System.	डॉ. के. केशवन	यू.जी.सी.	6.00	20-29(3) BSR (2012)	-	6.00
39	Chemical Characterization of Few Indegenous Plants Chhattisgarh State and Their Evaluation for Therapeutic Potential and Safety Against Experimental Hepatitis.	डॉ. एस.के. निराला	यू.जी.सी.. (स्टार्ट अप)	6.00 lakhs	F.20-1/2012 (BSR)/20-10(3)/ 2012 (BSR), 14 Sep. 2012	2 years	5.40 Lakhs
40	Tunneling Nanotubes Exploration of Possible Target for Anticancer Therapies.	डॉ. एस.के. निराला	डी.एस.टी.	17.08 lakhs	SERC/ LS-0424/ 2010 13 Aug. 2012	3 years	5.00 lakhs
	Ex Situ Conservation Important Medicinal and Aromatic Plants (MAPs) Resources from Chhattisgarh in GGV Bilaspur (CG).	डॉ. डी.के. पटेल	यू.जी.सी.	6.00	F.20-17(3) 2012 (BSR) Feb. 2013	-	6.00
41	Invertigations on the Properties and Optimization of the Matuide for Room Temperature Magnetic Refrigeration Application.	डॉ. सोमा दास	यू.जी.सी.	12.330	42-908/2013 (SR)	-	12.330
42	Process Optimization of Conditions for Extraxction and Purification of Lignin from Agro and Forest Wastes Using Physio-chemical and Biological Approach.	डॉ. बी.एन. तिवारी	यू.जी.सी.	10.03	F-1831/ 2011	3 years	10.03

क्र.	योजना का शीर्षक	मुख्य शोधकर्ता	अनुदान संस्था	स्वीकृत राशि	स्वीकृत पत्र क्रमांक एवं दिनांक	योजना की अवधि	प्राप्त अनुदान
43	Exploring Fungal Diversity from Selected area or Assam Using Biochemical & Molecular Approach for Industrially Important Biomoleculars.	डॉ. प्रदीप वर्मा एवं डॉ. रेनू भट्ट	डी.बी.टी.	30.82	BT/304/NE/ TBP/2012 , 4 Dec. 2012	3 years	30.82
44	DBT Builder Scheme to Boost Interdisciplinary Research in School of Life Sciences (Botany, Biotechnology and Zoology).	डॉ. बी.एन. तिवारी	डी.बी.टी.	369.80	BT/PR/7020/ INF/22/172/ 2012	-	369.80
45	Studies on Diversity of Entomopathogenic Fungi of Chhattisgarh Understanding the Molecular Mechanism of Entomopathogensis for Bioprospecting.	डॉ. बी.एन. तिवारी	डी.बी.टी.	33.64	BT/PR/4484/ AGR/05/570/ 2012	-	33.64
46	Application of Accacia & Rice Husk Liguin in the Synthesis of Biopolymer, Biotiem and Resins.	डॉ. हरीश रजक	यू.जी.सी.	11.268 Lakhs	F-41-543/2012 (SR) 17 Jul. 2012	3 years	7.028 Lakhs
47	Exploitation of Exopolysaccharide Producing BacterialèFungi Strain from Chhattisgarh Having Potent Biotech Applications.	कु. अल्का एक्का	यू.जी.सी.	1.25	F-42-1027/ 2013(SR)	-	1.25
48	Identification of Intermediate Metabolites for Linking Missing Links in the Biosynthetic Pathways of Desired Chemical Constituents in Target Plant Species.	डॉ. प्रदीप नायक	डी.बी.टी.	68.65	BT/01/ CE113/09/V/02	-	68.65
49	Fabrication of Energy Harvesting Prototypes Using Piezoelectric Materials.	डॉ. प्रदीप नायक	डी.आर.डी.ओ.	9.68	118/JUIT-3/DIHAR	-	9.68
50	Genetic Analysis to Avoid Inbreeding of the Endangered Western Tragopan in the Aviaries of Himachal Pradesh.	डॉ. प्रदीप नायक	डी.एस.टी.	11.5	SR/50/A-3-42/2011	-	11.5
51	Development of Business Intelligence Model of Army Personnel's at Higher Altitude.	डॉ. प्रदीप नायक	डी.आर.डी.ओ.	9.90	118/JUIT-12/ DIHAR	-	9.90
52	Design and Development of Nanoparticles as Biochemical Probes and Sensors for the Detection of Biomolecules and Organic Toxicants.	डॉ. के.के. श्रीवास	डी.एस.टी.	24.00	SERB/F/SS07/ 2013-1	-	24.00
53	Synthesis and Characterization of Smart Polymetric Hydrogels Through Free Radical Polymerization Process.	डॉ. आरती श्रीवास्तव	यू.जी.सी.	9.868	F.No. 42-387/2013 (SR)	-	9.868
54	ASYMMETRIC Catalysis Using Carbon Nano Tube.	डॉ. के.व्ही.एस. रंगनाथ	डी.एस.टी.	40.00	-	-	-

क्र.	योजना का शीर्षक	मुख्य शोधकर्ता	अनुदान संस्था	स्वीकृत राशि	स्वीकृत पत्र कंमांक एवं दिनांक	योजना की अवधि	प्राप्त अनुदान
55	Synthesis of Dinuclear Chiral (Salen) CoMXn Complex and Their Catalytic Application Towards Asymmetric Hydrolytic Kinetic Resolution of Terminal Epoxides.	डॉ. एस.एस. ठाकुर	यू.जी.सी.	6.00	-	-	6.00
56	Novel Mesoporous Ru-MCM-48 Materials for the Development of Green Synthesis Methodologies.	डॉ. सुभाष बनर्जी	डी.एस.टी.	27.00 lakhs	-	3 years	27.00
57	Designing & Synthesis of Novel Amino Acids Modified Imidazolium Based Chiral Lonic Liquids for Asymmetric Synthesis.	डॉ. सुभाष बनर्जी	यू.जी.सी.. (स्टार्ट अप)	6.00 lakhs	No.F20-1/2012 (BSR) 20-8(03)/ 2012 (BSR) 30 Oct. 2012	2 years	5.40 lakhs
58	Acess to Novel Imino-èThiosugar Scaffolds from Renewable Bioresources.	डॉ. व्ही.के. राय	सी.एस.आई. आर.	18.00 lakhs	N0.01(2441)/10/ EMR-II dt. 4 Jan. 2011	3 years	6.36473 & 5,59308 Rs.
59	Access to Potentially Antiviral Novel Nucleosides Using Microwave Methodology.	डॉ. व्ही.के. राय	यू.जी.सी.	5.558 lakhs	F-39-764/2010 (SR)	3 years	2.11588 Rs.
60	NHC-èEnamine-Iminum Catalysis in Stereocontrolled Construction of Bioactive Scaffolds.	डॉ. व्ही.के. राय	डी.एस.टी.	26.70 lakhs	No.SR/FT/CS-99/ 2010	3 years	15.00 lakhs
61	Green Enzymatic Routes to Liquid Polyols as Precursor for Polyurethane Manufacturing Towards a Sustainable Development.	डॉ. भास्कर शर्मा	यू.जी.सी.	5.40	-	-	5.40
62	A Novel Amperometric Pesticide Biosensor for Organophosphatesè Carbamates Based on AcetyèCholinesterase Immobilized on Grapheme-Gold Nanoparticles (AuNPs) Composite.	डॉ. मनोरमा	यू.जी.सी.	12.408	-	-	12.408
63	Some Fixed Point Problems in Different Spaces and Their Possible Applications.	डॉ. पी.पी. मूर्ती	यू.जी.सी.	10.436	F.No.42-32/2013 (SR) dt. 12 Mar. 2013	-	10.436
64	Study of Complex Manifolds with Semi- Symmetric Metric and Non Metric Connections.	डॉ. बी.बी. चतुर्वेदी	यू.जी.सी.	6.00	Start up	-	6.00
65	Study of Vegetable Oil Leaching in Fluidized Bed Extr.	डॉ. एस.एन. साहा	यू.जी.सी.	14.56 Lakhs	41-368/ 2012(SR) 17 Jul. 2012	3 years	9.92 lakhs
66	Size Effect and Characterization of Fracture Parameters for Crack Propagation in Concrete.	डॉ. शैलेन्द्र कुमार	यू.जी.सी.	13.868	F.No.42-162/2013 (SR)	-	13.868
67	Normal and Medium Strength Concrete with 100% Recycled Coarse Aggregate.	डॉ. एम.सी. राव	सी.एस.आई. आर.	13.70	No.70(0069)/11/ EMR-II dt. 11 Jan. 2013	-	13.70

क्र.	योजना का शीर्षक	मुख्य शोधकर्ता	अनुदान संस्था	स्वीकत राशि	स्वीकत पत्र कंमांक एवं दिनांक	योजना की अवधि	प्राप्त अनुदान
68	DST-FIST Level-1.	प्रो. पी.के. बाजपेयी	डी.एस.टी.ध् एफ.आई.एस. टी.	80.00 Lakhs	SR/FST/ PSI-180/ 2012, 2012-2017	5 years	-
69	Spl. Grants for Establishing Particle Accelerator Facility(2012).	प्रो. पी.के. बाजपेयी	यू.जी.सी.	1100 Lakhs	F.No-38-5/2011 (CU)	-	-
70	A-UGC-SAP (DRS-1)(B)- SAP-DRS-I Fund of Development of Infrastructural Facilities to Supported Departments.	प्रो. पी.के. बाजपेयी	एस.ए.पी. डी. आर.एस.ए यू.जी.सी.	75.00 Lakhs, 20 Lakhs	F-530/2/ DRS/ 2012(2012-2017) F. 4-1/ 2006 (BSR)/7-406/2012 (BSR) 2012	5 years	3.20 Lakhs
71	Relaxor Behaviour and Dielectric Relaxation in Bismuth Sodium Niobate Based Non-Lead Relaxors: Solid Solutions with Perovskite, Colum Bite and Tungsten Bronze Phases.	प्रो. पी.के. बाजपेयी	यू.जी.सी.	13.49 lakhs	F.No-41-884/2012 (SR) 2012-15	3 years	-
72	Effects of Heavy MetalsèMetalloids Contamination of Soils on Micronucleus Induction in Tradescantia and on Microbial Enzyme Activities.	डॉ. एस.के. प्रजापति	यू.जी.सी.	8.03 Lakhs	41-428/ 2012(SR) dt. 16 Jul. 2012	3 years	4.493 lakhs
73	Density Functional Study of Magneto-Opto-Electronic Properties of Transparent Conducing Oxides(P1).	डॉ. एम.एन. त्रिपाठी एवं प्रो. पी.के. बाजपेयी	यू.जी.सी.	3.55 lakhs	F.No-41-1009/ 2012(SR)(2012-15)	3years	
74	Sythesis and Development of Double Mixed Perovskite Oxide Based Lead Free Piezoceramics.	डॉ. एच.एस. तिवारी	यू.जी.सी.	14.34 Lakhs	F.No-41-954/2012 (SR) 2012-15	3 years	10,29,800

- **स्वीकृत परियोजना (दिनांक 01 अप्रैल 2013 से 31 मार्च 2014 तक)**

क्र.	प्रधान अन्वेषक का नाम	विभाग	फर्म	प्रोजेक्ट का नाम	स्वीकृत राशि (लाख में)
1	प्रो. पी.के. बाजपेयी	भौतिकी	DST	First Programme	85.00
2	डॉ. प्रदीप वर्मा एवं डॉ. रेनू भटट	बायोटेक्नोलाजी	DBT	Exploring Fungal Diversity from Selected Area of Assam Using Biochemical and Molecular Approach for Industrially Important Bio-Molecules (Project Transferred to Central University of Rajasthan Vide order no. 584èDevè2013 Dt. 23-09-2013.	12.89
3	डॉ. प्रदीप कुमार सिंह	बॉटनी	SERB	Isolation and Characterrization of Glomalin Protien Producted by Arbuscalar Mycorrhizal Fungi in Different Stress Conditions.	22.45
4	प्रो. पी. के. बाजपेयी	भौतिकी	DAE (BRNS)	NCAR at GGV, Bilaspur.	500.00
5	डॉ. के. वी. वी. प्रसाद	गणित	UGC	Strart up Grant	06.00

क्र.	प्रधान अन्वेषक का नाम	विभाग	फर्म	प्रोजेक्ट का नाम	स्वीकृत राशि (लाख में)
6	डॉ. भास्कर मुखर्जी	लाईब्रेरी साइन्स	DST	Measuring Scientific Value of Indian Journals: A Pilot Study on Physics, Chemistry, Biology Journals.	12.344
7	डॉ. बी. एन. तिवारी	बायोटेक्नोलाजी	DBT	Studies on the Diversity of Entomopathogenic Fungi of Chhattisgarh Understanding the Molecular Mechanism of Entomopathogenesis for Bioprospecting.	33.64
8	डॉ. भास्कर चौरसिया	रूरल टेक्नोलाजी	UGC	Start up Grant.	06.00
9	डॉ. आर. पी. प्रजापति	भौतिकी	SERB	Linear and Non Linear Instabilities in Dustry and Quantum Plasmas.	11.76
10	डॉ. के. व्ही. एस. रंगनाथ	रसायन	DST (SERB)	Asymmetric Catalysis Using Carbon Nano Tube.	40.00
11	डॉ. प्रदीप दास	भौतिकी	SERB	Synthesis of Topological Insulators and Investigation of Their Topological Proerties by Transport Magnetization, Hall Measurements.	22.56
12	डॉ. मनीष कुमार गुप्ता	गणित	UGC	Strar up Grant	06.00
13	डॉ. कमलेश कुमार श्रीवास	रसायन	SERB	Design and Development of Nanoparticles as Biochemical Probes and Sensors for the Detection of Biomolecules and Organic Toxicants.	24.00
14	प्रो. जे.एस.दांगी	फार्मेसी	AICTE	MODROB for Pharmaceutics Laboratory.	12.00
15	डॉ. व्ही.डी.रंगारी	फार्मेसी	AICTE	Phytochemical Investigations and Anti Sicking Activity Study of Medicinal Plants.	19.40
16	डॉ. व्ही.डी.रंगारी	फार्मेसी	AICTE	Phytochemical Investigation and Fracture Healing Activity Studies of Medicinal Plants.	12.80
17	डॉ. हरीश रजक	फार्मेसी	UGC-MRP	Design, Synthesis and Pharmacological Evaluation and Novel Combretastatin A-4 Analogues and Anticancer agent.	10.05
18	डॉ. संजय लांजीयाना	फार्मेसी	UGC	Dosage form Development and Evaluation of Phytomedicines of Effective Treatment of Lymphatic Filariasis Disease Prevelant Among Indian Populastion.	05.30
19	डॉ. के.पी. नामदेव	फार्मेसी	AICTE	Synthesis and Biological Evaluatin of Some Novel 2-N Substituted Pthalarine 1-4 Dione Analogues for Their Potential Antihypertensive Activity.	12.00
20	डॉ. सुनिल कुमार जैन	फार्मेसी	AICTE	Lectine Conjugated Multiparticulate Delivery System for the effective Treatment of H. Pylori Infection.	12.00
21	डॉ. एस.के. लांजीयाना	फार्मेसी	AICTE	Development & Characterization of Natural Biodegradable Polysaccharides Based Multiparticulate Formulations.	20.00
22	डॉ. शिवानी राय पालीवाल	फार्मेसी	DST	Development on Targeted Nanovector System(s) for Intracellular Delivery of Cytotoxic Agents (SERBèLS-428è2013)	27.00
23	डॉ. हरीश रजक	फार्मेसी	DST	Design and Synthesis of Navel his Tone Deacetylase Inhibitors for Their Anticancer Activity.	27.00

क्र.	प्रधान अन्वेषक का नाम	विभाग	फर्म	प्रोजेक्ट का नाम	स्वीकृत राशि (लाख में)
24	डॉ. राजेश कुमार भूषण	मेकेनिकल (आई.टी.)	UGC	Experimental and Computational Analysis of Fabrication of Metal Matrix Composites(MMCs)	05.27
25	डॉ. एस.के.निराला	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	UGC	Influence of Phytochemicals on Resurgence of Acrylamide Induced Hepato, Nephro and Encephalopathy.	13.29
26	प्रो.बी.एन.तिवारी	बायोटेक्नालाजी	DBT	Studies on Diversity of Entomopathogenic Fungi of Chhattisgarh Understanding the Molecular Mechanism of Entomopathogensis for Bioprospecting.	33.64
27	अलका एक्का	बायोटेक्नालाजी	UGC	Exploitation of Exopolysaccharide Producing BacterialèFungi Strain from Chhattisgarh Having Potent Biotech Applications.	01.25
28	डॉ. प्रदीप नायक	बायोटेक्नालाजी	ICMR	In Vitro and In Vivo Evaluation of Synergistic Effect of Novel Microtubule-Interfering Agent. Amino-Noscapine and Taxotere for Prostate Cancer Theraphy.	42.35
29	डॉ. डी. शुक्ला	बायोटेक्नालाजी	DST (YOUNG SCIENTIST)	Role of GPNMB in Pathogenesis of Bronchopulmonay Dysplasia.	20.20
30	डॉ. डी. शुक्ला	बायोटेक्नालाजी	UGC	Therapeutic Approach for HSPS Syndrome Using Antioxidant and Mitochondrial Biogenesis Enhancers.	10.30
31	डॉ. प्रदीप नायक सह पधान अन्वेषक	बायोटेक्नालाजी	DBT	Chemical Profiling of Turmeric from Different Agroclimatic Regions and Optimization of Environmental Parameters for High Curcumin Yield.	34.52
32	डॉ. प्रदीप नायक सह प्रधान अन्वेषक	बायोटेक्नालाजी	DBT	Establishment of An Assay Using Human Embryonic Stem Cell Derived Cardiac Precursors from KIND2 cells for Cytotoxicity Testing.	45.00
33	डॉ. रेनू भटट्	बायोटेक्नालाजी	DBT	Exploring Fungal Diversity from Selected Areas of Assam Using Biochemical and Molecular Approaches for Industrially Important Biomolecules.	27.00
34	डॉ. आरती श्रीवास्तव	रसायन	UGC	Synthesis and Characterization of Smart Polymetric Hydrogels Through free Radical Polymerization Process.	09.868
35	डॉ. अश्वनी कुमार दीक्षित	वनस्पति	NTPC	Aquatic and Terrestrial Ecological Studies of NTPC Seepat Area.	13.09
36	डॉ. सुधीर कुमार पांडेय	वनस्पति	DST	Plant Specific Emission Patterns of VOC's with Respect to Global Carbon Budget.	25.00

- **प्रस्तुत परियोजनाओं की जानकारी दिनांक 01.04.2013 से 31.03.2014 तक**

क्र.	प्रस्तुत करने की तिथि	शिक्षक का नाम	परियोजना के प्रकार	संस्थान	अनुमानित अनुदान (लाख में)
1	08.04.13	डॉ. अल्पना राम	एम.आर.पी.	यू.जी.सी.	12.00
2	13.04.13	डॉ. हरीश रजक	एम.आर.पी.	डी.एस.टी./सी.एस.आई.आर.	11.96899
3	22.04.13	डॉ. शिवानी राय पालीवाल	एम.आर.पी.	डी.एस.टी./यंग सांईटिस्ट	27.37809
4	22.04.13	डॉ. सुरेन्द्र एच. बोड़खे	माईनर	सी.सी.ओ.एस.टी.	2.00

क्र.	प्रस्तुत करने की तिथि	शिक्षक का नाम	परियोजना के प्रकार	संस्थान	अनुमानित अनुदान (लाख में)
5	25.04.13	डॉ. सुरेन्द्र एच. बोड़खे	एम.आर.पी.	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	30.00
	27.05.13	डॉ. केदार प्रसाद मीना	माईनर	यू.जी.सी.	2.00
	18.05.13	डॉ. भारती अहिरवार	एम.आर.पी.	यू.जी.सी.	14.38
	31.05.13	मीनाक्षी जायसवाल	एम.आर.पी.	सी.सी.ओ.एस.टी.	5.00
	05.06.13	डॉ. शिवानी राय पालीवाल	एम.आर.पी.	सी.सी.ओ.एस.टी.	5.00
	02.07.13	डॉ. बबिता मांझी	मेजर	डी.एस.टी.	23.00
	28.10.13	डॉ. भास्कर मुखर्जी	मेजर	डी.एस.टी.	11.84
	31.10.13	डॉ. रेनू भट्ट	मेजर	यू.जी.सी.	16.48
	17.10.13	डॉ. आर.पी. प्रजापति	मेजर	डी.एस.टी.	11.76
	24.12.13	डॉ. राजेश कुमार भूषण	एम.आर.पी.	डी.एस.टी. (एस.ई.आर.बी.)	76.6
	06.02.14	डॉ. संतोष सिंह	स्टार्ट अप	यू.जी.सी.	6.00
	06.02.14	डॉ. एस.के. वर्मा	स्टार्ट अप	यू.जी.सी.	6.00
	07.02.14	डॉ. भारती अहिरवार	मेजर	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	29.635
	11.02.14	डॉ. भारती अहिरवार	मेजर	डी.एस.टी.	24.98
		डॉ. विनोद डी. रंगारी	मेजर	डी.एस.टी. (एस.ई.आर.बी.)	3.47 Crore
		डॉ. के.पी. नामदेव	मेजर	यू.जी.सी.	12.00
		डॉ. सुरेन्द्र एच. बोड़खे	मेजर	ए.आई.सी.टी.ई.	25.00
		डॉ. निशान्त एस. जैन	मेजर	ए.आई.सी.टी.ई. (एम.ओ.डी.आर.ओ.बी.)	
		डॉ. अल्का मिश्रा	स्टार्ट अप	यू.जी.सी.	6.00
	Nov-13	डॉ. रेनू भट्ट	मेजर	यू.जी.सी.	16.00
		डॉ. जी.के. पात्रा	मेजर	यू.जी.सी.	20.00
		डॉ. जी.के. पात्रा	मेजर	सी.एस.आई.आर.	22.00
		डॉ. आर.एस. ठाकुर	मेजर	यू.जी.सी.	17.46
		डॉ. अनिल चन्द्राकर	मेजर	यू.जी.सी.	19.81
		डॉ. एल.पी. पटैरिया	माईनर	वि.वि. विकास मद	2.95
		डॉ. एस.वी.एस. चौहान	माईनर	वि.वि. विकास मद	3.00
		डॉ. अश्वनी कुमार दीक्षित	मेजर	यू.जी.सी.	23.21
		डॉ. सुधीर कुमार पांडेय	मेजर	यू.जी.सी.	16.08

GURU GHASIDAS VISHWAVIDYALAYA *

CHARTING EXCELLENCE

प्रस्तुत प्रतिवेदन का उद्देश्य गुरू घासीदास विश्वविद्यालय से सम्बन्धित सुचनाएं प्रदान करना है। विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति के बिना इस प्रतिवेदन की सामग्री या छाया चित्रों का पुर्न प्रकाशन नहीं किया जा सकता है।

कुल सचिव, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपर (छ.ग.) 495009
के द्वारा प्रकाशित
दूरभाषः 07752-260209 फैक्सः 07752-260148